





## एताए१ कान भतीक छा. ताता काराशीत ता-देशान व्यान-भूतिश्वती थायः चूनकृष्टिया, त्याः शुरुष्ठाण, त्वतानीभक्ष, जाना

### छा. वावा क्राराश्रीत वा-त्रेमान व्याल-त्रुद्धभूती त्रिष्ठ श्रशावित





















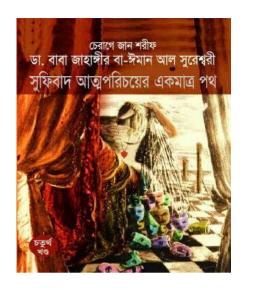
প্রকাশক : নাহিদ শামসেন্তার্ত্রীজ ড় বেদম ওয়ারসী (সুফিবাদ প্রকাশনালয়-এর পক্ষে)

প্রাম : চুনকুটিয়া, ডাক : শুভাচ্যা,

थाना : क्तरानी भक्ष, क्रला : ঢाका

ফোন: 0১৭১১১২৮১৬৯

थ्रकामकान: **১৯ सार्च २००**9



# मुिकताम व्याज्यभितिष्ठ एखत अकसाब भरा (ठलूर्स थड)

#### উৎসর্গ

আমার এ ছোট বইটি আমার বংশের প্রথম পুরুষটির আগমন হতে এ পর্যন্ত যারা আছেন তাদের মধ্যে যাদের সঙ্গে আমার প্রত্যক্ষ যোগসূত্র রয়েছে তাদের সকলের নামে উৎসর্গ করে গেলাম। যদিও বিস্তারিত বংশতালিকাটি আমার দাদার কাছ থেকে পেয়েছি, কিছু সবার নাম লিখা সম্ভবপর নয়। শুনেছি আমাদের আদি বাসস্থানটি হল উত্তর-পশ্চিম সীমান্ত প্রদেশে।

श्रथस पूरुषित नास रला नी रत क्ष क्रांशन। ठाँत प्रल रंगनास धर्स श्ररण करतन श्रवः नासधातप करतन सिग्नाकान। ठिनि ठाँत पूत्र त्मकानत्क मत्म करत श्रांत श्रवः नासधातप करतन सिग्नाकान। ठिनि ठाँत पूत्र तानाकानरे त्करानीपक्ष अपलिया श्रांता त्मकाला प्रति पूत्र तानाकानरे त्करानीपक्ष छेपिकानात श्रांता रेठेनिग्रत्नत पूनकृष्णिया श्राप्त श्रथस तमि श्रांपन करतन श्रवः ठिनि पूर्वेष्टि विवार करतन। श्रथस घरत पूर्वे प्रता : व्यातकान श्रवः नवावकान। व्यातकान श्रवः नवावकान। व्यातकान श्रवः क्रांता श्रवः नवावकान। व्यातकानत ठिन प्रता श्रवः तमारा श्रवः राष्ट्रि सिन्तेष्ठेषिन्न, स्माराम्म पाँषू, स्माराम्म माधू श्रवः कन्या विकान।

साराश्वम नैं एत पूरे प्रता अने सारा : नाकि सुम्हीन, वाकि सुम्हीन अने निर्मात का कि सुम्हीन अने का सारा : ति सारा : ति सारा का कि सुम्हीन अने का सारा : ति सारा : ति सारा के महीन अने कि सारा कि सारा के सिन के स

#### একটি ঘোষণা

या त्नर शुर वर्षे शिष्टा या त्नान मृत्य विक्रि अथवा श्रम् कृतिक भातितन्। रेराक त्र श्रम् अस्ति अस्ति

আরো উল্লেখ থাকে যে, এই বইটি পৃথিবীর যে কোন দেশের যে কোন ভাষায় অনুবাদ করিয়া ছাপিতে পারিবেন।

#### একটি আবেদন

व्याभता स्नाताकावा-स्नामारिकात ठथा धान-माधनात अकि क्रून थूलिष्ट नतिमिक्ती स्माता मिवभूत उपस्कात क्रयनगत देउनियनात जोकाघाण आस्म। मधवठ वाश्नाफिएमत कान भीत-कित अ तक्य अकि क्रून शालनि। व्याभनाफित, विकास करत मुकिवाफ विश्वामीफित निक्षे व्यार्थिक माराया कायना कति।

#### সৃচিপত্র

- ১. व्याप्ति या तनळ हार्रे/১१
- ২. মেজাজি শয়তান ও হাকিকি শয়তানের গবেষণামূলক ব্যাখ্যা ও বিশ্লেষণ/২৫
- ७. गत्वर्यपात साधारम जामन नकलत धात्रपा ए ३ शा या श्र/८ ५
- 8. সুফিবাদের মূলকথা/৫১
- ৫. কোরানভিত্তিক সৃষ্টিতত্ত্ব ৪ অমরত্ব /৫৫
- ৬. কয়েকজন অলীর পরিচিতি/৬১
- ৭. আমানু ও মুমিনুগণের মধ্যে পার্থক্য/৬৪
- ৮. তকদির সম্পর্কে সূক্ষাত্ত্ব/৬৬
- ৯. জেহাদে আসগর ৪ জেহাদে আকবরের মাঝে প্রভেদ/৬৯
- ५०. व्यात्रशास्त्र काशक त्रम्भर्त्क व्यात्माचना/१६
- ১১. জ्वान ३ विष्णात विषया व्यात्नाचना/१८
- ১২. क्वत ३ साकादात सात्य প্রভেদ/१७
- ১৩. स्रतास्त्रत व्यालाचना/५८
- ১৪. विलाएत व्यात्नाप्रना/১०
- ১৫. वाचा ३ श्रापत मात्व श्रक्टम/ ५८
- ১৬. সেজদায়ে তাজিমি সম্পর্কে আলোচনা/১১৭
- ১৭. কোরানভিত্তিক গবেষণার প্রতি উৎসাহ প্রদান/১২৫
- ১৮. কোরানের সার্বজনীন আহ্বান/১৪০
- ১৯. আমার খলিফাদের নামের তালিকা/১৫০

#### व्याभि या तनळ চार्ट

গবেষণা সত্যকে নেংটা করে দিতে পারে। আবার গবেষণা সত্যকে পিছিয়ে দেবার लागाक পরিয়ে দিতে পারে কিনা জানি না। তবে গবেষণার কাজটিকে মহানবী এতই উৎসাহিত করেছেন যে, ভেবে অবাক হই। গবেষণার আর এক নাম যদি জ্ঞান অর্জন করা বুঝায়, গবেষণার আর এক নাম যদি ঠুলি-পরা চোখ দু'টো খুলে দিতে পারা বুঝায়, গবেষণা যদি একটি চাপিয়ে দেগুয়া মিখ্যার খোলস খুলে দিতে পারা বুঝায়, তাহলে সেই গবেষণার আর এক নাম জ্ঞান। নারীর অধিকার চাইবার গবেষণায় যদি প্রাচীর দাঁড় করাতে চায় ধর্মের নামে, তাহলে কি ধর্মটি भिरा तनष्ट, ना य धर्मत नाय कळाशा भातष्ट मिरा वनष्ट? सान्ना फिरा साराश्वमत्क यात्रारे यात्रा कत्रक त्राय ठाएक भत्वस्थात साल-सत्रलात छिडिछला কি নড়বড়ে না শক্ত তারগু গবেষণা হগুয়া উচিত মনে করি। কীভাবে মহানবীর নামে মিখ্যা কথার ঝুড়ি বানানো হয়েছে, গবেষণার মাধ্যমেই সুন্দর ধরা পড়ে এবং পড়তে শুরু করেছে। তাই মহানবী জ্ঞান অর্জনের জন্য সেই দিনের দুর্গম বলে পরিচিত চীন দেশে যাবারও উপদেশ দিয়েছেন। সেই জ্ঞান-গরেষণার মাধ্যমে কোনটা মিখ্যা আর কোনটা সত্য সেটারই সামান্য বিষয় তুলে ধরতে চেন্টা করা হয়েছে এই ছোট বইটিতে। এই গবেষণার কান্সটিকে জোর করে থামিয়ে দিয়ে গতানুগতিকতায় চলার নির্দেশ দিতে গেলেই বিবেকের গায়ে পড়ে জমিদারীর নির্মম চাবুকের আঘাত। আর তখন? তখন নকলের সাথে আসলটাগু বন্যার জলের মত ভেসে যায়। উপসংহার টানে অশ্বীকার। একটা চাপা বিদ্ধোহ এবং ঘৃণা আর অবজ্ঞায় সমস্ত বিষয়টাকে একটা আবর্জনা মনে করে পৌর কর্পোরেশনের व्यावर्জना रक्तना शांकिक ठूट िस्स निष्ठात त्यक हारा। अप्राप्ट सानव सदात अक्षस शानका फर्मन। उथन व्यात रक्तक अत्न नाष्ठिक वानाक रहा ना। वतः नाष्ठिक व्यापनिर रस यारा। त्रव किष्ट्र सदा रस उथन अकिए त्र्पतिकिन्निक छश्चासित नीन नक्ता।

এই ছোট বইটিতে দেখাতে চেয়েছি আমার সীমিত গবেষণার ফসল। হয়তো কেউ ছুড়ে ফেলে দেবে, আবার কেউ হয়তো আদরে হাতে তুলে নেবে। এই স্বাধীন নির্বাচনের অধিকার যে জাতি দিতে চায় না, সেই জাতিকেই মনের অজান্তে সভ্য জাতির দুয়ারে জ্ঞান-ভিক্ষার বাসন হাতে দাঁড়াতে হয়।

उसार्शाएत वासल राष्ट्रिय मध्य छक रहा। सरानवीत काठ मद्धारत मामनासल सरानवीत सरावाधिला लिखिए। এर काठ मद्धता सरानवीत वश्मधतएत उपत श्रिति समिकिए क्रुसात नासाद्धत त्थाश्वा एत्वात मस्र विख्याण व्यात क्रान्य जाता क्रान्य जाता मामामानि एत्र हा हिन निर्माण वात क्रान्य जाता मामामानि एत्र हा हिन निर्माण वात क्रान्य हा मामामानि एत्र हा वात्य वात्य हिन निर्माण वात्र हा मामामानि पात्र सामामानि सामामानि सामामानि सामामानि सामामानि पात्र सामामानि सामा

আমার প্রথম লিখা বইটি ইংরেজি ভাষায় রচিত হয়েছিল ১৯৬৬ সালে। প্রথম প্রকাশের সঙ্গে সঙ্গে আইয়ুব খাঁ-র সরকার বাজেয়াপ্ত করেছিল। কিছু বই বাজারে ছাড়া হয়েছিল। বাকিণ্ডলো পুলিশের ভয়ে আমার স্ত্রী বস্তা বেঁধে পানিতে ডুবিয়ে দিয়েছিল। ভাগ্য খারাপ, সেই বইটির একটি কপিও আমার কাছে নেই। কেবল বইটির একটি পৃঠা বিজ্ঞাপন আকারে ছাপা হয়েছিল এবং সেই পৃঠাটুকু বুকে ধরে রেখেছি। সেই পৃঠাটুকু এ বইতে ছাপিয়ে দিতে চাই এজন্য যে, যদি কারো কাছে ঐ বইয়ের কোন কপি থেকে থাকে, তাহলে উহা পাব এবং পুনরায় ছাপাবো বলে আশা করি।

वासात मिछीय त्रें हित क्रमा तर्णसान रफनी क्रिलाट वासारक ताक्रतिक करत जायाश्वानीत सार्रक किर्ला पाछिरा (क्ष्रया रया विठारत अक तप्तत कार्राक्ष रया अत्र श्राय प्रयास प्रयास क्रमा क्रिला भागत क्रमा क्रमा क्रिला भागत क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रमा

বাংলাদেশের ভেতর বেশ কিছু পীর-ফকিরদের আস্তানায় যাগুয়া আসা করেছি। সবাইকে এক পাল্লায় মাপতে চাইবার ইচ্ছায় নয়। তবে আধুনিক যুগের কিছু কিছু পীর-ফকিরের 'হামসে হাম' ভাবখানায় ডুবো ডুবো ভাবখানা দেখতে পেয়েছি। যার দক্তন সুফিবাদের প্রচার যতটুকু হওয়া উচিত ছিল, তার কিছুই হয়নি বলে सत **२**য়। আগের দিনের রাজা-জমিদারদের চমৎকার একখানি আদর্শ ছিল—'খানা লাগান্ত, বাইজি নাচান্ত, গানা-বাজনা শোন, মন্ততের আগে মন্দির বানান্ত, বুড়ো <u> वश्र जिल्ला अवर रामक रामक विषय प्राथ । अवर रामक रामक रामक विश्व प्राथ । अवर रामक रामक रामक रामक रामक रामक र</u> নেই। গুটা ইউরোপ আর আমেরিকানরা করবে, আর নূতন নূতন মাল আবিষ্কার করবে। আমরা গুদের থেকে কিনে নেব, আর মউজ করবো। সাবাস, সাবাস বলে চাটুকারের দল সায় দিয়ে গেছে, আর হজুরদের দর্শনবাণী গুনিয়েছে, 'হজুর, গুরা গাধা, খাটুনি করে মরছে ইউরোপ আর আমেরিকা।'

কিছু যে সকল পীর-ফকিরেরা সুফিবাদের ধারক ও বাহক, তাদের আস্ত ানায় গিয়ে দেখতে পেয়েছি একদম সাধারণ অবস্থা। ইচ্ছা থাকলেও উপায় নেই। তাপ্ত মরে-পিটে কিছু ছাপাতে গেলে বইণ্ডলোর চেহারা-সুরত এতই নিম্নমানের হয় या, পार्ठक राळ निळ চाয় ना। यूगिंगरे एमक्ति। एमक्ति किषूपा व्याला वर्षेपित চেহারায় বিউটি পারলারের উগ্র ফ্যাশনের বাঁধাই না থাক কিছু কিছুটা মোমপলিশ যে দিতেই হয়। যে যুগরে বাবা! বৈঠকখানায় সাজানো ফুলদানিতে থোকায় থোকায় রংবেরং-এর ফুলপাতা, একদম তরতাজা, মানে ফ্রেশ কিছু প্লাশ্টিকের ফুল পাতা বলে যখন ধরা পড়ে তখন মনটায় একটা কামড় মারে। হযরত ইমাম বুখারী (রঃ) সাহেব তো এরকম ধোঁকাবাজি দেখতে পেলে একটিও राष्ट्रिय विश्वात्ररयागः वत्न श्रर्थ कत्रत्व्यन ना। शानि धामा प्रशिख गाधा धतात কৌশল দেখে হযরত ইমাম বুখারী (রাঃ) একটিগু হাদিস গ্রহণ করেন নি। বিসমিল্লাতেই ধোঁকাবাঙ্গির ম্যাঙ্গিক শো দেখে তিনি তাড়াতাড়ি বিদায় নিলেন। অথচ এ যুগে ধামার ভেতর কিছু থাক চাই না থাক, সেটা বড় কথা নয়। বড় कथा रुन, धाक्षाछात छिक्रारेन, नकमा-नमुना अवः क्रराता-मूतक क्रना माद्व কিনা। নিউজ প্লিন্টের কাণজের বই, কিন্তু উপরের মলাট নামক ধামাটায় একটু জেল্লা বসাবার খায়েস থাকলেই কাজ সেরেছে। ফেল আগে মাল পানি তারপর লগু বইয়ের জেল্লা। যে-না বউ তার উপর এক ডজন দাই। যুগের চাহিদা যদিও নিছক আপেক্ষিক সত্য, কিন্তু এই আপেক্ষিকতাকে কোন যুগেই ফেলে দিতে পারিনি। তাই আমরা অনেক সময় আপেক্ষিকতার উপর ভিত্তি করে সার্বিক সত্যটির উপর কসাইয়ের কুড়াল চালাই। ভাবি, মস্ত বড় একটা কাজ করলাম।

আবার ভাষার ব্যাপারে কোলকাতার কথ্য ভাষাটাই হল হাই সোসাইটির ভাষা। প্রতিটি যুগের এলার্জির খান্দানি ধারাটি কোন না কোন কৌশলে টিকে আছেই। সংষ্কৃত ভাষা কোন এক যুগে ছিল হাই সোসাইটির ভাষা। তখন কোলকাতার কথ্য ভাষা ছিল সাহিত্যের প্রশ্নে অখাদ্য। তারপর মাইকেল আর বিষিম বাবুদের কাছে হাতির হাই সোসিয়াল ভাষাটি হল প্ররাবত এবং আরো কত কী যুক্তাক্ষরের ঠেলা। একদিন ফরাসিরা বিলেতের লোকদেরকে চর অঞ্চলের লোক বলে গাল দিত এবং এদের ভাষা মুখে উচ্চারণ করাটাকে পাপ মনে করতো। গুনলে অবাক হবেন, এ যুগের কিছু কিছু ফরাসি আছে যারা ইংরেজি ইচ্ছা করে শেখে না। জানেন কি? ফরাসি প্রেসিডেন্ট ফ্রাসোয়াঁ মিতেরাঁ কি ইংরেজি ভাষা জানেন? আমার মুখে না গুনে একটু খোঁজ নিয়ে দেখুন না!

শুনেছি ব্যাকরণ লেখককে অনুসরণ করবে। তাই আমার মত ফইচকা লেখকগু ইচ্ছে করেই সাধু এবং চলতির মশ্রিণ ঘটিয়েছি। এতে পাঠক যদি তুল ধরতে চান, ধরবেন। প্রতিবাদ তুলেগু করবো না। কারণ লিখতে চেয়েছিলাম উপন্যাস আর ছোটগল্প। কিন্তু ঐ যে কিসমতের লিখন। বানাবো শিব, হয়ে গেল অন্য একটা। ধর্ম লিখতে ভাষা লাগে না। লাগে দলিল, প্রচুর দলিল। একদম মাপা পথে গাড়ি চালাতে হবে। ট্রেন যেমন মাপা পথে চলে। স্বাধীনতার প্রশ্নই উঠতে পারে না। এমনকি দলিলের ব্যাখ্যাটুকু লিখতে গেলেগু ব্যাখ্যার দলিল থাকতে হবে। কী যে কেন্ট করতে হয়!

বদরের যুদ্ধটি ইসলামের বাঁচা-মরার যুদ্ধ ছিল। তাহলে বদরের যুদ্ধের দাম কতটুকু হতে পারে? অথচ এই পবিত্র বদরের যুদ্ধটির একটি আমা (ডামি) দাঁড় করিয়েছে বাংলাদেশের স্বাধীনতার যুদ্ধে কারা? গরুর বাচ্চা অকালে মারা গেলে গরুর দুধ পাবার আশায় মরা বাচ্চার ছাল দিয়ে তৈরি করা হয় একটি ভামি। যাকে চলতি ভাষায় 'আমা' বলা হয়। সেই আমাটির নাম ছিল 'আল বদর' বাহিনী। কী চমৎকার নাম! সেই আমাটি ব্যবহার করে শ্বাধীনতার দুধ সঞ্মহ করতে চেয়েছিল যারা, তারা মুসলমান নামের জঘন্য কলঙ্ক। তারা গাধা আর ঘোড়ার মিলনের খচ্চর নামের শঙ্কর ছিল। সেই খচ্চরদের আকাম-কুকামের কথা সবারই জানা আছে। আজগু তারা বহাল তবিয়তে বেঁচে আছে। সমাজে মাথা উঁচু করে, ধর্মের নামে ভণ্ডামির ডুগড়ুগি বাজিয়ে, সরল মুসলমানদের যাদুর ভেল্কি দেখিয়ে দলে টানার কত রকম কৌশল তৈরি করে চলছে একের পর একটি করে। এই পুরাতন খচ্চরেরা ইসলাম নামে কয়টি মাসিক পত্রিকা বাহির করছে। তাঙ আবার 'আল বদরের' মত পবিত্র স্থানগুলোর নামে। ইসলামের নামে মিঠা মিঠা লিখা দেখলে আপনার মনে হবে এরা কত বড় গণতন্ত্বের পূজারী! এদের পত্রিকায় काद्वा नात्म অভिযোগ করা হলে সাংবাদিকতার নীতি অনুসারে প্রতিবাদ করার যে অধিকারটি সর্বজন শ্বীকৃত সেটার কোন সামান্যতম প্রয়োজন আছে বলেগু এরা মনে করে না। বিবেক পাথর হয়ে যায়। শূকর বনের এক শ্রেণীর পশু, কিছু এদের আকাম-কুকাম দেখলে শূকরগু শরমে পালিয়ে যাবে। মধ্যপ্রাচ্যের এক নেতার মাথার উপর দুইটি শিং গজানো রাক্ষস-মার্কা ছবির পোস্টার ছাপিয়ে দেয়ালে लांशिख एत्वात क्रना कान अक मृठावात्र रूळ गठ गठ तिक्ष माक्षि कांशक यात **सा** हा भानभानि श्रास्त्र किष्टू श्राग्हें। त ए सा ना भिरस वाकि का भक्त अ भानभानित খেলাটি হজম। কিছু ভাগ-বাঁটোয়ারা নিয়ে গুঁতাগুঁতিতে এসব গোপন কথা ফাঁস रुख याट्या (यभन अनि या, जाकाळिता সোनामाना जाकां कि कतात अत अर्हे সোনাদানার ভাগ-বাঁটোয়ারা নিয়ে ডাকাতে ডাকাতে মারামারি করে। চিন্তা कक्रन, এরা কীরকম বৈজ্ঞানিক ইসলামের আগুা হাতে খাসা চিজ্ঞ! এদের চিড়িয়াখানায় রাখা হলে কীরকম মানাবে? অথচ এরাই যাদেরকে ইয়েলো कार्नानिकस्मत गानि फिर्य नामिक नामिक तत्न किश्कात एक करत प्रयु जारित সাপ্তাহিক কাগজগুলোতে অনেক বেশি গণতন্ত্রের কথা পাগুয়া যায় পরিষ্কার পানির মত। এমনকি সেই সব সাপ্তাহিক কাগজগুলোর বিরুদ্ধে জঘন্য ভাষার গালাগালিণ্ডলো পর্যন্ত হুবহু ছাপিয়ে দেয়। যদিগু রাজনীতির কিছুই বুঝি না এবং বুঝবার আগ্রহটিগু নেই, তবু বড় ছেলের কিনে আনা পত্রিকাণ্ডলো, যেমন– পূर्वाভाস, খবরের কাগজ, আগামী, এই সময় ইত্যাদি অলস সময়ে হাতে निয়ে পড়তে শুরু করি এবং অবাক হয়ে অনেক কিছু ভাবতে বাধ্য হই। সম্ভবত আমার আর এতই ভাল লেগেছে যে আমি অধম তাকে প্রায়ই দোয়া করি। খাজা বাবার মাজারে দাঁড়িয়ে চোখের জলে কিছু চাইতেছিলাম। এমন সময় সেই শ্লেয়েটির লিখা মনে ভেসে আসতেই তার জন্য খাজা বাবার কাছে কিছু চাইলাম। অথচ व्यक्ति क्या प्रारं सराव सात्क व्याक्रश्च प्रिंचि। प्रारं सात्यत निशा क्यपि नार्वेव रुवर তুলে ধরলাম : 'ধর্মের দালান-কোঠা যদি মানুষে মানুষে ভালবাসা নষ্ট করে, তবে এই পৃথিবী থেকে ধ্বংস হয়ে যাক মন্দির, মসজিদ, গির্জা ও প্যাণোডার সকল অষ্টিতৃ। ইট-সুড়কির চেয়ে মানুষ বড়। ইট-সুড়কির চেয়ে ভালবাসা বড়।' মায়ের এ কথাণ্ডলো যদি অধর্ম হয়ে থাকে তাহলে আমার মত ক্ষুদ্র ইসলাম গবেষকের জানা নেই ধর্মের ভাষা কোনটি।

सर्मत पुन्ति ति ते ते हैं जिल्हें (क् वित्राना) किया असनलात एटक व्याद्ध हिंदा, अहीति के दूर राज पुन्त सत ना कर्त मति ते करा सत राज भारत हिंदा है। है उठीति के साम कर्त मान क्रिंत सिंदा के साम अहा है। है करा लिख राज पानि वाद्ध करा मान क्रिंत नाम अहा करा है। विक्र राज है करा मान क्रिंत करा करा है। विक्र राज है करा मान क्रिंत करा करा है। विक्र राज है करा मान क्रिंत करा करा है। विक्र राज है। विक

সবাইকে দিয়ে দেবার কথা প্রকাশ্যে ঘোষুণা করা হয়েছে।

जाना के तो क्यां के लिए के लिए के व्यां के तो क्यां के लिए के लिए

#### गत्वसपासृलक व्याश्या ७ वित्यूसप

শয়তান দুই প্রকার : শরিয়তি শয়তান গু মারেফতি শয়তান। শরিয়তি শয়তান অকর্তা, নিষ্ক্রিয় এবং অথর্ব। মারেফতি শয়তান কর্তা, সক্রিয় এবং বিচরণশীল। শরিয়তি শয়তান আসলে কোন শয়তানই নয়। শরিয়তি শয়তান একটি মোটামুটি ধারণা দিতে পারে। এর বেশি কিছু করার কোন প্রকার ক্ষমতা শরিয়তি শয়তানের নাই এবং বিধান রাখা হয়নি। এক কথায়, শরিয়তি শয়তান মারেফতি শয়তানের কাজ-কাম কেমন হতে পারে তার একটি ধারণা দিতে পারে।

শরিয়তি শয়তান তিন প্রকার। মারেফতি শয়তান চার প্রকার। শরিয়তি শয়তান একটি সুনির্দিন্ট স্থানে অবস্থান করে। মারেফতি শয়তান চার প্রকার এবং এই চারটি শয়তানও মাত্র দুইটি নির্দিন্ট স্থানে অবস্থান করে। শরিয়তি শয়তান নামেমাত্র শয়তান, তবে মূল্যহীন নয়। মারেফতি শয়তান ভয়ংকর এবং যত প্রকার অপকর্ম আছে তা তৈরি করে। মারেফতি শয়তানটাকে পরিচয় করিয়ে দেবার জন্যই শরিয়তি শয়তানটি রাখা হয়েছে। সত্যকে পরিচয় করিয়ে দেবার জন্য অনেক সময় রূপকের প্রয়োজন হয়। রূপকের আরেক নাম মেজাজি। এই মেজাজি শয়তানকেই শরিয়তি শয়তান নামে বলা হল। মারেফতি শয়তানটি হল আসল শয়তান। আসলকে বলা হয় হাকিকি। তাই নাম দিলাম মারেফতি শয়তান। তাহলে কী দাঁড়ালং একটি রূপক হাকিকি শয়তান। রূপক তথা মেজাজি শয়তান তিন প্রকার এবং তিনটি স্থানে দাঁড়িয়ে থাকতে হয় এবং নড়াচড়া করার কোন ক্ষমতা বা অধিকার দেওয়া হয়নি এবং সমগ্র পৃথিবীর মধ্যে মাত্র একটি দেশে পাওয়া

याश्च, সেই দেশটির নাম সৌদি আরব। আবার বিশাল সৌদি আরবের মাত্র **अक्टि नगतीळ পाछ्या याय, नाम रुल मका नगती अवर अर्थ नगतीत প**ष्ट কোরবানির মিনা নামক স্থানে তিনটি শয়তান পাগুয়া যায় : বড় শয়তান, মেঝো শয়তান এবং ছোট শয়তান। প্রত্যেক হাঙ্গিকে হঙ্গু করার সময় এই তিনটি শয়তানকে পাথর ছুঁড়ে মারতে হয়। হজু পালনের যে কয়টি অনুষ্ঠান পালন করতে হয়, এই তিনটি শয়তানকে পাপর ছুঁড়ে মারাটিগু তার একটি অনুষ্ঠান। অনুপরিমাণ সত্য অনুঠানের মাঝে লুকিয়ে আছে। অনুঠানগুলোকে যথাযথভাবে পালন করার নামই শরিয়ত। শরিয়ত বাহির দেখে যথার্থতা প্রমাণ করবে। কারণ ভেতরের অংশটুকু দেখা শরিয়তের অংশে আসে না। সুতরাং বড়, মেঝো এবং ছোট তিনটি শয়তানকে শয়তান বলে মানতে হবে, যদিগু হাকিকতে তিনটির একটিগু শয়তান নয়। এই তিনটি শরিয়তি শয়তান এজন্যই রাখা হয়েছে যেন আসল শয়তান তথা হাকিকি শয়তানণ্ডলোকে চিনতে পারে, জানতে পারে এবং পরিষ্কার বুঝতে পারে। আসল শয়তান তথা হাকিকি শয়তান হল চারটি : ইবলিশ, শয়তান, মরদুদ এবং খান্নাস। এই চারটি শয়তানগু আবার আল্লাহর সমগ্র সৃষ্টিজগতে মাত্র দুইটি স্থানে থাকে এবং আর কোখাগু থাকে না এবং থাকার কোন আইন আল্লাহ পাক রাখেন নাই। সেই দুইটি স্থানের নাম হল, এক জিনের অন্তর এবং অপরটি মানুষের অন্তর। দুর্বল ঈমানের দরুণ অনেকে জিনের বিষয়টি সযতনে এড়িয়ে যায়। এই দুইটি অন্তর ছাড়া আসল তথা হাকিকি শয়তানের থাকার আর অনুপরিমাণ স্থানটিগু রাখা হয়নি। কারণ, সমগ্র সৃষ্টিরাজ্য তৌহিদে বাস করে এবং তঙ্গবি পাঠ করে। তৌহিদের ঘরে শয়তান থাকতে পারে না এবং थाकवात वार्रेन नार्रे। या व्याकाम रूळ मञ्चलान वाष्ट्रतित शाला निस्क्रिप कर्त्व, उरा জिন ৪ মানুষের মনের আকাশ। পৃথিবীর উপরের আকাশ নয়। কারণ পৃথিবীর উপরের আকাশটি তৌহিদে বাস করে। নবী-রসুলের কাছে যে ৪হি আসে সেটা এক বিষয় আর মৌমাছির কাছে যে ৪হি আসে সেটা সম্পূর্ণ অন্য বিষয়। এই পার্যক্যটুকু ধরতে না পারলেই সব বিষয়ে তালগোল পাকিয়ে যায় এবং গোঁজামিলের

জন্ম এখান থেকেই শুক্ত হয়ে যায়। আসল তথা হাকিকি শয়তান মন্ধার মিনাতে থাকে না, থাকে হাজিদের অমুৱে। ইবলিস মাটিতে থাকে না বরং থাকে জিন এবং सानुरस्त অন্তরে। सत्रपूर्ण सत्तिरिक्त शांकि ना, शांकि किन वर्ष सानुरस्त अन्तर्त। सानुरस्त अन्तर्ता सानुरस्त अन्तर्वा सानुरस्त अन्तर्वा सानुरस्त अन्तर्वा वात्रवात स्वा ताथक रूप सानुरस्त अन्तर्वा वात्रवात स्व ताथक रूप किन वर्ष মানুষের অন্তরে থাকে এবং আর কোখাও থাকতে পারে না এবং থাকার সামান্ত আইনগু রাখা হয়নি। এই প্রাথমিক সুত্রটি জানা না থাকলে ইসলামের মূল রহসুটি वाचा वर्डे कुछकूत रख १८५। सन्ति भूत्मस सत करत ख, गराठीन वारित शाल, अवं अष्ट वाहित्व शालातं धात्रभीिष्ट हैमलाभूत्क वृत्रवात मृत्तिपूर्व वर्ष्ट्र वर्ष्ट्र वर्ष्ट्र वर्ष्ट्र वर्ष्ट्र रस मंजास। सानुस छोवळाडू छास ना स्मा संस्थानिए जात खाँद्वांड नुकिस्स खाएए। ধর্ম কারণ আছে। কারণটি হল, জাগতিক মান্বসভ্যতাটি তো মানুষ অন্তরের ভিতর শয়তানকে রেখেই গড়ে তুলেছে। হয়রত দাউদ আর হয়রত সোলায়মানের অনেক কান্তকাম জিনেরাই করেছে কিন্তু কোরান জিন শব্দটি ব্যবহার না করে শয়তান শব্দটি ব্যবহার করেছে। শয়তান মানবসভ্যতার জাগতিক পথে বাধা হয়ে দাঁড়ায় না। বাধা হয়ে দাঁড়ায় যখন আল্লাহ্র নৈকট্য লাভের আশায় ধ্যান-সাধনায় মশণ্ডল হতে চায়। আল্লাহর রহস্য জানবার পথে সাধকের প্রতিটি ধাপে চলে শয়তানের উনিশ প্রকার ধোঁকার উনিশ প্রকার অস্ত্র। শয়তান কিছুতেই সাধককে শেষ লক্ষ্যে যেতে দিতে চায় না। বারবার বাধা হয়ে দাঁড়ায় অনেক রকম অস্ত্র হাতে নিয়ে। তাই সাধককে সব সময় শয়তানের সঙ্গে যুদ্ধ করতে হয়। এই যুদ্ধরত অবস্থাটির নাম হল নফ্সে লাউয়ামা। যখন সব রকম বাধা সাধক একটি একটি করে পার হয়ে যায় এবং আর কোন ধোঁকাই কাজে আসে না, তখনই সাধক শান্ত হয়ে যায় এবং পরিপূর্ণ তৃপ্ত হয়ে যায়। পরিতৃপ্ত অবস্থাটির নাম হল নক্সে মোতমায়েন্না। এখানে আর শয়তানের কোন কাজকাম চলে না। শয়তান একদম বেকার। সাধক এই অবস্থানে যখন আসতে পারে তখনই জান্নাতের তথা মুক্তির বারতাটির সার্থকতা দেখতে পায় এবং পরিতৃপ্ত হয়ে যায়। সুতরাং জেহাদ দুই প্রকার, একটি শরিয়তি তথা মেজাজি জেহাদ এবং অপরটি আসল তথা অপরটি আপনার ভিতর লুকিয়ে থাকা খান্নাসরূপী শয়তানের বিরুদ্ধে জেহাদ। দুইটি জেহাদেরই একটি শর্ত জুড়ে দেওয়া হয়েছে। শর্তটির নাম হল, ফিছাবেলিল্লাহ তথা আল্লাহর পথে। তবুকের যুদ্ধে জয়লাভ করার পর মহানবী সাহাবাদের বলেছিলেন, 'এবার তোমরা আসল জেহাদের দিকে অগ্রসর হতে চেউটা কর।'

শয়তান যেমন দুই প্রকার, একটি বাহিরের অপরটি ভিতরের, দুইটির একটিকেও অশ্বীকার করা চলবে না। অশ্বীকার করলে সমাজ জীবনের ভারসাম্য দুর্বল হতে পারে। তবে যারা মাজুব, যারা গালবাতের মাঝে ভুবে থাকেন, তাদের কথা সম্পূর্ণ আলাদা। এজন্যই মহানবী আবদুহদের কোন প্রকার এবাদত-বন্দেগির ছকে ফেলতে মানা করেছেন (মেশকাত শরীফ–ছয় হাজার সতের নম্বর হাদিস)। সুতরাং আমরা পরিষ্কার দেখতে পাই যে, ইসলামের প্রায় বিষয়গুলোর দুইটি দিক আছে : একটি বাহিরের দিক এবং অপরটি ভিতরের দিক। বাহিরের দিকটির উপর গবেষণামূলক ধ্যান-ধারণা থাকলেই ভিতরের বিষয়টা কম-বেশি ধরা পরতে বাধ্য। যাকে যতটুকু বুঝবার এবং ব্যাখ্যা করবার রহম আল্লাহ কর্তৃক

দেগুয়া হয়ে থাকে, সে ততটুকুই বুঝতে পারে। তাই এই বুঝবার শক্তির আদান-প্রদান হলে জ্ঞান গু রহস্যলোকের বিষয়গুলো সাধারণ মানুষ বুঝতে না পারলেগু অশ্বীকার করবে না।

कातप, तञ्जितिकात्नत विषय्रभ्यता यण व्यवाक कता विक्रान रुउँक ना त्कन, সাধারণ মানুষ তো দূরের কথা একদম গণ্ডমূর্খন্ত মেনে নিতে বাধ্য হয়। কারণ, विकान नात्क-मुत्थ घृषि व्यात छड़-शाश्रड़ स्मद्ध स्मद्ध वूबाटा शात्क, रामन क्रून-ছাত্রটিকে শিক্ষক কড়া শাসন করে বুঝাতে চেন্টা করেন। তেতো ঔষধের মত। খেতেই যখন হবে তো নাক-কান বন্ধ করে গিলতে থাকে। রহস্যলোকের ভেদ রহস্য তো আপন দেহে অবস্থান করে। তাই এই রহস্য দেখানো যায় না। পাইকারিভাবে এই রহস্যটি দেখানোর বিধানটি থাকলে আল্লাহ্র পরীক্ষা করার विधानि व्यात शास्त्र ना। यिष्ठ कथाता कथाता प्रशासा राख शास्त्र, ठारक छ স্পষ্ট যাদু বলে অশ্বীকার করে বসে। ভূরি ভূরি উদাহরণ তুলে ধরা যায়। এই মারেফতি জ্ঞান গোপন। গোপনটিকে আল্লাহপাক সবার কাছে প্রত্যক্ষভাবে তুলে थर्त्रन ना। कार्त्रप ठारुल भर्तीका वल जार्त्र किष्टू थार्क ना। जाल्लारत विभान সৃষ্টিজগতের মাঝে কোথাও সামান্য ভুল নাই এবং থাকতে পারে না। আমরা বুঝতে পারি না, তাই মনে মনে অনেক ভুল-ফ্রটি দেখতে পাই এবং অনেকে এই ভুল-ক্রটি (?) তুলে ধরতেও কুণ্ঠাবোধ করেন না। পৃথিবীর পানি এবং গাছ যদি কালি-কলম হয়, তবু কোরানের ব্যাখ্যা লিখে শেষ করা যাবে না। অথচ আমরা ব্যাখ্যা লিখাটাকে শেষ মনে করি। অনেকে তো কোরান বুঝাবার সহজ ফর্মূলা পর্যন্ত আবিষ্কার করে বাজারে বই আকারে ছেড়েছেন। যারা কোরান বুঝাটা সহজ सानूस त्रविष्ठ विद्या विद्या

छल मश्रागिक वाहित (शाँकात िष्ठा करत। सकात िस्नाट य िनिं मश्रागि मंग्रागित मंग्रिय वाह्य हैं हा त्राप्त मश्रागित, श्राणित मश्रागित, याह्य हैं हा व्याप्त मश्रागित मश्रागित, याप्त हैं हैं व्याप्त मश्रागित हिनित्य प्रिवात कन्य वानाता हत्यहा। व्याप्त मश्रागित सानूष वानाट पाद ना अवः वानावात विधान नाह। त्राप्त उथा सिक्षािक मश्रागित ना थाकल व्याप्त व्याप्त उथा विसूर्ण, याहात व्याकात नाह, याहा ट्राथि प्रथा याश्र ना, प्रहें मश्रागिति धात्र वाना करा कर्णकत हैं।

सकात कावा घति उसिन त्रभक कावा, श्रजीकि कावा, सिकािक कावा, শরিয়তি কাবা। আসলে এই রূপক তথা মেজাজি কাবাঘরটিকে বানানো হয়েছে আসল কাবাটিকে চিনিয়ে দেবার উদ্দেশ্যে। আসল কাবা মানুষ বানাতে পারে না এবং বানাবার বিধান নাই। রূপক কাবাটি না থাকলে আসল তথা বিষূর্ত কাবাটির ধারণা করা কন্টকর হত। আসল তথা হাকিকি কাবাটি হল মোমিনের **फिल। छार्टे वला रुग्न, स्नाक्षित्वत फिलकावा**ष्टि रल व्यात्रल कावा। শतिग्रिक कावात व्यनुष्ठानञ्चलात सक्षा जाशाक कतळ रश, ज्यानि स्मामितनत फिल-कावार्षिक राकिकि छाशाक कत्रळ रश। सामिलत फिल-कावात छाशाक कताएँ।र व्यात्रन रक्ष। এজন্যই কোৱান বলছে যে, আল্লাহ মোমিনের সঙ্গে থাকেন, কিন্তু হাজিদের সঙ্গে আল্লাহ্ থাকে এই রকম একটি মাত্র কোরানের আয়াতগু নাই এবং থাকতে পারে না। কারণ মেজাজি কাবার মেজাজি তোয়াফ মেজাজি হাজিদের করতে হয় বলে, 'ইন্নাল্লাহা সাআল হজ্জাজ' তথা 'হাজিদের সঙ্গে আল্লাহ্ থাকেন' এই রকম একটি আয়াতগু কোৱানে নাই। মেজাজি শয়তানকে মেজাজি পাথর মারলেই হাকিকি শয়তান হতে মুক্তি পাগুয়া যায় না। যতবারই 'আউজুবিল্লাহে মিনাশ শাইতোয়ানোর রাজিম' পড়ি না কেন, শয়তান হতে মুক্তি পাগুয়া যায় না, অথবা শয়তান ছেড়ে দেবে না, কারণ রূপক সত্য নয়, বরং সত্যকে চেনার পথে সহায়কের ভূমিকা পালন করে।

রূপক আর আসল এক নুয়। তবে রূপেক ূআসলের পুরিচয়ের সুন্দর ব্রাহন্। ञ्चलकू त्रभग्न ञ्राप्तनत्क वाष्ट्र फिर्स ज्ञुनकिंग्टिक अक्षाञ्ज विषय भल् केरत निलर्श বিষয়টি আনুষ্ঠানিকতার গণ্ডিতেই সুমানিকে থেকে যায়। তখন আসল্টি অনুষ্ঠানের চাপে হারিয়ে যায়। কেউ আসুলটি তুলে ধরুতে চাইলে রূপকের বিশ্বাসই গালি <u> (५वात नाना तक्स ফতোয়া ६०० शीकि। अर्थ ফতোয়ার আবর্জনায় সত্য ফেকে</u> যায়। তবে চিব্লুতরে ঢাকা যায় না। কিছু গবেষক বারবার আসল বিষয়টি তুলে ধরে এবং জ্ঞানারা বুঝতে পারে এবং গ্রন্থী-বর্জনের ফেরকারাজি, ঝণ্ডা এমুনীকি মারামারিতে গিয়ে ঠেকে। গবেষকেরা কিন্তু রূপকটিকে কোন দিনই অস্বীকার कर्त्व ना। শुদ्धात मन्ह्र वर्त्वात्युः, त्र्वभरकत् श्रीसाञ्चन चाष्ट्र। छत्व त्र्वभकीं धार्छं है व्यात्रन नर्रो वर्तः व्यात्रनर्क विनिद्धं फूवात् वारन साध। व्यापान वृद्धे राठ रत्रः वनन जा, मकात मिनाज ज़्वांग्रेज जिनीए वसु, सित्या अवः प्रिणि गराजान कि व्यात्रन भराठान? ना, स्नाटिंह ना। तनर्तन, ब्रेडस्ना स्पूर्क भराठान। ब्रेड्स्नात् প্রয়োজন আছে আসল শয়তানের পরিচয় পাবার জন্য। কিন্তু যারা এই তিনট্র त्रभक **भग्न**े गांत्र वात्र मांत्र मांत्र कर्ता क्षा करते. जाप्तरीक विवास का शाकक भारत? याता कार्रंश वाश्वन दिया व्याक्क ठाइँटन व्याक ठाइँटन वा, र्गाप्तर्त बाल्लार्त राज एड फिरारे किता कि अर तिथक रामातार यथन <u> क्रिक्ट बातक व्यार्ट्स, नाना तुर्केश शालाशृत्ति एत्य ब्रेंचि क्रांत कृत्व मुश्र वेश्व कर्त</u> फिट्टे **छा**यु. युश्व की कता छैठिए? व्याभीवर्रे तत्न फिन्। अ**छात्वर्रे धर्म**ीवेख व्यक्तक **छम বোঝারীঝর সাঁফ হয়েছে এবং এখুনো হচ্ছে। য়াদ কোন গবেষক বলেন যে**, क्षेेंभक छिन्छि भग्नेछोत्नत भछ कावा घर्तछि क्षेत्रक। रेंरा व्यात्रन कावा नग्न। व्यात्रन कावा स्मोंभंतव हिल। यात स्मोंभंतव हिल योह कावा रघ का सर्रे कावा छात्र कावा। याम कान भरवसक वर्तन या, ज्ञांभक छिनछि भग्नछान व्याप्रन भग्नछान नग्न, আসল শয়তান জ্যান্ত শয়তান এবং শয়তানের কাজ-কামণ্ডলো ভয়ংকর এবং প্রকাশ্য শত্র্ণ। রূপক শয়তান মৃত। সূতরাং মৃত সুয়ুতানের কোন কান্ধ-কাম ুথাকে না। কেবল আসল এবং জ্যান্ত্র শয়তানৈর পারচয়ুটি মনে করিয়ে দেগুয়া। কেউ মনে করতে পারে. আবার কেউ পারে না৷ তাই অনুষ্ঠান এবঃ আসল বিষয়াঢ় माञाभागि कता रुप्त रय, मतिर रुप्त ना अतु भार्त्य व्यात्रिम विषयोगि श्रष्टत छार्त नुक्ति बाष्ट्र। अर्थे जुन्छला बाध्वाप्तत्तिर छ्वात्ति क्रित्र किटा रत, नजुना जुल्तू পঁঠে বারবার পড়ে যাবার সমূহ বিপদ থাকুতে পারে। রূপক কাবার তায়াফাচু कान व्यवश्वाक्तर्रे शाकी करित प्रशा ठिक नग्न। कात्रभ, त्रभक्तत्र सार्व्यर्र व्यात्रनिर्दिक सर्वेद्ध रहा। सद्य ब्लिवार्स खान व्यक्तन कर्वेद्ध रहा। अर्रे खान व्यक्तनिर्दि

যারা করুতে পূারে না তারা অনেকটাই পিঠে চিন্নি বহনক্রারী গাধার মত। চিনি গ্রাধার প্রিঠেই, কিন্তু চিনির মুজা প্রাবার তকদির নাই। সুতরাং গা্ধাকে গাুলি দিতে নাই। আসল কাবার পরিচয়টি না জেনে না বুঝে সামান্য বিবেকটাকে शाष्ट्रां भातरष्ट्र ना, वतः त्रभक कावा वनक शल या-छा वल विखास जिल्हा है দোষ দেওয়া তিক নয় বরং আলাহুর হাতে ছেডে দিন। মানষের প্রবৃত্তির একটি व्यंश्म अर्क नारंक वानारकि शिर्धि मिमुक्क छात्र। मार्थि मिर्छिक अर्थिन मिर्कि कर्ति। कात्र्य शाह्वामत्रभू मेर्रिकान अर्थ वृद्धिष्टि व्यञ्जत्वत छिठत्व आभिरत्य क्षान्य প্রায়ই স্বেচ্ছাটারী, কারো মাধ্যম নিতে টায় ুন্য। তাই গুরুর গোলামি করীর কথ্নাট বুললে তেলে-বেণ্ডনে ফুলে উঠে। খান্নাসই নিজের ভেতর এই আক্রমণাতাক ভূমিকাটি প্রালন করায়। অর্থট মান্য খার্নাস দেখতে প্রায় না। মান্য মনে কঁরে स्त्रेंहें भानुष्ठित कथािए कर, एभ९कति। अप्टार्ट रिकन स्वाका खातु श्रेरातपा। राह्रे জীবন্ত শয়িতানের পরিচয় সর্বপ্রথম জেনে নিতে হয়। তা না হুলে ইসলামের কিছুই বুঝবার উপায় থ্যুকে না। আর সুফুিবাদ বুঝবার তেনু প্রশ্নুই আসেূনা। মানুষের প্রারণা, মানুষের বিশ্বাস য়ে শয়তানু নিজের দৈহের বাহিরে থাকে। এই প্লারণা আর विश्वात्रं सानुष्ठरक পতনের দিকে এগিয়ে নিয়ে যায়। অথচু মনে করে সাতুক পথেই তো আছি। भिष्ठत्क रामन क्षराम जक्रत भौत्र हुए कोतरा दिल हरा, जर्मान इनिहास গবেষকদের প্রথমে শয়তানের রহস্যু জেনে নিতে হয়। এই মহামূল্যবান বিষয়টি काना ना शाकल त्म किसन कदा रूपनास भदासक रुग्न किसन केंद्र छक्न मार्जि? अंत्रक्य रित्रनाम भटवरक चात छक्ता (याका विষয়िएक अभव क्रीएन कृद्व क्राप्त য়ে. মান্ষ দিশেহারা হয়ে পড়ে। আমি অবাকু হই, যখন প্রশ্ন কার শয়তান विষয়টি আর তখন আবোল-তাবোল কিছু একটা বলে ফেলে। বার বার বলুছি, বার বার বলছি শয়তা<u>র</u> একমাত্র জিন এবং মানুষের অন্তরে থাকে। এর বাাহরে <u> শয়তানের থাকার একটি স্থানও সমগ্র সৃষ্টিরাঙ্গ্রে নাই। তাহলে কেমনু করে মনে</u> করতে চায় যে, শুয়ুতান নিজৈর দেহের বাহিরে থাকে? সেটার সঙ্গে এটাও জানতে হরে য়ে, সমগ্র সাম্টরাজ্যের কোথাগু ত্মাল্লাহ্ জাতরূপে থাকেন না। এবং থ্রাকবার व्यार्थनीर्घ प्रमध् रेकातात्नत् माब्र अकोर्घ व्याद्याक्य पार्वन ना। प्रमध प्रौर्धिताक्य আল্লাহ্ অবশ্যই, থাকেন, কিন্তু সিফাতরূপে। জাতরূপে একমাত্র सानुरिषेत অন্তর্রেই থাকেন। দুর্ধ আর মাখনের মত। মাখন দুধের মাঝে দেখা যায় না, কিছু জিক্রির আর ধ্যান-সাধনা দারা মাখনরূপী রূহ যখন ভেসে উঠে তখন निष्क्रत नैक्त्रांप्रे चात पुर शास्त्र ना, वतः छाल जुशा साठारा পतिभज रहा। साठा वा यान प्रभुक्त अकम्भ मूर्यित भग। कार्यित চार्शनिक धता भक्त ना। ज्यनर धता পড়েু যখন পান করে। পান করার সময় বুঝতে পারে যে, আমি তো দুধ পান कर्तिष्ट। त्राधातम सानुष व्यात अनित्क प्रभुक्त अक तकस सदन रहा। व्यानदन खान দেখতে দুধের মত। এণিয়ে না গেলে, স্বাদ নেবার মোরাকাবার ধ্যানসাধনা করতে না পারলে এই বিরাট পার্থক্যটি বুঝবার আর উপায় থাকে না।

व्यिषिकाश्य सुत्रमसान सिकांकि कावा, श्रेजींकि कावा, ऋथक कावा वा यित्रशिक्ष कार्वािं एक वे वाप्रम अर्थ अक्षाञ्च कार्वा प्रत्न कर्त्वन। अर्थािव व्यात भियाता का শরিয়তি কাবা আর হাকিকি কাবা বললে হাসে এবং চুটকি শ্লেরে উড়িয়ে দিয়ে জ্ঞান প্রদর্শন করার ঢেকুর তোলে। অবশ্য এটাগু তাদের তকদির। আল্লাহ্ বুঝতে দেয় নি, তাই বুঝবে কেমন করে? বোড়া (টোড়া) সাপের সামনে শত বীন বাজালেগু ফণা তুলতে পারে না। কারণ বোড়া সাপের তকদিরে ফণা দেগুয়া হয়নি, তাই ফণা তুলবে কেম্বন করে? যদি ধমক দিয়ে বলেন যে, জাতি সাপ এক বীনের সুরেই ফণা তোলে আর তোরা দশটা বীন বাজানোর পরগু কেন ফণা তুলছিস না? क्षे तामा नामधला रशका तावा जायाश वनत्व, ठूमि कि कान ना त्य, वामाप्तत জন্মের আগেই তকদিরে ফণা নাই লিখে দেওয়া হয়েছে, তাই কেম্বন করে ফণা তুলব? ফণাই তো দেগুয়া হয়নি, তাই ফণা তুলার জন্য এত হেদায়েত করা তো বেকার। গুকবা মায়ের কাছে জারজ সন্তান জানার পরগু ঈমান আনতে পারল না। আবু জাহেল এত মোজেজা দেখার পরও তো ঈমান আনতে পারল না বরং যাদু वल व्यथवाम मिन। ऋत्मात व्याशिं अशांवि व्याकिमा छकमित्त नित्थ प्रमुखा रखिष्ट, তাহলে সুন্নি আকিদায় বিশ্বাস করবে কী করে? জোর করে সুফিবাদে আনলে বরং হিতে বিপরীত হয়। অবশেষে সুফিবাদের মাহফিলে পায়খানা-পেশাব করে যা-তা করে ফেলে। তবলিগের গাট্টি যার কপালে লিখা হয়ে আছে তাকে কেমন করে সুফিবাদে আনবেন? আনতে যাগুয়াটাগু বোকামি। তাই আল্লাহ্র হাতে ছেড়ে िए तल्प तर् तर् उर् अनिता। जा ष्टारा किष्टू भाजा ना शाकल शानाभ कूनि उन्न नाश। भाजाछला शानाभित क्रभि कृषिया जाल, यिष्ठ भाजा कथला कृन नग्न। भूजता व्याप्ति जामित क्रना किष्ठि, याता व्याप्तन विषग्न प्रात्ति भाजता, व्याप्तन विषग्न क्रिया भाजता, व्याप्तन विषग्न क्रिया भाजता, व्याप्तन विषग्न विषग्न क्रिया भाजता, व्याप्तन विषग्न क्रिया भाजता, व्याप्तन विषग्न विष्ग विषग्न विषग्न विषग्न विषग्न विषग्न विष्ग विषग्न विषग्न

আপনার-আমার কাছে যেটা আসল মত গু পথ, অপরের কাছে তা নকল মত গু পথ মনে হতে পারে, যদি তার তকদিরে তা-ই লিখা থাকে। কারণ, তকদির খণ্ডানো যায় না। যে তকদির খণ্ডানো যায় সেই তকদিরটি হল দুনিয়ার বৈষয়িক উন্নতি। তাই দেখতে পাই যে, ইউরোপ, আমেরিকা আর জাপান দুনিয়ার বৈষয়িক তকদির এতখানি বদলাতে পেরেছে এবং আরো কতো যে বদলাতে পারবে তা আগামীতে অনেক দেখা যাবেই। কারণ, এরা পরিশ্রমী জাতি, এরা ণবেষকের জাতি তাই দুনিয়ার বৈষয়িক উন্নতির শিখরে উঠবেই। কারণ, যারা যা চায় আল্লাহ্ তাদেরকে তা-ই দেয়। আমরা না হতে পারলাম সুফি আর না হতে পারলাম বৈষয়িক বিষয়ের গবেষক। সুতরাৎ শরিয়তি তিনটি শয়তানকে পাথর ছুঁড়ে মারার মত শরিয়তি কাবার শরিয়তি তোয়াফের শরিয়তি হক্ষের অনুষ্ঠানগুলো পালন করতেই হবে। তা না হলে শরিয়তি হন্ধু করা যায় না। राकिकि कावात रक्ष कतळ रल राकिकि छाग्राफ कतळ रख। राकिकि শয়তানকে পাথর ছুঁড়ে মারতে হলে হাকিকি পাথর খুঁজতে হবে। হাকিকি শয়তান তথা আসল শয়তান থাকে প্রতিটি মানুষের অন্তরে। অন্তরের বাহিরে শয়তান থাকে না। থাকতে পারে না। কারণ বাহিরটা তৌহিদে বাস করে। তৌহিদের ধারে কাছেও শয়তান থাকতে পাৱে না এবং থাকার আইন নাই।

सामित्वत हिनरें या व्यापन कावा, मकात कावाछि त्रापक, वातवात वृविद्य দেবার পরগু অনেকেই বুঝতে চায় না। বরং নানা রকম কথা দিয়ে যুক্তি দিয়ে প্রতিবাদ করে বিষয়টিকে ঘোলাটে করে তোলে। মনে করে ঐ মেজাজি কাবাটাই আসল কাবা। রূপকই মানতে চায় না। আসল তো অনেক দূরের কথা। এই সামান্য বিষয়টি জানা নাই অথচ ইসলাম গবেষক, পীর সাহেব ইত্যাদি। আবার व्यत्नरक व्यात्रन विषश्चि कानवात পत त्रभक गश्चान अवः त्रभक कावाधित्र या প্রয়োজন আছে, সেটা মনেই করতে চায় না। তাই সাধারণ মুসলমান পড়ে যায় মহাফাঁপরে। এটুকু বুঝতে চায় না যে, ইসলামের যে যে বিষয়ণ্ডলোতে রূপক আছে, সেখানে আসলটি থাকতে বাধ্য। রূপক এবং আসল থাকলেই আল্লাহ্র প্রত্যক্ষভাবে থাকার একটি কোরানের আয়াতগু পাগুয়া যায় না। যেমন ধকুন মিনাতে পশু কোরবানি করতে হয়। এই পশু কোরবানি দিয়ে বুঝিয়ে দেগুয়া হচ্ছে যে, অন্তরের ভেতর লুকিয়ে থাকা খান্নাসরূপ শয়তান নামক পশুটিকে কোরবানি করতে শিখ। যেহেতু রূপক এবং আসলটি আছে তাই কোরান একবারগু বলেনি যে 'ইন্নাল্লাহা মাআন নুসুকিনা' অর্থাৎ 'নিশ্চয়ই আল্লাহ কোরাবানিকারীর সঙ্গে व्याष्ट्रव।' यामन अग्राक्रिया नामाक्र अवः দায়েमि नामाक्र कार्यम कत्रक्र रय। ठार्ड কোরান একটি বারগ্ত বলেনি যে, 'আমি নামাজিদের সাথে আছি' তথা 'ইন্নাল্লাহা মাআল মুসল্লিনা'। তাই বলে রূপকটিকে অশ্বীকার করা যায় না। কারণ নামাজ বেহেস্তের চাবি। কিছু কোন নামাজটি বেহেস্তের চাবি এটা না বলাই ভাল। জানা शाकला हुप करत शाकरू रहा, कातप छारल नामाळ पड़ात उँ९मार्रीह पूर्वन रख পড়তে পারে। আবার রূপক এবং আসল বিষয়টি বাদ দিলেগু আমরা গবেষণা করে দেখতে পাই, যে সকল এবাদত বন্দেগি দেখা যায় এবং সবাই বুঝতে পারে সালাতের সঙ্গে যাকাত দেবার কথাটি প্রায় বেশির ভাগ ক্ষেত্রে একই সঙ্গে দেখতে পাই। যাকাত আদায় করা একটি মহাপুণ্যের কাজ। যাকাত দিবার উৎসাহ কোরান-হাদিসে অনেকবার আছে। অথচ অবাক হই তখনই, যখন দেখতে পাই আল্লাহ যাকাত আদায়কারীর সঙ্গে থাকেন না। সমগ্র কোরানের একটি আয়াতও আপনি পাবেন না যে, "ইন্নাল্লাহা মাআল মুজান্ধিনা" অর্থাৎ 'নিশ্চয়ই আল্লাহ যাকাত প্রদানকারীর সাথে আছেন'। এই অপ্রিয় কথাগুলো গুনে চমকাবারই কথা এবং অবাক হবারই বিষয়। গুনতে ভাল না লাগারই কথা। বিষয়তার ছায়া নেমে আসতে চায় মনে-প্রাণে। কিছু করার কিছুই নাই। কারণ কথাগুলো কোরানপাকের কথা। কোন ইসলাম গবেষক অথবা কোন পীর সাহেবের কথা নয়।

गतीन-मूःशीएत मान कता अकि सर् काछ। कातान असन क्याणिछ तलाइ, याता अठिस रूट (अठिस व्यर्थ मर्तराता, किंद्र मर्तराता मरूपित मरू उधिताम अत्य मद्वामताम क्रिंद्रिय व्याद्ध तला अठित्सत व्यर्थ मर्तराता कत्रक्ष मार्रे ना, किंद्र व्यामतास अठिस व्यर्थि रून मर्तराता। त्यसन भित्र तमत, ताकाकात, व्यात सम ान मरूछिला छनला सानूय नक्षा भाग्न) सूथ कितित्य तम्य गाता अथत्सर रूमनास रूक ताम। मान-भग्नताठ कता, अठिस-सिम्निनिनएत अठि मग्नाधमर्भतात कथाणि कातान-रामित्म छत्रभूत। व्ययम व्यताक रूरे उथनर यथन तम्थक भारे त्य, अत्यत मत्य वालार थात्मत ना, कात्म विषयि तम्या यात्र। 'रेत्नालारा साव्याम् मिक्निना' व्यर्था 'निक्षार वालार मिक्निना' व्यर्था 'निक्षार वालार मिक्निना' व्यर्था 'निक्षार वालार मिक्निना' व्यर्था 'निक्षार वालार मिक्निना' यात्र। 'स्वालार वालार व

याख्यू व्यान्नाश्यान अर्थे यकन छटात व्यिषकातीएत यट थाटन ना ट्रिस्ट ख्यू छेटा ना। व्याप्ति दिन या छातक्रस्तत यट व्यान्नाश्या थादन ट्रिस्ट क्याछ्मा दिनातान श्रिक प्रमान क्रिक वा। व्याप्ति दिन या प्रमान विषय छटा एम धर्मि मान। या प्रमान विषय छटा प्रमान मानिकिका थाक्ट थादा, निक्रक प्रमानीताथ प्रमान धर्मि विषय विषय थाक्ट थाक्ट थात्व। थिन विषय क्रिक व्याप्त विषय विषय थाव्य था

এমনকি যারা আল্লাহর প্রতি কৃতক্ততা দেখান তাদের সাথেও আল্লাহ আছেন বা থাকেন এমন একটি আয়াতও কোরানে নাই। যেমন 'ইন্নাল্লাহা মাআস শাকেরীনা' তথা 'নিশ্চয়ই আল্লাহ কৃতক্ততা প্রকাশকারীদের সাথে থাকেন' কোরানে এরকম কথা বলা হয়নি।

अठछला विषयात अकिएत मत्मश्र व्याचार शास्त्रन ना स्त्रन, अणा व्याचार छान कालन। उत्त स्त्रन वा जात गत्वथमा कत्रक्ष क्षाना कता रहि। स्त्रन अवद की कात्रल शास्त्रन ना अछलात गत्वथमा कत्रक्ष क्षा कारे। उत्त व्यामात मत्न रहा या, या विषयाछलाक्ष व्याञ्जतिकजात मात्य क्षणेजा शाकात महावना शाकक भारत मित्र या ना विषया व्याचारत शाकात क्शांणि भाश्रा गाह्र ना। व्यथण या णाति विषयात मत्म व्याचार व्याष्ट्रन वा शास्त्रन, मिछला अक्षम छिउदात विषया।

বাহির হতে বুঝবার উপায় থাকে না। যেমন ধরুন, সবরের বিষয়টি। একশত গজ দূরে দাঁড়িয়ে কেউ নামাজ পড়লে বুঝা যায় যে, সে নামাজ পড়ছে। নামাজির রূকু সেন্ডদা দেখেই বুঝি। কিন্তু যিনি সবরকারী তিনি যদি আপনার বগলতলায়গু বসা থাকেন, তাকে চেনবার কোন উপায় নাই। কারণ, সবর দেখানো যায় না। সবর ভিতরের জিনিস। একটু ভাল করে লক্ষ করুন, সূরা বাকারার একশত তিপ্লান্ন নম্বর আয়াতটির দিকে। সংক্ষেপে বলছি, যারা ঈমানদার (মোমিন নয়, কারণ মোমিনকে ঈমান আনার কথাটি কোরানের একটি আয়াতেও পাবেন না। অথচ অনেকেই ঈমানদার আর মোমিনের লাবড়া পাকিয়ে এক করে ফেলে এবং পাঠকের এটা বুঝে উঠতে কন্ট হয় এবং মনের অজ্ঞান্তে ভুল করে ফেলে। কারণ निषानमात्रक व्यावात निषान व्यानवात कथािं व्याष्ट, किन्नु सामित्नत विनाश এরকম কথার প্রশ্নুই উঠে না।) তাদেরকে মস্তানের সাহায্য চাইবার নিয়মটি ছোট করে বলা হয়েছে যে, তোমরা সবর এবং সালাতের (নামাজ) মাধ্যমে সাহায্য চাগু। नक्र कक्रन, দুইটি বিষয় निয়ে সাহায্য চাইতে বলা হয়েছে। যেমন, 'বে সোয়াবরে গুয়াস সালাতে' তথা সবরের সহিত এবং নামাজের সহিত। লক্ষ করুন, মাত্র দুইটি শব্দ। একটি সবর এবং অপরটি সালাত। দুটোই পাশাপাশি, তবে সবর আগে, সালাত (নামাজ) পরে। এবার ভাল করে লক্ষ করুন, আয়াতের শেষে কী বলা रुष्धः? तना रुष्धः या, वान्नार् भवतकातीष्मत भव्यः वाष्ट्रन वा शास्त्रन। भवद्वत পরেই তো সালাত (নামাজ)। কিছু নামাজিদের সঙ্গে থাকার কথাটি কেন বলা হল না? ''ইন্নাল্লাহা মাআস মুসল্লিন' তথা 'নিশ্চয়ই আমি নামাজিদের সঙ্গে থাকি'। এত বেশি নামাজের তাগাদা দেওয়া হল, এমন কি একবার দুইবার নয় বরং विज्ञानिवात नामाळत कथाणि वना रन, किंडू अकवात्र काजाजित अकणि व्याग्राटिश नामािक एत मार्थ व्याच्चार व्याच्चन ता शास्तन तना रन ना। अत कात्र मिल्या व्याचित कृत कृत क्षा यात्र अवः पृथितीत विशार मिश्नाना, व्यार्ट मृत्तारून क्षामाटित व्याप्ताती, रेमग्रम साराश्वम रामभी मार्टित करारमि, मिछि अवः छिमिछिट भितिम्रात तराश्या करत तूचिर्य मिर्याच्चन। अराित यम, एश्व मित्रा यसत मेरे छश्च करत तत्न अराित राममि मिर्या मिर्य मिर्या मिर्य मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्य मिर्या मिर्या मिर्य मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्या मिर्य मिर

এই কথাটি সূরা বাকারার পর সূরা আনফালের ছেষট্টি নম্বর আয়াতেও মনে করিয়ে দেওয়া হয়েছে। বলা হয়েছে 'ওয়াল্লাহু মাআস সাবেরীন' তথা 'এবং আল্লাহ ধৈর্যশীলদের সঙ্গে আছেন।'

সবরকারীদের সঙ্গে থাকার কথাটি পাবার পর আমরা পাই মুগ্রাকীদের সঙ্গে থাকার কথাটি। মুগ্রাকী বলতে বুঝায়, যারা আল্লাহর উপর পরিপূর্ণ নির্ভরতায় তদগত হয়ে তথা ধ্যান-সাধনায় মশগুল হয়ে থাকেন। সুরা তগুবা বা বারাতের ছিন্রশ নম্বর আয়াতে এবং একশত তেইশ নম্বর আয়াতে এভাবে দেখতে পাই, 'গুয়াআলামু আন্লাল্লাহা মাআল মুগ্রাকীনা' তথা 'এবং জেনে রাখ, নিশ্চয়ই আল্লাহ মুগ্রাকীনদের সাথে আছেন।'

्रातुलत वामता प्रथण लाहे त्य, मृता वानकावूणत छनमञ्ज नम्नत वामाण, मृहिमिननप्तत मात्य शात्कन। मृहिमिनन मत्कत वादमा व्यशि हम मदक्रमीन। याता महकाक कर्तन जाप्तत मत्म वामाह वाष्ट्रन। वामाप्तत पृष्णिण महक्रमीन। याता महकाक कर्तन जाप्तत मत्म वामाह वाष्ट्रन। वामाप्तत पृष्णिण महक्रमीन वामाह जाप्तत मत्म शात्कन वा वाष्ट्रन। त्यमन कातान वनष्ट, 'अग्राम मामिना काहामू किनामाना मिग्रान नाहम मृतुनूना अग्रा ह्यामाहा मा माव्याम् मृहिमिनना।' व्यशाः, अवः याहाता जामता क्रहाम करता वामाप्तत ताम्रात मत्या, व्यवग्रह व्यामता जाप्ततत्व

व्यासारित दिमाराण मान कत्रव अवः निम्मार व्यानार सुर्मिनिनरित मार्थ थार्कन। अथार्नि नक्ष्म कत्रात विषय या, वाकाणिर्क पृष्टि छाएँ छा कत्रा रहाएए। अथार्म छा एँ व्यासारित (व्यानार) त्राष्ट्राय प्रमाय क्रिक्त व्याप्त व्याप्त विषय हो विषय है। विषय हो विषय हो विषय हो विषय हो विषय हो विषय है। विषय हो विषय है। विषय है विषय है। विषय है विषय है। विषय है। विषय है विषय है। विषय है विषय है। विषय

ठाরপর আল্লাহ মোধিনদের সঙ্গে আছেন বলা হয়েছে। আমানু তথা ঈমানদারদের সঙ্গে থাকার কথাটি নাই। কারণ কোরান ঈমানদারদেরকে পুনরায় नैसान जानळ वनष्ट। श्रम् जामळ भाद्ध या, এकवाद ळा नैसान जाना रखाष्ट्र, **जारल जातात क्रिमानमात्रक पूनता** य्र स्थान जानतात उपक्रम फिक्ट? जारल कि श्रथम देशावि पूर्वन देशाव? या देशाव पृष्ट, गक्ट अवः पर्मवीय प्राप्ट देशाव আনার কথাটি কি বলা হয়েছে? একজন্য বড় বড় গুলিরা বলে থাকেন যে, ঈমান আনার পর ইমান চলে যাবার প্রশ্নই উঠে না, কারণ আল্লাহর নৈকট্য লাভের পর যে ঈমান হৃদয়ে স্থান লাভ করে উহা চিরন্তন ঈমান। (সিররে হক জামে নূর নামক বইটিতে বাবা জান শরীফ শাহ সুরেশ্বরী ঈমানের সুন্দর সংজ্ঞা দিয়ে গেছেন)। আপেক্ষিক ঈমান চলে যাবার সম্ভাবনা থাকতে পারে। কিছু চিরন্তন ঈমান চলে যাবার প্রশ্নুই উঠে না। যাহা না দেখে ঈমান আনা হয় এবং যাহা চোখে এবং ङानकार्थ फर्थ देशान जाना रश पूक्षा कि अक? ना कथलार नग्न। अष्टा य करें মেনে নিবেন। সুতরাং মোমিনের গুজন অনেক বেশি, তাই আল্লাহ মোমিনদের সঙ্গে আছেন বা থাকেন। সূরা আনফালের উনিশ নম্বর আয়াতে বলা হয়েছে 'গুয়া व्यात्नाल्लां माव्याल् मुमिनिना' व्यर्या९ 'अवः निक्ष्यः व्याल्लां यात्राह्म साव्याल्या माव्याल्या माव्यालय्यालया माव्यालया माव्यालय्यालया माव्यालय्यालया माव्यालय्यालया माव्यालय्यालया माव्यालया माव्यालय्यालया माव्यालया माव्या থাকেন'। (তবে আমাদের জানা মতে সমগ্র কোরানে এই আয়াতটি মাত্র একবারই বলা হয়েছে।) মোমিনদেরকে কোরানের দুই তিনটি স্থানে কেবল হান্ধাভাবে উপদেশ এই বলে দেওয়া হয়েছে যে, তোমাদের লক্ষাস্থানের উপর সতর্ক থেকো, আগড়া বা মতের মিল না হলে সমাধান দিতে চেন্টা করো এবং এর বেশি কিছু তো পেলাম না (অবশ্য আমার জানা মতে)।

কোৱান-হাদিসের গবেষণা করার প্রথম যে বিষয়টি অবশ্যই জানতে হবে তা হল শয়তান বিষয়টি। তাই আমার মনে হয় কোরানে যতবার শয়তান বিষয়টিকে তুলে ধরা হয়েছে আর কোন বিষয়ে এত বেশি বলা হয়নি। তাই শরিয়তি শয়তান তিনটি মক্কার মিনাতে রাখা হয়েছে। যাতে হাঙ্গিদের মাধ্যমে সারা দুনিয়ার মুসলমানরা বুঝতে পারে যে, কেন এই তিনটি শয়তানকে পাথর মারতে হয়। বিতারিত শয়তান বলে বিকৃত অর্থ করার কোনই অবকাশ থাকে না, যদি হাজিদের পাথর ছুঁড়ে মরার রহস্যটি কিছুটা হলেগু বুঝতে পারতো। কোরান দর্শন নামক তফসিরে এবং কেবলা গু সালাত নামক বইটিতে বিষ্ণারিত ব্যাখ্যাটি পাবেন। লিখেছেন সুফি সদর উদ্দিন আহমদ চিশ্তী। আসল শয়তান তো মানুষের অন্তরে থাকে, তাই অন্তরের শয়তানকে আবার কেমন করে পাথর ছুঁড়ে মারতে হবে এর রহস্য বুঝতে না পেরেই রঙ্গিম শব্দটির অর্থ পাথরের আঘাত খাগুয়া শয়তানটির বিকৃত অর্থ করা হয় বিতাড়িত শয়তান। শয়তান যে দুধ আর পানির মত আমার সমস্ত মন জুড়ে বসে আছে, এটা মনে করতেই চায় না। সুতরাং প্রতিটি মানুষের সঙ্গে শয়তান জ্যান্তরূপে বিরাজ করেছে। প্রতিদিন সংসার জীবনে কত প্রকার যে ঘাত-প্রতিঘাতের পাথরের আঘাত খেতে হচ্ছে এবং এই আঘাত হতে मुक्ति भावात জनार्थे सरानवी वातवात वलाष्ट्रन या, প্রতিটি सानुखत সঙ্গে একটি শয়তান দেগুয়া হয়েছে এবং উপদেশ দিচ্ছেন এই বলে যে, তোমার অন্তরের ভেতর

যে শয়তানটি আছে এটাকে সর্বপ্রথম মুসলমান বানাতে চেষ্টারত থাক, তথা ধ্যানসাধনার মাধ্যমে মুসলমান বানাগু। এখানে এই কথাটি পরিষ্কার বুঝা যাচ্ছে य, गराजानिएकि धानमाधनात साधारम सूमनसान चानात्ना यारा। जारे मृता नक्रस দেখতে পাই যে, মহানবী একটি কথাও হাওয়া হতে তথা শয়তান মিশ্রিত আমি হতে বলেননি। সুতরাং মহানবীকে যদি ভালবাসতে চাগু তাহলে তোমার সর্বপ্রথম এবং প্রধান কাঙ্গটি হল, তোমার অন্তরের ভেতর লুকিয়ে থাকা শয়তানটিকে মুসলমান বানাগু। মহানবীর এই সুন্নতটি সর্বপ্রথম পালন করতে বলা হচ্ছে, অথচ আমরা উদাসীন। সুফি কবি আল্লামা ইকবালের খুদির উপর রচিত কালামটি অপূর্ব এবং বিশায়কর, অথচ কালামটি কাপ্তয়ালির সুরে নুসরত ফতেহ আলী খানের মত বিশ্বগুম্ভাদের কণ্ঠে শোনার পরও হঁশ হয় না। এটাই হয়তো মুসলিম জাতির জন্য একটি বিরাট কলঙ্ক বলে মনে হয়। খুদির ভেতর খান্নাসটিকে তাড়াবার তরে কী অপূর্ব ভাষায় সুফি কবি ইকবাল বলে গেছেন, যা গুনলে এবং পড়লে চমকে যেতে হয়। অথচ আমরা এই প্রথম এবং মূল বিষয়টিকে বাদ দিয়ে বিরাট ইসলাম গবেষক সাজি, পীর সাহেব হয়ে যাই, বড় মগুলানা নামধারণ করে অনেক রকম কথার মারপ্যাচ দিয়ে সরল-সহজ মুসলমানদেরকে আসল বিষয়টি বুঝতে দিচ্ছি না। কোন এক অলী বলেছেন যে, বিচারকের বিচার আল্লাহ पूर्वेवात कत्रत्वन : अकवात वान्हा रित्रात्व, यात अकवात विषातक रित्रात्व। कात्रप वान्नारहें विषादात सानिक। सूर्शासूशि कान किशासळ रळ रत ना?

সৃষ্টিরাজ্যের কোখাও শয়তান থাকে না। থাকার অধিকার দেওয়া হয়নি। তা সে কাল গহুরই হউক আর আলোকবর্ষ উর্ধেই অবস্থান করুন, শয়তানকে থাকার অধিকার দেগুয়া হয়নি। শয়তান কেবলমাত্র মানুষ এবং জিনের অন্তর ছাড়া আর काथाउ थाक ना। जयह जामाप्तत कथान शाताथ अञ्चल या, जामता भराठानक দেহ ছেড়ে, আপনাকে ফেলে দিয়ে বাহিরে খুঁজি এবং এই খোঁজার মধ্যে একটা সাময়িক তৃপ্তি পাগুয়া যায়। শয়তান এমনই চিকন, সূক্ষ্ম যে হাবল টেলিস্কোপেগু দেখার উপায় নাই। সুতরাং যাকে দেখাই যায় না তাকে নিজের ভেতরে অবস্থান করাটার মাঝে আস্থার দুর্বলতা দেখা দেবেই। তাই আল্লাহ বলছেন, তুমি যতই **हानांकि कत ना क्वन, किंडू छूटन यांछ ना या, खान्नार त्रवटाया वर्ड हानांक** (ভাবার্ষে)। আরো একটি কথা বলে রাখা ভাল যে, শয়তানের কোন জাত আর সেফাত বলে কিছু নাই। কারণ শয়তান সর্বভূতে বিরাজ করে না, বরং মানুষের অন্তরে বাস করে। তাই মানুষের মাঝে কত রকম ডিজাইনের প্রতারণা, (धाँकावांकि, धाश्रावांकि, वाऍপांकि, कथात जागत जानी नागत जानी, साहरकत সামনে দাঁড়িয়ে জ্বালাময়ী নীরেন লাহিড়ী মার্কা ভাষণ দিয়ে যাচ্ছে, অথচ শয়তান या ভाষণদাতার অন্তরে বহাল তবিয়তে বসে আছে সেটা জনতা প্রথমে টের পায় না। ছেঁড়া পাঞ্চাবী পরে, গরীবের বন্ধু সেজে, গরীবের কথা বলে যাচ্ছে, কিছু কিছুদিন পর দেখা যায়, হাজার হাজার কোটি টাকার মালিক শিল্পপতি হয়ে মুচকি হাসি দিচ্ছেন। জনতা তখন বুঝতে পারবে, এটা তো শিয়াল, কেবলমাত্র ধোপার নীল–মেশানো জলের গামলায় পড়ে শরীরের রণ্ডটুকু বদলিয়েছিল। বেহাগ সুরের সঙ্গে যেমন অন্য সুর মিশিয়ে ককটেল মার্কা মেরুবেহাগ সুর নামে চালিয়ে দেওয়া হয়, এক রঙের সঙ্গে অন্য রঙ মিশিয়ে ককটেল মার্কা রঙ বানানো হয় সে রকম মানুষের অন্তরে যতদিন শয়তান থাকবে ততদিন ককটেল মার্কা প্রতারণার রূপটি সরল-সহজ মানুষগুলো দেখে যাবে। কারণ এটাই একটি চিরন্তন খেলা। এই श्यमात व्यञ्जादार प्रणात श्वीकृणि अवः व्यश्वीकृणित श्रम्न ७ छेंग्नत घृमित्र थात्क। अरे श्रद्भत व्यञ्जादार जकि स्वत श्रमा कथाता व्याप्रम कथाता छमकीवािक स्वत रहा। प्राप्तक प्रिष्कि माछ कतात भत अरे प्रव तक्ष-एक्ष प्रत्थ पृभ कर्त्त थात्कन। कात्रम एत्रस भर्याद्य या भामि नारे, जूम नारे, जूम भूंक्ष्ण भाम व्याप्तन कात्यत विश्वर व्याप्तनात काष्टरे क्वत्र व्याप्ता। जारे शाका भतीत्व व्याग्रक्ष वर्षाष्ट्रन, 'व्यातास छेंप्र मिमत्वा क्रिया किष्त मिमत्वा काष्टि श्रमानुष्ठि प्रवक्ति व्यातास व्याष्ट्र, या सानुष्ठि क्रीवत्य व्यातास भारानि'। क्वि क्याति स्वात व्यात्व, तक्ष्र व्यश्वीकात कत्रत्व। क्वि व्याव्यविद्वाध भूंक्रत्व, क्वि भूंक्रत्व ना। स्वात व्यश्वा अवः व्यश्वीकात कत्रा मूट्यार जकित।

त्रिश्व गंश्रणान, सिकांकि गंश्रणान, गंतिशिंण गंश्रणान स्वस्त अकिए शाल शाल शाल रिवांक स्वांत स्वांत

সাময়িক তৃপ্তি পাগুয়া যায়। এবং এটারই নাম রূপক। এটারই নাম মেজাজি।
মীর জাফরের কোরানে হাত রেখে বেঈমানি না করার গুয়াদাটি ছিল দৃশ্যমান,
রূপক তথা মেজাজি। তাই সিরাজের সাথে বিশ্বাসঘাতকতা করেছিল। হাকিকি
ক্পর্শ তথা আসল ক্পর্শে বিশ্বাসঘাতকতার প্রশ্নই উঠে না। এবং আসল ক্পর্শ দৃশ্যমান
নয়। তাই কোরানকে পবিত্র না হয়ে কেউ ক্পর্শ করতে পারে না। কথাটি
আল্লাহপাক কোরানে জানিয়ে দিয়েছেন। আসল ক্পর্শ দেখানো যায় না। কারণ,
হদেয়ঘটিত বিষয়টি গোপন এবং গোপন বিষয়টির সঙ্গে আল্লাহ আছেন বা থাকেন
বলেই মুহ্সিনিনদের সঙ্গে আল্লাহ আছেন বলে সূরা আনকাবুতে ঘোষণা করা
হয়েছে।

#### भटित्रभात साधारम जामन नकत्नत धात्रभा फिरुशा यास

शांतिकिएनत मत्म तक्ष्मशी नार्थशांतित युक्षि रखिष्टन, अवर अर्थ युद्धित भतरें शांतिकिएनत स्मक्रमध उडिल याश्च, किंद्ध ममूल स्वरंभ रशिन। व्याभात भत्न रश्च त्वान भठवामरें ममूल त्मच रख याश्च ना, किंद्ध ना किंद्ध ष्टिउँकाँ हो। त्यत्क याश्च। ठतव शांतिकिएनत पर्मनि अठरें माधातम अवर साहा (श्रून) त्य, त्य त्करें अत काएम भांतिकिएनत पर्मनि अठरें माधातम अवर साहा (श्रून) त्य, त्य त्करें अत काएम भांतिकिएनत पार्ति। नार्थशांतित युद्धित व्यात्म गांतिष्ट्रिकिट रूपनी रचात कना ठांति निक्ष त्वांक भांतितात व्यात्म सक्ष्मा व्यानी वात वात अक्षि रूपएम पिद्ध मावधान कर्ति पिद्धिलिन। रूपएमणित स्वावधाति रन, ज्याभता त्वादातित व्याशांठ पिद्ध

কোন কিছু ভূলেগু বুঝতে চেয়ো না। কারণ, কোরানের একটি আয়াতের অনেক রকম অর্থ করা যায়, তাই তোমাদের আয়াতের অর্থটি গ্রহণ না করে তারা তাদের দেগুয়া অর্থটি গ্রহণ করতে বলবে। তাই তোমরা যুক্তি দিয়ে বুঝাবে। অবশেষে খারিজিরা মগুলা আলীর পক্ষের কোন যুক্তিকেই গ্রহণ করে নিল না বরং ভয়ংকর যুদ্ধটি হয়ে গেল। কোরানের একটি আয়াতের যে অনেক রকম ব্যাখ্যা করা যায়, এই দলিলটি আমরা মগুলা আলী হতে পেলাম। (নাহজুল বালাগা)। সুতরাং এখন আমি যে দর্শনটি বলব তা অনেকেই গ্রহণ করে নেবে না, বরং পাল্টা আরেকটি দর্শন দাঁড় করাতে চাইবে, এবং এটাই শ্বাভাবিক। পঙ্গিটিভ আর নেগিটিভ পাশাপাশি চলে। কিছু আমি যেভাবে বিষয়টি তুলে ধরি, তাতে চুপ করে থাকা ছাড়া আর কোন উপায় থাকে না। কেউ মেনে নেয়, কেউ মেনে নেয় না। যারা মেনে নিতে পারে না, তারাই জোর করে মানাতে চাইবে। মানাবার প্রশ্নে মনের উপর জোর চলে না। তাই বলা হয়, দ্বীনের (ধর্ম) মাঝে কোন প্রকার क्रातक्रवतमिष्ठ नारे। এভাবেই সংঘাতের সৃষ্টি হয়। এভাবেই नश्न সন্ত্রাসের সৃষ্টি হয়। ইতিহাসের পাড়ায় এর অনেক দলিল পাগুয়া যায়। উমাইয়া খলিফা মালেকের খাস চামচা, ইসলামের হিটলার, হাজ্ঞাজ এই রকম কুৎসিত কথা বলে কত মুসলমানকে যে হত্যা করেছে, তা ইতিহাসে লিখা আছে। আবার এই হিটলার হাজ্ঞাজকে সাধু বানাবার কত রকম ধানাই-পানাই করা হয়েছে, যা পড়ে অনেকেই অবাক হয়ে যান। এরকম অনেক নঙ্গির পাবেন যে, কেউ সাধুকে চোর বানাচ্ছে, আবার কেউ চোরকে সাধু বানাচ্ছে। সরল পাঠকেরা তখন গোলক-ধাঁধাঁয় পড়ে যান এবং কোনটা সঠিক বুঝে উঠতে পারেন না। আর তখনই গোঁজামিলের দর্শনটি দাঁড়িয়ে যায়। এই গোঁজামিলের বস্তার চাপে সত্য দর্শনটিকে উঠিয়ে আনা বড়ই কন্টকর। আমি এখন সেই রকম একটি নাজুক বিষয় নিয়ে আলোচনা করব। গ্রহণ-বর্জন পাঠকের নিজম্ব রুচি। এখানে বলপ্রয়োগ অবান্তর।

আমরা যে আড়াই ইঞ্চি টোট দিয়ে আল্লাহ শব্দটি উচ্চারণ করি, সেই वान्नार्त विभावज्ञ कठ वर्ः अर्थे वान्नार शास्त्रन काराशः अर्थे वान्नारत त्रभ कश्रिः की की ऋभभातम करत की की व्यवश्राश व्यवश्रान करतष्ट्रनः वाल्लार अक তথা গুয়াহেদ, আবার আল্লাহ একক তথা আহাদ। যেমন বলা হচ্ছে, 'পূর্ব এবং পশ্চিমের যে দিকেই তুমি তাকাগু না কেন, আল্লাহ্ ছাড়া কিছুই নাই'। প্রশ্ন আসতে পারে, সব কিছুই তো দেখছি, কিছু তোমাকে তো দেখছি না। উত্তরটি এজন্যই দেওয়া হয়েছে যে, আল্লাহ ভাল করেই জানেন যে, বান্দা এরকম প্রশ্নটি করবে। তাই আল্লাহ বলছেন যে, আমি ছাড়া যে কিছুই নাই এটা বুঝতে হলে তোমাকে উকিল ধরতেই হবে। এই উকিল বলতে কী বুঝানো হয়েছে? এই উকিল পাব কোখায়? राकिस्रत काष्ट्र यिक्ट रल यिमन उकित्वत প্রয়োজন रয়, সেরকম আল্লাহর পরিচয় জানতে হলেও দেখতে পাই, আল্লাহ উকিল ধরতে বলছেন। সেই উকিলের পরিচয়টি আমরা সূরা কাহাফে পাই। হযরত মুসার মত জাঁদরেল নবীগ্র খিজিরের (আবদুহু) জ্ঞান অর্জন করা তো দূরে থাক বরং ধৈর্যধারণ করার মত সামান্য চুক্তিটিগু তিন তিন বার ভঙ্গ করে ফেললেন। তাহলে হযরত মুসা আর খিজিরের পরিষ্কার পার্থক্যটি বুঝা যায়। খিজির আল্লাহর উকিল। এই উকিলের সাথে থাকতে হলে বিরাট বিশাল ধৈর্যধারণ করতেই হবে। যুক্তি-তর্ক গু দর্শনের বস্তাটি নদীতে ফেলে দিয়ে অন্ধের মত বিনা বাক্যে অনুসরণ করতে হবে। কারণ আল্লাহর উকিল খিজিরের কাণ্ডকারখানা দেখে ধৈর্যধারণ করাটা খুবই কর্টকর व्याभात। व्यान्नारत छेकिन शिक्षित्वत कर्मकाछ एतथ छेन्छा-भान्छा मत रत। मत रत अ तक्त काल भागत्वत भान्नार भड़नाम। अतकम छेन्छा-भान्छा कर्म कर्त यात बात छूभ कर्त थाक्छ रत अष्ठा व्यम्बद। नागत्व ना अमन छेकित्नत माथी रथरा। अत एत्रा छेकिन ष्टाष्ट्रारे व्यान्नारक छाक्व। छेकिन ष्टाष्ट्रा व्यान्नारक छाकत्व। छेकिन ष्टाष्ट्रा व्यान्नारक छाकत्व। एत्रा विष्ट्र भूर्व अवः भिष्ट्रम अक व्यान्नार ष्ट्राष्ट्र विष्ट्र नार-अर्थ क्रानि व्यात व्यक्त कर्त्रक भारत्वन ना।

र्यत्रे वार्कीविन्नार मशास्त्र अकिं फिल পড़ा-পानि फिळन। वार्कीविन्नारत कांभदा अकिं विष्ना लिए योक्य, ठार श्रधान शास्म कांभदा छन मानिम कर्त्व फिट्छन। এकफिन পড़ा-পानि फिट्छन। मट्य খाफ्य। रयत्र वाकीविल्लार একজনকে জিজেস করলেন, 'কীসের জন্য পড়াপানি নিবে?' সে বলল, 'হজুর, কোমরে অনেকদিন ধরে বেদনা, তেল মালিশ করতে হয় প্রতিদিন, তাই।' হজুর পানিতে ফুঁ দিয়ে বললেন, 'যাগু আর কোমরে তেল মালিশ করতে হবে না। রোগ ভাল হবার সঙ্গে সঙ্গে আমাকে জানাবে।' ছয় দিন পর আম জনতাকে পড়াপানি দেবার সময় সেই লোকটি বলল, 'হজুর, আপনার পড়াপানি খাবার সঙ্গে সঙ্গে কোমরের বেদনা যে চলে গেছে, আর এই ছয় দিনের মধ্যে একবারগু তেল মালিশ করতে হয়নি।' বাকীবিল্লাহর সঙ্গেই খাদেম। খাদেম অবাক হয়ে মনের অজান্তে একটি কথাই বললেন, 'বুঝলাম না ফকিরি কী!' খাদেমের এরকম কথা শুনে वावा वार्कीविल्लार वललन, 'ठूमि कि किकति मिथळ हाठ, ना प्रथळ हाठ?' খাদেম দেখতে চাইলেন। বাবা বাকীবিল্লাহ মুখে নেকাব লাগিয়ে নিজের জানাজা निक्ररे পড़ে शिलन। जानाजा लिख के लाकिएत भिष्टू जिवात कथा हिल। ठारे शाफिस मञ्ह मञ्ह शालन এবং निर्क्रन भ्राप्त व्यामात भत सूर्थत जिकाव भूल ফেললেন। খাদেম অবাক বিশ্বয়ে একটি কথাই বলেছিলেন, 'হজুর, এটা আমি কী দেখছি!' হজুর বললেন, 'ফকিরি দেখতে চেয়েছ, শিখতে চাপ্তনি।' হযরত বাকীবিল্লাহর প্রধান খলিফা হযরত মুক্তাদ্দেদে আল ফেসানী তাঁর মুরীদদেরকে এই বলে উপদেশ দিতেন যে, 'পীৱে তাম্ভ আউয়াল মাবুদ তাম্ভ', 'তোমার পীরই হল প্রথম বাবুদ'। (মাতলাউল উলুম কিতাবের ছিয়াশি পৃঠা)। একটু লক্ষ করলেই পরিষ্কার বুঝা যায়, এখানে কিন্তু আখের মাবুদ তথা শেষ মাবুদ বলা হয়নি, কারণ শেষ মাবুদ হল আল্লাহ। আপন পীরকে কতটুকু মর্যাদার আসনে স্থান দিতে হয় সেটাই বলা হয়েছে। তাই তাড়াহড়া করে অথবা অন্যের দেখাদেখিতে মুরিদ না रुशारे छान। बान्नारत এर काजीय उकिनफत कथावार्जा চान-চनल किष्टूरे বুঝবার উপায় থাকে না। কেবলই উল্টাপাল্টা মনে হয়। তাই বিরাট ধৈর্যধারণ করে চুপ করে থাকতে হয়। আরো একটি মারাত্মক কথা থেকে যায়, আর সেটা रन उकित। उकिरत ना शाकल गठ फ्रफा करत्र भाउरा यात ना। उकित বিষয়টি এখানে না বলাই ভাল, কারণ মূল বিষয় হতে ছিটকে অনেক দূরে গিয়েছি, তাই আর নয়।

সুতরাং আল্লাহ যে পূর্ব-পশ্চিমের সবখানেই আছেন এবং আর কিছুই নাই— এই আয়াতটির মর্ম বই পড়ে, ভাষণ গুনে, বুঝবার কোন উপায় নাই। কেবলমার উকিল ধরলেই বিষয়টি বুঝতে পারবে। সুতরাং সেই উকিলটির মাত্র একটি গুণ থাকতে হবে, আর সেই গুণটি হল কামেলিয়াত। বাজারের সম্ভা কামেল নয়। বাজারের সম্ভা কামেল পীর যেখানে সেখানে পাওয়া যায়। (অবশ্য যতই সাবধান

ह्वात उपितम प्रहें ना क्नि, उकिष्टत ना शाकल में कि की कित भावन ना। व्यावात हाउ कात्मन भीत प्रतन, किंडू शाप्तत्मत में की वेन उपित प्रति प्रति शाप्ति में किंडू शाप्ति में किंडू शाप्ति में किंड की वेन के प्रति की वेन किंडू शाप्ति में किंडू शाप्ति में किंडू हिंदी के विवास में किंडू हिंदी के विवास में किंडू हिंदी किंडि वेन किंडि

তাহলে এটা পরিষ্কার বুঝা গেল, আল্লাহ ছাড়া পূর্ব-পশ্চিমে কিছুই নাই। এখন আমরা আল্লাহর রূপের কথা বলতে চাই। আল্লাহ জাতরূপে তথা খাসরূপে তথা মূলরূপে তথা আসলরূপে অবস্থান করেন মাত্র তিনটি স্থানে। সেই তিনটি স্থানের नाम रल, ला साकाम, क्रिलित অন্তत এবং मानुस्तत অন্তत। এই তিনটি স্থানেই আল্লাহ মূলরূপে তথা জাতরূপে অবস্থান করেন। এবং কোরান হতে এই তিনটি স্থানে জাতরূপে থাকার দলিলটি পাই। আর বাকি সমস্ত সৃষ্টিরাজ্য। তথা আল্লাহ যাহা কিছু সৃষ্টি করেছেন সবই সেফাত তথা গুণাবলি। সেফাত তথা গুণাবলির त्रभाञ्जत তथा विवर्जन रुक्टरे थाकि। स्रकाठ ठथा ध्रेपाविन अकिं भ्राप्त थिस्र थाकि না। সেফাতের প্রতিটি মুহূর্তে রূপান্তর হচ্ছে তথা বিবর্তন হয়ে চলছে। সুতরাং विवर्जनवाष्ट्रं रन बान्नारत प्रकाळत धर्म। प्रकाठ अकत्रम रळ बनात्रम धातप করে চলছে এবং এই রূপ বদলানোটাতেই মানুষ চমকে উঠে। এবং অবাক হয়। এবং গবেষণায় নানা বিদ্রান্তির সৃষ্টি করে। এই সেফাতের বিবর্তনের উপকারগু হয়, व्यातात ऋठिञ्ज रहा। उपकात अतः ऋठि पागापागि एए अतः व्यापिकित। সেফাতের বিবর্তন সর্বজনীন, কিছু আপেক্ষিকতা দিয়ে ভাগ করতে বাধ্য হতে হয়। এখানে এসেই মানুষ চমকে উঠে এবং সর্বজনীন আর আপেক্ষিকতার দৃক্ষে সিদ্ধান্ত निक्ठ छून करत रकत। अप्रांक अक धत्रत्नत व्याचित पृक्षा पृष्णितिष्वस तना एता (शानूत्रित्नस्त)। हेष्टाय नय ततः व्याचित्रक्षा पृष्णितिष्वस। जाहे रकातान तनष्ट र्य, व्याचाहत पृष्णितार्क्षा विन्दू भित्रसाप छून ता क्षणि रकाथा थूँ ज्व भाउया यारत ना। वितर्जनताम र्य व्याचाहत रमकाळ व्यतधातिज अकि क्षण प्रज मज्य, रमणा व्यत्नरूहे स्मान निक्छ हाय ना अकसाब पृष्णितिष्वस्मत कातरा। अहे पृष्णितिष्वस्मत विषयणि अर्क व्यभरतत छेभत हाभिर्य रम्य व्यत्नक तकस युक्तिजर्क मिर्य।

জাত এবং সেফাত বিষয়টি গুলিয়ে ফেললে বিভিন্নতা আসতে বাধ্য। সৃষ্টির প্রতিটি জিনিস সেফাত। মানবদেহটিও সেফাত। এবং মানবদেহের মাঝে যে অন্ত রটি আছে উহাগ্ত সেফাত। মানবদেহের মাঝে যে নফস তথা জীবাত্মাটি আছে উহাও সেফাত। সেফাতের রূপান্তর হয়, এবং এই রূপান্তরটির ধর্মকেই বলে বিবর্তনবাদ। সুতরাং সেফাত ধ্বংস হয় না, তথা সেফাত নাই হয়ে যায় না, বরং একরপে হতে অন্যরূপ ধারণ করে। নফস তথা জীবাত্মা ধ্বংস হয় না, তথা নাই হয়ে যায় না, বরং শ্বাদ তথা মজা তথা টেস্ট গ্রহণ করে। এই শ্বাদ গ্রহণটাই রূপান্ত র। তাই মৃত্যুটা ধ্বংস নয়, বরং 'শ্বাদ গ্রহণ করে' বলা হয়েছে কোরানে। সুতরাং মানুষ সেফাত। কিন্তু আল্লাহ বলেছেন যে, সেফাত জিন এবং সেফাত মানুষের শাহারণের নিকটেই জাতরূপে আছি। এই জাতরূপে আল্লাহর থাকার প্রকাশ্যে धाषपाणि पृचिताळात जात काषाठ वना राति। अकसाव किन अवः सानुस्तत সঙ্গেই আল্লাহ থাকেন সেফাতরূপে নয় বরং জাতরূপে। দুধ নাড়াচাড়া করলে यिमन त्रामा कार्थ माथन फिथा यारा ना, क्रमनि अकि मानू खित मात्य या व्याना ह জাতরূপে অবস্থান করছেন সেটা সাদা চোখে দেখা যায় না। তাই কোরান বলে

যে, অনেকেই চোখ থাকতে অন্ধ। দুধের মাঝে যে মাখন লুকিয়ে আছে, এটা অনেকেই চোখ থাকতেও বুঝতে পারে না। সেরকম মানুষের জীবাত্মার সঙ্গে (অন্য কোন জীবের সঙ্গে জাতরূপে আল্লাহ থাকেন না) আল্লাহ যে জাতরূপে থাকেন, সেটা বুঝতে পারে না। দুধ হতে মাখন বাহির করে আনতে হলে বিবর্তনের প্রচণ্ড ধাকা দিতে হয়, সেরকম মানুষের মাঝে যে আল্লাহ জাতরূপে অবস্থান করছেন তাতে ধ্যানসাধনার প্রচণ্ড ধাক্কা দিতে যারা পারেন, তারাই আল্লাহর গুলিরূপে গণ্য रश। पूर्व रूळ साथन वारित कतात कोगन चिनि कालन ठात काष्ट साथन वारित করার কৌশল জেনে নিতে হয়। সেরকম যিনি আল্লাহর গুলি, তার কাছ থেকে আল্লাহর গুলি হবার কৌশল জেনে নিতে হয়। এজন্যই গুলিরা বলেন যে, যার পীর নাই প্রবৃত্তি তথা শয়তান তার পীর। আল্লাহর গুলি হযরত বসরে হাফী তাই বলেছেন যে, আল্লাহ মানা যেমন সহজ, পীর মানা তেমনি কঠিন। আল্লাহ কখনোই একজন ধূমপানকারীকে ধূমপান ছেড়ে দেবার কথা বলবেন না। কিছু আপন পীর যখন ধূমপান ছেড়ে দেবার কথাটি বলবেন, তখন পীরের হকুমটি বিষের মত মনে হবে। অবাধ্য নফস তখন পীর মানতে চাইবে না। কারণ লাংস তথা ফেফড়া পঁচে গেলেগু আল্লাহ ধূমপান ছেড়ে দেবার কথাটি বলবেন না। তাই যিশুখ্ট বলেছেন, যারা যিশুকে না মেনে আল্লাহকে মানি বলে, তারা মিখ্যুক (প্রবৃত্তির পূজারক তথা শয়তানের পূজারক)। মহানবী বলেছেন, দুইটি জিনিস শক্ত করে ধরে রাখ, তাহলে কখনোই পথন্নউ হবে না। একটি আল্লাহর কেতাব এবং অপরটি আমার বংশধর। রক্তমাংসের তৈরী বংশ নয়, বরং नृরের অধিকারীরাই হল বংশ। যারা আপন সন্তার মাঝে আল্লাহকে জাগ্রত করতে পেরেছেন তারাই নবীর বংশধর, এবং তাদেরকেই আল্লাহর গুলি বলা হয়। শিয়া

ফেরকার অনুসারীরা নবীর বংশ বলতে আলী, ফাতেমা, হাসান, হসায়েন, क्रोफ भात्रुभ, वाद्वा रेभाभ व्यात भारामाल कात्रवानाकर वूट्य। अत वारेद्व नवीवःग वल साल ना। जारे गिशाता साक्षात अज विभि साल या मून्निता एसक উঠে। কারণ শিয়ারা যা কিছু ফরিয়াদ করে তা নবীবংশের কাছেই করে। আবার তার ঠিক বিপরীত হল খারিজি আর গুহাবিরা। তাদের তো নবীর বংশ মানার প্রশ্নুই উঠে না, কারণ তাদের হাতেই নবীবংশ লাঞ্চিত এবং অপমানিত হয়েছে। তাই তারা নবীবংশের নাম-গন্ধটি পর্যন্ত সহ্য করতে পারে না। আবার এর সঙ্গে আল্লাহর গুলিদের তো আরো সহ্য করতে পারে না। তাই তারা কেবল একমাত্র আল্লাহকেই মানে। খারিজিরা এবং গুহাবিরা একমাত্র আল্লাহ্ ছাড়া আর কাহাকেও মানে না এবং তাদের বইপত্রে এবং লিখনিতে একমাত্র আল্লাহকে মানার আহ্বান জানানো হয়ে থাকে। খারিজি এবং গুহাবিদের কথাণ্ডলো কতই না সুন্দর, কতই না চমৎকার, কতই না আকর্ষণীয় এবং এদের লোভনীয় মিষ্টি ফাঁদে পড়ে याग्र मरक मतन मुन्निता। शांतिकि चात अराविता की मुक्त वर्ल ख, शाका वावात কাছে চাগু কেন? আল্লাহর কাছে চাগু। এই মিণ্টি ধোঁকায় বড় বড় শিক্ষিত পণ্ডিতেরা পর্যন্ত পড়ে যায়। এই কিছুদিন আগে আজাদ কান্মিরে ভূমিকম্পে লক্ষের উপর মুসলমান মারা গেল, আর লক্ষ মুসলমান কেন বিদেশিদের কাছে তাঁবু, কম্বল, আর খাদ্যশস্য চাইল? তারা কেন আল্লাহর কাছে তাঁবু, কম্বল আর খাদ্য চাইল না? কারণ তারা জানে যে, আল্লাহ উপিলা ছাড়া কোন কিছু দান করেন না। বিধর্মীর কাছে চাগুয়া হালাল, আর যিনি গুলিদের গুলি, যিনি আটশত বছর আগে অখণ্ড ভারতে অবস্থানকারী চার কোটি মানুষের মধ্য হতে বিরানকাই লক্ষ भूमनभान वानित्य शिष्टन, ठाँत काष्ट किছू छाउँया राताभ। त्यंभातन वाल्लार वतन যে, বান্দা নফল এবাদত করতে করতে আমার এত কাছে আসে যে, তার জিব্রা আমার হয়ে যায় এবং তার কথা আমারই কথা ইত্যাদি। আসলে যত দলিলই দেগুয়া হউক না কেন, যে মানবার নয় তাকে শত দলিল দিয়েগু মানানো যায় না। এটাই নিয়তির লিখন। এটাই তকদির।

আলাহর প্রধানত দুইটি রূপ। একটি জাত তথা মূল তথা আসল তথা আদি। অপুরুটি হল সেফাত তুথা গুণাবলি। জাতু এবং সেফাতের স্পর্ট ধারুণা না থাকলে ধ্রর্ম বিষয়ের অনেকখানি অংশ বঝতে কন্ট হয়। এবং পাঠক কোন বিষয়ের সিদ্ধান্ত নিতে ভল করে ফেলে। অন্ন কপ্রীয় বলতে গেলে বলতে হয় যে, আল্লাহ তারু সমুগ্র সৃষ্টিজগতের মাঝে মাত্র তিনটি স্থানে জাতরূপে অবস্থান করেনু) সেই তিনটি ষ্ঠানের নাম হল, লা মোকাম তথা লাহত মোকাম এবং অপর দুইটি স্থানের নাম रन किन क्रांठित অন্তत এবং মানুষ क्रांठित অন্তत। এই তিনটি স্থানী ছাড়া আলাহকে জাতরপে পাওয়া যায় না। তাই মানুষ এবং জিন জাতিকে সৃষ্টির পুঁঠ জীব বলা হুয়ে থাকে। যেহেতু জিন বিষয়টি মানুষের ধারণায়ু স্পষ্ট নয়, তাই জিন জাতিকে ইচ্ছে করেই বাদ্রীদুয়ে আমরা বলি যৈ, মানুষ সৃষ্টির শ্রেষ্ঠ জীব। আল্লাহ যে লা सार्गास कार्युत्तर्भ विताक्षिमान, सिंह क्यांपि क्वांतालते मूर्ता नक्रसित नेय नक्त चाराक्ट भारे। संयुन्तरीक निता क्रिततीन क्वांतालते यथन, स्रताक्र गर्मन केंद्रेलन, उर्थन क्रिवेदीन बेकिए शिला बेली खेली खेला जिलाने, उर्था माँ छिद्रा लिला। প্ৰেই দাঁড়িয়ে যাওয়া স্থানটিৱ নাম হল সিদ্ৱাতুল মুনতাহা, তথা সৃষ্টির শেষ त्रीमाना। क्रितेतीन तुनलंन (यो, ठाँएक जात अर्क ना अभित्य यांतात क्रर्भणा एउ या रयनि। त्कन? क्रिततीन मुर्फि, ठार मुक्कि की कत्तु मुकात घत्त उंशा वालारत ना <u> মোকামে প্রবেশ করে? সৃষ্টির কোন অধিকার নাই যৈ, লা মোকামে প্রবেশ করে।</u> যেহেতু জিবরলৈ সৃষ্টি তাই সুন্টার ঘুরে তুথা ল্যা মোকাম্বে প্রবেশ করার প্রশ্নুই উচ্চে ব্রা। জিবরীল কি বিরের টুেরি নয়? হাঁ। জিবরীলু বুরের তৈরী, তবে একট্রি বিরাট কিন্তু আছে। সেই ক্রিটার অর্থ হল, জিবরালু সেফাতি নুরের তৈরা, তুপু। **अर्थावर्लीत नुत्रू फिर्स ट्याँत्र, यथा श्वक कथारा क्रिवर्त्नील क्रांग्टि नृद्धित ट्यती नन्। शिन** বা যারা জীঠি নুরের আঁধকারী, কেবল তারাই লা শ্রোকীশ্লে যেতে পারবেন। योष्ट्रि किंवर्त्तालिते व्यात अक नामं ऋचन व्यामीन, किन्न किंवर्तीनटक ऋंट प्रश्रया ट्रशान्। काना प्रत्नित नाम यमन भन्नालाएन, व्याभेल द्वराथ नार्ट, क्रमान জিবরীলকে রহেল আমীন বলে ডাকলেঁঠ রহে দেগুয়া হয়নি। অনেক গবেষক জিবরীলের মধ্যেপ্র ব্রহ ফৎকার করা হয়েছে বলে বিরাট ভল করেন এবং এক প্র व्यथं ऋरक क्यां छार्ग करत कल्ला, असन कि अक ३ व्यथं ऋरक रायुश्यानी ব্রহ তথা জানোয়ারের ব্রহ বলেন কয়টি ভাগের মধ্যে একটিকে। আবার অনেকে

এক ৪ অখণ্ড রহেকে ব্রুতে না পেরে নুরানি মাখলুক বলে ফেলেন। অঞ্চতা পর্বং প্রচুর গবেষণা না করা হতেই এসব আজগুবি কথা আসে এবং সরল সহজ্ঞ পাঠকদেরকে এসব অখাদ্য কথা বাধ্য হয়ে গিলতে হয়।

क्रिवर्तीन त्रिष्ताञून सूनठाराळ फाँछिख सरानवीक ना साकास यावार व्यनुद्वाध करान्न। सरानवी पूरे धनुक्तर वावधान व्यवा वाद्वा निकटि शिल वाल्लार तर्म सिनन रन। कातान धनुक वनन क्वन? व्यावार अकि धनुक्तर कथा वना रन ना। वना रन, पूरे धनुक्तर वावधान व्यवा वाद्वा निकटि। पूरे धनुक वन्छ की वृव्वारा? अकि धनुक अकि व्यर्थवृत्व। पूरेंचि धनुक पूरेंचि व्यर्थवृत्व। व्यर्थवृत्व रूपेंचि व्यर्थवृत्व। व्यर्थवृत्व रूपेंचि व्यर्थवृत्व। व्यर्थवृत्व रूपेंचि व्यर्थवृत्व। वृत्वार वृत्व। व्यर्थवृत्व व्यावार व्यर्थवृत्व व्यावार वृत्व। विद्या प्रमान व्यावार वृत्व। विद्या वृत्व। व्यावार वृत्व वानिद्य नाठ। त्रुवार वृत्व वालाकिक व्यन्नित नास नूद्व।

साराश्वम अवः व्यक्षकात व्यः भणि नाम रन व्यान्नार। ठार विश्वविश्वाठ अनिता वित्वन 'फालारिका भाकान अक राग्न किमका श्वाम कारा।' उछ द्यंत क्ररात्रा कार्य अकरे, कार्क श्वाम वनवः मूता लिमान्त भक्षाम अकात्र व्याग्नाठित रुवर व्यनुवामि भून विषयि भित्रमात रद्या यादा। व्यात यिम मनगङ्गा भाकाभिन फिश्रा व्यनुवाम भक्ष्म क्षा वनात किष्टू नारे। अञ्चन्तरे वार्षेन मुम्ला नानन किनत वलन, यिनि तमून ठिनिरे क्षा श्वाम, अप्रा कार्तालत कथा। नानन किनदित मनगङ्गा कथा नग्ना

আর একটু লক্ষ করুন, জিবরীলের কথার মাঝে থিসিস আছে এবং এণ্টিখিসিসগু আছে, কিন্তু সিনখেসিসটি নাই। সিনখেসিসটি নাই বলেই অনেক গবেষক ভুল করে ফেলেন। অবশ্য এই ভুলটিগু গবেষকের তকদিরের লিখন ছিল বলেই এতদুর এণিয়ে যাবার তকদির দেওয়া হয়নি। জিবরীল বলছেন যে, ইয়া सरानवीं, व्याप्ति সেফাতি नूदात छिति, ठार ना स्नाकास्म এक পा ताখात मत्म मत्म ক্বলে-পুড়ে ছাড়খাড় হয়ে যাব। কারণ সৃষ্টিরাক্র্যের এটাই শেষ সীমানা তথা সিদ্রাতুল মুন্তাহা। লা মোকামে কেবল তিনিই যেতে পারেন যিনি আল্লাহর জাত नুরে নুরময়। মহানবী যে আল্লাহর জাত নুরে নুরময় সেই কথাটি পরিষ্কার হয়ে গেল এবং মহানবী লা মোকামে দুই ধনুকের ব্যবধানে অথবা আরো নিকটে গেলে মিলন হল। তাই তো আল্লাহর গুলিরা বলে থাকেন যে, উভয়ের রূপটি তো একই। তাহলে কাকে খোদা বলব? মহানবী কি একটি নুরময় দেহের মাঝেই সীমাবদ্ধ? **मीक्षावर्क्षणात ग**िष्ठ व्यावर्क्ष कता याग्र ना भरानवीत्क। **लार्ड भरानवी व**त्तव्हन ख, শক্ত করে দুইটি বিষয় ধরে রাখ। একটি আল্লাহর কেতাব এবং অপরটি নবীর বংশধর। নবীর বংশধর বলতে এখানে মহানবীর নুরের অধিকার রহমতরূপে যারা অর্জন করতে পেরেছেন তাদের কথাই বলা হয়েছে। যারা এই নুরের অধিকার অর্জন করতে পেরেছেন তারাই আল্লাহর গুলি। তাঁরাই পীরে কামেল। আনুষ্ঠানিক চাকচিক্য আর বাহিরের কতগুলো অনুষ্ঠানের সৈনিক ধর্ম পালন করলেই আল্লাহর গুলি হগুয়া যায় না। বরং যারা মহানবীর নুরের অধিকারটি রহমতরূপে পেয়েছেন, তারাই হলেন নবীর বংশধর। মহানবীর এই নুরের বংশধরটিকে কেমন करत व्याभीत भुशावीशा, भातअशान, अकिम व्यात भानिकता स्मत्न निक्क भारत? যারা আগুলাদে রসুলের বিরুদ্ধে প্রকাশ্যে অস্ত্রধারণ করেছিল দুনিয়ার বিহ্ন-বৈভব আর দুনিয়ার ক্ষমতা অর্জনের লোভে, তারা কেমন করে মহানবীর বংশধরকে শক্ত করে ধরে রাখার উপদেশটি গ্রহণ করে নিতে পারে? তাই তারা নবীর বংশধরদের কথাটি বাদ দিয়ে নবীর সুন্নতের কথাটি গ্রহণ করতে পারে এবং তাই করেছেন এবং এদের চেলা-চামুণ্ডারাই নবীর সুন্নতটির উপর যতটুকু গুরুত্ব প্রদান করে, ততটুকু মহানবীর বংশধরদের ধরে রাখার কথাটি একটিবার ভুলেগু উচ্চারণ করে না। মগুলার অভিষেক গাদিরে খুমে লক্ষের উপর মহানবীর সাহাবাদের সামনে सरानवीत উপদেশটিत দুইটি অংশের একটিকে सেনে निन, আর সেটা रन আল্লাহর কেতাব, কিন্তু নবীবংশটিকে ধরে রাখার আদেশটি উমাইয়া-আব্বাসীয়রা হাদিস হতে মুছে ফেলতে পারেনি, এবং চিরতরে মুছে ফলতে গেলে তাদের চিকন প্রতারণা ধরা পড়ে যাবে, কারণ লক্ষের উপর সাহাবাদের সাক্ষ্যটিকে কেমন করে উপেক্ষা করে? ধূর্ত শিয়ালের চেয়েগু এরা মহাধূর্ত বলেই হাদিসের কেতাব এবং নবীবংশের কথাটি ঠিকই আছে, কিছু তাদের চালচলন, कथावार्छा, निथनि अवः श्रष्ठात्व कथत्नार्थे नवीवः गिष्ठ वताथात स्रशनवीत উপদেশটি পাগুয়া যায় ना, এবং যাবেগু ना। কারণ

উমাইয়া আর আব্বাসীয়রা চেয়েছিল দুনিয়ার ক্ষণস্থায়ী ক্ষমতা। আজগু এই একবিংশ শতাব্দিতে খারিজি আর গুহাবিদের মুখে কেবলমাত্র নবীর সুন্নতটির কথা গুনতে পাই, কিন্তু নবীবংশটিকে শক্ত করে ধরে রাখার কথাটি তাদের বইণ্ডলোর একটি পৃঠাতে ভুলেও পাই না। আগুলাদে রসুল ইমাম হুসাইনের গলা কাটার আগে তাই ইবনে জিয়াদের কণ্ঠে গুনতে পাই, তাড়াতাড়ি গলা কাট, कातप नाभाक्रत त्रभग्न एटन याटक। राग्नद्धत स्थामा! अक्रिम व्यात रेवटन क्रिग्नाटम्त অনুসারীরা সেইদিন নামাজ পড়া যে কত মূল্যবান কাজ সেটা মুসলিম জাতিকে চোখে আঙ্গুল দিয়ে বুঝিয়ে দিয়ে গেছে। ইমাম হুসাইনের গলা কাটার চেয়ে নামাজ পড়া অনেক বেশি মূল্যবান সেই কথাটি জগতবাসীকে মনে করিয়ে দিল। জগতবাসী এই চিকন প্রতারণাটি ধরতে পারছে, এবং একদিন গবেষণার মাধ্যমে ধরা পড়বেই। কারণ সত্য যে সর্বলোকে ধরা পড়বেই, এবং এটাই যে প্রকৃতির নিয়ম, এটাই যে ইতিহাস বিশ্লেষণের শেষ কথা, এটাই যে বিবর্তনবাদের শেষ উপসংহার। তাই সমগ্র পবিত্র কোরানের একটি সুরাতে, একটি আয়াতে, এমনকি একটি শব্দ চয়নেগু পাগুয়া যায় না যে, আল্লাহ নামাজিদের সাথে থাকেন, তথা ইন্নাল্লাহা মাআল মুসল্লিন। কারণ কারবালায় ইমাম হসেনের তাঁবুতে আজান আবার এজিদের তাঁবুতেও আজান, এজিদের তাঁবুতেও এজিদের চেলাচামুণ্ডারা এবং विकाश्या व्यात्मस्रता (अिकरमत काष्ट विक्रि रुख याश्या व्यात्मस-अनामाता) नामाक পড়ছে, রাকু সেজদা দিচ্ছে, আবার আগুলাদে রসুল ইমাম হুসাইনের তাঁবুতেগু নবীর বংশধর এবং মক্কা-মদিনার জলিলকদরের সাহাবারাগু নামাজ পড়ছে। যদি আল্লাহ কোরানে বলতেন যে, আমি আল্লাহ নিশ্চয়ই নামাজিদের সঙ্গে वाष्टि, ठारटल अकिएनत टिना हासूछाता अवः विकारशा वालस-छनासाएनत त्रव्हछ

यि शकात क्थारि अस यारा। ठार राया वाल्लार वलन, क्याना ये तक्स हालां कर का का का का का का ताथ, वाल्लार राया विकास विकास

## त्रुकिवाप्तत भूल कथा

আমার নিজের কিছুদিনের বয়সের অভিক্রতা থেকে মাত্র একটি কথাই বলতে চাই। বলতে চাই সেই অভিজ্ঞতাটি অর্জন করতে একজন উচ্চাঙ্গ সঙ্গীত শিল্পীর **क्षा**श्च श्रिक्ति ति कर्राक पर्का त्रश्रील त्राधना करत या व्यक्तिकात कर्नि नाल করেছে, সেরকম আমাকেগু বই পড়ার মধ্যে ডুবে থেকে অর্জন করতে হয়েছে। সেই অর্মিত অভিজ্ঞতাটাই আমার কাছে সবচাইতে শক্ত বলে মনে হয়েছে। কী সেই অর্জিত কঠিন অভিজ্ঞতার নাম? 'নিরপেক্ষতা' তার নাম। এই পৃথিবী নামক প্রহে কতজন নিরপেক্ষ মানুষের জন্ম হয়েছে তা আমার জানা নেই। তবে সেই সংখ্যাটি অনায়াসে হাতে কলমেই করা যাবে বলে মনে করি। তেলেসমাতি ক্যালকুলেটর আর জটিল হিসাবের আজব কম্পিউটার নামক বাক্সের প্রয়োজন হবে না। নিরপেক্ষ যারা, তারা অসাধারণ। এই অসাধারণ শব্দটি কিছু কেবল বিদ্যার ছকে ফেলতে গেলেই ভুল করা হবে। কারণ পৃথিবীতে কোন পণ্ডিত ব্যক্তি আজ পর্যন্ত পয়দা হননি যিনি নিরপেক্ষ। হাঁ, যদি অহঙ্কার করছি বলেন, তবু আমি এই মতবাদ হতে এক চুলগু খসে যেতে রাজি হব না। তাহলে সেই নিরপেক্ষ व्यमाधात्रपता काता? তाদেत नाभ की? এक कथाय ठाता रत्नन कात्मन भूक्ष। याफ़्त्रत्क खलक नाम छाका याग्न। यमन, खनी, फ्त्रत्वम, भीत, फिक्त, ममुक् छक्त, भूनि, श्विष रेठ्यािफ नाम। कात्रप ब्रंता खान्नार्र्भात्कत वृद्ध। खान्नार्र्भात्कत श्विस ठाँफ्त तिथूत वािछिलात्क ठाँत रेष्टात काष्ट छे९मर्भ कर्त फिख़ष्ट्रन। निष्कत विल किष्ट्रूर तात्थनि। तिथूत वािछिला यश्वन खान्नारत रेष्टात वार्रेद्ध अक था-छ अभिद्य याग्न ना, त्मरे तिथूछलात्कर वना रग्न निष्छ शिष्ट। निष्छ याञ्ज्ञा तिथूत वािछिलात्क वाद्मा छाषाग्न वना रग्न निर्वान। खात्ति छाषाग्न वना रग्न कानािकन्नार खर्था९ खान्नारुळ काना रह्म शिष्ट, उथा खान्नारुळ निष्छ शिष्ट।

আল্লাহই একমাত্র নিরপেক্ষ। তাই আল্লাহর আর এক নাম আদিল। আদিল অর্থ অতীব সূক্ষ্ম বিচারক। তাঁর কাছে সবাই সমান। কারণ সকল মানুষের মধ্যেই তিনি রূহ তথা আত্মারূপে আছেন। নফস তথা প্রাণরূপে তিনি নেই। যদিও মনের অজান্তে व्यामता नकम এবং রহেকে তথা প্রাণ গু আত্মাকে এক করে ফেলি। সকলের সাথে তিনি আছেন তাই তিনি নিরপেক্ষ। কেউ গাছতলায় আর কেউ পাঁচ তলায় আছেন কেন বলে আল্লাহকে প্রশ্ন করা যাবে না। কারণ এই মারাত্মক বৈষম্য তৈরি করে মানুষ, অথচ অনেকেই দোষটা আল্লাহর উপর চাপিয়ে দিতে ভালবাসে। জার্মান **मार्गिनक लालिन**राञ्जादात सठ व्यतनक পश्चित्र एतास गालिए प्रित्र निट्यता সেক্সেণ্ডক্তে বসে আছেন, অনেকটা তুলসী পাতা ধোয়া জলের মত। মানুষের **हासङ्ग्रा कृ** बिस **लानि** मसाता साग्रात मतीति । जिल्हा या विश्त्र लक्ष्य लाजा वात्र করছে, এটা ধরতে কন্ট হয়। কী সুন্দর শরীর আর কী বাক্কা চেহারাখানা! যেন সাক্ষাৎ দেবতার মত। অথচ সেই মানুষটির মধ্যে যে একটা জঘন্য জানোয়ার घू ि या प्राप्त वा कि ता थक्रन हिएँनात्वत कथा। ছविए।त फिल्क नऋ कक्रन, की मूभूक्रम की मून्दत छहाता। यिष ठात कूकासित रैठिराम कि ना काल ठारल की छावरतन? थकन, व्याभिन ठात छेभति एए भूव छान सानूसि छावरहन व्यात असन मसस कि यिष व्याभनाक थसक फिरा वर्ल या, ना, कथलार अरक छान सानूसि वर्ला ना, क्र स्माटिर छाला नस। व्याभिन यिष भान्छा अस करतन, कन? छेउति यिष अ तकस रस या, व्यासि या कानि, ठूसि ठा काला ना, वूच ना, कातम क्र व्यास अक्षेत हिन्सू कालासात। यिष ठूसि ठारक छाला सानूसित एए थाछ अक्षेत हान सानूसित एए था वस। व्याभिन ठथन थांथास भछ, यारतन। सल सल छावरतन, लाक हा वर्ल की। भागन- छागन नस का?

খুবই সহজ আর একটি বিষয় নিয়ে কিছু বলতে চাই। আপনার চোখের সামনে এক পাতিল দই রেখে যদি বলি, যদিও এটা দই কিছু আসলে এটা হল অনেক পোকার একটি ভাগাড়। অনেক ছোট ছোট পোকা এই পাতিলে কিলবিল করছে। এতই ছোট ছোট পোকা যে, চোখে দেখলে বুঝতেই পারবে না যে এটা দইয়ের পাতিল নয় বরং অগণিত পোকার ভাগাড়। তুমি কি বিশ্বাস করতে চাইবে? যদিও বারবার বলছি। বার বার অনুরোধ করছি। না, তুমি বিশ্বাস করবে না এবং এক মুহূর্তের তরে চিন্তাও করতে চাইবে না। অথচ যদি তোমার চোখে মাইক্রোস্কোপ বসিয়ে দিয়ে দইয়ের পাতিলটা দেখতে দেওয়া হয় তাহলে? তাহলে দইয়ের পাতিলে পোকার কিলবিল দেখে তোমার চোখ দুইটি বিশ্বয়ে কেবল ছানাবড়াই হবে না, বরং বমি করার সমূহ বিপদ দেখা দিতে পারে। হয়তো জীবনের তরে দই খাওয়া ছেড়েও দিতে পার। অথচ চোখে দেখতে পাও না বলে আমার কথা বিশ্বাস করা তো দূরের কথা, বরং মাথা খারাপ হয়েছে বলে গালি দিতে পার। সুতরাং যা

पृष्ठि क्रांश फ्रिश् छें यात्रिल या की जा पृष्ठि क्रांन ना। छें ये पूर्वि व्वाक्ष भाव है ना। किंडू व्यक्ति जा क्रांनि अवर वृत्ति। कावन व्याण व्यक्ति साई क्रांट्साप्तव संग्र फिर्स फ्रिश निर्सि । जाई व्यक्ति यि क्रांस किं किं किं किं निर्मा ना ना, अणा फरेंद्राव भाजिन नय, ववर किं निर्मा कवा नक्ष नक्ष भाजां अक्ता जांगां विषय क्रांस वा, विषय क्रांस ना अवता थावनां कवेंद्र व्याप्त वा, या विषय क्रांस क

আর একটা নধুনা তুলে ধরেই আমি আমার আসল কথা বলতে চাই। যেমন ধরুন, যার রেডিগুর বিষয়ে একদম জানা নেই, তাকে যদি হাজারবার বুঝাতে চেন্টা করেন যে, এই বাতাসের মধ্যে মানুষের অনেক রকম কথা, অনেক রকম গান ভাসছে, সেই ব্যক্তিটিকে হাজারবার অনুনয়-বিনয় করে বুঝাতে চেন্টা করুন না কেন, এমনকি আপনার ধর্মের গ্রন্থটি স্পর্শ করে সুন্টাকে সাক্ষী করেগু বলুন, তাতে সে হয়তো আপনার সততার প্রতি ভক্তি দেখাবে, কিন্তু মনটাকে কিছুতেই বিশ্বাস করাতে পারবে না। কিন্তু যখনই তাকে রেডিগু নামক যন্ত্রটি দিয়ে বাতাসেভাসা কথা গু গান শুনিয়ে দেবেন, তখন সে চমকে যাবে। অবাক বিশ্বয়ে ছোট

বাচ্চাদের মতো এটা-সেটা প্রশ্ন করবে আর ভাববে। এর কারণ, তার মনের ভেতর আরেকটা বোবা যুক্তি ছিল, যা বার বার তাকে বাতাঙ্গে-ভাসা কথার বিশ্বস্তুতায় আঘাত হেনেছে। এখন রেডিগু গুনে মনের সেই বিরাট অবিশ্বাসের পাহাড়ে কম্পন শুরু হয়ে গেছে, ভিত নড়ে উঠেছে। তাই চোখে-মুখে থাকবে একটা বোবা বিশ্বয়ের স্পর্ট চিহ্ন। আপনি হয়তো সেই লোকটাকে গেঁয়ো বলে গাল দিতে চাইবেন। कि हु, দোহাই, সে কাজটা করতে যাবেন না। কেন? কারণ বড় বড় ক্রাঁদরেল জ্ঞানী-গুণীরাপ্ত একদিন অমন বোকার কাণ্ড ঘটিয়েছিলেন টমাস আলভা এডিসনের প্রথম আবিষ্কারের ফিল্ম দেখতে গিয়ে। এডিসনের ফিল্ম দেখানো শুরু **रन। त्रवारे ज्यवाक। अकि! मृ**ण ष्टवि छनारकता कतर**ः!** ङानीरम्त सनछत्ना কিছুতেই মেনে নিতে পারছে না, তাই সাদা পর্দার দিকে সবাই দৌড়ে এসে পর্দার পিছনটা দেখছে। অর্থাৎ পর্দার পেছনে নিশ্চয়ই মানুষণ্ডলোকে রেখে দিয়ে এরকম খেলা দেখিয়ে বোকা বানাবার কৌশল। কিছু কই, না তো, কোন মানুষ তো পেছনে নেই, তাহলে? বিরাট প্রশ্ন, এ কি তবে ভোজবাজি দেখানো হচ্ছে? অনেকটা ছোট শিশুদের আয়নায় তাদের ছবি দেখালে যেমন শিশুরা আয়নার পেছনটা বার বার উল্টিয়ে দেখতে চায়, সেরকম আচরণই করেছিলেন জাঁদরেল জ্ঞানী-গুণীরা। বিজ্ঞানী এডিসন যখন সবকিছু একটার পর একটা করে বুঝিয়ে দিলেন তখন আমেরিকার সংসদ সদস্যরা সবাই বিশ্বাস করলেন এবং এডিসনকে জানালেন তাদের আন্তরিক ধন্যবাদ। আমার মনে হয়, কোন মানুষ, সে যত বড় জ্ঞানীই হোক না কেন, অন্ধভাবে শ্লেনে নিতে চায় না। তা যত বড় মহাপুরুষই বলুক না কেন। অবশ্য কিছু লোক ভয়ে ভয়ে বিশ্বাস করে, তবে পূর্ণভাবে নয়! व्यत्नकिंग । तक्ष, रय्राका रत व्याचात रयका नाञ्च रक्क भारत। विश्वात्र व्यात সন্দেহ দুটোই পাশাপাশি তখন সহাবস্থান করে। কখনো বিশ্বাস মাথা চাড়া দিয়ে উঠে, আবার কখনো সন্দেহ। এই দোটানার দোলনায় দুলতে হয়। কত ডিজাইনের যে তখন গবেষণা চলতে গুরু করে তার ইয়তা নেই। গবেষণার ফলগুলো হল কিছু বিশ্বাস, কিছু হতেও পারে আবার কিছু হতে পারে না। দল, य**ु, नीठि, দर्भन, व्याप्टर्भ : এ**ভাবেই তৈরি হয় অনেক ভাগ। একভাগ অপর ভাগকে করে সমালোচনা, টিটকারী এবং নানান ধরনের মন্তব্য। তারপর শুরু হয় মান-অপমানের প্রশ্ন। অবশেষে শুরু হয় জানোয়ারের খেলা। সৃষ্টির শ্রেষ্ঠ জীব মানুষ তখন শুরু করে দেয় মারামারি, হাতাহাতি। পশুরা পোশাক বানিয়ে পরতে জানে না, অথচ মানুষ কত সুন্দর ডিজাইনের পোশাক পরে, গায়ে সুগন্ধি ছড়িয়ে পশুর চেয়েও ভয়ঙ্কর হিংসু হয়ে পড়ে। বোবা জানোয়ারণ্ডলো কথা বলতে পারে না। যদি কথা বলতে পারতো তাহলে হয়তো বলতো, আহা কী সুন্দর তোমরা সৃষ্টির শ্রেছ জীব! আসলে, তোমরা অনেক সময় আমাদের চেয়েপ্ত অনেক নিচে নেমে याअ। व्यात्रलरू ठारू। व्यत्नक सराभुक्षय अत्रक्य वापीत साध्यस सानुषरक मठर्क করে দিয়েছেন। কেউ শোনে আবার কেউ শোনে না।

# কোরানভিত্তিক সৃষ্টিতত্ত্ব গু অমরত্ব

এখন আমরা কোরানুল হাকিমের (কোরানের সঙ্গে শরীফ শব্দটি সমগ্র কোরানে একবারগু বলা হয়নি। তাই শরীফ শব্দটি নূতন এবং নূতন মানেই বেদাত। এবং বেদাত মানেই খারাপ তা নয়, কারণ বেদাতকে আবার দুই ভাগে ভাগ করা হয়েছে। একটা ভাল, অপরটা খারাপ। সুতরাং এই শরীফ বলাটা ভাল। তাই এটা বেদাতে হাসানা। এবং এই বেদাতে হাসানা অর্থাৎ শরীফ শব্দটি কেউ যদি ব্যবহার করেন তাতে দোষ দেগুয়া মোটেই ঠিক নয়, কারণ এটা মানুষের একান্ত স্বাভাবিক গতির দর্শন। এখানেও অনেকেই আঘাত করতে চান, কিছু অধম লিখক এর মধ্যে থাকতে চাই না। কারণ আমি মনে করি, প্রত্যেকের বন্তব্যের প্রতি সহনশীল হগুয়া উচিত, যদি উহা মার্জিত এবং ক্লচিশীল হয়। অবশ্য মার্জিত এবং ক্লচিশীল বলতে কী বুঝায় এবং সবার মনেই তা মার্জিত এবং ক্লচিশীল বলে গ্রহণযোগ্য হবে কিনা, সে প্রশ্নটিগু অনেকেই করে বসতে পারেন। এভাবে কথা বলতে গেলে কথা কেবল লম্বাই হতে থাকবে।) কোরানের দুই নম্বর সূরা বাকারার একশত চুয়ান্ন নম্বর আয়াতটির মূল অনুবাদ, বাংলাতে আরবি উচ্চারণ এবং বিশদ উনসন্তর নম্বর আয়াতটিরগু ব্যাখ্যা দিতে চাই।

গুয়ালা তাকুলু লিমাই ইয়ুকতালু ফি সাবি লিল্লাহে আমগুয়াত, বাল আহ্ইয়া **छ अञ्चाला किल्ला जागर्छक्रवा।** 

'श्रवः विनिश्च ना याता व्यान्नारत ताष्ठाग्न निरुण रखिष्ट, "ठाता माता शिष्ट।" ना, कथलार्थे नग्न। ततः लाता क्रीतिल।'

अशाला जार्त्रावान्नाल लाकिना कुछिनू कि त्राविनिन्नारि खासअशाजान्, वान

व्यार्थेशाउँ रेनमा तात्विश्म रॅंडेतकाकूना। 'श्रवः ना ना, रिष्ठाञ्च करता ना, याता व्यानारत ताष्ठाश्च करन् रखायः ठाता मुठ। ना, ना, क्शांतार नेश। ततः ठाता कविष्ठ। ठीता ठाएमत तर्वत निक्र रेट्ट र्वक्रक

अशाल श्वाङ्गाविकङात भावा यावाव क्यां विला रश्वि। वला रखाष्ट्र यावा निरु रखाष्ट्र। श्व श्वाङ्गाला अक क्रिक, अर क्यां विला रश्वि। या निरु व्याङ्गाला प्राप्ता रखाष्ट्र। यिष्ठ निरु वेतर्ण व्याङ्गाला रखा थात्वा व्याद्य। यिष्ठ निरु वेतर्ण व्याद्य। यावाव त्व विल् र रल र रत ना। त्रर निरु र वाव त्रत्य अकि विल् र वाव विल् र रहा विल् र विल र वि मूठताः किर्न निरुठ रति है एनक ना, वतः अक्साव वानारत तिशिष्ठ व्यवना वानारत अनुर रक्ष रक्ष विरुठ रक्ष निरुठ। ठार वातप कता रख्ड, निरुष कर्त पर्छण रख्ड, अकिए क्या ना वन्का की प्रष्ट क्यां या मतामति वानार वासाप्ततक वनका अक्स साना करत फिलन? प्रष्ट क्यां है रन, याता वानारत भरा व्यवना वानारत कर्ना निरुठ रखेष्ट्रने, ठाप्तित्त छुले ब्रुक्तात माता शिष्ट्र तल धार्यमा कर्ने भारत है। जाता माता शिष्ट्र वे क्यां वि अर्थित ना तल ततः अर्थित्र हमित्र क्रिक्ट विद्या क्रिक्ट विद्या क्रिक्ट विद्या क्रिक्ट विद्या क्रिक्ट विद्या क्रिक्ट विद्या विद्या क्रिक्ट विद्या विद्

या, 'श्रवः विनिश्च ना।' किन्नू की विनिश्च ना मिट विषयि वाण जूल धरा रयनि। वरः भरत वना रखिष्ट या, याता जानारत क्रमा निरुज रखिष्ट जाम्बरक भ्रज वा सद्ध शिष्ट वृनिश्च ना। श्रेट ज्ञाम्मिण जम्मिण करत वना रयनि, व्यथना ভाষोत सात-नेपाए शांपित्य नेला र्यान। अनुमस সোজा नृत्त, अनुमस मामाभार्थी छात्राय मतामति भागा कता रखाष्ट या, 'अवश विनिश्र ना याता खान्नारत ताञ्चारा निरुठ रखिष्ट ठाप्मतत्क 'ठाता माता प्रार्ष्ट' वर्रे क्यां हि छूले छेष्टीत्र ক্রিগু না। তার মানে 'তারা মারা গুছে' বলাটিই কোরান বিূরোধী এবং যাহা কোরান বিরোধী উঁহা বলা হারাম, তথা একদম নিষিদ্ধ, তথা দুই ঠোটের ইপর তালা মেরে ঝুলিয়ে রাখা হয়েছে। একটু লক্ষ করে দেখুন তো, পরের বাক্যটিতে ধমক দেগুয়া হয়েছে, সাবধান করে দেগুয়া হয়েছে, ঈতর্কতা অবলম্বন করতে বলা হয়েছে, কোন প্রকার চিন্তাভাবনা মনের ভেতর আসুতে বারণ করা হয়েছে এই বলে যে, 'না কখনোই নুয়'। সুতরাং এখানে আমরা দুটি আদেশ वा रकुष प्रभुक्त भाष्टि। क्षेत्रम व्याप्रभिष्टि रल, व्यान्नारत कुना याता निरुठ रहा তাদেরকৈ মৃত বলতে বারণ করা হয়েছে, এবং অপর আদেশটি হল, আল্লাহর জন্য याता निर्श्व रश जाप्ततुत्क भुज वर्त्त छिन्ना कत्वज अकम्भ भाना कर्दन प्रश्रुग रखिष्ट। करु वर्ष प्राधारिक केथा, भुरु वनळि खमन माना कता रखिष्ट ळम्नि मुछ तत्न मत्न मत्न छिष्ठा कता रुळ्छे माना कत्त प्रम्थशा रुखएर। कातान मुछ যোষণা করতে যেমন

हैनकात करतिष्ट्रन, क्रिसनि वर्ष्ण वर्ष्ण वर्ष्ण विद्या कति त्रक्ष हैनकात कता हरस्ष्ट्र। असन साताञ्चक निर्फ्ण अठकान कातान गरविषण करते अकि वार्क्ण शहिन। कात्रण व्यासता कस-विभि त्रवाहें क्रानि या, गतिस्व व्याहें क्रित काता विषय िष्ठा कर्ति हिंचा हि

হবে না। কারণ ইহা বাস্তবে করা হয়নি, কেবল চিন্তাভাবনা করেছিলাম। কারণ

শয়তানকে আমার ভেতর খান্নাসরূপে চুকে যাবার ক্ষমতা দেওয়া হয়েছে বলে শয়তান আমাকে কুমন্ত্রণা দেবার অধিকার পেয়েছে, কিছু সেই অধিকার বাস্তবে করা না করাটা সম্পূর্ণ আমার উপর নির্ভর করে। তাই যদি শয়তানের গুয়াসগুয়াসা হতে মুখ ফিরিয়ে নেই তাহলে ইসলামের আইন অনুসারে আমাকে কোন প্রকারেই দোষী সাব্যস্ত করা যাবে না। কিছু সমগ্র কোরানে মাত্র এই কয়টি বাক্যে এর সম্পূর্ণ ব্যতিক্রম লক্ষ করি ক্ষাইভাবে। পরিষ্কারভাবে লক্ষ করেছি যে, এই বাক্যেই কেবল বলা নয়, এমন কি চিন্তা করতে পর্যন্ত একদম মানা করে দেগুয়া হয়েছে। আর সেটাই হল, যারা আল্লাহর রান্তায় নিহত হয়েছেন তাদেরকে মৃত বলতে যেমন মানা করা হয়েছে, তেমনি মৃত বলে চিন্তা করতেগু মানা করা হয়েছে। সত্যিই, কোরানের ভাষার গাঁপুনি অপূর্ব বিজ্ঞানময় একটি মহাবিশ্বয়।

'আমগুয়াত' তথা 'তারা মৃত' এই সন্দেহ করছ? ভাবছো যে তারা মারা গেছে। সাধারণ দৃষ্টিভঙ্গি তো মারা যাবার কথাটাই বলতে চায়। কিন্তু এই অতি প্রাচীন প্রকৃতির সত্যটিকে কোরান এমনভাবে 'তারা মৃত' শব্দটিতে দাঁড় করিয়ে রেখেছে যে, মানুষের অতি শ্বাভাবিক চিন্তাধারার উপর থাপ্পড় শ্লেরেছে। তার মানে— না, তারা মৃত নয়। 'তারা মারা যায়নি' কথাটিকে কোরানের অনুবাদ যারা করেছেন তারা তেমন বেশি কিছু চিন্তা—ভাবনা না করেই ফস করে একটা গোঁজামারা ব্যাখ্যা দিয়ে দায় সেরে গেছেন, এবং এই দায় সারাতে গিয়ে কত সহজ–সরল মানুষেরা এরকম ব্যাখ্যার অখাদ্য খেয়ে ভুলের জটিল আমাশয় রোগে ভুগছেন

তার ইয়তা নেই। শত 'ফেলাজল'-মার্কা ঔষধ খাওয়ানোর পরও কিছুদিন পর পর ভুলের আমাশা মাথাচাড়া দিয়ে ৪ঠে। সেই ব্যাখ্যাটি এত সুন্দর যে, আপনার সরল বিবেক চট করে লুফে নেবে। আপনি সামান্য চিন্তা না করেই বলবেন, বা! কী অপূর্ব ব্যাখ্যা। 'তারা মারা যায় না' কোরানের এ কথাটিকে তারা ব্যাখ্যা করে বুঝিয়ে দেন যে, আল্লাহর পথে যারা নিহত হয় তারা অমর। তাদের নাম ইতিহাসের পাতায়, মানুষের স্মৃতির পাতায়, মুখে মুখে প্রবাদ বাক্যের মত অমর रख शाक। ठार ठाता व्यवत। व्यवकिंग এर िकार्यवत व्याभार वापित वामा করবেন এবং পড়ে মেনেগু নেবেন। কিন্তু এই ব্যাখ্যাটি যে কত মারাত্মক এবং জঘন্য ভুল সেটা কি একবার ভুলেও ভেবে দেখতে চেন্টা করেছেন? আপনি কি একবার ভেবে দেখেছেন যে, এরকম সম্ভা দামের অমরতা আল্লাহর রাম্ভায় নিহত না হয়েগু পৃথিবীর অনেক মানুষের ভাগ্যে জুটেছে। আল্লাহর রাস্তায় নিহত হওয়া তো দূরের কথা, বরং যারা আল্লাহ বলে কোন সুষ্টাই নেই এমন ঘোষণা করেছে, যারা আল্লাহর রাস্তায় নিহত হগুয়াকে অমরতা লাভ করা তো দূরের কথা, বরং জ্ঘন্য ভাষায় টিটকারী করে, মন্তব্য করে বলে যে, আল্লাহর রাস্তার অপর নাম रन व्याफिस (খয়ে विसालात ताम्रा, लिंगा খाওয়া বেতাन ভারসাম্যহীন মানুষদের বিকৃত চিৎকারের নোংরা ফসল। আল্লাহর রাস্তাকে এমন জঘন্য ভাষায় গালি দিতে যাদের জিহ্বা এক মুহূর্তের তরেও থরথর করে কেঁপে উঠেনি, সেই সব ভণ্ণরাও পৃথিবীর ইতিহাসে বিরাট অমরত্ব লাভ করেছে। এমন 'মহান ব্যক্তিরা' অদ্বিতীয় মহাপুরুষ হিসেবে শুধু কিছু লোকের কাছে নয় বরং বহু দেশে রীতিমত পূজনীয় ব্যক্তিত্বরূপে অমরতা লাভ করেছে। তাহলে? কোরানের এই বাক্যগুলোর সঙ্গে কি এরকম ফালতু অমরতা জগাখিচুড়ি পাকিয়ে আমাদের এবং আমাদের পরে যারা আসবে তাদের পাতে দেবার জন্য পরিবেশন করে রাখা হচ্ছে না? কোরানের বর্ণিত এই অমরতার অর্থ সম্পূর্ণ অন্যরকম ভাব বহন করে। ঢাক-ঢোল পেটানো, চোখ ধাঁধানো অমরতা এটা নয়। বরং এই অমরতা আসল অমরতা, অর্থাৎ সীমিত গণ্ডির বন্ধন হতে এরা মুক্ত। জীবন-মৃত্যুর গোল চাকার বারবার ঘুরে আসার শৃক্ষখল এরা ভেঙ্গে ফেলেছেন, তাই এদের আর মৃত্যু নাই। কোরানের এই অমরতা रन, अशाल প্रकारण अकिं नियत नाम रुख छखा আছেन, ज्यर क्षे अकरें ममख অন্য জায়গায় হয়তো মুরিদানের সঙ্গে কথা বলছেন, নয়তো পায়ে হেঁটে, ঘোড়ায় চড়ে, নৌকায় বসে নদীপাড়ি দিতে দেখা যাচ্ছে। তার মানে, কোরানের এই অমরতা বন্দিজীবনের বোবা জ্বালা-যন্ত্রণার দহন হতে মুক্ত। কারণ এই রকম দহনকেই জাহান্নাম বা নরক বলা হয়। জাহান্নামের আগুন যে মাত্র একটি জিনিসই আক্রমণ করে, একটি মাত্র ঘরেই সে আণ্ডন ধরিয়ে দেয়, আর সেই আগুনের যে কী ভয়ঙ্কর প্রচণ্ডতম জ্বালা যে, সইতে না পেরে আত্মহত্যা করে। জেনে শুনে সেই ভয়ঙ্কর বিষ পান করে, যে বিষের পরিণাম অবধারিত মৃত্যুবরণ। অথচ উপর হতে কেউ বুঝতে পারে না সেই ফ্বালার ভয়াবহ দহন। দুনিয়ার আগুন তো এর সামনে একেবারেই তুচ্ছ। তুলনা দিতে গেলেগু হাসি পায়, তাই তো আমরা জাহান্নামে বাস করছি। জাহান্নামে যাবো না, বরং আছি। একদম বর্তমান কাল। অথচ এই জাহান্নামে বাস করা, আল্লাহকে অশ্বীকারকারী, নমক্রদ-ফেরাউনের भेठ केठ नात्मत भानुत्यता

অমর হয়ে আছে। কোখায় দুনিয়াতে বাস করা মানুষের অমরতার কথা তুলে ধরা, আর কোখায় কোরানের বর্ণিত অমরতার গোপন রহস্য! সত্যি, ভাবতেও অবাক नाश, कातालत अतकम मार्का-माता कर मनगरु। वराश्या পछ পछ व्यामता কত দলে কত মতে ভাগ হয়ে চলেছি, যেন ডারউইন সাহেবের বিবর্তনবাদের একটি ছাপ মনগড়া ব্যাখ্যার উপর সুগন্ধি ছড়ানোর স্প্রে মারা হচ্ছে। 'তারা মৃত নয়' কোরানের এই কথাটি ঘোষণা করার সাথে সাথে বিপরীত কথাটিগু বলে দিয়েছে। 'বাল আহইয়া' অর্থাৎ 'বরং জীবিত' অর্থাৎ তারা অমর। কোরানের এই অমরতার কথাটি আমাদের দুনিয়ায় প্রচলিত তথাকথিত অমরতা নয়। তবে কোরানের এই 'বাল আহ্ইয়া' তথা 'বরং তারা জীবিত' কথাটির রহস্য বাজারে णानू त्रभा व्यभत्रा नग्न तत्नरे त्रवात शक्त त्रवाश त्रभव रखा छैळं ना। कातात्नत এই অমরতা সবাইকে এমনভাবে চমকিয়ে দেয় যে, মনের মধ্যে আস্থা মোটেই আসতে চায় না, বরং আজগুবি, গাঁজাখুরি কল্পনা ইত্যাদি বলতে হয়। বলতে বাধ্য হয়, কারণ কথায় কথায় এর প্রমাণ দেগুয়া যায় না। এমনিতেই মানুষ একটি নতুন বৈজ্ঞানিক সত্যকে সহজে মেনে নিতে চায় না। প্রথমে চমকায় তারপর ধীরে ধীরে মেনে নেয়। অনেকটা ঘাড় ধরে জোর করে মানানোর মত। সেখানে নূতন বৈজ্ঞানিক সত্যণ্ডলোকে মানিয়ে নিতে অনেক সময় বেগ পেতে হয় বৈকি। আর যিনি সুষ্টা, যিনি সর্বময় ক্ষমতার একমাত্র মালিক, যিনি একমাত্র প্রশংসার মালিক (এখানে একমাত্র প্রশংসার মালিক বলার মধ্যেও অনেক কথা এবং ব্যাখ্যা থেকে যায়। তবু পাঠকদের সামান্য বুঝানোর জন্য বলতে হচ্ছে যে, আল্লাহ ছাড়া কেউ থাকলে তো প্রশংসার প্রশ্নুটা উঠে। আসলে তিনি ছাড়া যে আর কেউ নেই। আর কেউ থাকলে তো প্রশংসা করবো। যেহেতু তিনি ছাড়া আর কেউ থাকা তো দূরের কথা, একটি বালি কণারগু যদি আলাদা অগ্রিত্ব থাকতো তবে তো সেই বালি কণাটির প্রশংসা করা যেত। তিনি ছাড়া যে আর কিছুই নেই, তাই নেই যাহা ठाहात श्रमःत्रा किसन कर्त कता यात्र? त्रूठताः अकसात श्रमःत्राणि किवनसात ठातरे जन्म कता कराणि काताल श्रथसरे धार्यण कता रखण्ड अरे वल ध्य, व्यान रासपू निल्लार ताक्तिन व्यान व्याप्तिन। अरे अकसात श्रमःत्राणि ध्य अकसात व्याल्लारका जन्म, अत विद्यातिक व्याणा ३ यूकि विद्यातिक जासात तिक कातालत कर्मात पादन) कांत तरमा, कांत साद्यक्ति कथाश्रमा वूषा कर्मूक् मक रूक भादा! व्यासाद्यत रेन्द्रिश्चात्र यक पूद्ध यावात अवः वूषावात मिक थाक ना कन, किन्न ठाता अक्षे विकातिक वाक्षित व्याणा कर्मे व्याप्ति विद्या विवाद श्रमे व्याप्ति विद्या श्रमे विद्या विद्या श्रमे विद्या विद्या श्रमे विद्या विद्या श्रमे विद्या श्रमे विद्या श्रमे विद्या विद्या

### কয়েকজন অলীর পরিচিতি

আজকের দিনে অনেক আরবি-ফার্সি জানা পীরে কামেল (?) পাগুয়া যায়, এবং অনেক মানুমের আগমনও ঘটে, কিছু সেই রকম দুনিয়াকে লাখি মেরে আল্লাহর প্রেমে মান্ত হয়ে থাকা মজুবের কদর আরবি ভাষায় বিদ্বানদের কেতাবি ফতোয়ার চোটে প্রায় বুঝতে পারে না। আসলে কথা হল, যেয় সে কো তেয়সে মিলে, ভূতের কপালে পেল্লী মেলে। আমি যেমন তেমনটিই তো বেছে নেব। কারণ এটাই হল তকদির। এর বেশি খোলাসা বয়ান করতে চাই না। তাই স্বাধীনভাবে কিছু খুলে লিখতে পারি না। যারা বোঝার তারা এই সামান্য কথাতেই আমার কথা পরিষ্কার বুঝতে পারবেন। কারণ আকলমন্দকে লিয়ে ইশারাই কাফি হ্যায়।

यतिक कासिन सक्कृत फ़िट्मत यानाक कानाक ছिड़ि एस छिटि एस याछन।
निम्ना हिनात कराणि नाम रेष्णा करतर छेल्लाच करनाम, यामन— लोरकः छेनिकात कष्म ममान, भीनगतित छान ममान, एनका मरतित छानचात नूलित क्रिम ममान, भीनगत छेनिकात मिकातनूत भाषात निम्नू छाष्म ममान, विभ्ना क्रिनात छारे निम्नू ममान ममान, क्रिन्नात मणन छेनिकात त्वाचा प्रानासमान मार लाउँ।, एनकात नवावगक्ष छेनिकात व्यागना गानिमनूत्वत वावा व्याकाकूष्णीन ममान, मस्मनिम्ट्र छून मार वावा, मामू ममान, क्रिन्नत व्याकात त्राक्षित यामान वावा, मामू ममान, क्रिनात व्याकात त्राक्षित व्यामां अवत व्यामां अवत व्यामां व्याकात व्याकात व्यामां व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्यामां व्याकात व्यामां व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्याकात व्यामां व्यामां व्यामां व्यामां व्याकात व्याकात व्याकात व्याकात व्याकात व्याकात व्याकात व्याकात व्यामां व्याकात व्य

अत्रक्षशाद्य वर भीद्र कास्मिल्एत नाम उल्लूथ कता यार्। अंत्रत नामछला क्व उल्लूथ कतळ शनाम? अक्रनार अंत्रत नामछला वनळ रन या, रनातार प्रारं प्रव मराभूक्षय याप्तत्रक कात्रात 'वान आर्रेशा' वल घाषणा कद्धरून। 'वतः ठाता क्रीविठ' अरे माध्याठिक तरलात अक अकि क्रीवर पृच्छा रलन अंता। अथक आमता कराक्षन ठाप्तत किनळ श्वाहि? कराक्षन कानळ श्वाहि? कराक्षन अरे उप्पन-तरलात मामाना आग्राम श्वाह्य क्वाह्य भागात अठ विनि या, आमने शासाना अकि किल भागात वाभात। हा, मिळारे रेश ठकि दितत वाभात। आभनात ठकित्व लथा थाकला अवगारे कान ना कान उमिनाळ श्वाह्य याद्यनरे। आत यिष ठकित्व लथा ना थाक्ल ठारल वाह्यित मामत थाकला आभिन शादन ना। आभनात मन-मण्ड या माक्राता रख शास्त्र प्रारं तक्म माक्राता किक्रिंगेर का कम कद्य कूक्ष यादा। आत ठारे श्वाह्य आभिन रदन सराधूमि।

বাংলাদেশের বিখ্যাত কবি শামসুর রাহমান একবার টেলিভিশনের পর্দায় একটি চমৎকার কথা বলেছিলেন। সেই কথাটির মূল বিষয়বয়ু হল, রবি ঠাকুর, কান্ত্রী নজরুল ইসলাম আর লালন বিশ্ববিদ্যালয়ে পড়িয়ে বানানো যায় না। যদি यिত তাহলে এতদিনে কত হাজার এরকম কবি আমরা পেতাম? কবি শামসুর রাহমানের মত অধম লিখকও বলতে চায় যে, আল্লাহর পাঠানো দুই লক্ষ চবিবশ হাজার নবীদের মধ্যে একজনও মাদ্রাসায় পড়েনি। কারণ মাদ্রাসায় পড়ে কেউ নবী रश ना। साम्रात्राश পाশ করে মুফতি, মাওলানা হওয়া যায়। তেমনি পীরে কামেল **२०० २० नकत्रत त्रत्य क्षिए शका शत्रात्रिक ठा**ड़िख फ्वात व्यथवा খান্নাসটিকে মুসলমান বানাবার সাধন-ভক্ষনে লেগে থাকতে হয়। এই সাধন-ভক্ষন যুক্তি-তর্ক আর আইনের জটিল ধারাতে পাগুয়া যায় না। পাগুয়া যায় আল্লাহর সঙ্গে প্রেম-ভালবাসা দিয়ে। আল্লাহর সঙ্গে প্রেম-ভালবাসা কতটুকু করলে আল্লাহকে পাগুয়া যেতে পারে বলে যদি আমাকে প্রশ্ন করেই বসেন, তাহলে राठकारु कदा ऋमा क्रा जाता कातन वामि । विषया व्यक्त। याररू वामि । स्ट বিষয়ে অন্ধ, সেহেতু ইহার মাপকাঠি আমি নই। কারণ অন্ধ কখনো এবং কোনদিন সত্যের মাপকাঠি হয় না, হতেই পারে না। যিনি আল্লাহর রাস্তায় কতল হয়ে গেছেন তাঁকে খুঁজে বাহির করুন, কারণ তিনি কতল হয়েও যে জীবিত অমর, 'বাল আহইয়া', এবং তাকেই জিঞেস করুন যে, কেম্বন করে আমি এই অমরতার পুরষ্কার পেতে পারি সেই পথ ৪ রিয়াজত আমাকে দয়া করে শিখিয়ে দিন, বুঝিয়ে দিন। কারণ সিংহের শরীরে কতটুকু শক্তি আছে সেটা কেবল বাঘই বলতে পারবে, কিন্তু একটা বাইতা ইঁদুরের পক্ষে কি তা সম্ভব? যেহেতু এ বিষয়ে আমি বাইতা ইঁদুরের মত একটি জীব, তাই সিংহ নামক জীবের শক্তি কেমন করে আন্দাজ করতে পারবো?

কথায় বলে, বনে যারা বাস করে তাদের বনেতেই মানায়, এবং শিশুকে মানায় মায়ের কোলে। ভাটিয়ালি গান, চাষাদের আনক উৎসবগুলো চাষা পরিবেশেই সুন্দর মানায়, কিন্তু গুটাই যদি পাঁচতারা বিলাসবহল হোটেলে শো করে দেখানো হয় তাহলে কি ততটুকু মানাবে? কোখায় যেন একটা গৱমিল আপসেই মনের মধ্যে ধরা পড়তে চাইবে। এটাই স্বাভাবিক। সে রকম মদ্রোসার ক্লাশরুমে বসে व्यथवा व धत्रत्वत्र त्कान भित्रत्वत्म त्थर्क त्कात्रात्वत्र वराधरा निधाएँ।त सात्वश्च त्यन কোথায় একটা গরমিল থেকে যাচ্ছে বলে মনে হবে। সমাজ জীবনে বাস করা মানুষণ্ডলো এই গরমিলের হিসাব মিলাতে গিয়েই খায় হিমশিম। শৃক্মখলার শক্ত বাঁধনের ভেতরগু যেন ঢিলামির অদৃশ্য ফাঁক থেকে যাচ্ছে বলে মনে হয়। অথচ ভাল করে দেখেও সেই ফাঁকটুকু আবিষ্কার অনেকেই করতে পারে না। যারা পারে না তাদের কোন দোষ নেই, এবং দোষ দেওয়াও চলে না। কারণ এটা যে তকদিরের খেলা। এ খেলার সুতোটা কোখায়? খুঁক্তে খুঁক্তে না পাগুয়ার হতাশায় দীর্ঘস্বাসটিও যে তকদিরের খেলা, সেটা মনপ্রাণ কিছুতেই মেনে নিতে চায় না। অসম্ভব বলে চোখ-মুখ লাল করে বিদ্রোহ নামক আক্ষালনটির আগমন যে অবধারিত। অনেকটা গাড়ি নিয়ে পথে এসে একসিডেন্ট করে মৃত্যুকে বরণ করার মত। হাসতে হাসতে পথে বেরুলাম, কিছু তকদির যে এত করুণ হবে এটা কি কেউ ভাবে? ভাবতে চায়?

এবার আমরা কোরানের বর্ণিত 'ইয়াকতালু' শব্দটির সামান্য ব্যাখ্যা করতে চাই। 'কতল' শব্দ হতে ইয়াকতালু। কতল অৰ্থ হলো হত্যা, খুন, মেরে ফেলা। কোরানের এই ইয়াকতালু শব্দটি ব্যহার করার দরুন চিন্তার রাজ্যে অনেক রকম অর্থ হবার চিন্তাভাবনা আসা শ্বাভাবিক। বেশির ভাগ কোরানের ব্যাখ্যাকারীরা এই ইয়াকতালু শব্দটি থাকার দরুণ ধর্মযুদ্ধে শহীদ হবার চিন্তাটি টেনে আনতে বাধ্য হয়েছে। এতে সমস্ত বিষয়টিতে মিল থাকুক আর নাই থাকুক, ইহা ছাড়া তাদের মাথায় অন্য ধরনের ব্যাখ্যা করার মত চিন্তা চুকতে পারেনি। অথচ সূরা বাকারার একশত তেপান্ন আয়াত হতে একশত সাতান্ন আয়াতের সমস্ত বর্ণনার ধারাবাহিক হবহ অনুবাদ করে দেখুন, একবারও এই ধরনের সামান্যতম ইঙ্গিতও পাগুয়া যায় না। ধর্মযুদ্ধের কথা তো বাদই দিলাম। তাহলে সহসা 'তাকুলু' শব্দটি क्ति व्यवहात कता रुन? व्याभवा कातात्वत व्याणत अवः (अष्टतित त्रविष्टा) আয়াতের অনুবাদে তন্ন তন্ন করে খুঁজে দেখবো, রক্ত পরীক্ষা করার মতো, অনুবীক্ষণ যন্ত্রের সাহায্য নেবার মতো হাজার প্রশ্ন এবং জিজ্ঞাসার গবেষণায়গু তাকুলুর সঙ্গে কোন প্রকার যুদ্ধ, মারামারি অথবা এ ধরনের কোন প্রকার সামান্য একটি ঘটনারগু উল্লেখ পাই না। অথচ তাকুলু শব্দটি ব্যবহার করা হল কেন? তা হলে এই তাকুলুর অর্থ কী হতে পারে? যদিও সাধারণ অর্থে ধর্মযুদ্ধে খুন হওয়াটাকেই আমরা শহিদ বলি, কিছু এখানে তাকুলু শব্দটি কেন ব্যবহার করা रन? ठाकूनू व्यर्थ यिन स्मर्त्त रफना रश्न, ठारटा कि स्मर्त्त रफनटा वना रन? अत আগের আয়াতেই কিন্তু বলা হয়েছে যে, যারা সালাত এবং সবর তথা ধৈর্যধারণ করে, তাদের সঙ্গে অবশ্যই আল্লাহ আছেন এবং থাকেন। এখানে আল্লাহ আছেন এবং থাকেন বাক্যটির সঙ্গে 'অবশ্যই' শব্দটি ব্যবহার করা হয়েছে। তার মানে আল্লাহর নিশ্চয়ই থাকার কথা স্পষ্ট ঘোষণা করা হয়েছে।

# আমানু ৪ মুমিনুগণের মধ্যে পার্থক্য

এর আণের আয়াতে তাদেরকেই লক্ষ করে বলা হয়েছে যারা আমানু। অন্য কাহাকেগু কিন্তু বলা হয়নি। একমাত্র আমানুদেরকেই লক্ষ করে বলা হচ্ছে। এখানে কিছু ইনসান, মোমিন অথবা মুসলমানকে লক্ষ করে বলা হয়নি। ইনসান তথা সাধারণ মানুষকে আমভাবে বলা হয়নি। তারপর মুসলমানকেগু বলা হয়নি। কারণ भूमनभान रन मनगठ त्राभात। जात साभिनत्क तनात श्रभूर छेठेळ भात्त ना। কারণ মোমিন তারাই, যারা আদেশ-নিষেধের বাইরে চলে গেছেন। মোমিনকে লক্ষ করে সমস্ত কোরানের একটি আয়াতেও বলা হয়নি, 'ইয়া আইয়ুহাল মুমিনু'। কারণ মোমিনের জন্য যেহেতু আদেশ অপ্রয়োজন, সেহেতু উল্লেখ করার প্রশ্নই উঠে না। কেবল এখানেই নয়, বরং কোরানের অধিকাংশ আয়াতে আমানুদেরকেই লক্ষ करत ये वारूम वात उपरूम प्रथशा रखिष्ट। वाभानू ठातार याता प्रभानत सरुषा व्याष्ट्र। याता स्माप्तिन रुवात माधनाग्न व्यष्टित रुख माधनाग्न निस्न, याता সংগ্রামরত নফস তথা প্রাণ, যারা নফস তথা রিপুর বাধ্যতামূলক গোলামির শৃক্ষখল ভেঙ্গে ফেলার জন্য যোদ্ধার বেশে নীরব যুদ্ধে সংগ্রামরত অবস্থায় ছটফট করছে, তাদেরকেই আমানু বলা হয়। আর এই আমানুদেরকেই একমাত্র উদ্দেশ্য

করে কোরান ঘোষণা করছে এই মহা সুসংবাদ। সুতরাং ধর্মযুদ্ধের কথা তুলে ধরা এবং সেই যুদ্ধে শহিদ হবার কথা এখানে একবারগু উল্লেখ করা হয়নি। অথচ অনেকের মনে এই ধরনের চিন্তা আসতে পারে। কিন্তু আমি অতি দুঃখের সাথে বলতে বাধ্য হচ্ছি যে, এরকম চিন্তা করাটাই ভুল, এবং এই ভুলই আমাদেরকে উপহার দেগুয়া হয়েছে। আল্লাহকে লাখ লাখ গুকরিয়া এবং তার সঙ্গে লাখো **मानाम कानार अर मरान मारातात्क, यिनि रमारम त्करनाठारेत्नत पूरे-पूरे**ि नृदात छार्का পाछशा व्याधिकन भूधिनिन, यिनि छात प्रसम्र धन-प्रम्प रक्षात्म কেবলাতাইনের পদতলে লুটিয়ে দিয়েছেন সেই মহা মহীয়ান হজরত উসমানকে। কারণ তিনিই সমস্ত কোরানকে একত্র করেছিলেন। এই দায়িত্ব যে কত বড় দায়িত্ব পালন করা তা তুলনামুলক ধর্ম বিষয়ে গবেষণা করতে গেলে মর্মে মর্মে উপলব্ধি করা যায়। শুদ্ধেয় খ্রিস্টান ভাইয়েরা রাগ করবেন না, কারণ অধম লিখক নিরপেক্ষ, সাইনবোর্ড ফেলে দিয়েই কলম ধরেছি এবং আপনাদেরকে বলছি যে, হিক্ল ভাষায় বাইবেল না পেয়ে গ্রিক ভাষায় বাইবেলের অনুবাদ কেন পাব? व्यनुवाप्तत त्रत्य किन भून छाषात वार्रेक्नि भागाभागि ताथा रन ना? व्यनुवाप्त অবশ্যই সত্য থাকে, কিন্তু অনুবাদ যত সুন্দর আর মার্জিতই হোক না কেন তাতে আসল সত্যটির উপর বিকৃতির অনেক ঢাকনা যে পড়ে তা দুনিয়ার সাধারণ সাহিত্য পড়লেগু অতি সহজেই বুঝা যায়। তাই ইটালিতে একটা প্রবাদ আছে যে, অনুবাদকের আর এক নাম বিশ্বাসঘাতক। এই ইটালির প্রবাদটি যে কত বড় সত্য कथा, ठा क्विन व्यापनाप्तत विनाश वनिष्ट ना, व्याक्षाप्तत विनाश अकवात नक्र করে দেখুন তো, আমাদের কোরানের ব্যাখ্যার কথা তো একদম বাদই দিলাম, এমনকি কোরানের অনুবাদের প্রশ্নেগু পনের-বিশটি অনুবাদকের অনুবাদ পড়ে प्रिश्न क्या, मिल भान किना। यि माधात्रण अकरें। कथा ठूटल धर्तिष्ट, काताति यालार व्यामार व्यामार ना वर्ट्स 'यामार' ना वर्ट्स 'यामार' वर्ट्स व्यामार व्यामार यामार यामार यामार व्यामार व

# তকদির সম্পর্কে সূক্ষ্ণ তত্ত্ব

याता व्यासान क्वनसान जाप्ततकर नक्ष करत व्यानार वनष्टन या, याता निक्रफ्त तिर्वेष्ठलात (अशान-श्रामसका प्रनात श्वर वाधी प्रान करत, याता निक्रफ्त तिर्वेष्ठला या प्राप्त जा पिक्क विक्रफ्त तिर्वेष्ठला या प्राप्त जा किल्ल व्यान करत, याता निक्रफ्त तिर्वेष्ठलाक यासन श्रीम क्विस्त विर्वेष्ठलाक क्वाचिक्त करते याता निक्रफ्त तिर्वेष्ठलात लाउनीय स्थाति उत्त जाना व्यानया क्विस्त क्विस्त विद्यालया या वर्षे

ত্যাই করার গোলামি হতে মুক্তির তরে যুদ্ধ করছে এবং এই রিপু নামক দানরু-দৈত্যদের বিরুদ্ধে যুদ্ধ করে জয়লাভ করেছে, তাদেরকেই ফুল্লোহর জন্য নিহত रख़िष्टन' तत्न कादीन धाष्मा कद़ाष्ट्र। की मुन्द्रत ভाষात निश्रुं कि भूनू जतनप्तन করে বলা হয়েছে, যাতে অনেক রকম অর্থ করা যায়। ভূষাির কী বিজ্ঞানময় কৌশল! যার জন্য কোরান নিজেই যে কতবার বলছে যে, এই কোরান পাঠ করে কেই পুষ পাবে. আবার কেউ পাবে না। কেউ প্রশংসায় অভিভত হরে. আবার কেউ বিরূপ, মন্তব্য ছুড়ে অশ্বীকার করবে। আবার কেউ ব্রঝতে গ্রিয়ে ভল বুঝাটাকেই ঠিক বুঝ মুলু করবে। আবার কেউ নিজের বুঝাটাকৈই সঠিক <u> विकार्राण जुलू तलरित। योष्ट्रे तर्लन, अञ्चलम् र्कन रशः भ्रते छेउत् रल, ठक्षित्र।</u> <u>वाभनात उकाम्रत या अञ्चात वार्श्ट निथा रख्य शिष्ट, उर्</u>टा करें वर्गनिया मिल्ल পারবে না। আবার এই 'পারবে না'র মধ্যে একটি সামান্য কিন্তু থেকে যায়। সেই কিন্তুটি আবার কাঁ? তকাদির কখনো কুখনো বদলায়, তবে সেই বদলান্ত্রোর পেছैলে দোয়া থাকতে হবে। কোন অলায়ে কামেলের দোয়া থাকলে তকদির वमानस्य यारा। এছাভা তকাদুর বদলানোর আর কোন পথ অধম नিখকের জানা नार्रे। আপनात ठकौरूरत योर्ष ऋत्मत আश्रिर्रे निशा रुख शास्क या. आभनास्क कारातास रकत्न परश्या रत जारत वाशीत् यजरे जान काकर करन ना कन, **असन कि कान्नार्ज श्रदिम क्**नेट साब अकिए भा वाकि खाएं, ज्थन खादुआता व्यापनात्क नीरि सित्र काराब्रास फल्ल फत्व। कार्त्वश कार्त्व व्याणर्र त्य জাহারামে আপনার ন্যুম রোজীগ্র করে রাখা হয়েছে। আবার যদি আপনার ठकोषित ऋत्मात व्याणर विशा रही शांक या, व्यापनाक क्यानाट जिश्रा रही. <u>जारल जाभीने युज शाताभ कामरे कक्रन ना क्नन, ध्रमनोक माराप्त श्रुति भ</u> করতে মাত্র একটি পা বাকি আছে, তখন ফেরেস্তা আপনাকে ধরে জারীতে চুকিয়ে দেবে। কারণ? কারণ আগেই জারাতে আপনার নাম রেজিগ্রি করে রীখা ইয়েছে। এই কথা গুনে আপনি হয়তো ইতাশ হয়ে যাবেন। হতাশ হতে যাবেন কেনু? আপনি হয়তো মনে মনে বলছেন, ইহা অধম লিখুকের কথা। মোটেই না। আগ্লি व्यक्षन कथा निখळে ग्राव कान पुः (भू? शोष्ट्रपत वर्ष्ट्रेष्टला भूळु प्रभुन ना, ठारूलर वुषाळ् शांत्रत्वन। योष्ट्रितलन, "स्नामि अत्रक्ष शांष्ट्रिम सानि ना, "लाशून अर्श्न ना भीनाएँ। रे वाथनात उर्कोहत। बेट्ट बाल्लारत् किष्ट्रर याग्न बाट्स नां। वाथीन या रेट्स् তাই রাগ করে বলতে পারেন, এবং এটাও জৈনে রাখন, এই যা ইচ্ছে তাই বলাটাপ্ত আপনপর তকদির। বড় সাংঘাতিক রহস্য এই তকদির। আমার কথা ञ्चल युर्फि राज-भा ष्ट्रस्फ चट्म भट्सन, जात भूल भल चुलन या, या रचात जाळा আণ্রেই হয়ে আছে তাইলৈ আরু টিন্তা করে কী লাভ. এই রকম বলাটাও আপেনার ञ्रकाषत् । व्याश्वान येज वाराष्ट्रीतं व्यातं नाकानाकिर्दे कक्रन्ने ना रक्ने, जेकेष्टित्रत लिখन किष्टुळर्र थञ्डाळ भातुद्वन ना। ठकोरूद्व योष्ट्र अक्रीमेखर्कु साता याश्रया लिখा शास्त्रि, व्यथवा स्कान कठिन द्वार्थ छूथछ रस्त, ठारस ठार रस्त। ठथन क्ष

तनिष्ट ना। जारी व्यासात नियुज्जा की जाउँ व्यापनार्ट्ज कानित्यं फिलासं।

अवात जात्रन कथारा जात्रा याक। अर्थ तिथ नामक भ्रष्ठश्रद्धात्क याता जानारत्क পাবার জন্য খুন করে ফেলতে পেরেছেন, মেরে ফেলতে পেরেছেন, ইত্যা করতে পেরেছেন, তাদৈরকে আল্রাহ চিরজীবিত, অমর বলে ঘোরণা করেছেন্। তাই सम्देजते जाता जातार सिंगिंगों के दिख्य, 'वाले जार्रेशा' 'वर्ते? जाता की विज'। এই জাবিত' কথাটি কিন্তু আপেক্ষিক সত্যেরে প্রশ্নে নয়, বুরং সাবিক সত্য। দুনিয়ায়ু যা কিছু দেখছেন, কোনটাই কিন্তু সাবিকু সূত্য নয়। সব কিছু আপৌক্ষক সন্ত্যু। এই क्रीर्रिकेक गाँउ में स्था क्रिकात ने में अनुहों निसात्व कृता शास्का, स्कान क्रिका श्रक्त, स्कान हा अक মিনিটের সত্য, কোনটা এক ঘণ্টার সত্য, এক দিনের সত্যু, এক বছরের সত্য একশত বছরের সত্য, এক কোটি বছুরের সত্য। এই প্রতিটি সময়ে বাস করা সত্যপ্রলো সবই আপৌক্ষক সত্য। ধরে নিলাম আমাদের জীবন্তলো শত বছরের व्यार्शिक्षक मेळा। जातभत्र व्यात श्राकर्ता ना। शांत्रस्य यात। अर्थे स्य जिभान नामक দেশটি দেখছেন, এই যে বিরাট হিমালয় পর্বত দেখতে প্রাচ্ছেন, যা আপনার চোখ প্র মন সার্বিক্ল সত্য বলে ধরে নেবে। কিন্তু, দুঃখিত, ইহাু সার্বিক সত্য নয় বরুং ইঁহান্ত আপৈক্ষিক সত্যা কার্য দুই কোটি বছর পূর্বে এই নেপাল নামক দেশীট এবং এই বিশাল হিমাল্লয় পর্বতটি ছিল না। এখানে ছিল এক বিরাট এবং ভয়াবহ মহাসাগুর। যে সাণরাট্র নাম পর্যন্ত বইতে লিখা হয়ে থাকে। সেই ভয়াবই সাণিরটির নাম ছিল টেখাস। প্রচন্ত ভূকম্পনের ফলেই এই দেশ জার পর্বতের জন্ম। এই কথাগুলো গুনতে যেন কেমন লাগ্নে। কিন্তু নমুনা হিসাবেই যদি পদ্মানদার কথা বলিই কুত সুন্দর সুন্দুর খ্লাম, নদাবৈন্দুর্ভলোকৈ গ্রাস করে আবার যৈখানে গভারি পানি ছিল সেখানেই কা সন্দর বিরাট চর পড়ে গেছে। সেই চরে আবার न्छनं करत् व्यातात्रं रेटीतं कता। ठार्रे या किष्टू प्रश्रंष्ट्रनं त्रवर्रे व्याप्निक्रिक त्रटें। कित्रन श्रेमीट रन, रेंर्ड्रा कटफिलत त्रटा रख राकर्तः? ग्रामात् अक्राधला किन्नु क्रातान ज्ञुतनक, जाणिर धासुभा कृत्वच्छा, युता तुरुमान निम्धरर भएउष्ट्रन। ठार বাল আহইয়া' 'বরং তারা জীবিত' কথাটি আপৈক্ষিক সত্য নয় বরং সাবিক সত্য। 

#### জেহাদে আসগর ৪ জেহাদে আকবরের মাঝে প্রভেদ

सरानवीत मत्म कार्फतरम्त यण्छला युम्न रखिष्टन, त्मरे युम्नछला निष्ट्रक निक्रस्त तमा क्रात क्रना। कार्फत्रता यथनरे व्याक्तमण करतष्ट व्यवस्थ शिवरण क्रत्य सरानवी वाधा रखिष्ट्रन। रिवर्शियात भागाय श्रु मक्त युम्नत्क व्यास्ता त्कवन व्याप्ति हिंद्रात्वर रूप्या भागाय श्रु मक्त युम्नत्क व्यास्ता त्कवन व्याप्ति हिंद्रात्वर रूप्या भागाय श्रु क्रिया हिंद्रात्वर रूप्या व्याप्ता अकि विक्रात्वर क्रिया हिंद्रात्वर व्याप्ति व्याप्ति विक्रात्वर क्रिया हिंद्रात्वर व्याप्ति विक्रात्वर क्रिया हिंद्रा व्याप्ति विक्रात्वर क्रिया हिंद्रा विक्रात्वर विक्रांक्र विक्रात्वर विक्रात्

কাব্রিরা অর্থাৎ 'আম্বরা ছোট জ্লেহাদ হতে বড় (আকবরু) জে্হাদের দিকে ফিরে প্রসেছি।' তাবুকৈর যুদ্ধ হতে ফিরে আসার পর মহানবী গুই উপদেশ সাহাবাদের দিয়েছিলেন। কাফেরদের বিরুদ্ধে অম্বযুদ্ধে জয়লাভ ুকরাই যদি একমাত্র ক্লেহাদ वल जाभता भत्व लर्हे. जारल मुरानेवीत अत्रक्म उपरम्भ स्वात् ज्ये की रूज পারে? আর তিনি জেহাদকে ভাগই বা করে দেখালেন কেন? কেন তিনি তাবকের यफ्रुंक জহाদে সাণীর বললেন? তাহলে জেহাদে আকরর বলতে কাঁ বিঝাতে টেয়েছেন্ট্রনিজের রিপুণ্ডলোর ব্রিরুদ্ধে তথা ইন্দ্রিয়ণ্ডলোর বিরুদ্ধে তথা এক কথায় নফসের বিরুদ্ধে যদ্ধ করাকেই জেহাদে আর্কবর বলেছেন। এখন কোরানের व्यापित अवः পেছনের আয়াতগুলোর হবহ অনবাদ বার বার মনেযোগ সহকারে পড়ে দেখুন তো, অম্বয়ুদ্ধের কথাটি থাকা তো দূরে থাক। বরং নামটি পর্যন্ত উল্লেখ করা হয়নি। তাইলে 'ইয়াকুতাুলু' তথা আল্লাহর জন্য কতল ইয়ে যানু বলার মধ্যে জেञ्चाप्त व्यक्तिवदात कथाण्डि धाष्ठ्या कत्री इद्याष्ट्र। यूद्व यूप्ति प्रोठाकात व्यर्ष ধর্মযুদ্ধে কেউ কতল হন, তাহলে কোরানের এই ঘোষণাটি সেই কতল হয়ে যাগুয়া মানুষটির জন্যগুলুপ্রযোজ্য হবে। ইভয় অর্থই গ্রহণীয়, কিন্তু এখানে জেহাদে আকিবরের কথাটি, তথা নফসের বিরুদ্ধে জেহাদ করাটাই বঁড় করে তুলে, ধুরা পুরেছে। জাহাদা' শব্দ হুতে জেহাদ। যার অর্থ করা হয়, কোন করে সূর্বশক্তি ानख्रााञ्चल कत्रा। स्ट्रानवा वटनन, व्यान् सुक्रारिषु सान् क्राराष्ट्रा, नाकत्रार कि ला वार्छिन्ना वर्षार कियाब साम्राहरू प्रतिमेश्वर नेक्ट्रां विकट्स वानारत এতায়াতের জন্য জেহাদে মশণ্ডল থাকে।'

्र अथन कातात्वत भूता आग्नार्गि सिनिया प्रभुन का, आभनात सन् ३ वितिक की तला? यि सिन भाने ठाइल अप आभूनात ठक मित्र, आत ये हि सिन ना भाने ठाइल अप आभूनात ठक मित्र, आत योह सिन ना भाने ठाइल कि छा अभूनात ठक मित्र। निकास विकास कि हो कि विवास आता आत्न कुशा ठूल सर्वा याठ, कि याप्तित नांछ ह्वात ठाफ्त केना अहे भामाना व्याभागिह यायक सत्न कित्र, आत याप्तित ह्वात नग्न ठाफ्त अक वसा छुण ह्वा याप्ति वा याकल आमि की ठूल सत्ता व्यातक कार्य कार्य वा याकल आमि की

कत्रात भारतीय स्थान त्यां के निया के

আপেক্ষিক অর্প্তে নয়, কিছুদিনের জন্য নয়, বরং সার্বিক অর্প্তে, সব সময়ের জন্য তথা চির্ন্তন জীবন লাভ করেছেন।

কোৱানে বর্ণিত এই চিরন্তন জীবন যিনি লাভ করতে পেরেছেন তাকে দ্রনিয়ার मानुरसूत मामल प्रभात्ना रूत योह धाष्ठ्रण कता रहा, जा रुल प्ररे छित्रन मानैयोधेत त्रुप फ्रिंश फीनगात मानस्वता रग्नेटा राप्तत, विविकाती करत रग्नेटा वर्षेक ठार्रेत य. वर्रे भानसंग्रिकी जामाप्तृत मुक्रेन मानस्। जात्ता रयका वनक्ट भारत. यामाप्तत मेरिए अंत क्रायंश्च गठ तम्भः व यत्नक मान्य याष्ट्र। रा. তাদের জন্তিস রোণের হলদ চোখে তাই দেখবে। কারণ, তারা রূপ বলতে চামভা व्यात सुर्श्वत त्याकृष्टि फिर्स् विषात कत्रत्व, व्यात छपू तनक सानभागि, लिखा, वर्ष বুড ডিগ্রীধারীদের দিয়ে বিচার করবে। এই রকম বিচার দেখে চির্ন্তন জীবনের <u> उर्भेशत (भर्य याता भीति कासिल छाता छभ कत्वर शाक्ति। कात्र प्राप्तत वलात</u> ञ्चलिक किष्टु शाकलिश वनक्क छान ना, अरीवा काल्नि खा, यछ मुम्बत कुर्तिर व्यविद्य वीन ना क्वि, ठाता व्वास्ट हार्रेस्त ना। क्वि? अधा स्य ठास्त्व ठकेरिस्त्त विश्व। টামডা আরু আকৃতির রূপ দিয়ে কিন্তু এরাই আবার তাদের বিষয়ে তারাই বিচার कर्त्व ना। अष्टा श्रेप्त रयुक्ता खवाक रेटष्टन, ठार ना? ठाता छान कर्त्वर क्राप्त ख, কোঁকিলকণ্ডা লতা মঙ্গেশকর এবং সন্ধ্যা মখোপাধ্যায়ের গানগুলো গুনতে কতু মধুর. অথচ তত মধুর কি তাদের চেহারা-পরত দেখতে? তারা এটা ভাল করেই केंद्रि खू, क्विन गेलित क्वारा नरा, त्ये क्विन विश्व खंत खुनारा अंतर में विद्वी है গডামলাট বার বার দেখতে পাচ্ছে, অথচ চিরন্তন জবিনের উপহার পাওয়া প্রিরে कांदानफत्तक विश्वाम कृतक भार्तक ना। क्विन् छुकफित्तत निधन। 'छक्फित वर्ष्ट्रनाय ना', किन्न उधनर वर्षनाक्ष्य भारत यपि अर्थ छितन्तर कीवन भारता भीत-ফকিরেরা দোয়া কুরেন, তথ্য নেক নজর দান করেন, তথা ফুয়েজ দান করেন, তথা यथन किंग्रे मंत्रिष रहार जात कथा मेंज काम करतने. जथा जाक धान करतने. তাঁর চোখ, মুখ, হাত, পা, সবকিছু মূনে মনে ধ্যান করেন, আমার মধ্যেই তিনি, আমি দেখছি না, তিনি দেখছেন, আমি গুনছি না, তিনি গুনছেন, আমি খাই না, लिति शास्त्रम, व्यामि जीन ना, लिनि जनस्त्रम, व्यामि युमार्ट ना, लिनि घुमास्त्रम, व्याप्ति रात्रोष्ट्रं ता, जिति रात्रुष्ट्रं , व्याप्ति कॅर्फ़िष्टं ना, जिति कॅरफ़्रंन, व्याप्ति अक्रिज़ं **ডाকে সাড়া দিছি ना, তিনি দিছেন, আমি দুঃখ**ুপাছি ना, তিনি দুঃখু পাছেনু, व्यासारक सार्वाष्ट्र ना. ठारक सार्वाष्ट्र. व्यासारक ठाएँ। कवा रटप्ट ना. ठारक ठाएँ। করা হচ্ছে এভাবে প্রতিটি কাঙ্গে-কর্মে চলা-ফেরায়. আচার-ব্যবহারে যুখন তার ধ্যান করতে করতে আপনি আর আপনার মধ্যে থাকবেন ন্যু, সম্পূর্ণ মুতান হয়ে যাবেনু, তখুনই আপনি সম্পূর্ণরূপে থাকবেন, তুথা তার মত চিরন্তন জুবিন পেয়ে व्याभानु भारत कृत्सिम रखा यात्वन भुवः भरे भरित कृत्सिम रुअग्राण व्याभनात তকদিরের সবচাইতে বড় পাওয়া। এই ধ্যানের নামই বৈরাগ্য সাধন। বেরাগ্য সাধনের শেষ পবাট্ছ হল মাুক্ত। চক্রাকারে আগমনের পরিত্রাণ হল এর নাম। এই

पड़ान कर्संत सात्य नित्राक्षिण (यात्र कता यारा, मश्मात क्रीवन भानन कर्त्र कता यारा, व्यावात मश्मात क्रीवन भानन ना कर्त्र कता यारा। यत प्रदर्फ किल्य भारा यारा। यत प्रदर्फ किल्य भारा यारा। यत प्रदर्फ किल्य भारा यारा। यारा यारा व्यावाद कर्त्र व्यावाद व्यावाद यारा विषय व्यावाद व्य

# व्यात्रशास्त्र काशक त्रम्भर्त्क व्यात्माप्रना

এই जनीता किन्नू कथलार माता याग्न ना। काताल जान्नार यामन स्वायमा करत्र एक, क्रमिन जावात मरानवीं आप्तायमा कर्त एक अरे वल या, रेत्ना जां कि माता जान्नारि ना रेग्ना मूळू जर्या 'जनीता कथलार माता याग्न ना'। त्रृता कारायम् त्राज्यम् जनीत किन्मे नग्न वश्च वा स्थाय पर्व अर्वि छराग्न छ्या श्वाय वा कथा ज्या वश्च जापनात कथा। जाङ्गकत जाधूनिक विद्यानीक व्यापनात कथा। क्रायमार्थ जापनात ङाना याकात कथा। जाङ्गकत जाधूनिक विद्यानीक सम्म करत कथा। व्याङ्गक वा याक्षक ना या, मानूय कर्णिन ना स्थाय तैक्ष याक्षक प्रावः रेत्र व्यानिक स्व

शामा छेंग्रतशाना भावात भतरें व्याभनात हैं म व्यामता। मिछारें छा, अछ वष्टत, छिनमछ वष्टतत यूग भितिया भन अक्षम ना श्रिया व्याप्त छोतिछ ष्टिलन। अछा छा हिम्मित कथा नय या माछ शिष्ट्रीन अकछा स्मर्त्त एनत। सन-सगर्फत हिमात्व ना सिमलारें यछ वर्ष मिर हािममरें त्याक ना त्कन, शाभ्रष्ठ अक्शाना स्मर्त्त एनत। किन्न अछा या यथा त्यातात्वत कथा। अछा व्याम्पर्छ शामात्वत कात्वत ह्या याव। छारलां छक्षित शाताभ हल शामात्वित गत्वथा। छम्छ शामात्व सन-सगर्छ। गत्वथात लावत्वछित हर्छ ह्या असन अक्शाना शामा हिम्स व्याविद्वात हर्छ भारत, यात माता मात्व साता हत्व व्यावात मािर छा। शामात्व

व्यावात यिष श्रेश्न कित या, जिनमंज नग्न वष्टत भारात्मृत छरात्ज घृतिया ष्टिलन, किन्नू अठ वष्टत क्या साणित प्ररक्षणात्क त्थार क्या साणित क्या अठ मंज वष्टत प्ररक्षणा त्था भारात्म नार्थ जात क्या श्रांका सिल पिया स्वतं भाष्ठि प्रतिनः व्यापनात सन व्यात वित्वत्कत सत्था कि जारल साताव्यक जाना व्यानिया प्रतिश्वा राज्य हात्या हा हात्या हा

আবার যদি প্রশ্ন করি, এত শত বছর পর ঘুম হতে চট করে উঠেই বাজারে গেল কেমন করে? মাত্র হাতে গোনা ক'টা দিন আধ পেট খেয়ে শুয়ে থাকার পর উঠে হাঁটতে চাইলে দু'তিন জনকে ধরে উঠাতে হয়, তারপর হা-হ করে কত ডিজাইনের কোঁকানীর আগুয়াজ শুনতে হয়, আর এই সাতজন সাহাবা তিনশত নয় বছর একটানা ঘুমিয়ে থাকার পর যখন ঘুম ভাঙলো, সঙ্গে সঙ্গে উঠেই এটা সেটা বলাবলি করে একদম সুস্থ শরীরে বাজারে দিব্যি হেঁটে চললো। এটার কী

(गाँकाभिन स्मद्ध स्निता किन्न तिद्ध कर्त्यतन? आभनात ठकित यिन आभनात्क किन्न तानातात ताका तानित्य तात्थ ठाव्यन क्षा भातत्वनहै। ताश्वाहे किय्मत हैं। भानि द्धाभी नाकिन भेर भतीति विद्ध अभिठाछ तक्षन भावत छक्षन छक्षन व्याभना भावता व्याभनात व्याभ भावता क्षा किन्द्ध भाष्टि भातात भेर पूना भाकी पूना स्विध भातात भावता व्याभनात व्याभनात

 যাদের কপালে নাচবে তারা কী করে মারেফত বুঝতে পারবে? তাদেরকে আল্লাহর হাতে ছেড়ে দিতে খাজা বাবা বার বার উপদেশ দিয়েছেন।

नवीरित विषय निया वालाएना এখানে করার কথাই উঠে না। কারণ কোরানের যে কয়টি আয়াত নিয়ে আলোएনা করেছি সেখানে অলীদের কথা বলা হয়েছে। তাই অলীদের কথায় আবার ফিরে আসছি।

### জ্ঞান ও বিদ্যার বিষয়ে আলোচনা

প্রথমেই ভাল করে জেনে রাখতে হবে যে, কোরানের একটি আয়াতেও অস্থের যুদ্ধকে 'জেহাদে আকবর' বলা হয়নি। অস্থের যুদ্ধকে অনেকবার অনেক পরিবেশে মহানবী 'জেহাদে সগীর' তথা ছোট জেহাদ বলে ঘোষণা করেই সঙ্গে সঙ্গে মনে করিয়ে দিয়েছেন যে, জেহাদে আকবর কী এবং কাকে বুঝানো হয়েছে। এই বিষয়টি চিকন, সূক্ষা তাই ডাইলে-চাইলে মিলে খিচুড়ি করার সম্ভাবনা আছে বলেই মহানবী বারবার সাহাবাদের বুঝিয়ে দিয়েছেন। কারণ, কাফেরদের আক্রমণকে প্রতিহত করাটাকে স্থায়ী জেহাদ বলা হয়নি। এরকম আক্রমণকে প্রতিহত করাটা হল সাময়িক জেহাদ। সময়ের প্রয়োজনে কখনো ইহা ঘটতে পারে, আবার অন্য সময়ে তা ঘটে না।

আবার আরো একটি যুদ্ধ আছে। সেই যুদ্ধটির নাম হল কলমের যুদ্ধ। এই কলমের যুদ্ধকে জেহাদ বলা যায় কিনা তা বিজ্ঞ আলেম সমাজই বিচার করে দেখবেন। তবে কলমের যুদ্ধ যে এই বিংশ শতাব্দীতে কত বড় মারাত্মক যুদ্ধ তা

व्याक्रत्कत यूणत सानूत्सता शास्त्र शास्त्र त्यात काल सार्कम, छात्रहेंछन मास्वत्मत कलत्मत त्यावा यूम्ह त्य कल त्काणि त्काणि सानूत्सत सगक्रत्क अकमस अग्राम कर्त्व मित्न भारत लाइन अक अकणि धातात्मा पूतित सातात्मक व्याघाण शास्त्र, किन्न त्यहें व्याघाण तम्या याग्र ना, त्यसन काश्चातात्मत व्याधन तम्या याग्र ना, व्यथण की छग्न त्यावा कृतित व्यापा त्या व्यापा का, व्यथण की छग्न त्यावा कृतित व्यापा त्या व्यापा व्यापा

'শহিদের রক্ত হতে জ্ঞানীর কলমের কালি অধিকতর পবিত্র' বলে যে হাদিসটি পাই সেই হাদিসটির প্রতি সূক্ষ্মভাবে চিন্তা ও গবেষণা করে দেখুন তো, সেখানে এরকম কথার ব্যবহার করা হয়েছে কিনা? কারণ ধর্মযুদ্ধে আক্রমণকারীরূপে তো হতেই পারে না, বরং আক্রমণ প্রতিহত করার প্রশ্নে অম্বযুদ্ধে যারা নিহত হন जारम्बर्क 'क्रशस् व्याक्तव्यव्यव्यः' सर्यामा स्म्रश्चा रश्चि। अर्थे व्यक्तम व्याक्षमपर्क প্রতিহত করতে গিয়ে যারা নিহত হন তারা শহিদ এবং তাদের মর্যাদা অনেক। কিছু জ্ঞানীর কলমের কালি শহিদের রক্ত হতেও পবিত্র। এখন প্রশ্ন হল, জ্ঞান বলতে কী বুঝায়? জ্ঞান কত প্রকার এবং সেই প্রকারণ্ডলোর গুণাণ্ডণ কি অনেক প্রকার? ना अकर तक्य? प्रारं छान कि व्याप्तिकक? ना ित्र जन? व्याप्तिकक यि वना रश তাহলে সেই জ্ঞান কত দিনের জন্য? সেই জ্ঞান কি স্থির না চলমান? সেই জ্ঞান কি व्यत्रीय ना त्रीयावफू? व्यत्रीय रटल की तक्य व्यत्रीय? व्यात त्रीयावफू रटलर वा ठात সীমার পরিধি কত বড়ং সেই জ্ঞান কি বস্তুভিন্তিকং যদি বস্তুভিন্তিক জ্ঞান হয় তাহলে কি থেমে থাকে? যদি থেমে না থাকে তবে কি প্রাথমিক বস্তুভিষ্ঠিক জ্ঞান গবেষণার মাধ্যমে নৃতন নূতন রূপ ও গুণ নিয়ে কি এগিয়ে যাচ্ছে? এই এগিয়ে याश्यात कि त्मय व्याष्ट्रश विष्ठा वलक्य की वृवाय़ विष्ठा अ उद्यालत सक्ष्य की পার্থক্য আছে? বিদ্যার আসল চরিত্র কি দলিল লেখকদের ভেণ্ডারী হতে উন্নতমানের ভেণ্ডারী? বিদ্যা অর্জন করা আর জ্ঞান অর্জন করা কি একই কথা? এরকম ভাবে অনেক প্রশ্ন তোলা যায়। অনেক প্রশ্নের অনেক উত্তর অনেক মানুষ দিয়ে যায় নির্দিষ্ট তকদিরের বন্ধনে থেকে। যে আত্মা দেখা যায় না, অর্থাৎ চোখে **प्रिशा या** या ता, प्रारं व्याप्तार्क छित्रि करत या छान प्रारं छात्नत नाम रन আধ্যাত্মিক জ্ঞান। এই জ্ঞানের মাধ্যমে আত্মাকে চেনা যায়, জানা যায়। তাই এই क्रना ३ क्रानात यात अक नाम रल निक्रिक क्रना ३ क्राना। याता यायाक क्रना ३ জানার সাধনায় সিদ্ধিলাভ করতে পেরেছেন তারাই আল্লাহর রাস্তায় কতল হয়েছেন। যারা আল্লাহর রাষ্ট্রায় কতল হতে পেরেছেন তাঁরা চিরঙ্গীবিত। তাঁরা আমাদের মত মৃত নয়। তাই কোরানের মাত্র এই দুটি আয়াতে আমাদেরকে জানিয়ে দেগুয়া হয়েছে যে, তাদেরকে মৃত তো বলতেই পারবো না বরং মৃত বলে চিন্তা করতেও একদম মানা করে দেওয়া হয়েছে। বলা এবং চিন্তা করা দুটোই একত্রে কোরান ধমক দিয়ে নিষেধ করেছে।

### क्वत ३ माकात्त्रत मात्व श्रट्फ

এখন প্রশ্ন হল, যারা জীবিত তাদের তো কবর হতেই পারে না। কবর তো কেবল মৃতদের জন্য। যারা মারা যায় তাদের জন্য কবর। জীবিত যারা তাদের কী করে কবর হতে পারে? তা হলে এই জীবিতদের যে মাটির গর্তে রাখা হয় সেই গর্তকে

ক্রবর বললেগু ইহা সাধারণ কবর নয়। ইহা অসাধারণ। কারণ্র এরা মারা যান नि। এরা তো মরার আণেই মারা ণেছেন। তাই পুনরায় কাঁ করে মারা যেতে পারেন? কারণ কোরান বলছে যে, মৃত্যুর স্বাদ মান্ত্র একবারই গ্রহণ করতে হয়। দুইবার নয়। খব ভাল করে লক্ষ করুনী যেখানে মত্যুর মন্ত্রা একবারই গ্রহণ করতে रित तत्न कि ति । याष्या कर्षा अवश्वित अवश्वित विश्व । याष्ट्र विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व व व्यावात को करत भाता यायु? এकोएँ भानुष দुইवात भरत ना. এটা যে কেউ জानে। जारल याता अक्वात <u>क्रीविज्</u>रशक्त्य भाता शिष्टब्रजाता व्यातात का करत भाता याग्न? याग्न ना। जा रटल अर्थ अंतिजल्पत कवत रग्न की कदत? योष रग्न जारटल स्मर्थ ক্ররণ্ডলো অসাধারণ ক্রর। অসুাধারণ ক্ররকেই মান্ত্রার অথবা রগুজা বলা হয়। এই অসাধারণ করুরগুলোকে বিশেষ মর্যাদা অবশ্যই দিতে হবে, কারণ এরা क्रीविछ। वित्यस सर्यामा अवश्यामा मित्र्य रत्य अर्थे क्रीविछप्टत कवत्रभ्रत्यात उपत গিলাপ দিয়ে ঢাকতে হবে। ঘর বানাতে হবে। অনেক প্রকার সন্দর সন্দর ব্যবস্থা নিতে হবে। কারণ সাধারণ মানুষেরা যাতে বুঝতে পারে যৈ, এরা জীবিত। এদেরকে জীবিত অবস্থায় দাফন করা হয়েছে। গ্রুষ্ট ব্যুবস্থা গ্রহণ করাকে যারা কবর পূজা মনে করতে চায় তারা কোরানের কিছই বঝতে পারেনি। কেবল कार्तान संश्व अवः ভागा ভागा व्यर्थ क्रानलहैं कार्तान वैचा दूरा ना। अठ महक कातान नैस। यिখात्न तरु तरु ख्वानिधिपिद्धत तर्र-भूष्ठक तुवैत्य रिमोमिस (थक्ट इस সেখানে আসমান-জামনের সব কিছুর মালিকের র্ইস্যময় বার্ণপ্রিলো বুঝা কতটুকু কর্ষকর বিষয় হতে পারে? একবার নিঙ্গের মন ও বিবেক্তকে প্রশ্ন করে দেখন ঠোঁ। আজ একটি আজর কথা শোনাব। সেটা হল. পথিবতিত আজ পর্যন্ত কোঁরানের প্রকটিও তফসরি নেই। অবাক হচ্ছেন, তাই না? আমার কথায়ু সীমিত বৃদ্ধি বিদ্বোহ করতে চায়। কিন্তু খোদার কসম, কোরানের একটিও তুফসরি আজ পর্যন্ত হয় নি. আর কোনকালে হবে বলেও তো মনে হয় না। একাটও যে কোরানের তফসার হয়ান তার নমুন্যু কোরানের সূর্বপ্রথমেই আপনি পেয়ে যাবেন এবং পাবার পর আমার কথা যে ঠিক তা আপনিও মেনে নেবেন। আলিফ, লামু, মিম, कालकाल क्यांच काताबात क्वनसाब अप्रकार वार्य व्याक प्राप्त क्रिंक्ट कर्छ পারেন নি। গুনলে আরো অবাক হবেনু যে, ষ্ট্রালৈকার বাংলা অর্থ হলু প্রীট। প্রুখনু व्यापन, रवर व्यनुतुष्ट् करत फ्रींश क्री व्यूर्य रहा। 'व्यापिक, नाम, मिम, अछार किंगुंत' बेशाल बेहिंটि তথা राजान (দিস ইক্স) तना रश्चीन। तना रखिष्ट क्रांप्न कान [फाएँ रैक)। ठारल क्लाव् वन्नुळ्रा कार्यक तुवाला रखण्य वालक, नाम मिमरे रन 'क्यात। **এখন এই তিনটি অক্ষ**রকেই' যেখানে কেতাব বলে ঘোষণা করা হয়েছে, সেখানে এই তিনটি অক্ষরের মধ্যে কী রহস্য লুক্য়ি আছে তার আজ্ঞ কেউ সঠিক ব্যাখ্যা দিতে পারেন নি। তাহলে কোরান তফীসরি করতে শিয়ে वित्रमिन्नारळर व्यापनात माथारा एकत प्रथ्या अक रखा यात्व। उथन अकरा किष्ट् शिकाभीता क्यात भाषा प्राकारण रूत। य शिकाभाता क्यात भाषा पाठकएन्द्री

ষ্ট্রপহার দিচ্ছেন, সত্যি বলতে কি, সেই কথাণ্ডলোর উপর আপনার্ট্র মন গু বিবেক বার বার অনাস্থা প্রকাশ করবে। ক্রোরানের এরকুম বেশ কিছু সুরাতে অন্ধর বুসানো আছে যার অর্থ আজ্ঞ কেউ করতে পারেনি। তুবে, হ্রী, যারা भारतन जातार वालारत वाली, जातार कारमचुळ अवः जातार भीत-भ्रामि स्वात একমাত্র যোগ্যতার দাবীদার এবং তারাই জানী, অথচ চান্দা ব্যাটারীর মত কত नकल भालक या व्याञ्चल भाल वल स्थाका शार्ट (त्राष्ट्री के वल फिल्ट रुक्? व्यात्रल. नकल भाल यपि किलार क्यांन व्यात स्त्रर नकलिएकर व्यात्रल भूल कर्त म्रत्न भाष्टि भार्रे, जार्ल कात्क प्लाय प्रतिन? प्लाय प्रवाद भर्य खवगार्रे, सामा আছে, আর সেই পথটার নাম হল তকাদর। তুকাদরে যা লিখা আছে সেটা তো निक्स्तं क्षाल नाष्ट्रतरी जा यज त्वमनाम्यस्त्रहे स्टाक ना त्वन। राष्ट्रज्ञ राष्ट्रज्ञ বাড়ি হতে পথে বেরুবার পরই যে সহসা জীবনটা চলে যেতে পারে. এটা কি কেউ স্থাগৈই জানতে পারে? পারে না। এই পারে না-টাকেই বলে তকদিরের লিখন। এই নিশ্চিত তকদিরের লিখন্টাপ্ত যারা বদলিয়ে দিতে পারেন, তাঁরাই অলীয়ে কামেল। আবার এই অলীয়ে কামেলদের চেয়েপ্ত অনেক উচু স্তরে যারা আছেন लाएं इत्तर्क कातान 'ब्राइफुर' दल् धाष्ट्राप कर्द्धन। युता काराक रुप्रतल भूगा অ্যঃ) এবং হযরত খিজিরৈর (?) যে ঘটনার উল্লেখ আছে সেখানে কি হযরিত शिक्तिरंत्रत (याः) नाभोर्ष वला रेखाएर्? अकतात्रु वेला रश नि। यश्रु एम कर्त् <u>।খাজরের নামখানা বাসয়ে দেওয়া হয়েছে। কিন্তু কোরান্ের বলা হয়েছে 'আবদুহ'।</u> व्यक्तियुं हैं देते विश्वा छात्रां व्यक्ति कर्ता यात्र व्यानाहत वित्मत्र काम वर्तना व्यवमा शिक्षित्र नामाएँ ट्राफिरम भाउता ग्राग्न शिक्षित वर्ष हम वितमवृक्ष कितमवृक्ष कि कान विस्थय वर्गकृत नाम ना जावेकनीन विस्थयपुर

 অক্ত ব্যক্তিটিপ্ত সমগ্র কোরান মুখ্যু করতে পারে। এমনকি জন্মান্ধ অনেক আছে যারা কোরান মুখ্যু করেছে। তাই বলে কি তারা কোরানের অর্থ তো দূরের কথা অনুবাদপ্ত কি করতে পারবে? গাধার স্পিঠেই চিনির বুয়া, অথচ চিনি খেতে কেমন

তা গাধা জানে না। এরকুমু উদাহরণ কি কোরানে নেই?

সর্বক্ষমতার একমাত্র যিনি মালিক সেই আল্লাহর কালাম কতখানি গভীর এবং विक्रानभग्न रूक भादा ठातु त्राभाना नभना योष्ट्रियाभीन ववाक छान. प्रथक छान. हमें के खेळ हान, वाक्य किं दूरिशांत मुंठ हा करत श्रीमुठ स्थळ हान ठारल? তारुल शामात कंत्रम शिख्य विषष्टि,. श्रीवर्वीक बाक्च शर्यन येठछुँद्वा कार्तान्तर তফুসার তথা ব্যাখ্যা হয়েছে তার মুধ্যৈ সর্বশ্রেষ্ঠ তফসীরখানি আপনি পড়ে দেখন। সেই সর্বশ্রেষ্ঠ কোরানের তফুসরিটি কে করেছেন? যিনি করেছেন সেই মুহীন मुशुभुक्षांप्रत् नाम रन मुकांठ रैग्नात जारमम খान। गुर्क राक्मिन उन्नुठ <u> एारएएल छूरिक करा रद्धेष्ट्रा बाद्या अकब्र्न साउनाना राक्रिसन उन्नर्द्ध ए। रूट्टें ह</u> (পुरुष्ट्रिंग, किंद्र (प्रेंट विद्युष्ट्रिंग किंग पृति व्यालय (एननि) उराविता (प्रेंट विद्युष्ट्रिंग) किंद्रिया विद्युष्ट्रिया विद्युष्ट्रिय विद्युष्ट्रि সহজেই বুঝ্তে পারবেন। যা হোক, সেই বিখ্যাত কোরানের তফর্সরিটির নাম হল পাওয়া যায়। এই বিশাল তফাসরটি যদি অপেনার পড়ার সোভাগ্য হয় তা হলে াকুছুঢ়া বুঝতে পারবেন যে, কোরান কতখানি গভার। আবার যদি প্রশ্ন করেন। व्यनवार क्रिन करा रून ना? अत पूर्णी कार्त्य रूक भारत। अकीर कार्त्य रून, अशाव अवे भागांव अशांत्रा अरं एकप्रींत नमें भी-त्क वाक्रतारेन फ्यात भूछ छंग्ने कत्त. আর অপর কারণটি হল, যারা আসল সুনি তাদের পক্ষে এত বড বিশালু পনের খন্তের বাংলা অনবাদ করে প্রকাশ করারী মত অর্থ কোথায়? কারণ গুহাবি এবং श्वामावि अंशविती ख्रिভाद्व সংঘবদ্ধ তার শত ভাগের একভাগ সংঘবদ্ধ আুজ্ঞ সন্নিব্ৰা হতে পাৱেন নি। ইহা বেদনাদায়ক হলেগু সত্য কথা। তবে হালে সান্নৱা ঐকটি সংগঠনের প্রয়োজন আছে বলে এগিয়ে চলেছে।

**চা**3য়ात सुक्षा उकाउ रम बाकाम-পाठान।

वात वात वाशि अशिव अवः शामावि अशिविष्मत कथा विम। किन्न ठाष्मतें वात्रम प्रतिष्म यिन कानक होने का श्रिक्त वास्त व वात्रम प्रतिष्म यिन कानक होने ठा श्रिक्त मुद्धिस साअमाना विष्म विमास मास्ट्रिवत वाश्मा छात्रास तिष्ठ व्यशवी प्रतिष्म नासक वर्शक प्रमुन। भव शासम्

ফাস করে দিয়েছেন।

यारितरें के तियाति छाषाय मुठ विनिश्च ना अवः मुठ वल िष्ठाश्च करता ना, त्रिष्ठ कि विरुद्धि कर्ति के विरुद्धि कर्ति क्रियों कर्ति कर्त

प्रिविध काराघरत किन शिनाप एड़ाला रश? व्यानारत घरतत एतिमिक किन मानी शिनाप एड़ाला रखाएं? शिनाप यिष्ठ काराघरत ना किश्रा रश छारल कारात किश्रुर याग्न व्याप्त ना। शिनाप शाकला काराघरत ना किश्रुर याग्न व्याप्त ना। शिनाप शाकला काराघरत ने अने श्रुर शिनाप एड़ाला रश या, कारा मुनियात व्याना व्याप्त कारा ने अने काराघरत ने विद्या काराघरत वा विद्या काराघरत काराघरत काराध काराघरत शाक काराघरत काराघरत काराध काराघरत काराघरत काराघरत वा मुनियात कर माने काराघरत काराघरत वा मुनियात कर माने काराघरत काराघरत

अप्रा कावाघत। कावाघत्तत श्रद्धाऋत श्रामा एउ । श्रिमा एउ । श्रीमा एउ । श्रीमा एउ । श्रीमा एउ । श्रीमा एउ । श्रीम

কোরান শরীফের উপর কেন গেলাপ দেগুয়া হয়? কোরানের উপর গেলাপু फिलाश्च द्वारान द्वारानही, जावार श्वाभूना फिलाश छाड्टी द्वारानर छैपर बेक्रनेर्ड शिलाप एरेड्सा केंठ्रवा या, बर्ड पविब् कातान पूनियात व्यक्ति तकस বইয়ের সঙ্গে রাখতে হয়। গেলাপ কোরানের উপর ঢেকে দিলে মানুষের মন-বিবেক সাবধানু হয়ে যাবে। কারণ কোরানু নাপ্নাক অবস্থায় স্পর্শ করা উচিত নয়। গেলাপ থাকলেই সহজে বঝা যাবে যে. এটা পবিত্র কোরান। নাপাক অবস্থায় স্পর্শ করা যাবে না। তাই এই গেলাপ কোরানের জন্য নয়, বরং যারা কোরান পড়বে তাদের জন্য। তাদের মনু ও বিবেককে সাবধান করে দেওয়ার জন্য এই গেলাপ। ठाष्ट्रामा अर्थ भिनाभू पुनियात जनाना वर्ध-भुष्ठ्व रूट कातात्वृत य जानामा सर्यामां আছে তা विविद्य प्रमा। सान्य यन भिनेग्नात ज्ञनाना वर्ध-श्रायकत स्रज কোৱানকে মনে না করতে পারে তরি জন্য কোরানের উপর গেলাপ দিয়ে ঢেকে রাখার সন্দর ব্যবস্থা। সূতরাং গেলাপটি দেগুয়া হয় মানুষের মন, গু বিবেককে সাবধান করে দেরার জন্য। কোরানের জন্য নয়। কাবার জন্য নয়। যারা কখনোই भाता यान ना, याता त्रव त्रभग्न अतिक, याता वर्ष नाभक कवरत किन्हा शिक्छ व्यानारत व्याप्नेकप्तत्रतक प्रशा फिट्ट भारतन, याता या कान व्यवश्वास, या कान मभरिया. या कान व्यानारत श्रीभकरक क्रिया फिट्ट भारतन, जारहेत केवतू क्या অসাধারণ কবর। অসুধারণ মর্যাদার অধিকার বহন করে সেই অসাধারণ জিন্দা কবর। সূতরাং এই জিন্দা কবরের উপর অবশ্যই গেলাপ দ্রিতে হবে এজন্য যে। সাধারণ মান্য যেন সাধারণ মরা মান্যের কবর মনে করে বিব্রাট ভল করে না वरम। এই উল করা হতে সাধারণকে মুক্তি দেরার জন্যই দার্মী গেলাপ চড়িয়ে <u> फि3शा ज्यवंगि क्येवा। कार्र्य अर्थ शिलाभे फिशलिय माधार्य मान्य मत्न कर्रात् र्यः</u> अष्टा क्रिका क्वत। कार्य क्वत एश्वतं व्याप्तरा प्रता क्वि प्रेज। प्रज्ञाः क्रिकां কবর দেখেও যাতে মৃত মনে না করে তার অনেক রকম ব্যবস্থা নেওয়া কতব্য। कार्त्रप क्रिन्सा कवर्त्रको भूछ वल्ह्री छिष्ठा कर्त्राक्षाब्रहे कार्त्राबरक अञ्चीकार्त्र कर्ता रटिष्ट वरलष्ट, अशाला जारुमावान्नाकिना व्यचार 'अवर ना. जार्फतरक छिन्ना करताना' আমোয়াতো,অর্থাৎ 'মারাটুর্ণেছেন'। সূতরাং যারা জীবিত তাদের কবর হয়ু কী कर्ताः क्षे गर्राष्ट्रला क्षा क्षीतिर कवत्। क्षता त्य कान त्रुप्तस्य यथन रिष्ट्रा प्रिशा फिक्क পারেন এবং অহরহ দেখা দিয়ে থাকেন। এরা রবের নিকট থেকে বিশেষ রেজেক পাইতেছে। এই রেজেক পাবার কুথাটি ঘোষণার দারা আরো আধক নিশ্চিত করে দেওয়া হল যে, কোনু অবস্থাতেই তারা মৃত বুন। মৃত যারা তাদের রেজেকু পাবার श्राहे छेळं नां। गुरु 'রেজৈক্র পাচ্ছে' শব্দার্ট্রর দ্বারা তারা যে অবধাারতভাবে জীবিত আছেন সেই বিষয়টিকে এক্দম প্রিষ্কার করে কোরান আমাদেরকে वीवार्स मिन। मुख्ताः, याता क्रीविछ, याता त्रीिछ्मछ त्रस्वत् निकर्छ, रूक्ट द्वस्करू প্রীচ্ছেন, তাদেরকৈ কাঁ করে মরা মানুষের মত ভাবা যায়? সূতরাং ফ্রিন্দা কবরকে वित्मिष ভाবে হেফাঙ্গত করতে হবে ि হেফাঙ্গত করার দায়িত না নিলে সাধারণ साबुस मृठ वल सल कत्रक भारत। भूठताः किन्हा कवरत्रत भारत व्यक्ति जाकिरस्त भरतः रहिणा कर्ता कर्ठतुः अवः भारत् भारत् प्रश्न रहिण्या कर्ठतः। सल ताभक्त रुद्ध रा, रकान व्यवश्वाकर रान त्वाहित ना रुद्ध। कात्रप ठाता क्रीविछ अवः व्याह्मारत विरम्भ र्वाक्रक भार्ष्ट्यन, या व्यासता विश्वार कृतक भारति ना। वश्चत विद्धारत्व भाषात्व अक्षण किन्नार्थ राज्य व्यावात्व भाषात्व अक्षण किन्नार्थ रुद्ध क्रिय व्याभक्ष भारति व्यावात्व भाषान्व व्यावाद्व व्यावाद्य व्यावाद्य

যিনি সব কিছুর সুন্টা, মালিক, তাঁর শক্তি, শান এবং জালুয়া কি কল্পনা করা যায়? সাধারণ তো দূরের কথা, বড় বড় বিজ্ঞানীরা আসমানের ভেতর কত কি আছে বলে জানায়, যা মন অবিশ্বাস করতে চাইলেও তিতা ইমধ সেবন করার মত মাথা নিচু করে হজম করতে হয়। এই বিজ্ঞানীদের চড়-থাপ্পড় খেতে খেতেই আমরা মহাবাণী কোরানের সত্যতা অনেকখানি বুঝতে পারছি। অধম লিখকের মত টুইনার ছটাক মণজে কেবল ফউতাই মাইরা গেলাম। এই ফউতার পাহাড় সরিয়ে সত্যকে টেনে তোলা যে কতখানি কন্টসাধ্য ব্যাপার তা বোধ হয় এখন কিছুটা বুঝবার দিন এসে গেছে। তাই তো কোরান বার বার বলছে যে, জ্ঞানীজনদের জন্য অনেক কিছু বুঝবার নিদর্শন আছে। এই জ্ঞানীজনেরা সন্তবত আমানুর দলে পড়তে পারে। আবার নাও পড়তে পারে। আবার হয়তো জ্ঞানীজন বলতে সম্পূর্ণ অন্য একটি শ্রেণীকেও বুঝাতে পারে। আবার হয়তো বিজ্ঞানীদেরকেও বুঝাতে পারে। অধম লিখক এই বিষয়টি বুঝতে পারিনি বলে 'হয়তো' শক্টি ব্যবহার করলাম।

 यात्क त्कातान 'भद्ध शिष्ट' तृत्व त्वा क्षा पृद्ध शाक, िष्ठाि कत्रक शर्म अक्ष भाना कर्त दिख्ट जात्क कि साम्रा कृतक याद्वन, ना साम्रा हारेक याद्वन? व्यापनात भन ३ विद्युक की तृत्वः? याद्वा याद्वन भन ३ विद्युक की तृत्वः? याद्वा आपनात भन ३ विद्युक विद्युक्त हिंचा याद्वा अवस्थ कि का कर्ता करात व्यापनात कर्ता कि रात्वा वा विद्युक्त हारे हिंचा वा विद्युक्त हारे हिंचा वा विद्युक्त हारे हिंचा हिं

**रश्रु**वि।

ক্তিন্দা কবরে বাসু যিনি করছেন তিনি আল্রাহর অল্রী। প্রত্যেক আল্রাহর অলী অবশ্যই একজন মুমিন। আমানু নয়ু। আমানু কখনোই মুমিন নয়, আঁর মুমিন क्थलार वामान नेया गत्वस्पति एकि फिर्यो मार्शित में मार्थ চোখে কোরান পড়ন। বারবার পড়ুন, দেখতে পাবেন শব্দ চয়নের কা অপুর কেশিল। আমি অব্যক হই তখনই যখুন দেখতে পাই, ক্লোৱানের বড়ু বড়ু क्किल्प्ट्रन। मुकोठ ইয়ার আহমদি খান সাহৈব রাচ্তু পনের খণ্ডের তফসারে নঙ্গুরা-ट्यू भराञ्च व्यासानु व्यात्रुसुस्न पूट्णा ्ट्य अक स्माट्टिंग् नरा, स्मिणा स्मिलास ना। र्याप्ति এই কোৱানের তফস্বিটি স্বিচাইতে ভাল হয়েছে বলে দাবি করছি। অধম निश्रकते क्रिंशिश्व अर्थे व्यासाने अर्थे सुमिन अर्थेन अर्थे क्षिति क्रिंग स्व বাংলাদেশেরই একজন কোরান গবেষক ীয়িনি স্বাক্তিছ ফেলে দিয়ে এক্ট্রানা ষাট্ট वर्भृत थर्त कातान् भरवर्षमा कर्त्व क्रातात्नत छ्कमित्रि निर्धाष्ट्रन अवः शिज्यस्पार्श সেই কোরান তফুসার চারখণ্ডে প্রকাশিত হয়েছে। সেই গরেষকের নাম হল সুদর छेष्क्रिन আरমদ চিশুতা আর তার তফগারের নাম হল তফগারে কোরানল করিম। প্লুই গুবেষক এমন কিছু নুতন বিশ্ৰেষণ ও ব্যাখ্যা করেছেন যা সত্যিই অবীক করে। তিনিই আমান এবং মুমিন যে এক কথা নয় তার যুক্তিসঙ্কুত্র ব্যাখ্যা দিয়েছেন এবং আরপ্ত কিছু বিষয়ে প্ররক্ষ ব্যাখ্যা দিয়েছেন য়া পর্ডলে ব্রাতিষত চমকে যেতে হয়। এই গবেষক সদর উদ্দিন আহমদ চিশতরি রাচত ক্য়াট উচ্চ মানের বই বাজারে পাঙ্যা যায়। তার মধ্যে মসজিদ দর্শন, রমজান দর্শন এবং কেবলা ও সালাত বই क्योंर्रि विश्वार रैत्रुलाम भविषक भ्रोरिंग्रेजिन रैवनल खादावित कथा मृद्धि कोर्त्यस দেয়। তবে একথাটিও সত্য যে. তার গবেষণার ফল যে একেবারে তুলাস পাতা ধোয়া জলের মতু সবই সত্য তা নয়। কারণ অনেকু াবষয়ে তার ণবেষণার সঙ্গে একমত হতে পূর্যির না। তুরু গবেষণারু ক্যুক্ষার্টকে উৎসাহ দেবার জুন্য বললাম। रयत्रु रसाम, रेवत्न जारीमयात् मज निर्जाक भत्वयक रम्नात्मत् रोजरात्म जात् भूकपि भ भरोष्ठ ऋबुधर्य कर्त्वाष्ट्र वर्त्त व्यामात काना जरि। जिन भूजर मारमा रैंजनासितु भरत्यक हिल्नन या, जिनि ज्ञात त्रुह्नाग्न असन कथाणि भर्यन्न चल्लास्नु या चात किंग्रे त्रारत करत वनक शास्त्रन नि। जिन क्षकात्मा वनका स्व, रयत्र एमत्

ফারুক (রাঃ) জীবনে বহু ভূল করেছেন এবং মাগুলা আলী তিন্মত ভূল করেছেন। এত বড় বড় সাহবিদের উপর এরকম মন্তব্য আমরা চিন্তাই করতে

शांति वा।

ত্রীধম লিখক দুঃখিত। সত্যিই আমি দুঃখিতু এজন্য যে, আমি ফেরকার সাইনবোর্ড ফুলে দিয়ে কলম ধরেছি। আমি যদি মাওলানা মঞ্চুদুদার লিখার सक्षाञ्च ভाल किष्ट्र भार्रे जा भुद्धांत्ररकात्व श्रकांग कत्वत्व ठारे। योदिञ्ज साञ्जलाना মগুদদীর লিখা বৌশ্র ভাগ মুসলমান গ্রহণ করেন না, সে যে ফেরকার মাগুলানাই বাবা হিন্দ বলে আমাকেও হিন্দু হতে হবে? আমার বাবা খ্রিস্টান বলে আমাকেও रुक्त रति भिर्मिता व्यासात वावी सुमलसान वर्ता व्यासि सुमेलसान्? अ या वावात् সাহনবোর্ড ছেলের কার্ধে তুলে দেবার পরাতন নিয়ম। কীধের উপর সাহনবোর্ড वानिस्य भठारक वृत्क ज़ुल्ल् लिश्चा स्य केंज् वस क्रुस्मित कान्न. केंज् वस विस्तार शिष्ठपा कता अवर कर्रशांन मन ३ वित्वकर्णां नितृत्वक्र त्वरंश अक्रांना विद्वित **धर्मत ग्रत्यभार सम्छल रुख शाक्टा रहा। विश्वविधार साञ्चला छालाल छेप्हेलि** क्रमंत्रि शीत् ३ मुत्रोंभेष क्विवलास्य कार्वा रयत्र वावा त्रामस्त्रभाविक अर्थकार्थ वृत्तिष्टित्वन् रा, नी जात्रताञ्च, ना हैर्द्याम्, ना गावताम, ना मुत्रवसानाम ज्ञा 'আমি অগ্নি উপাসকুগু নই', আমি ইইডিগ্র নই, আমি খ্রিস্টনিগ্র নই, আমি মুসলমানগ্র নই'। সত্যিই সাইনবোর্ড একটি পুরাতন আমাশা রোগ। ফেলাজল <u>থেলে পালিয়ে যায়, আবার দেখা দেয়। এই আধুনিক বিজ্ঞানের যুগই হয়তো এক</u> সাথে সবাইকে বাসয়ে ছাডবে।

किना करात विनि तार्र करिएन छांत जातक नाम। जात मक्षा पूर्ण नाम छेलूच कर्तनाम। अकि जानाहर जूनी जात ज्ञान मिन। असन मुक्ताहरण या माताजाक अम् अधात फ्रिंग हिल्क प्रणा हल अहु जानाहर जूनी ज्ञान प्राप्त क्षाताजाक अम् अधात फ्रिंग हिल्क प्रणा हल अहु जानाहर जूनी ज्ञान मिन का कि कि कर की छात मिन करा हिल्क की छात जा मुम्लिन रहान ना कि कि का जाम की शिव नाम की शिव नाम की शिव जाम की शिव हो हो है जात मिन के हिल के मिन के

मुशानवी साम्रकात मान-मुगामा कि उत्त ज्यमीम नय? यि साम्रकात भक्षन क्षिण्य गान, अक्ष्मन व्यक्ति क्षिण्य गान, अक्ष्मन व्यक्ति क्षिण्य गान, अक्ष्मन व्यक्ति क्षिण्य ज्यमान कर्ण गिन मशानवी, यिनि मशा माश्तूव, यिनि मशा शाम जात गान कर्णानि उत्त उत्त विन मशानवी, यिनि मशा माश्तूव, यिनि मशा शाम जात गान क्ष्मक माता याय ना, त्यभान क्ष्मक माता याय ना, त्यभान व्याम माता याय ना वल कातान स्वाम्रण कर्ण माता विष्ठ विन महानवी, मशा माश्तूव अवः मशा श्रमा क्षम के कर्त माता याय गात्र ना, त्यभान मशानवी, मशा माश्तूव अवः मशा श्रमा कर्त क्ष्मिष्ठ वात्र वात्र व्याप्रमात्र। जामता क्ष्मिष्ठ वात्र विश्व वार्ष वात्र व्याप्रमात्र। जामता कर्त क्ष्मिष्ठ मान्य वार्ष वार्

#### মেরাজের আলোচনা

মেরাজের ঘটনাটি আমরা কম বেশি সবাই জানি। উম্মে হানির ঘরে থাকার সময় এই বিখ্যাত মেরাজের ঘটনাটি ঘটেছিল। এখানে বিস্তারিত আলোচনা ও ব্যাখা দিতে চাই না। কেবল মেরাজের মূল বিষয়টি কী তারই কিছুটা আভাস দিয়ে রাখতে চাই। মহানবী যখন সিদ্রাতুল মুনতাহা পর্যন্ত গেলেন অর্থাৎ সৃষ্টিরাজ্যের শেষ সীমানাতে এলেন তখন ফেরেস্তা জিবরীল আর এক পা-ও এগিয়ে যাবার

অক্ষমতা প্রকাশ করলেন। কারণ সিদ্রাতুল মুনতাহা হল সৃষ্টিরাজ্যের শেষ সীমানা। অনেকটা রূপক ভাষায় বলতে গেলে, কোন একটা দেশের শেষ সীমানা অর্থাৎ এই শেষ সীমানার পরই অন্য আর একটি নূতন দেশের শুরু হওয়াকে বুঝায়। সেরকমভাবে সমস্ত সৃষ্টিরাজ্য পার হবার শেষ ধাপটি, শেষ বর্ডারটির নাম দেওয়া হয়েছে সিদ্রাতুল মুনতাহা। ফেরেস্তা জিবরীল এই সিদ্রাতুল মুনতাহায় এসে দাঁড়িয়ে গেলেন এবং মহানবীকে জানিয়ে দিলেন যে, তাঁর পক্ষে আর একটি পা-ও এগিয়ে যাবার ক্ষমতা দেওয়া হয়নি। যেহেতু ফেরেস্তার পক্ষে আল্লাহর হকুম অমান্য করার সাধারণ বিধান রাখা হয়নি সেই হেতু আদেশ অমান্য করার প্রশ্নই **छै**ळं ना। ततः कितत छाषाग्र त्रीमाना शिक्त अक था अभित्य शिल त्रत्य प्रत्य क्रुटन পুড়ে ছারখার হয়ে যাবে। এর কারণ কী? কারণ হল, সৃষ্টির শেষ সীমার পরই **७क रग्न ला स्नाकाम। ला स्नाकाम वलक्य की वूबाग्न? ला स्नाकाम रल क्विवर** আল্লাহর রাজ্য। এই আল্লাহর রাজ্য তথা লা মোকামে সৃষ্টির আগমন নিষেধ। त्रुग्रताः किरतीन स्वस्म शालन अरः भरानरी ना साकास एल शालन। व्याभि আগেই বলেছি যে, এখানে মেরাজের বিষয়টি অতি সামান্য যাহা আমার মূল क्यांप्रिक ठूटन धतात क्रना वनका राष्ट्र या, मरानवी यिष व्यनाशास ना स्नाकास গিয়ে থাকেন তা হলে তিনি কেম্বন করে সৃষ্ট বলে ধরে নেই? কারণ সৃষ্ট मरागिकत व्यक्षिकाती किवतीन याचाता भा ताचात व्यक्रमण क्रतान क्रतान সেখানে মহানবী কী করে যেতে পারেন, যদি তাঁকেও সৃষ্টির মধ্যে ধরে নেই? কারণ লা মোকামে তথা আল্লাহর রাজ্যে তো কেবল আল্লাহরই থাকার কথা। তা रटल भरानवीत ला स्माकारम यावात तरमाँग की? की अभन भारतकरूत शायन कथा थाकळ পाद्ध? काद्यात्मद छाष्ठभाष्टि रुन, मरानवीत त्रत्य वान्नारत मिनन रुन साब पूरे **धनुत्कत वावधाल। अथन अर्थ पूरे धनुत्कत वावधान व**ण्ट की वुवाला হয়েছে? তীর না বলে ধনুক বলা হল কেন? অথবা তীর এবং ধনুক দুইটাই কেন বলা হল না? কারণ ধনুক কখনো ছুড়ে মারা হয় না। ছুড়ে মারা হয় তীর। অথচ যাহা ছুড়ে মারা হয় সেই তীরের উল্লেখ কোরানে করা হয়নি। উল্লেখ করা হল क्तित्व धनुक्ति । ठाअ व्यावात अकि धनुक्ति कथा वना रशिन। वना रक्षिष्ट पुरेि ধनুকের কথা। তা হলে ধনুক দেখতে কীরকম? ধনুকের আকৃতি কীরূপ? ধনুক দেখতে অনেকটা আধা বৃত্তের মত। যাকে অর্ধবৃত্ত বলা হয়। তাহলে দুইটি ধনুকের দুইটি আধা বৃহকে একত্র করলে হয়ে যায় একটি বৃহ। যদি কোন গবেষক ঠেঁটামী करत वर्ल या, मूर्टी। धनुक अकब कतरल वृष्ठ ना रुला वृद्धत काष्टाकाष्टि रुख याय, কিছুটা বাকি থেকে যায় একটি পূর্ণ বৃত্ত হতে। তাতেগু সেই ণবেষক যাতে এই সামান্যতম ভুলটিগু না করে বসেন তার জন্য কোরান সঙ্গে সঙ্গে একটি সুন্দর শব্দ যোগ করে দিয়েছে। কোরানের সেই সুন্দর শব্দটি হল, 'আগু আদনা' তথা 'আরো নিকটে'। এই আরো নিকটে শব্দটি কোরান যোগ করে দিয়ে একটি পূর্ণ বৃত্তের कथारे तलाष्ट्र। পূर्प वृत्र सात्नरे रन वान्नार अवः सरानवीत्क अकाकात कत्त দেগুয়া। বাংলার বিখ্যাত সুফি সাধক বাবা লালন ফকির তাই **হয়তো** লিখে গেছেন, যিনি রাসুল তিনিই খোদা। আবার বাবা লালন ফকির এই কথাটিও জানিয়ে দিয়েছেন, যাতে পাঠক ভুল না বুঝে, এই বলে যে, যিনি রাসুল তিনিই খোদা। এই কথাগুলো কিছু লালনের মনগড়া কথা নয়। এই কথাগুলো কিছু লালনের খেয়াল-খুশিতে বলা নয় বরং এই কথাগুলো কোরানেরই কথা। অর্থাৎ এই কথাণ্ডলো লালনের মুখের কথা নয়, বরং কোরানের বাণী। সত্যি! ভাবতেও অবাক লাগে যে, লালন ফকির কত উঁচু দরের সাধক ছিলেন। অবশ্য লালন

ফকিরের আগেগু বহু পীর-ফকির, মুনি-ঋষিরা বলে গেছেন। তবে বাংলা ভাষায় নয়। এই ধরনের কথাগুলো আরো যারা বলে গেছেন তার নমুনা তুলতে গেলে বিরাট এক ফিরিম্রি লিখতে হয় আর তাতে বইটি হয়ে যাবে পালোয়ানের মত মোটা তাজা। অবশেষে পাঠকের ধৈর্যই থাকবে না। (অবশ্য আমার রচিত কোরান তফসীরে সব কিছু তুলে ধরবো। এতে যত বড়ই হোক না কেন)।

এই 'আগু আদনা' তথা 'আরগু নিকটে' বলে আল্লাহ এবং রসুলকে একাকার করা হয়েছে। তাই সাধারণ মানুষের বুঝাবার জন্য একটি ঢাকনার প্রয়োজন। পরদা দিয়ে দিতে হয়। দেয়াল দাঁড় করাতে হয়। সেই পরদাটির নাম হল শরিয়ত। একটু ব্যাখ্যা করে বলছি। অধম লিখকের বাবার নাম হেলাল উদ্দীন। তিনি বিয়ে করেছেন। তাঁর স্থ্রীর নাম সেতারা বেগম। হেলাল উদ্দিনের প্ররসে সেতারা বেগমের পেটে একটি পুত্রসন্তান জন্ম নিয়েছে। সেই পুত্রের নাম জাহাঙ্গীর তথা অধম লিখক। অধম লিখক ভাল করেই জানে যে তার মাতা হলেন বাবার স্থ্রী। তাই বলে কি वािक्ष वाक्षात क्षात्क अरे तल ডाकळ পाति या, अरे ख्लान उँिफ्लित भ्वी व्यथता এই হেলাল উদ্দিনের বউ? পারি না। কেউ পারে না। এরকমভাবে ডাকলে মানুষ পাগল বলবে। কারণ এটা চরম অভদ্রতা এবং শালীনতার বাইরে। আমাকে **डाकक्क रित क्षा, बाठाकि, बाबि, बाब। वावात वर्डे, राक्किक्क रेंरा अक्ष्य** সত্যকথা। কিন্তু শরিয়তে এসেই একদম সত্যকথাটিকে আর বলা যাচ্ছে না। বলা নিষেধ অথচ সত্য। সেরকম মহানবীই যে আল্লাহ এটা কেবল সত্যই নয় বরং ধ্রুব সত্য। অথচ শরিয়তে সেই কথা বলা যাবে না। তবে বলা না গেলেগু এই রহস্যটি অবশ্যই আপনাকে জানতে হবে। যদি না জানতে পারেন, যদি না জানার চেষ্টা করেন, যদি সরাসরি অশ্বীকার করেন, তাতেগু আপনাকে দোষ দিতে পারি না, কারণ তকদিরের লিখন খণ্ডাবেন কী করে? আপনার জন্মের আগেই তো তকদির लि**श्च ताशा रुखाइ। ठा रुल जामात की कतात जा**इ? जामि कि जली या जाभनात তকদির বদলিয়ে দিতে পারবো? অলীরা ভুলেগু কোরানের তফসীর লিখেননি, আর যিনি কোরানের তফসীর লিখেন, সে যত বড়ই হোক না কেন, কিছু ভুলেগু অলী নয়। পাঠক ভাইদের সাবধান করে দিলাম। যাতে না বলতে পারেন যে, কেউ তো এমন কথা বলেগুনি আর শুনিগুনি। কোরান যারা তফসীর করেন ভুলেগু তাদের কাছে মুরিদ হতে যাবেন না। তারপরগু যদি মুরিদ হয়ে যান তাহলে আপনার তকদির। আমার জানিয়ে দেবার দায়িত্ব তাই জানিয়ে দিলাম। আবার কোরান কিন্তু একটি সাংঘাতিক বুঝবার মত কথা বেশ কয়েকবার ঘোষণা করেছে এই বলে যে, এই কোৱান পড়েই একজন পথ পাবে আর একজন পথহারা হবেন। এই কথাটির ব্যাখ্যা লিখতে চেয়েছিলাম, কিছু ইহার ব্যাখ্যা এতই গোপনীয় যে ভাষায় প্রকাশ করা ঠিক হবে না। এখন আবার সেই কথায় আসা যাক যেখানে वना रखिष्ट या, भरानवीत उन्नाकत, श्रिभिक्तत अवः गानासित वाक्रभक, जतम भर्यामा, गानर यिं कातान भळ, 'वान आर्शिया' वल এত वर् भर्यामा मिखा शांक जा रल मुग्नः सरानवीत व्याक्रमज अवः गान की रूज भातः?

स्रतास्त्रत अर्थे घट्टेनाय सरानवीति व्यासता उथा सुमलसात्नता वर्त थाकि या, मुणात अथस अकामित नाम रल नृत्त स्माराश्वर। अर्थे मृत्त स्माराश्वरी रूट्टे मस्य व्यापसन, विवर्टन अवर भतिपात्म अर्ट्यावर्टन। व्यावात रिक्रुंस्ट्रेस वला रखाष्ट या, ज्यावात विक्रिंस क्याचि रूट्टे मकत्वत व्यापसन, विवर्टन अवर भतिपात्म अर्ट्यावर्टन। व्यावात विक्रिंस क्याच्या वृद्धत्व, रूट्टिंस धर्म सूमात्क अवर श्विणात्म अर्ट्यावर्टन। व्यावात विक्रिंस क्यांचा एकशा रखाष्ट्र।

कातान त्य कराक वात साम करता है या, असन का का छि जिंह, या জাতির নিজম্ব ভাষায় কমপক্ষে একজন রসুল পাঠানো হয়নি। এখন কোরান মতে প্রত্যেক জাতির নিজের ভাষায় রসুল পাঠানো হয়েছে। কোরান বলছে, লা নুফাররেকু বাইনা আহাদিম মিনহম অর্থাৎ 'আমরা ছোট বড় করিনা তাঁদের মাঝে।' নবীদের মাঝে কে বড় এবং কে ছোট এই মতপার্থক্য করা হতে বিরত থাকার স্পর্ট ঘোষণাটি সুরা বাকারার একশত ছত্রিশ নম্বর আয়াতে পাচ্ছি এবং আরো পাচ্ছি যে, এই আয়াতে বর্ণিত কয়েকজন নবীদের কথা যাদের উপর वान्नारत তत्रक रूळ अरि नाळन रख़ष्ट अवः वाद्वा व्यतन्त नवीत उपत याप्तत নামণ্ডলো এই আয়াতে বলা হয়নি। অপচ আমরা নবীদের মাঝে প্রায় অনেকেই ছোট বড় করতে ভালবাসি এবং মনে কত তৃপ্তি পাই এই বলে যে, আহা! কত বড় সোয়াবের কান্সটাই না করে ফেললাম। অথচ কোরান ধমকের সুরে করো না বলেনি বরং বলা হচ্ছে, 'আমরা ছোট বড়ু করি না'। কাহাদের মধ্যে ছোট বড়ু कित ना? भक्त नवीरमत सक्षा प्षाप्त विष् कित ना, कातप वालामाভाবে দেখा ণেলেগু তাঁরা আহাদের সঙ্গে মিশে আছেন, অর্থাৎ সবাই এক অখণ্ড সহায় একাকার হয়ে আছেন। সুতরাং পার্থক্য করার প্রশ্নুই আসে না। মহানবী বলেছেন, वाउँशानुना साराम्नर, वाअत्राठूना साराम्नर, वात्थक्रना साराम्नर, कून्नुना साराञ्चम वर्षा९ 'व्यामता क्षरस जवार साराञ्चम, मायशाल जवार साराञ्चम, শেষেগু সবাই মোহাম্বদ (এবং) সবাই আমরা মোহাম্বদ।' এত বড় সুমহান ঘোষণা, এত বড়ু শাশ্বত এবং সার্বজনীন ঘোষণার মাধ্যমে একটি মহাবিশ্বয় মহাসাম্যের বাণী অধম লিখক পৃথিবীর কোন ধর্মগ্রন্থে খুঁক্ষেগু পাইনি-এই কথাটি নিরপেক্ষ হয়েই আমাকে জানিয়ে দিতে হচ্ছে। যিগুখৃষ্ট বলতেন, যত বিনয় তত উচুঁতে অবস্থান। সত্যিই যিশুখুস্টের এই মহাবাণীর ফুলন্ত নমুনাটি আমরা অবশেষে পেলাম মহানবীর পবিত্রতম ঠোঁটে। যদিও তিনি শরিয়তের দৃষ্টিতে মহানবী, কিছু মারেফতের দৃষ্টিতে তিনি কে এবং কী তাঁর আসল পরিচয় তা বলা নিষেধ থাকলেগু মেরাজের ঘটনাটি একটু গবেষণার দৃষ্টিভঙ্গিতে পড়লেই সব কিছু জলের মত পরিষ্কার বুঝা যায়। আমরা যে পানি পান করি এটা ফারসি, উর্দু এবং হিন্দি শব্দ। অনেকেরই ধারণা যে, হিন্দুরা পানিকে জল বলে। আসলে ইহা মোটেই সত্য नश्र। ताक्रश्वात्तत रिन्दूता कलटक পानिर वटल। यात्रटल कल मक्टि रल वाक्षालित বাংলা শব্দ। আরবিতে এই একই পানিকে পানি না বলে বলে আব্বুন, সংষ্কৃত ভাষায় বলে অপ, ফরাশি ভাষায় আগু, ইটালীয় ভাষায় একোয়া, স্পেনের ভাষায় এগোয়া, ইংরেজিতে গুয়াটার, জাপানিতে মিজু, চীনা ভাষায় সুই, বার্মায় বলে রি, তামিল ভাষায় তান্নি। এরকম একই পানিকে বিভিন্ন দেশের ভাষাতে বিভিন্ন শব্দ ব্যবহার করে। কিছু সত্য বলতে কি, শব্দ তো নানা রকম, আসল মালটি তো ঐ পাनिर। जारल धर्म नित्य अज मातामाति अज रानारानि रग्न क्वर एन राज्या जामता ञूल वृत्रि, ना रश व्याक्षाप्तर्तक जूल वृत्रात्ना रश, ना रश नित्कत विषशितिक वर् করে তোলার প্রবণতা, না হয় তকদিরের খেলা। এই তকদিরের লীলাখেলা চলতেই থাকবে। যদি প্রশ্ন করেন কতদিন এই তকদিরের লীলাখেলা চলবে? उँहर्ति (त्राका। व्याप्ति काति ता।

মহানবীর মেরাজের ঘটনাটি খুব ছোট করে এজন্যই উল্লেখ করলাম যে, যেখানে আল্লাহর রাস্তায় তাঁরই একজন উন্মত ফানা তথা নির্বান হলে 'মারা গেছে' বলে ঘোষণা করা এবং বসে বসে চিন্তা করা হতে একদম বারণ করে দেওয়া হয়েছে সেখানে মহানবীর শান ও জালুয়ার সীমা কোখায়? আজও কিছু অপদার্য व्यातिनिकाना পिछि नात्मत कूलाश्वात सरानवीत्क भर्यन्न साता शिष्टन वल्ट किंगि त्कंश छेट ना। या त्रसम् साप्नात्राग्न अतकस क्रयन्य सिश्या कथाछत्नात्क त्रतन्त त्रक्ष ष्टान्न प्रतिक त्याचा रा जात्मत उकित्र प्रतिक वल्ट विषया कर त्याचा रा जात्मि अतकस कथा यिष्ठ वल्ट हारे ना या, अता ष्टान रा अति क्रया क्रति क्रया क्रति हार्य त्यत क्रा व्याप्ति वल्ट हारे ना या, अता शाह ना या, अता शाह वल्ट हारे साथा व्याप्ति क्रा विष्ठ वल्ट हारे व्याप्ति क्रा विष्ठ वल्ट हारे ना या, अता शाह वल्ट हारे ना या, अता शाह वल्ट हारे साथा व्याप्ति क्रा व्याप्ति क्रया हित्स हारा हित्स हित्स हारा हित्स हारा हित्स हारा हित्स हारा हित्स हारा हित्स हारा हित्स हित्स हारा हित्स हारा हित्स ह

## क्षिलाप्ट्रत जालाइना

अक मश्रणान वर मश्रणाल পित्रपण रखा पृथिवीत सानू यह एता एतात, क्रिस्त एतात, हश्रामहामा एतात, हश्रामहामा एतात क्रिस्त हिनिया ताथ वर्ण विश्वाम कित। अक व्याक्र तार्रेण नासक यह त्रामहास हिनिया ताथ वर्ण विश्वाम कित। व्याक्र सरानवीत प्रक्त अकर मस्या राक्षात राक्षात हिनिया ताथ वर्ण विश्वाम कित। व्याक्ष सरानवीत प्रक्त अकर मस्या राक्षात राक्षात हिनाएत व्याक्षात राणित राक्षित रहिया प्रशास व्याक्ष वाध्यात वर्ण करणाश्चा एत्य प्ररूप मत्र वाध्या नाय्यात व्याक्ष वाध्यात हिश्वाम कर्त्र व्याव्यात व्याक्ष विश्वाम कर्त्र व्याव्यात व्याव्याव व्याव्यात व्याव्याव व्याव्यात व्याव्यात व्याव्यात व्याव्यात व्याव्याव व्याव्याव व्याव्यात व्याव्यात व्याव्यात व्याव्यात व्याव व्याव्यात व्याव व्याव्यात व्याव्याव व्याव्याव व्याव्यात व्याव्यात व्याव्यात व्याव्यात व्याव्याव व्याव्यात व्याव्याव व्याव्याव व्याव्याव व्याव व्याव्याव व्याव व्याव्याव व्याव्याव व्याव व्या

মাহফিলের অনুঠানটি হল শেরেক ৪ বেদাত। ইটালীতে বিশ্বকাপের ফুটবল খেলাগুলো একই সঙ্গে পৃথিবীর অনেকেই কেমন করে দেখলো? অনেকে আবার भिनाদে দাঁড়িয়ে 'ইয়া নবী, ইয়া রসুল' বলাকেগু শেরেক বলে। ছোট করার মন নিয়ে বলছি না, বরং নমুনা হিসাবে তুলে ধরতে চাই যে, ছেলের বয়সের বিচারক যখন আদালতের এজলাসে আসেন তখন বাপের বয়সের বুড়ো উকিলেরা কেন দাঁড়িয়ে সন্ধান দেখান? এরকমভাবে আমরা কি অনেক স্থানে বিশেষ ব্যক্তির सर्यामात প্रতि माँ छित्रा मन्नान श्रमर्भन कति ना? ठा रूटन त्य सरानवीत नात्स सिनाम नाभक खनूकानिए कता रुष्ट प्रारं खनूकाल ठाँत भए भरानवीत खागभल कि खात वट्म शाका याग्न? वट्म शाका कि एतम त्विग्नामित नग्न? यि दक्छ वनट एाग्न त्य, অনুষ্ঠানের আবার কী প্রয়োজন? যদি এর উত্তরে বলি যে, প্রতিটি মানুষই হল আল্লাহর এক একটি নতুন নতুন অনুষ্ঠান। আমার পা হতে মাথা পর্যন্ত সমস্ত শরীরটাই তো আমার প্রাণের জন্য একটি অনুষ্ঠান। প্রাণটি যদি শরীরে না থাকে ठा रत फरটा रख পঞ় একটা भूमारीन नाम। श्रापत উপস্থিতিতে फरित অনুষ্ঠান আর অনুপশ্থিতিতে লাশ। তা হলে আমি নিজেই একটি অনুষ্ঠান, অথচ সেই অনুষ্ঠানের প্রতি অশ্বীকার। তা হলে তো নিজেকেই অশ্বীকার করছি। মহান আল্লাহ পাকের অনুষ্ঠানের বিচিত্র লীলা খেলাই তো চালিয়ে যাচ্ছে মানুষ তৈরি করে। মানুষের মাঝেই তো আল্লাহর অনুষ্ঠানটিকে ধরে রেখেছেন। যদি সবকিছু তিনি ধ্বংসই করে দেন তা হলে অনুষ্ঠানটি থাকে কোথায়? থাকে না। তা হলে কী করে এই অনুষ্ঠানটিকে বাদ দিতে চাই? আমরা জানি না, আমাদের জীবন দেহের কোথায় লুকিয়ে আছে? মাথার মগজে? রক্তকণিকায়? ভদয়ে? কোথায় লুকিয়ে আছে? অথচ এই লুকানো জীবনটাই আমার দেহটিতে ধারণ করে কত রকম

অনুষ্ঠান করে চলছে তার হিসাব কে রাখে? প্রতিটি মুহূর্তে যেখানে এক একটি व्यवितास व्यनुष्ठात्नत रथना চनष्ट সেখানে सिनाप्नत व्यनुष्ठानि , उत्तर्गत অনুষ্ঠানটি, ঈদের অনুষ্ঠানটি, মহরমের মাতমের অনুষ্ঠানটি কী করে কেমন করে শেরেক বেদাতের ধুয়া তুলে বন্ধ করতে চান? পছন্দ না হয় ভাল কথা, আর সবকিছুই যে একজনের পছন্দ হবে এটা তো নাগু হতে পারে। কেবল মানুষগুলোই কি আল্লাহর একমাত্র অনুষ্ঠান? পৃথিবী নামক একটি ছোট গ্রহের মধ্যে কত অগণিত অনুষ্ঠানের রূপ ঝলসিয়ে উঠছে এবং সেইসব অনুষ্ঠানগুলোর কিছুটা দেখতে পেয়ে আমরাই রীতিমত থতমত খেয়ে যাই, আগা-মাথা কিছুই বুঝতে পারি না, মাথার মণজ অবাকের পর অবাক হয়। পৃথিবীর মত আরো কত গ্রহ আছে? কত সৌরজগত আছে? এত সব বলে প্রথম আকাশে অবস্থান করছে? তা रटल এত বড় विশान প্রকাশটাই কি একটি অনুষ্ঠান? একটি চোখে না দেখা শুক্রকীট দৃশ্যমান পূর্ণ মানব আর মানবীতে পরিণত হওয়াটাই কি একটি ছোট অনুষ্ঠান? অদৃশ্য হতে দৃশ্যে পরিণত হবার নামই কি অনুষ্ঠান? তা হলে প্রতিটি বিষয়ে প্রতিটি ধাপে অনুষ্ঠানের বিচিত্র লীলা খেলা চলছে। তা হলে এমন একটি সামান্য বিষয় কি দেখাতে পারবেন যে, অনুষ্ঠানের প্রয়োজনটি একটি মূল্যহীন বিষয়? অথচ আমাদের মাঝে অনেকেই অনুষ্ঠানটিকে ফালতু বিষয় মনে করেন। মনে পল্লবগ্রাহিতার অপর নামই অনুষ্ঠান এবং বর্জন করে বিমূর্ততাকেই আদর্শ মনে করেন। বিমূর্ততা (নিরাকার) কখনোই আদর্শ হতে পারে না। কারণ বিষূর্ততার সঙ্গে আদর্শ শব্দটি মিলে না। অনুষ্ঠান থাকলেই আদর্শের কথাটি আসে। অনুষ্ঠান আর আদর্শ পয়সার এপিঠ আর ওপিঠ। কিন্তু যাহা বিমূর্ত তথা निदाकात उँश

यनुकालित श्रद्ध यक्षाछ। विभूर्ण यथन क्षाछ रह्य उँछं सानूस्वत भविषण रहा। साधास उथनर विभूर्ण यात विभूर्ण शांक ना। उरा उथन यनुकाल भित्रपछ रहा। विभान किष्टुम्नि भूर्वि विभूर्ण हिन। याविश्वाति येव यनुकान। भूरा विभूर्णक लर्रे वना याव ना। भूना वना याव ना। कातप लर्रे अवः भूना रूळ भूनार यामा कता यादा। भूरा विभूर्ण यिष्ठ यक्षाछ, यक्षाना विषद्ध, किष्ठू भूना नद्ध। भूषा यान्नार यिष्ठ उंति अस्य श्रकाम-विकात्मत धाताञ्चलाक अधिस्य जन छा रत्न यानुकान यात शांक ना। यात अर्थे यानुकान ना शांकल

বিষুর্তের ধারণা করার প্রশ্নুই আসে না। কারণ ধারণাটা বিষূর্ত নয়, বরং অনুষ্ঠানের ইঙ্গিত তথা মূর্ত। সুতরাং অনুষ্ঠানই বিমূর্তের একমাত্র পরিচয়। বিমূর্ত এবং অনুষ্ঠান দুটো সম্পূর্ণ আলাদা বিষয় বলে যারা ধারণা করেন, তারা সত্যকে অশ্বীকার করেন। এবং সত্যকে অশ্বীকার যারা করেন আরবি ভাষায় তাদেরকে কাফের বলা হয়। বিমূর্তের সর্ব প্রথম প্রকাশটির নাম হল নুরে মোহাম্মদী। অবশ্য আরবি ভাষায়। অন্যান্য ভাষায় বিষূর্তের প্রথম প্রকাশটির বিভিন্ন নাম আছে। যেমন, নুরে মুসা, নুরে ঈসা, নুরে শ্রীকৃষ্ণ, নুরে গৌতম বুদ্ধ ইত্যাদি। তা যে নামই দেওয়া হোক না আসলে বিমূর্তের ইহাই প্রথম প্রকাশ। আমরা ঝগড়া করি বিভিন্ন নাম দেবার কারণে। এই ঝগড়াগুলো কি এক একটি ভুল বুঝাকুঝির অনুষ্ঠান? সুতরাং বিমূর্ত এবং মুর্ত (আকার) দুটোর আদি রূপ একই। কিছু আমরা ভাগ করে নেই। এমনকি মূর্তকে বিমূর্তের অংশ নয় বলে অনেকেই সরাসরি অশ্বীকার করি। এই অশ্বীকার একটি দ্রান্তি। একটা মায়া। যাহা অনুধাবন করা সবার পক্ষে তো মোটেই সম্ভব নয়, বরং অতি অল্প লোকেই বুঝতে পারে। সুতরাং সত্য উপলদ্ধির প্রশ্নে জনতার ভোট গ্রহণ করতে গেলে জ্ঞানীদের জামানত বাজেয়াপ্ত হতে বাধ্য।

কিছু একটি বিষয়ে জ্ঞানীদের জামানত বাজেয়াপ্ত হয় না। সেটা হল বিজ্ঞান বিষয়ক জ্ঞানের প্রশ্নে। এখানে জনতার আদিম ধ্যান ধারণাণ্ডলো প্রচণ্ড মার খেয়ে চলছে। কারণ বিজ্ঞান বিমূর্তকে সবার সামনে অনুষ্ঠানের রূপ দিয়ে চোখ ধাঁধিয়ে দেয়। বিদ্রোহের চাপা বেদনা কিছুটা প্রকাশ পেলেগু পরে গা সয়ে যেতে বাধ্য করে। কিছু যত গণ্ডগোল বাঁধে আত্মার বিজ্ঞানের প্রশ্নে। কারণ আত্মার বিজ্ঞানের বিষয়টির অনুষ্ঠান থাকলেগু উহা জনতাকেন্দ্রিক হয় না, হয় ব্যক্তিকেন্দ্রিক। সুতরাং যেখানে অনুষ্ঠান ব্যক্তিকেন্দ্রিক সেখানে গালমন্দ, টিটকারী এবং কাদা ছোড়াছুড়ি নামক অপবাদগুলোর আগমন অবধারিত। এখানেই মত ও পথের বিভিন্নতা দেখা দেয়। এবং এর ফলে নির্যাতন বহু বেদনাদায়ক রূপ ধরে আসে। আত্মার বিজ্ঞানী মনসুর হাল্লাজের আনাল হক ঘোষণায় নির্যাতন এসেছিল। আত্মার বিজ্ঞানী সামসেন্তাব্রীক্ষের কুম বে ইজনি 'আমার হকুমে মৃত জীবিত **२३' तनात कात्र**प निर्याणन कर्त्विष्टन व्यात्निष्ठप्रमुप्ताय ज्या धर्मित्रिष्ठा বিশারদেরা। বিখ্যাত অলীয়ে কামেল বাবা সারমাশ্তের মাথা কাটা গিয়েছিল আলেম সম্প্রদায়ের ফতোয়ায়। কারণ আত্মার বিজ্ঞান যদিও অনুষ্ঠান, কিন্তু সেই অনুষ্ঠান ব্যক্তিকেন্দ্রিক, সমাজকেন্দ্রিক নয়। আত্মার বিজ্ঞানের বিষয়ে গবেষণার मामाना वर निখळ भिद्य रमाम भाकानी रळ क्रमी, राक्क, क्रामी, वाहात, বড়পীর সাহেব, খাজা বাবা, ইবনুল আরাবীর মত অনেককে জঘন্য অপবাদ সইতে হয়েছে। অথচ সেই অপবাদণ্ডলো এসেছে সাধারণ জনতা হতে নয়, বরং আলেম নামক বিশেষ সম্পুদায় হতে। গবেষণার গণতন্ত্র এই বিষয়টিকে সহজে শ্লেনে নিতে পারেনি। যার দক্রন আত্মার বি**জ্ঞানীদের কথা না হয় বাদই দিলাম**, 

## আত্মা গু প্রাণের মাঝে প্রভেদ

দেহ হুতে যখন প্রাণটি বেরিয়ে যায় সেই প্রাণটির আকার আছে কি? নেই। কারুণ প্রাণ নিরাকার। দেহের আকার সাড়ে তিন হাত অথচু প্রাণটি নিরাকার। আরবি ভাষায় প্রাণকে বলা হয় নফস। এই নফস তথা প্রাণটিই মত্যুব মজা গ্রহণ করে। কয়বার গ্রহণ করে? মাত্র একবার। এখানে লক্ষ করার বিষয়ীটি হল, মৃত্যুর মজা গ্রহণ করতে বলা হয়েছে। কারণ মৃত্যু ধ্বংস নয়, বরং একুটি ঘটনা। রূহ কিন্তু প্রাণ नर्। তবে की? क्रेंट खालारत वाप्टेंगै। बालारत वाप्ट्रम कि बालार रूठ बालाहा? वाजित व्यात्मा कि वाजि रेट व्यानामा? छोर्रे त्वर भुजत मट्स क्रेडिंज नग्न। त्वर भुजत ধার ধারে না। মৃত্যুর ধার ধারতে হয় প্রাণকে। তাই কোরানে বলা হয়েছে. প্রত্যৈক नकत्र তথা প্রাণ মত্যর মজা গ্রহণ করে। কিন্তু কোরানের কোথাও একবারও বলা रशीन या, तर मुठीत मका धर्ण कत्रत्। जी रल त्रस्टत मागरकताज जाउशाणिर अक्टा साताजाक ज़िन् कथा, या भवात सात्व श्रेटानेट रख खाष्ट्र अक्टस जुन कथा, ख़ुथे फिर्ट ख़ुनिए त्रवार्ट् वनष्टन। এর চেয়ে আরু দুঃখুজনক কা হতে পারে? अভाবেই বোধ रश्चे অনেক ইচ্ছাকৃত ভল আর ভ্রান্তি ইতিহাসের পাতায় স্থান পেয়েছে। অবশ্য ণবেষকদের গবেষণায় তীনেক সময় ভুলণ্ডলো ধরা পরে যায়। তাই भटित्रपाय संश्रु ङान्। एत्र संयोषात कथा क्यातान-शीष्ट्रंग वश्वात वट्टा किञ्च विष्वापायक विषयोगि रल, अ श्विपति जातीव-क्रांना जालम मुख्या प्रव मुसरी গবেষকদের টুচন্তাধারাক্লে গ্রহণ কুরা তো দুরে প্লাক বুরং প্লুচণ্ডভাবে অপমানিত করৈছে। দার্শনিক সক্রেটিসের সেই মূল্যবান কথাটি এই শ্রেণরৈ আলেমদের কাছে वागा कता तथा। प्रदू कथां ए टर्न, 'वामि क्रांनि ना'। अर्थे प्रापीत वापमता কোরান-হাদিসের বাণীগুলো যেন পানির মৃত সহজ্ মনে কুরে যা মনে ধরে সে ভ্রাবেই অনুবাদ ৪ ব্যাখ্যা লিখে যায়। এরা 'জানি না' বাকর্যটিকে ঘণা করে। অধয় লুখকের কাছে মূলে হয় যে, কোরানের প্রতিটি বাক্য আইনস্টাইনের হীজকুয়েলু টু এম সি স্কোয়ারের চেয়ে অনেক বেশি কাঠন এবং গুভার। অথচ অবাক হুহু এরা কোরানের নামে আরার ব্যাকরণের ভৌল্কবাজি দেখিয়ে কতবড় या छिंगवांकि सार्का व्यववाप ३ व्याध्या नित्थ शिष्ट्व अवः अत कल् सञ्चनसावरमते মধ্যে কতু শাখা-প্রশাখার বিভাক্ত দেখতে পাই। তবু এরা বলুতে শিখোঁনি যে, এর व्यर्थ ३ विषुरावञ्चार्य वृवाक्य भातनाम ना। व्यर्थ वञ्चति विकानात्मित मुर्श्य भव भमरा **अनुकार भाइ एर्ड, अर्धक अर्धक विষয় छला वृष्ठ भारत मार्थ मिन् द्वार्श** त कार्यु क्रांनि ना रेट्डीिए। व्यक्षात क्रुयाछला भैट्ड रग्नटा पुःश भाद्र्ने, किन्न रेर् একটি অপ্রিয় সত্য কথা। অনেকদিন ভেজাল দুধ খাবারী পর খাটি দুধ পিটে

পড়লে পেট খারাপ হবার যেমন সম্ভাবনা থাকে. সেরকম ভাবে একটা ভলকে যদি কোন গরেষক চোখে আঙ্গুল দিয়েও বুঝিয়ে দিতে চেন্টা করেন, তবু সূহজে গ্রহণ করতে পারে ব্লা। বরং অনুদক ক্ষেত্রে নির্যাতন সূহতে হয়েছে। হজরত ইমায় আহাম্বদ হাম্বলকে দিয়ে মোতাজিলা ফের্কার অনসারীরা কিছতেই বুলাতে পারেনি এই বলে যে, 'বল, কোৱান মান্ষের কথা।' অথচ অবাক, ইই তখনি যখন দেখি य সেर साठाछिन्। नामक अकिष्म ऋघ्नाउभ वाक्रम कर्कात अकन्न छक्र ठाक्त আল্লামা জামাকসুরির কোরানের তফসার তফসারে কাশুশাফ কে নিয়ে গোল্মীব उर्शांव अवः अभूतीक व्यारम मुनाएम ऋभाएठत व्यनुमातुरिहत সে कि मारगमारिह। सरान भरत्यक् रैसास जाव रानिकीक्त निर्यालन श्रीप फिक्ट रन। जान सनभूत्वत <u> जिल्लामारा रैसास मार्टिनरिन श्राप फिर्फ रखिष्ट। कार्रप गर्वसुपार गप्जन्न भिन्ध</u> স্বাধাকার দেওয়া হুয়ান। যে কোন ইুজম বা মতাদর্শ, তা যত উটু মূানের্ই হোক না কেন, উহা যদি জোৱ করে চাপিয়ে দেওয়া হয়, তা হলে সৈটা টেকে না। िकुळ शादा ना। जात <u>क्रुलम् नभना रल भार्कम् जात</u> लिन्नि मास्टर्वत भुज़ा। চাপিয়ে দেগুয়া যে কোন বিষয়ই হোক না কেন উহা টিকতেই পাৰে না। হয়িটো আপেক্ষিক অর্থে তথ্য কিছুদিনের জন্য চলতে পারে, কিন্তু মৃত্যুর ঘণ্টা যে একদিন বাজবে সেটা অবধারিত। যৈখানে জন্মগতভাবে স্বাধিকার ক্ষেপ্তয়া হয়েছে, সেখানে किছু একটা চাপিয়ে দিতে গেলে ফলটা ভাল হয় না। পৃথিবরি ইতিহাস এই অপ্রিয় সত্যুটি কতুবার যে প্রতিটি যুগে যুগে দেখিয়েছে, কিন্তু আমরা জেনেগু হাতহাসের अर्थे भिक्रािंग अर्थ क्रांट भार्तिन। **मार्गिनक स्टर्शन मास्ट**वरक अत्रक्त सम्रतात क्रवा धवावाद्।

একদম সোজা কথায় ঘোষণা করলেন এই বলে যে. উহা ক্রোরানের কথা। কোরানই বলুছে যে, মুরশিদ, রসুল এবং আল্রাহ এক ও আটুরু এবং কোরানই वलए रा. এই তিনটিকৈ যাৱা এক বলে মেনে নৈবে ना তাৱা খাটি কাফের। বাবা লালন এই কথাণ্ডলোর উপর প্রচণ্ড গুরুত আরোপ করে বার বার কোরানের ঘোষণা বলে দাবি করেছেন। আবার সেই সঙ্গে বার বার এই কথাটিও বল্লেছেন या. रेरा नानत्तत्र सनगरा क्या नया वावा नानुन कोक्द्रत् सूछ मोकूरत् মহাসাধকের মুখে এই কথাণ্ডলো পাঠকদেরকে একটি কারণেই সামান্য ভাবিয়ে তোলে যে, টুটনি কোরানের ক্লোখায়, কোন সুরার কত লাইনে বলা হয়েছে সেটা তুলে ধরেননি। গবেষুক যুখন কিছ একটা নুতুন কথা পাঠক সমাজের কাছে তুলে ধিরেন তৃখন তার দলিলটি সঙ্গে জুড়ে দেন। কিন্তু এখানে বাবা লালন তা না কিরে বুরং পাঠুক সমাজের হাতে ছেড়ে দিয়েছেন। পাঠিকস্মাজই ক্যেরানের এই দুলিলটি খুঁজে বাহির করে নিক। বিরাট একট্রা দায়িত পাঠকুদের কাঞ্জে চাপিয়ে দিলেন বীবা লালন ফুকির। চমৎকার একটি দাবি। এ দাবির সত্য-মিখ্যার দোটানার <u> फालनारा भाठक यान मनक भारत जात मन्द्रज्ञ भारताक्षाङ व्यवसार भाठक</u> सराकांभदा भर्ज यारा। कीतालात क्षेत्रस राजीताम भर्यम् भरतस्थात प्रक्लिंग्रे निर्प्त ना পড়লে नानतित এই কথার সত্যতা য়াচাই করার উপায় থাকে ना। অবশেষে কোরান পড়ে কেউ লালনের কথার সত্যুটি পেয়ে যায়ু, আবার কেউ পুয়ে না। যারা भाश्रुना छाट्रेम्द्र प्लास र्रेम्द्रश्रुलाङ लिङ्ग। कात्रप अर्टना भाअशाधार प्रिल छाट्रित ठकेरित्वत निथन। **उक्**रित्व निथा जिंहे जाहें भारा न्ना। नानन कोकत कि जा हत्न সমস্ত কোরানের বার্ণা তন্ন তন্ত্র করে খুঙ্গে গর্ভার মনযোগসূহকারে অধ্যুয়ন कर्तिष्टनु? युष्टि जा रय जारींन जीत बातींने छासात छेपत माधार्विक एथन हिन। व्यात युष्टि छीन द्वातान ना भएंड शास्त्रन छा रत्न स्वरूप करत कुछाद्व धत्रक्ष সাংঘাতিক কথাটি ঘোষণা করলেন? এখন প্রশ্ন হুলু, মহানবাকৈ কিছু বুকে কুয়েকবার চাপ দিয়ে হেরাগুহায় কোরান পাঠ শিখিয়েছেন হজুরত জিবরিল ্আঃ)। আমুরা আমাদের বাচ্চাদেরকে বই দেখিয়ে পাই শিক্ষা দেই সেরকমুভাবে किन्न भरानवें कि भिक्रा फिरुय़ा रयोने। जात अकिए श्रेत्र फार्ड्या या, ठा रूल भिनाय मिनीस उथा বत्क चत्क छाथ प्रवात संज किष्ट अक्छा सीद्रिकींठ त्रश्मा लेक्ट्सि खाष्ट्र যার মাধ্যমেপ্ত কেরিনে জ্ঞান অর্জন করা যায়। সাদা কার্গজের উপর কালির তৈরা অন্ধরে সাজানো কোরান চোখে ও মখে পড়া যায়। কিন্তু কাগজ আর কালিতে वानात्ना त्वातानत्क राष्ट्रात वात्रश्च यीम वृत्क त्कात्त त्कात्त हाथ मित्र शांक ञ्रारटल कि दुकातान छान व्यर्छन कता यादि? याग्न ना। कात्रप रहा छाप प्रवात বিষয়ের বাইরে। ইহা মনোযোগ্র সহকারে পবিত্র মূলে বার বার পড়তে হয়। তা रल जावात क्षेत्र जात्म, मरानवित्क कांश्क्र-कांनित निशा कांत्रान क्रिंशस्य <u>१</u>ए।त আদেশ না কুরে বার বার বুকে চাপ দিয়ে ক্লোব্রান-জ্ঞান দেবার সম্পূর্ণ অন্য ধরনের প্রচেষ্টা কেন? এই অন্য ধরনের প্রচেষ্টাটি কি একদম রহস্যময়? একদম शक्ष विषयः अनम्म भातकि विषयः यि सित ति ने ने निष्यः विषयः विष्यः विषयः विषयः

वाजात विकानी वावा नानन फ्रिक्तत (सार्यपणि रक्क क्राणि नार्नेन रवर कृत ध्रतनार्स अवश् जात्रपत कृतकता विकात विकात वित्यपण करत प्रभावता या, नानदात क्राणि ताताता वाव्य किना। नानदात क्रिणि रन, नवी ना सादन याता, साम्राट्म कार्कत जाता अर्र पुनियाय। एकत्न जात नार्रे सक्रती मिन्त मार्क निभा रमा या या त्राप्त कार्य जाता अर्रे पुनियाय। एकत्न जात नार्रे क्राण्य मिन्त अर्थ कार्या नानन वर्ष नार्का, कार्याता क्राण्य नार्वे क्राण्य क्राण्य क्राण्य क्राण्य क्राण्य नार्वे क्राण्य क्राण्य क्राण्य क्राण्य नार्वे क्राण्य क्राण्य क्राण्य क्राण्य क्राण्य क्राण्य क्राण्य क्राण्य नार्वे क्राण्य क्राण क्राण्य क्राण क्राण्य क्राण क्राण्य क्राण क्राण क्राण क्राण क्रा

কুরে অথবা মেনে নিতে চায় না যে, আল্লাহ এবং তার রসুলদেরকে, (২) এবং ইচ্ছা করে অথবা এরাদা করে যে, আলুহি এবং তার রসুর্লদের মধ্যে পার্থক্য করে, (৩), এবং বুলে, আম্রুরা কত্ককে বিশ্বাস ক্রুরি এবং কতককে অবিশ্বাস অথবা व्यश्वीकात करित,' (8) विवः वर्षे पूर्वात मेशुंवर्जी विकिष्ट अर्थ वर्ष कृतक रैष्ण कर्ता जातभत वृक्षेण वकात वाह्याकृत साष्ट्र पूषि व्यः भ भार्षे : (১) जातार शाष्टि ক্রাঁফের, (২) এবং আমারা ('আমি' শুন্দটি ব্যবহার করা হয়নি) কাফেরদের জন্য তোর করে রেখোছ অপুমানজনুক শাস্তি।

ब्रथन नानन त्य पृष्टि जार्ग नित्राष्ट्रन त्यर पृष्टि जार्गत क्षयमणि इन, (১) अशा रुजितपुना जारशुकातितकू वार्रनां नारि अशा तमूनिरि अवर (२) उनार्रेका रसून

कारिकवा राक्का।

প্রথমটির হবই বাংলায়ু অনুবাদু করতে গেলে ইউব্রিদুনার মুল শব্দটি হল প্রুরাদা अवः अताদात वाःला गक्तां रील रिष्टा कृता अवः ब्रारश्चकातातकृत सृल गक्ताण रल ফারেকুন এবঃ ফারকুনের বাংলা শব্দটি হল,পার্থক্য। আম্রেরা অনেকি সময় বলে शांके रा, अप वाकीम-भाजान काताक, वश्री९ अर्रे कशांप वर्त वृवार्रे रा पुर्ण এক ও অভিনুনয় বরং দুটো সম্পূর্ণ আলাদা বিষয়। এখন প্লুশ্ন হল যৈ, এই পার্ষক্য कता. अर्रे पुर्रिएक अर्क तुर्ल स्रिति ना तिश्रा, अर्क ३ व्यक्ति कानात्क व्यत्नीकात করাটা কাঁ কাঁ বিষয়ের উপর কোরান ঘোষণা করছে? কার মধ্যে পার্থক্য করতে वात्रं कता रखिष्ट्रं व्यानामा कत्त प्रभूज्ञाना कता रखिष्ट्रं उन्धाण्ट्रिक अक ३ অভিন্ন বলে মেনে নিতে বলা হয়েছে। সেই উভয়াট কে কে? সেই দটো বিষয় কার कात भेर्स्य में भावफ्र? अकोर्व रन युर्ध व्यानार अवर व्यथतीर्व रन द्वेत्रुप्नता। अकर् **छान करत नक्र करत रम्थन, अशास्त अकलने तिमुलत कथा वूना रहाने। वना रहार्ष्ट्र** वर्ष्ठात उथा जातक त्रभूनाएत निद्या अक्वएति वना रशान। जावात ठात भद्धत বাক্যটি হল, 'তারাই খাঁটি কাফের' এবং আল্লাহ ঘোষণা করেছেন, 'কাফেরদের স্থুন্য তৈরি করে রেখেছি অপমানজনক শাস্তি।' এখানেপ্ত ভাল করে দেখুন, আল্লাহ निफ़र्त्क अक्वरात व्यवहात क्तरह्ने ना। वतः बाल्लार निफ़र्त्व ब्राप्ति नि वर्त्त 'प्रैवः আমরা কাফেরদের' বলে বহুবচনাটুকে ব্যবহার করেছেন। যাদণ্ড অনেকেহ হবহ অনুবাদ করতে গিয়ে আমরা শব্দটির উপর ছার চালিয়ে দিয়ে আমি অনুবাদু कर्तन। कार्त्रप्र व्याभर्ता निश्रम त्राधार्त्रप्र भानस्पर्ता मिर्त्रक कर्त्रक भारत, ठार्रे अर भरान क्येवापि भानन क्ता। ध्रुर तक्ष खनुवाम क्रुद्ध क्रद्धर वार्रदिलत खवशा रख़ए तफ्नाफाय़क। कार्त्रप वार्रातत्वत्र भुने छात्राणि योष्ट्र रवर शाकत्या या रतन অনুবাদের আসলু চেহারা ধরা যেত। কোরান দেড হাজার বছর ধরে হবহ আছে যদি ভূলী বলে প্রমাণিত হয় তাতে মূল কোরানের কিছুই যায় আসে না। কোরান কার কার মাঝে পূর্যক্য করতে মানা করে দিয়েছে? বাইনাল্লাহি তথা আল্লাহর सर्स्या 'श्रुया त्रशूनिर्हि' তथा अवः त्रशूनम्बत्त। अक कथाय व्यान्नार अवः त्रशूनम्बत सर्स्या भार्षका कत्रत्य भाना कता इत्याहा। कातम नात्म वह हलाश वामल अक अवः विश्वित्। यिष्ठ व्यानाहा अवः यात तम्मार्कत छाम कत्त त्यानाहा कर्त विश्वित्। यिष्ठ व्यानाहा अवः यात व्यानाहा कर्ति व्यानाहा क्षेत्र व्यानाहा कर्ति व्यानाहा क्षेत्र व्यानाहा कर्ति व्यानाहा क्षेत्र व्यानाहा व्याप्त विश्वित कात्र कात्र विश्वित विश्वित व्यानाहा विश्वित विष्व विश्वित विश्वित विश्वित विश्वित विश्वित विश्व विश्वित विश्व विश्वित विश्वित विश्वित विश्व विश्व विष्व विश्व विश्व विष्य विष्व

टिजलंत में अक्रम शाद्धि कार्रिकत वर्ता कातान खायेगा करत्र ए।

अवात् यात अक्षे जीनस्य रिशा याक स्य, अशाल तत्रुनस्तत्र्वरा वना रस्यष्ट। किञ्च नर्वोप्तित कथि विना रह्योन। किन नुविप्तित कथा विना रह्यान? त्रमुनप्तित कथा क्ति वना रन? अत कात्रप्रम, सरानवी रसास क्रिव्नाठारकात भत्रे जात कान नवीं व्यात्रत्वत् ना। सरानवेरि रुजुन् स्भूष नवी। 101तर रुजन शाणासान नवा। शांठाभान नवी वन्छ वृवाय या छिनिस (मुख नवी। छात्र भूत बात्र कान नवीत व्यागमन रति ना। नव्युर्धे भएम एशा भिष्ठ। अवात् व्यात्वा अवर्ष्टे नक्र कर्त्व दूर्नार्थ त्यः, कातालंब क्षरम मुती काळंंं रेट एक उत्तर करते नाम भर्यन अकम्ब क्रिकेट मुतात ভেতর প্রাতীট আয়ীতে তন্ন তন্ন করে খুজেও একটিবারও বলা হয়নি এই বুলে যে. शाजाप्तान तुत्रुन। जर्शाः, तैत्रुन त्यार्थ। तैत्रुत्नत् ज्यागप्तन जात रूत ना, अर्हे कर्शा कातालत कीया३ लर्र। शेञान्नान तम्म मक्छि ज्या तम्रलत् व्यागन्न स्मय रख গেছে বলে একবারেও বলা হয়ান। অথচ যতবার খাতামান শব্দটি কোরানে পাওয়া याग्न प्रशासन नर्वात कथा धार्येपा कृता रुखिष्ट्र। तत्रमलत कथा नग्न। योष्ट्र धित स्नर य्य, तत्रुप्तत व्याप्भ भागिमान, गर्कार्य, व्यवसात क्री, रूठ जा स्टल वावा नानन क्रितित केशाध्रुला एंटलते वाछिक्क भित्रपण रेक्ट अवेद छैरा भारा व्यावाक नित्र (भक्त দৃষ্টির মানদণ্ডে বিচারী করে ফেলে দেওয়া হত। কিন্তু অব্লাক হই, বিশ্বয়ে আভড়ত ইয়ে পড়ি এই ভেবে য়ে, বারা লালন ফাকর কট্টুইটু স্তরের সাধকু ছিলেন। কোরানের উপর এতু উটু দর্শনে তার কথাগুলো দাড়িয়ে আছে যে, নিমন্তানের গরেষকদের তো প্রশ্নুই উঠে না, বুড় বড় গবেষকেরা পর্যন্ত হিমাপুম খায়। উচ্চাঙ্গ मश्रीक्रित श्र<u>क्ष</u> तक्ष्म शानाम ज्ञानी, नाक्षाकाछ **७ मानामा**छू ज्ञानाक द्रुप्तर्थ छान **छाल शाय्रक्ति ग्रुफ्ताय साथा निष्टु कंद्र्वन। जावात जात्र अकर्ष्ट्र मासान्य जैनिद्य ए**न्था याक। अशाल अकञ्जन त्रत्रुलत्र केशा वन्ना रहीन वतः वेना रखण्ड तत्रुलता। अक्वरून नरा वतः वस्तूरुन। अशाल अकार्ष कथा वस्तुरू राहे या, श्रास्त्र नवी व्यवगारी अक्छन तमुल, किन्न श्राटाक तमुल अक्छन नवी नन। कार्त्वप तमाले श्राट श्र <u> रहा ना। भण्य रहा नित्राण। याय्यू व्यानीलण भण्य रहा ना क्रार्ट व्यु व्यानील स्पर्य</u> रुख यावात श्रभूर छेळी ना। तित्रानिज एनए अवः एनति जर्जाहन, यठीहिन अर्रे धतात <u> वूर्त मान्दात ज्ञाशमन वन्न ना शूत।</u>

े আবার এ বিষয়ে আর একটু তলিয়ে দেখতে চাই যে, কোরান আলাহ এবং রসুলদের মধ্যে আলাদা করতে মানা করেছে, কিছু লালন ফকির এই দুটো

বিষয়ের মধ্যে না থেকে বরঃ মুরশিদকেও টেনে এনেছের ১ তিনি মুর্গ্রিদুকেও এদের মধ্যে একাকার করে দিয়েছেন এবং রলেছেন যে, যিনি রসুল তিনিই মুরশিদ অর্থাৎ মুরশিদ, রসুল এবং আল্লাহ মোটেই আলাদা নন বরং নামে তিনু হলেগ্ত আস্লে এক ও অভিন। প্রশ্ন আসৈ, লালন এরকম কথা কেন বললেন? তিনি ভাল कर्त्वर क्राप्नन या. अकेकने कानाकिनार भीति कासमल्टर त्रत्रम वना रग्न। कात्रभ হেদায়েতের তথা পথ দেখানোর পূর্ণ যোগ্যতা এই জাতীয় পরিদের আছে। যারা হেদায়েত করার পুণ্ যোগ্যতা অর্জন করেছেন, তথা ইনসানে কামেল, তারাই রেসালতপ্রাপ্ত এবঃ এই রেসালতের ধারা চলতেই থাকবে। তাই যারা সাত্যকার यारी कासिन महाभिर जाहा श्रक्तारक अक अकलन तत्रन अवः तत्रनरक यानार रक्क <u> त्राभानाण्य जानामा करात ज्ञवकाम कातान (एश्वास्ट) जार काताल अंतामा</u> **मक्छि व्यवशत कता रुख्छ। ठाकुन् उथा वनात कथा व्यवशत कता रुग्नान। वना** क्या पूर्व शांक वृत्रः ख़ान्नार अवर्धे जात त्रमुनफ्त सक्षा जांग करत फ्रंशात रिष्टा श्रेकार्ग केत्रा गार्शिल है स्त्रीका कारकत वर्ष्टी खासभा कता हराएए। जाउ व्यावात कारकत मेर्कित मरम हाका नामक वित्यस्थ-मार्का अकेछि मेर्क विभिर्ध एउआ হয়েছে। এমন ধরনের কাফের যে খাটি সোনার মতা এক রতি খাদগু নেই। যাকে व्याभता भानु भानु वत्न शांक। अतुक्रम भता भूनिए कारकत व्यशाः भक् तील भुनभान चनात भुरयाभे३ एर३शा रह्यांन कातात्ना ठार्र नानन अएरतरक ठात छाषाग्र 'মোয়াহেদ\_কাফের তারা' বলছেন। মানে সম্পূর্ন্ধপে তারা ক্লাফের। আবার লালন वनष्टन, अर कार्राय कार्फात्रफत छक्रल रूपी रेवाफ्ट्-वरक्षींपर्स्ट कान श्रकात कन পাবার আশা একদম বথা এবং এটা কোরানেরই কথা। কারণ কাফেরদের रैवाफ्ज-वत्फ्रींभळ्ट य द्वान लांख रग्न ना प्र क्या द्वातान वरवात वर तकम ভাষায় বলেছে। এটা একটা সাধারণ মানুষত্ত ভাল করেই জানে।

जात बिकंट्र ठिलिखे एिशि, जासाएत सेट्रा जर्था है सुन्नसीन नम्भूमाखत सट्छा कार्तात क्या, जालाह बर्वर ठात तमुलएत सट्छा भारत करा, जालाह बर्वर ठात तमुलएत सट्छा भारत करा, जात ना बर्वर लालात करा, खा सुत्रिक, त्रिष्ट क्या तमुल, खामाइ तम हुए, लालून तक नात्का, त्काताक करा कार्यक सत्न-श्राण श्रम्भ करा करा त्रिष्ठ करा कि कार्या श्रम करा है। वह करा हि कार्यात श्राम महिल्य करा करा है। जासता कार्यत जामान-श्रमीन करात सामिक देश बर्वर महन्मीलकात भारतक भारतक श्राम है।

হাতাহাতি করতে পর্যন্ত লক্ষা পাই ন্যু।

जातांत जात अने ना रा जिल्ला एक्सि या, कित्व लाल्न कितरें कि कारान्त अर्थ सरामें जुला है जुला स्वाह्म श्री कि क्यां कि ज्ञां कि क्यां कि ज्ञां कि क्यां कि ज्ञां कि कि अर्थ कि अर्य कि अर्थ कि

করার বিধান নেই। এই জ্ঞান আপন অম্ভিত্যের যখন পূর্ণ বিকাশ ঘটে তখনই त्रांधेके क्लोतांत्वतं वार्षी त्यं ब्रेंशिक्षेत्रं को ब्रेंधिक क्लोतांत्वतं वार्षी त्यं ब्रेंधिक क्लोतांत्वतं वार्षी त्यं ब्रेंधिक क्लोतां वार्षा व्याप्ति वार्षा व्याप्ति क्ला व्याप्ति वार्षा व्याप्ति वार्षा वार কুরে এবং সর্ব মিলে হল উনিশ। এই উনিনের দেয়াল ভাঙতে গেলেই সাধককৈ <u> जिल्ल जिल्ल जुलक्क रहा। भलाविङ्गालंत श्रीकिंग एत्राल माधना अवः व्यापन त्रत्वत</u> त्ररुषक्ष यथनू क्षिष्ठ क्षिनक भात्रत्वन, उथन त्राधित्वत काष्ट्र कातात्वत वार्षिष्ठला য়ে এক একটি মহাসত্য ত্যু আলোর মত পরিষ্কার হয়ে উঠে। সুরা মোদাশ্শেরের উনত্রিশ এবং ত্রিশু আয়াতটির গোপন রহস্য সাধক্ তখনই বুঝতে পারেন। বুঝতে পারেন য়ে, কত নিখুত কত নিপুণ কোরানের বাণী। সাধক তার আপন অস্তিত্বের <u>षाद्वा छोन्ट अली एक कर्दी क्रूवल भूति कि , तत्रूल जात ज्यालारक अके 8</u> व्यक्ति एसिए पाने नां, वेतरी मुर्कि के मुक्ति निष्ठित रिपे पुरुष्टि तर्लित केशा माधातेपछारत क्षणित व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति क्षणित व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति क्षणित व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति व्यक्ति विवक्ति विवक বালিতে জলের ঢেউ দেখার একটি শ্লেকি প্রেতনত্য দর্শন। দ্বৈতবার্দকে তখ্নন বিদায় करत फिल्ल रस ना, वहुर निल्क निल्क विकास धर्म करत अवर व्यक्ति विकास सरामाशुरत माधरकतं व्यक्तियु विलीन सुरा यारा। याणका व्यक्तियारा राहित्रा बेशालिंह सरामिन्त। এখানেঁই চিরস্থায়ী প্রেমরাজ্যের ত্রতিষ্থান। এখানে বলুপুয়োগ लर्रे। अशाल विनिष्ठा ल्रें। कार्य वैन्यस्यां चार्र विनिष्ठा रन स्निक। ठार्र एिक व्यात्राभीत छोभकारा द्याता क्वात्रार्धिमन् उथा नितास्प्रित द्याता क्वालारा क्वलट थार्क् <u> युता स्मामित्मत्वत ष्टावितमे २०० वार्षाम नश्वत् वाद्याटा ५५५ राङात वष्टत वार्श्ट</u> ठी क्रानिस एउसा इसस्थ। येज मुन्दत कर्त्वर वृत्पाता स्निक ना त्कन, खकाछ युक्तित एर्गन फाँछ क्रितिस वृवाक्य छाङ्गलिश वृवा यास ना। कात्र हिंदू स वाहित ইতে ব্যবার কোন বিধান দৈওয়া হয়নি। অপিনাকে দেহ ও মনের অস্ত্রিতের মধ্যে हुनि हुनि क्षेत्रवाल बाहर करते **नारवात नर्स बनिए बिल्ट नार्त** बार्नि रहे वार्निन राउँ ते <u> तैरुषठे नाष्ट्रेन रूळ थात्क सार्थ धार्थ। जात अठिंछि धार्थ मार्थक सेर्थेत</u> ল্লাবণ্যদর্শনে অভিভূত হয়ে এগিয়ে যেতে থাকে। বৈভবের ঠমক দেগুয়া সোনার সিংহাসনে বসেও ঐখন সাধক নারব। সার্থাদ্দের জুলুসায় হাজার আলাপনের মাঝে (थर्कि अन्त्र) वार्टित्र मानुरवता किवन वार्टित्र एर्टिंग्ट पर्भेफ भारा खात् कर्त्र तकम कथा वनावीन कद्भ, किन्न भाधकित बाग्निकृत भाष्य या ब्यलक बाएगर वाश्वित्तत **छाल-सत्फत जाभिक्रेक मैसाला**हनाञ्चला अकाकात रुख शिष्ट।

अवात फिश शृथिवीत तर्वाक्ष्म अवनाता क्रानान दें फिनू क्रमी की वनएक : भीरतेती काँठि शोषी, वर्ष नीषिष, नाई मूर्तिष्, नाई मूर्तिष টেরে না এনে সরাসরি আলাহর কথা বলেছেন। কারণ তিনি জ্যানতেন যে কীমেল মরশিদই হলেন রুসল তাই সরাসার বলেছেন। ভাষার শৈলাটি একট আলাদা ধরনের। কারণ পারের জাত এবং আল্লাহর জাত যে এক, অভিনু এবং অখণ্ড এই त्रराज्य प्रमेन अवः भिनन याप्त्रत रशिन जाता भौतेष रूज भारतीन वर्ण जिनवात धाषणा करत्रष्ट्रन। नात्म भूतिए रेश्या, भूतिएते शाणांश नाम निशाला रेखेर्ड, व्यामञ्जूरत भूतिए रखएड, किन्न अर्र तकम नात्म भ्राञ्ज भूतिएनरएतरक दक्षी সাংঘাতিক জোরের সাথে ঘোষণী করেছেন যে, এরা মারদ হয়ানু কারণ এরা পার এবং আল্রাহর জাত যে এক ৪ অখণ্ড এই দর্শন লাভ করিছে পারোন। অর্থাৎ এক ৪ আভন্ন ব্ৰৈপে দৰ্শন কুৱার জন্যই মুরিদ হতে হয়ু। অথচ যদি তা না হয়ে থাকে তা **रल भैति**ष रला भ्रोतिष नासित कीन खागाणा है वरन कूत ना अवः खागाणा वरन ना कर्तिएन अता भ्रोतिफ नास्मत कमुक्र। योष्ट्रि अर्थ कमक्री छिष्ठाना धत्रत्नत नग्न वतः ভালবাসার দাগ-লাগা কলস্ক। এই প্লেমের আঁচড-লাগা কলঙ্কের অবসান কেমন করে এবং কখন হতে, পারে? যখনু পরি এবং আল্লার জাতকে এক প্লুঅভিন্ন রূপে फर्मन लाङ्कतात পूर्व ऋमञात व्यक्तिता रुख्य भीतुत्व। अंथात्व अक्तिर्वे र्वेषश्चे तुल्ल वार्थक ठार द्य. संभिताना कालाल सेष्ट्रिन क्रसात तीएठ संगनसा गतीकाएँक जिन নিজেই ফারাস ভাষায় মানুষের রাচত কোরান বলে ঘোষণা করে গেছেন এবং अकसाब्र अशाविता ष्टाष्ट्रा भृष्टिवति भूत् सुत्रवसातिता विवावादका साथा विष्ट करते स्रता निक्र वाथा रख़िष्ट। रेंरा अकिए विताएँ श्रन्न। रेंरात किष्ट्री वाक्ष्मा छा**या**श्च অনুবাদ পাওয়া যায়, তাও অনুবাদের নামে মনগড়া কথার ভাগটা বৌশ হওয়াতে ञ्चित्रम विষয়টা ফুটে উঠতে भादानि। काরণ অনুবাদকের আর এক নাম হল विश्वात्रुघाञ्च । विरीतिश्रुक्त वा त्यत्क त्किष्ठव क्या एकित्र प्रश्वा यार् সেহ ফাকরে থাকলে ডহা অনুবাদ হয় না। বরং মূল লেখককে করা হয় কলাঙ্কত। श्रशावता ख्राणतञ्जनक कारकत्त व्याकवत च्या मतुक्रत्य वस् कारकत कव्यासा फियाएं. সেই চারজনের মধ্যে মাগুলানা জালাল উদ্দিন ক্রমীণ্ড একুজন। অন্য তিনজনের নামটাও পাইকদের জ্ন্য জানিয়ে দুলাম। আমাদের বুডপরি গাউসুল ब्राक्रम व्यक्तिक कारमञ्ज किलानी, रिमाम भाष्क्रानी अवश्व मरिक्रीफून रेतुन्न व्यातावी। াবখ্যাত সাুফ বাবা ফারদ ডাদ্দন আভারের কয়াট কথা ফাকার লাইনের মানুষের क्रका थुवरी मुनावान अवः भान ताथात मञ्जू अवः, मूथञ्च कदा ताथा ভान। जिनि গালবতির হীলে তথা মোরাকারার হালে নিজেই নিজেকে বলছেন এই বলে যে 'আসলে তুমিই সুমস্ত জগতের জবিন! তুমিই বাহির এবং ভেতুর। তোমার ক্লহ 'नाअरह भार्कुक" रांখानে बान्नारत कीनाम निशा शाकि। ठ्रीमर्रे बात्रल शेवज

द्वातान।' सृष्टिष्ठिक्तिन हैवनुल बातावीत सुल क्यां हि हल अहे या, 'बालाह निर्फ़र्क बावतास अकाम करत हल्एक। या किष्टु बालाहृत सर्था लुकिया थारक प्रिणेह अकाम ह्या हल्लुए अवर अहे अकाम हश्याहिए हल विताह बनुषाता। बाप्ति व्याप्ता किष्टु मिंच करतन ना।' (कि किलामिक व्यव हैवनुल बातावी-पृष्ठा नर उन्हिम)। हवनुल बातावीत पूर्मत्नत विहाद नामिक जवाह वर्ल किष्टु थारक ना। नामिक वालि अधात बावाविद्वाध अवर अत बनुमाती नामिक तो अक अकि साम्रावाद्वा सुर्वे अपन कर्ति साम्रावाद्वा सुर्वे अपन कर्ति वाम्रावाद्वा सुर्वे अपन कर्ति वाम्रावाद्वा सुर्वे वाम्रावाद्वा कर्ति वाम्रावाद्वा सुर्वे वाम्रावाद्वा सुर्वे वाम्रावाद्वा कर्ति वाम्रावाद्वा सुर्वे वाम्रावाद्वा कर्ति कर्ति कर्ति वाम्रावाद्वा कर्ति वाम्रावाद्व कर्या कर्ति वाम्रावाद्व कर्ति वाम्

वाः नारित्या विशाण अवः भुक्तिय जाकताम शा त्रास्टित अशांति प्रत्वत अकलन जिला प्रित्न । उनात तिष्ठ साम्रका प्रतिज अवः ष्ट्रयुश्च तिष्ठ कातान जुकतित अम्रक्षेट <u>प्रतिभात तुष्ठ प्रतिवन्। ज</u>वगा जामता जाक्त भुक्ता अलनार कति ह्या,

ठके फिर्त या विशा बाएए ठाएँ छा रख।

वार्ता अके हैं जूनों के रूर्तन बूट केशा छता रा, विशाल साठनाना क्रमी गांत काष्ट्र भारतम रिखोप्टलन जिनि लिখा-প्रका कान्द्रजन ना। नित्रुऋत प्रिलन। जात <u>মুরাশদের নাম রাবা সামসেন্তর্মিছ। নিরক্ষর পার সামসেন্তর্রীক্তর কাছে কোর</u> र्वेत्रजित छान ञ्रार्रेन कतात कना भैतिष २०० भिलन? कुलसित छीन यात काएए जिर् <u> जात काष्ट्र का धूत्रत्वत क्रान शांकेट्ट भारत? मरानवींट्क वात वात छाभू फिर्स रा</u> छान (५३ग्रा रखाँছन সেर জाजित तरगणि वाभाफित भेण कनभेश्वाना विदानफित সত্যিহ ভাবিয়ে তোলে। অথচ আজকের জামানুয়ে এরকম আজব কথা চালু হয়ে গেছে যে, পরি হুতে হলে কোরান, তুফাসুর, হাদিস এবং ফেকা শাস্ত্রের উপরি ভাল প্ডাণ্ডনা অব্শ্যই থাকতে হবে। কথাটা কিন্তু এক্দুম মিখ্যা নুয়, কার্নণ এই জাতীয় প্রীরেরা হল শিক্ষক আর ছাত্রের মত। আমিরা এই জাতায় পরিদেরকে শুদ্ধা কার, কিন্তু আবার এও বিশ্বাস করি যে, এই জাতীয় পরিদের থেকে যত দুরে থাকা যায় ততই ভাল। আমাদের তকদিরে আগেই লিখা হয়ে গেছে য়ে, এই জীতীয় পরিদের (रात येज দরে शानक भात जेजर सम्मन रति। जार जेन मिरा प्रशासी की করে! আর সৈই সূঙ্কে সূরা ফুরকানের সাত্যুশ নম্বর অ্যায়াতটির কথ্যা বার বার म्रात १५७७, ' সেই সমুধ জুলিম निজের দুই হাতের উপ্র কামড দিয়ে বলবে, 'হায়! আমার দুঃখ, যদি আমি রসুলের সাথে পথ ধরতাম।'

ब्रवात जामता मुन्नान्न हिन्ह शाका मन्नेनुष्तीन िष्मणी जाकतमतीत कराणि कथा जूल धत्य गार्ट। जिन वलाइन, वृं कुमना काना भामत्य वर्ण दे पूनामुनका, शास्ट कि जानानास्ट वर्ष शास्ट कि स्वानानास्ट वर्ष शास्ट कि स्वानानास्ट वर्ष शास्ट कि स्वानानास्ट ज्ञानास्ट कि शास्त कि स्वानान्य ज्ञानानास्ट कि साम कि साम

स्रान त्रवाह जांत्वह दिया शाला। कार्य भाक-छात्र स्रुम्ह सान वानावार स्रान उर्वालिश विद्या पार्य जिला कार्य जिला भाव करत्र हुन। जिला सानुरस्त पुरकार पर कार्य जिला पार्य प्रान्त पार्य प्रान्त पार्य प्रान्त पार्य प्राप्त प

তো বিচার করতে পারবেন।

খাজা বাবার পারের একটি অতি গোপুন কথা আজ তুলে ধরতে চাই। কারুণ এত মতপার্থক্য আরু এত ফতোয়ার ছভাছডির সময় তলে ধরতে বাধ্য হলাম। তিনি वलए हन, श्रमा विनोष्ट कि श्रामानाम केनाष्ट्र भारत भारत्वता, मारहरव छारका द्वारिक মান বা জুববা গু দাসতার মি রাকপ্রীম। অর্থাৎ 'শত ফরজ এবাদত হতেও পীরের পদূতলে পড়ে থাকাকে শ্রেষ্ঠ মনে কার। কারণ তার তাকোয়ায় ডবে কেবুল আমিই नािर्ह ना तत्रैः व्यासात कुँक्ता फात्रुठातुक्ष नाट्छ।' शाका तात्रात श्रीधान शैक्षिण अवः मुर्तिक ताता कुंठ्रवृष्ट्रीन वैश्वियात काकी यत यस य यहाँ ए विख्यात रख शाकळन। যখন শেখ আহিমাদ জামের ফারাস ভাষায় রাচত কোশুতেগানে খনজরে তপলीसूत्रा, रत क्रमा खाक गायरत कृत्व भीगोतास्र।' এই বাক্টি येथन स्नेतियोन তখন তিনি কোটা মোরপ্লের মত্ ছটফট করে নাচুতে থাকতেন। এই জাতায় নাচকে ফারাস্থ্র ভাষায় 'বিসুমিল' বলা হয়। বাক্যাটর অর্থ হল, 'নিজেকে সপে **र्फितात जुत्रतातिक याता, गाँरुफ, जित्रमारा, जाता गारातू रूक, नृजन शाला अरा**स थाक्नि 🕻 राक्कि भिताक्षीत कथा्छला अञ्ह छन्य या, ाञ्चि जात फिश्रान तहना করতে গিয়ে প্রথমেই 'আপন পীরের নামে গুরু করলাম' বলে ঘোষণা করেছেন अवः ठात्रभुत्वत् नार्वन्ध्रता अञ्ह उनम् या ज्याकायज्ञ सानाता क्वन कारकत् ফতোয়াটিই দানু কুরোনু বরং সুবচাইতে বেদনাদায়ক বিষয়টি হল তার জানাযা পর্যন্ত পড়োন। সত্যিহ, দানয়ার বিষয়াটিতেও অনেক সময় দেখা যায় যে, খুব বড় वर्ড विक्रानिक, मार्गनिक अवः मुक्त छिन्नाविप्तता अकम्म व्ययशास रखा १८५ िकात्रप তাঁদের অনুশলিনের ধাপ এত উচ্চুতে উট্টে য়ায়ু যে, আর বুঝাবার মত উপযুক্ত वर्षाक भाअशी यारा ना। ठार रास्ट्री वार्रनिकारन पुःश कर्ति वर्णाष्ट्रलन रा, अ

ङालित त्वाचा महेळ भाति ना श्रञ्धा जात याता भीति कात्मन् (वाकातित महिता भीत-कित नरा) जाएते ङालित मामले जाहिनकी हिलत में ति देवानिक मामले मिछत में जाति कार्तम वहुत विकास जाति महिता कार्यात विकासिक मामले विवाद में कार्यात विकासिक मामले विवाद में कार्यात विकासिक भारती वा जा जा जाति है जिल्हा कार्यात कार्यात विकासिक कार्यात वा जा जाति है जिल्हा कार्यात कार्यात

পৃষ্বরচন্দ্র ,বিদ্যাসাুগর আর জগদশৈ বাবু বাংলা ভাষার ব্যাকরণ বিষয়ের গুরুতাকুর। তাদের উভয়ের ব্যাকরণ পড়লে ভাষাজ্ঞানের প্রশ্নে অবাক হতে হয়। वाश्वाङीषात पुरे स्थाताका कि छाई वर्त्व वस्थातित সाशिक्यके व्यथवा कवि? ठाता কি শরংবাব, মানিকবাব, রবিঠাকর আর নজুরুলের ধারে কাছেও যেতে পেরেছেন? পীরেননি। এট সিবাই জানৈ। মাদ্রাসায় লিখাপড়া করে অারাব ভাষার জাহাজ হাওয়া এক কথা, আর কোরানের গভার ব্রহস্য জানা সম্পূর্ণ আন্য কথা। এই অতি সামান্য বিষয়টি নিয়ে আমরা অনেকেই বিরাট ভুল করে বুসি। আমুরা মনে করি যে, আরবি ভাষায় যখন মহাপণ্ডিত তা হলে কেরিানের গভার জ্ঞানটিও व्यामा कति। अर्रे व्यामा कत्राण त्य कल तुरु त्वाकाभित लक्ष्म लात कुल्ह क्षमाप रल, याफित साञ्जासामार बातीव अवुः बातीवै व्याकत्व जानजात कार्वनं, जाता कर्न কোরানের উপরু মুল্যবান তফাসর দিতে পারছেন নাং কারণ এরকম আশা করাটাই পাণলামি বিদ্যাসাগর ব্যাকরণেই সাগর. কবিতাতে ননু আর রবিঠাকর **৪ নজরুল কবিতারই সাগর, ব্যাকরণের নন। এই বিষয়টি যুখন আর্মরা** পরিষ্কারভাবে বঝতে পারবো তখনই মূল্যায়নের আদর্শটি স্থান করে নিতে পারবে। ब्रुत खाएं। नग्ना खासता कासात्रक्र फिर्सि कुसार्वत क्राक्रण खाँगा कति, खासता एक् বিশেষজ্ঞকে দিয়ে হুদুরোগের চিকিৎসা স্থাশা করি, অপারেশন যেখানে করটে रटा प्रभात प्राप्त कात काभमुन नित्र भाषा घाभार। जात अत्र एकप मुक्रांशनात क्रमोर्वकारमत धाताञ्चला भेरेन भर्त, वाधा भारा। जात अर्थे वर वाधाञ्चला পরিণত\_হয় আত্মবিরোধের ঝাউতে। আর এই আত্মবিরোধের ঝাড়ণ্ডলো ভূপত্নার দেয় ত্রাবিশ্বাস, ঘূর্ণা, হাল্কাভাবৈ সৈনে নেগুয়া। জবিন এবং গতির মাঝে ফুটে উঠে বিরাট ফার্টলের বৈসাদুশ্য। নাকি কান্না, সন্দেহের প্রতারণা, মরা গ্রাধীর গালে প্রাপ্পড মারা, অনেক পাখির অনেক রকম রেসুরো চিৎকারণ্ডলো প্রসারিত আলোর উপর টকরো টকরো মেঘ হয়ে আলো-আধীরের লকোছারর দোলনায় মানব <u> त्रक्षाक 'ठिशन प्रतिक्र शास्त्र। व्याप्नात् चनुग ग्वार्थनिङास्त्र गुर्फिस्य भर्फक्र भास्त्र ना</u> त्रवात सात्वा। द्वारे का अठ त्रुक्त शेथविंछा शेष्ठगठ कार्षि सानुषत्के बाक्स फिक्ट **পারল না একটা সুন্দরতম সিমাধান, পারল না একটা প্রশান্তির** সুখনিঃশ্বাস ফেলে राभळ।

আর একটু না হয় তুলিয়ে দেখি। পুথিবীতে বাস করা পাঁচ ছয় শত কোটি सानुसर्छला हैएए कंदार संत्न रहा गांत्रित भूत अभित्र राज्य भारत ना। भवारे फलभेट भारतिक कार्यत उभूत यूनित्र छि९कात् कदा अट्टा स्मिटा वनक्ट ভाলবাসে। निफ़्फ़ित সাইনবোর্ডটা চম্বংকার, অতৃল্নীয় বলে জাহির ক্রতে বড ভাল লাগে। শুর্ন্তুতের দাবী সবাই ক্রৱে যায় তাঁদের নিজেদের বক্তব্যের যক্তি দিয়ে। अंतर्क सत्वार्विष्ठ 'भगठामुत क्रमा फिट्ट भारत ना. वत्रः भगठामुत नारम निर्फ्राप्टत सञाप्तर्भ ज्ञांभेद्रेय प्रत्य। अकसाब खताथ भपञ्चह या सानताय सुनारतायित ज्ञानकूति সেটা ঠেকে ঠেকে শিখছে। তবু আমিত নামক বেহায়া প্রাঠাটী গণতন্ত্রের দড়ি ছিড়ে नाकाळ চाয়। कार्त्रप व्यक्तिके नामके भागाण मानव रीजरायात् क्षरम रूजे व्यस्त रुख चाष्ट्र। क्षे चाम्रिज नामके পाठाण मृद्ध नार्हे, मृद्ध ना। जार्रे १५०८म् व नाशाम দ্রিতে হয়। এক শুণুরি মানুষের কাছে এই গণতন্ত্রের লাগাম অসহ্য। ছেড়ে দেওয়া পাঠারা কাণ্ডজ্ঞানইনির মত লাফায় আর আক্রমণ করতে ভালবাসে। আপন মতবাদকে ুণবেষুণার লেবরেটরাতে, নিয়ে যেতে হবে জোর করে। প্রমাণ করতে হবে কোনুটা সাঠক। অনুভাতুর দুবলতার এখানে ঠাই দিতে নাই, যদি প্রিবীতে একটা স্ত্রিকার শান্তিময় পুরিবেশি তৈরি করতে চাই। আমার পিতা মুলমানু বলে আজু আধ্রিও মুসুলমান। যদি আমার পিতার নাম হিন্দু, খ্রিস্টান, রেদ্ধি, ইন্ডিটী আর পাশী ধূর্মের থাকতো, তা হলে আমাকে উত্তরাধিকার সূত্রে সেই সঁব ধূর্মের মানুষরূপে পরিচিত হতে হত। এই বিষয়টিতে কি তকদির তথা ভাগতে টেনে व्यक्तिक रदि मुस्य धर्मत मुन्दिन या अकर प्रमान भक्त प्रमान प्रमान अक रैंगलाभ धर्म এটा আমরা কৈউ মেনে নিতে পারছি না। মেনে নেবার আহ্বান জান্নালে এক বোঝা গরেষণার অকাট্য দলিল সবাই হাজির করবেন। প্রত্যেক্ জাতির মধ্যে যে অবশ্রুই কমপক্ষে একজন বসুল পাঠানো হয়েছে এবং সেই <u>রসুলকে সেই বিশেষ জ্ঞাতির ভাষায় স্থাল্লাহুর</u> নির্দিশন বর্ণনা করার কথা কুোরান विकित्तरात त्रलाष्ट्रन। जा रला, अत्ति विकि त्राक्षानु श्रम व्याप्त या, श्रास्त्रातु <u> त्रविधला क्रांठित , मुस्रा तत्रुल भागाला रख्या अवः (त्रब्रू जलक, तत्रुलता कि अकाए</u> साब जानारत धर्म रिमनार्स प्रथा जाजूमसर्थन एथा गान्तित धर्मत केथा श्रात् करत याननि? वेंच फ़्ट्यत वंच ऋांछत वंच छात्रात्त वंच त्रमुन्फूत साक्षात्म । क अकर सुन वक्रवर्राण श्रेष्ठात कृद्ध यानीन? सुन वक्रवर्राणेत श्रेकानिस्रे ग्रियनक तक्स रश्यारिक भुलत त्रत्य जान भिनाक्त भातिष्टि ना चलर्स का अञ् ज्यूगानि। जात उभत अक पून অপর দলকে ধর্মের অসারতা প্রমাণ করতে কোমর বেধে লেগে যায়। অনেকঢা <u> जानीन मुद्रुटन तल या कात्र दनन कुट्छा। निक्कृत या राक्षादा कुट्छाञ्चला रा कद्त</u> আছে সেটা দেখুবে না। দেখিয়ে দ্বিতে গেলেই ধর্মীয় অনভতিতৈ আঘাত হানার क्रेंडियां गुर्ल रेंग्ट रेंत्र रेंत्र रेंत्र काञ्च वार्षिया क्राल। ग्रांत्र श्रेती फेल या कर्ण सानुस्रक নিইরভাবে হত্যা করা হয়েছে সেটা পৃথিবরি ধর্মীয় হীতহাস পড়লে পরিষ্কার বর্বাতে পারবেন। বিশাল ইসলামের অনেক খণ্ডিত রূপ একে অপরকৈ অশ্বনির

118

कृत्ष्ण। आसता साला हित्य स्टाश्रम् (साराश्रम् (मः)-त्क विषाद कृति, व्यक्ति हित्य श्रम्भ (बाः)-त्क विषाद कृति, याक्रक हित्य यिष्ठ शिक्टिक विषाद कृति, याक्रक हित्य यिष्ठ शिक्टिक विषाद कृति, याक्रक हित्य यिष्ठ शिक्टिक विषाद कृति, याक्रक हित्य श्राक्ष विवाद कृति, वात् त्विष्ठ विष्ठाद कृति, भाष्ट्रा, भूतारिक हित्य छण्वात कृति। अर्थ विष्ठाद त्य कर्ण वर्ष्ट खादिष्ठाद, कर्ण्यम् कृत्राम् वर्ष्ट विष्ठाद त्य कर्ण वर्ष्ट खादिष्ठाद, कर्ण्यम् कृत्राम् अर्थ क्याप्ट हित्य अर्थ क्याप्ट वर्ष्ट हित्य अर्थ क्याप्ट वर्ष्ट हित्य अर्थ क्याप्ट हित्य अर्थ क्याप्ट हित्य वर्ष्ट क्याप्ट क्याप्ट

अवः अंतर्ते किना ऋीन ना।

রখানে মহাপ্রভু মোহামুদ (দুঃ)-এর একটি বাণীর কিছুটা নিজের ভাষায় তুলে **ध्रतनाम, 'यात मरि**ए अक विन्द्व निमान আছে সে न्तरकू याद्वि ना अवः यात मरिए अक বিন্দু অঁহন্ধার আছে সে শ্বণে যেতে পাররে না।' হাদিসটির ভাষা এবং বাক্যপুঠন <u>অতি চমৎকার। যদি সামান্ত্র ব্যাখ্যা করি, তা হলে এই দাড়ায় যে, একবিন্দু</u> <u> जरङ्कात शाकल अकविन्ह नैसान शाकष्ट ना वल घाषणा कर्ता रखाष्ट्र। जावारी</u> अक्तिक् त्रेक्षान थाकल धैक्तिक खरकात थाकुष्ट ना तल राग्रिया केता रखिए। अक्तिक त्रेक्षान खात अक्तिक खरकात पूर्ण त्रम्थुर्वस्य पुर सिक्छ खरहातु केत्रोतं कथा संशोधज्ञे (सांशोन्नेष्ट (फः) व्योसाएरत्रं कि निरंशे हिंदुनन । साँउना व्योनी একবার যুদ্ধকেত্রে শক্রকে আঘাত হানতে যাচ্ছেন, ঠিক সেই মুহুতে সেই শক্র फिलन भुगक निष्ठित भेरी रेट दिए विटा शिख भाउनात्व श्रम् कताळ भाउना वनलन যে, ব্যক্তিগত শত্রুতার করণে যুদ্ধ করতে আসিনি, ক্রিন্ত যখন পুতু নিক্ষেপ करतोष्टल उथन आभात थूव तार्ग इस्सिष्टन वर्ल एडस्ट्रं फिलाम निर्मा सर्वे मराधिक साराञ्चम (मः) तल्लिष्टल्ले या. 'আप्ति अतः व्यामी अकरै नुद्धत पर एकद्धा। व्याप्ति জ্ঞানের শহর এবং আলা তার একমাত্র দরজা।' অন্য কোন সূহিাবীকে একমাত্র ङाजित् प्रतेका वेना रखिष्ट वेटन व्यथम स्थितित काना जिरे। वानिर्दे रिष्टन মহানুর্বার জ্ঞানের প্রকর্মান্ত দরজা। পাঠকু, চিন্তা করতে অনুরোধ করাছ। নিরপেক্ষ भन्न नित्र अर्थ राष्ट्रिमणित भतिष्या जानित्र यान्। प्रियतिन क्ज शायन त्रभा न्नोकस्य व्याष्ट व्यर्थेष व्यनुखर कस्त्र स्यस्य रस्ति, क्रांत्रं भूनस्य शिल्नुर व्यापनास्क् भिशा तनक्र छारेक। व्यक्तित सरानवी तनष्टन, 'व्यक्ति यात श्रञ् व्यानीर छात् श्रञ्।' खब्द क्लान मारावात क्या अश्वातंत्र वना रन ना। छा छान यछ वर्छ मारावार स्टाक

না কেন। পাঠক. চিন্তা করতে অনুরোধ করছি। গবেষণা করতে গেলে অনেক গোপন রহস্যের পরিচয় পাবার সম্ভীবনা থাকে। যেমন মাটির তলে গবেষণ্রা করেই তেলজ্বাতীয় অনেক রকম ধাতব পদার্থ আবিষ্কার করা হয়েছে। মহানবা বলেন, ञानीत विक्रफ्त या अञ्च जुनर्व स्त्रू आभात विक्रफ्त अञ्च जनर्व ध्वः आभातं विकृष्ट्र या जञ्जे उनर्त सि जैल्लारत विकृष्ट्र जञ्ज उनरेत।' बेर्रे राष्ट्रियि यपि उन्न তর করে গবেষণী করতে চাই িতা হলে এমন সব গোপন এবং খবুই আগ্নিয় সত্য करी। भतिष्ठभा नाप्तक\_र्यान रुळ द्विछित्य चात्रति त्य उथन प्रायाण किक्रू ताथा कर्ष रति। এক সাহাবা দুটি যুদ্ধে शार्की रूखि আত্মহত্যা করার দক্তন সব কিছু কেবল শেষ হয়ে গ্রেল বললৈ ভুল বলা হরে বরং জাহাঁরামাঁ হতে হলু। কারণং করিণ যত **छाल का** ऋरे क्रता रहाके ना रकन किन्न भ्यापार प्रेमि भ्रहानवीत विक्रफ, एटल याग्र <u>जा रत्न शार्की मारावात व्याजारजाती भज त्मर श्रीतर्पांज की रूज शांत भविषया</u> कक्रन। এই মহামূল্যবান शादिमधलात व्याখ्या योह छूल्टाता वित्युष्ठलात साध्यस পাঠকের কাছে তলৈ ধরতে চাই তাহলে অনেক অপ্নিয় কথার ইতিহাঁস তলে ধরতে <u> इस्र। ञात ठाळ्र रक्तर सुराविसा (ताः), रक्तर ठानरा (ताः), रक्तरी क्रुवास्त्रत</u> (ताः) এবং মোমনদের মীতা আয়েশার কথা এসে পড়ে। এখানে অধম निখকের भेठ भानमंद्रित्र ग्राक्षांन्का लार्चे या, किष्टु वनत्वा, किष्टु व्याभ्या कतत्वा, किष्टु व्यकार्धः मिनिक योक मार्छ कताता। वाभात श्रक्ततात केव्हि ऋभा ८५ रहा निमार्भ अवः कामतार्थे अकेषिन मठा ज़ुला धर्त मामरक ज्ञानमान करत मुख्या करता। स्मर्थ व्यवसाल मः श्र वाचात चम्रत्म त्रहेंद्वा बाह्यात बाह्यातक प्राह्या।

ज्ञेतान शिनिम वृद्धित में बिक्टि तापीत बक्ट ज्ञांता कता याक। 'निर्वालंह मुक्ति' साब मुद्धा मका कानाप्ट्र मुक्ति। अहे निर्वान ज्ञा कानाप्टि कात उपत वना रुखाए। निर्कात 'जासि-जासि' यकायजात निर्वान ज्ञा ज्ञासिएत कृतवानिए स्वाकृत कथा वना रखाए। जाति ज्ञासीय अठाएक वृत्वा रुख अहे वर्ष्य था, शानाएक सिक्ति कथा वना रखाए। ज्ञानाश्व कथा ज्ञानाश्व मकि जिन व्यवस्त निर्वालंह यें ज्ञान वृद्धा ज्ञान वृद्धा ज्ञान वृद्धा ज्ञान वृद्धा ज्ञान वृद्धा ज्ञान वृद्धा विक्रित सक्षा ज्ञान वृद्धा विक्रित सक्षा ज्ञान वृद्धा विक्रित सक्षा ज्ञान वृद्धा विक्रित स्वाक्ष क्षा विवाल क्षा विवाल क्षा विवाल विवाल विक्रित क्षा विवाल विवाल

সেই সাইনবোর্ডগুলো হচ্ছে খণ্ড বিখণ্ড।

व्याञ्जनारम तत्रुन स्टानवीत कनिकात प्रैक्ता हैसास टाप्युतनत निश्च ने हैसास व्यानी व्यात्रगतरक পानित वर्षांन अकिएस्त एतना हत्रमुनात छीत सिरा भना काण हत्याष्ट्रन उथन अकिए व्यवाक घटना घटट शन। प्रहें घटनाटि हन अकिएस्त বেতনভূখ এবং অনুগত অনেক সৈন্য এই ককন দৃশ্য দেখে বোবার মত দাঁড়িয়ে কিবলু কেদেছে। এর বেশি কিছু করতে পারেনি। কারণ সাইনবোর্ড ফেলতে গেলুেই দলত্যাগা হর এবং তার ছেলে ৪ কতদাসূসহ কিছু সুংখ্যক সৈন্যদের ভাগ্যে

জটেছিল শাহাদাত বরণ। সত্যিই নিরপেক্ষ থাকাটা কুত কীঠন কাজু <u> নিবাণ তথা ফানাতে 'নেই' হয়ে যায় না। কারণ ইসলামের একটি উল্লেখযোগ্য</u> व्याप्निक्क कुरात भूना। भूकि है पूक्ष, किन्न वर्षेत हम नाही। शैकृषित मीना वुस्तन, जार, श्रक्तिक नार्वे विमा रश्च। बेर विस्तृ रुक्त मिक्क फिक्क भारत किवन निर्वाप। निर्वारपति ग्राप्त ग्रंग शास्त ना। कातप्रग्रंगे नार्ता कातप्र ग्रंथ रुटार्ट अध्य ভোগ বলা হয়। ভোগ আনন্দদায়কু হুলেও নারী, আর বেদুনাদায়ক ইলে তো প্রশ্নই छैळे ना। मुछताः निर्वापु स्वर्गद्रक छिष्ठित्य यावातं फर्मन। निर्वाप खाञ्चभात्रेष्ठस फीन कद्व। निर्वापिक रूपनामि श्रीतं छाषायु, वना रय नारुळत स्नाकास्म "श्रूतिम कता। প্রেমিকেরা যখন আলমে লাহতে প্রেছিয়ে তখন দেখতে প্রায় একটি চুমৎকার অবাক করা দৃশ্য। আর সেই দৃশ্যুটি হল, প্রভু এবং দ্বাস উভুয়ের একটিও আর <u> फिथळ भारा नो। वावा रक्षत्रल नोफित्र भार विद्यम्ब : छेरा श्रारूष्टल रहारा छेभाक्</u> ञ्चानुरम नारुज-क्र किंत्र साकाम स्म जाका नारि शानाम नारि। छ॰वान वर्ष्क अर्र निर्वापित फूट्न व्यागमन कतात भत्र भत्रकम कथाण्डि व्यनुत्वकम ভाষाয় वैद्याक क्रायां एक विश्व व्याया कर्षे अर्थे क्या द्वित व्यापन संभिष्ट व्यापिष्ठात कत्र कि निश्वास ভিন্ন মতবাদেরী জনক বলে পরিচয় করিয়ে দিয়েছেন।

रक्ति वावा निकास छैफिन आँडेनियात श्रधान सूतिष्ठ वावा आसित খসক वनष्टन : स्थापा स्थाप स्मर्तत सक्निम वृष्ट आन्दात नास्माका খসক, स्माराञ्चष्ट मासारा सार्थिक वृष्ट अर्थी९ 'स्ट्रेड सक्नित्मत श्रधान य्रयः स्थापा, খসক मृष्टितात्कात উस्ति हिलन, स्ट्रेड सार्थिक्तत श्रप्तीमी रलन य्रयः साराञ्चष्ट।'

रक्षत्र राक्षि ताता सिमान्ह गार तिमिम्न तल्ला श्रे शततमात तिमिम्न सामान्नाका मण्डल, ना व्यामार राग्न ना तान्हा राग्न ना राग्न राज्य ना राग्न राज्य ना राग्न राज्य ना राज्य ना राज्य ना राज्य ना राज्य ना राज्य राज्य

उँद्विश करा ना रहा अतिक नरी-तमुलत आगमन रखिए। उत् छगवान वृद्धि यि अक्ष तमुन हिल्ल उप्ति नर्ति करित आगमन रखिए। उत् छगवान वृद्धि यि अक्ष तमुन हिल्ल उप्ति विक्षात मुख्य विद्युष्ट अवकाम तम्ह वर्त्व मति करित करित करित । अवक्ष अवद्य प्रका जामात गत्वभात मुख्य विद्युष्ट वृद्धात एक विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष विद्युष्ट विद्युष विद्युष विद्युष्ट

**সংখ্যार পोर्श्विटिक সবচাইতে বেশ্বি** এবার ভিগবান কৃষ্ণের দু একটি বাণীুর একট্র আলোচনা কুরা যাক। 'তুমি বুক্ষকে নিজের আত্মাতে দেখিতে পাবে।' উপদেশটি সহজ এবং পরিচিত। মহপ্রিভু क्षींशास्त्र (चों:)-तं चेंठि अतिहिं ठू डेंअएंटम, (यं ठात नेक्नेंक्त (नक्नें ज्यांत्र लें नाती এবং রহে আর্গলে পুরুষ এবং ইহা আর্রাব ভাষার ব্যাকরণের উচ্চি, আমার বানানো কথা নয়) টুরুতে পেরেছে সে অব্শুইে রবকে (আল্রান্থ শব্দটি এখানে ব্যবহার করা হয়নি) টুনতে পেরেছে' একুট্র ভাব ও দর্শন বহন কুরে, যাদও ভাষার দিক দিয়ে একটি আরবি এবং অপরটি হল সংষ্কৃত। প্রত্যেক জ্য়তির বিজের ভাষায় রসুলু পাঠানো হয়েছে বলে কোরান যে ঘোষুণা করেছে, এই বাণীটি হলু ठात्र अकीर्ष मुक्त नमुना। अक्ट क्या, अक्ट उपएम, अक्ट एमन, अक्ट व्याजात्क क्रानवीत तेक्षीनिक कर्भुमा व्यथे छाषात त्रुवासू व्यावामा स्वात्र म्रकन व्याभेता अक कृद्ध प्रशांत भन भानींत्रकला ज्ञातिस्य स्कोन। तिस्त्रुय कृद्ध व्यन्हाद्धित প্রশ্নে আরো জাটল যাতনায় ভূগতে হয়। পানিকে জলু বললেই বিপদ আর প্রয়াটার বুললৈ তো আরো বিপদ। সঙ্গৈ সঙ্গে একে অপরকে বিজ্ঞান্তীয় চিন্তাধারার অপুবাদ फिर्स भानाशान छक् करत र्फ्ट्र। अभनोक व्यक्तक त्रभस फ़्रिस्टाता रस পित्रिनिक व्यभुवाम जाभिद्रा (मूर्र)। भ्रुमन्निक कावाघद्ध या जिनम्ज सार्गीर भ्रुजित भुक्रा कता रज সেই পুজার ভাষাটি কা ছিল বলে প্রশ্ন করলে ইন্তরখান্যু দৈবেন কি? আমুরা বঝেও ইচ্ছা কুরে বুঝতে চাই না যে. একই পদার্থের তিনটি আলাদা নমে। অসমি वीवारत तलीएँ की करत मिधात संस्था ञानस्य চान? वर्मांस शिन् छात्र तल्थ व्यर्गीस रूळ वाधा। युज्रहाः व्यर्गाक्षत्र व्यवृष्ठात् योसाय व्यावृद्धः क्रताणर व्यूर्गासूक ज्यभान कता। जनेभित्क भूताऋछाति जिश्लोकात कता। यात प्रशास लार्ड, यात मीक्षा ज़्हें, यातू वन्नन ज़िंहें जात्क फ़ियान, मीक्षा चात् वन्नज़ जातार वाधळ छाडूटव याता शिक्षेत्र मेरिक्षेण यात्व व्यवयान कत्त्व। मणताः व्यमेत्सित् व्यनकानधः व्यमेसि। পৃথিবার বছু দেশের জাবনযাত্রা হতে শুরু কুরে আচার-ব্যবহার, চলা-ফেরা, (भागाक-भारत्राह्म, गर्रास्त्र गठन श्रक्रि, अभनोक ऋनवार्यत स्य कर, गर श्रकास्त्र यनुकालत् लीला (शला एलए अवः अर्थे यातक यनुकान याष्ट्र वर्ण्ये का यानार व्यभाष। এই অসুষি অনুভানের বন্ধন কোরানের কৌথাও নেই। তাই কোরান ইল বিশ্বমানবের মুক্তির পার্রত্র গ্রন্থ। অথচ আমুরা এই মুহা অসীমকে সীমার বিভিন্ন দেয়াল দেবার কারণে বিশ্বজনীন ভাবধারাটিকে বৌটয়ে বিদায় করে চিতে চাই। व्यात अतर करल व्यत्नक तकम व्याच्यक्लार विन्दू विन्दू रहा ऋस उठि अक्रिन

বিফোরিত হয় অ্যাটোম ব্লোমার চেয়েগু মারাতাক হিংসা ু অার ঘূণার ভয়াবহতায়। যার আঘাতে পথিবার মানষণ্ডলো দিশেঁহারা হয়ে ব্রৈতিক অবন্ধয়ের ि एक भाविल रेट्स फिलित भेत फिन्। बीमता अरक् ब्राभेतरक भानिरक कल वलात জন্য বলপ্লয়েশে করি। অথচ একই বিষয়। ভাষার বিভিন্নতায় এরকমাট হওুয়া যে একান্ত্র স্বাভাবিক ব্যাপার এটা ছেবে দেখার চিন্তাও করতে চাই না। সবাই যেনু অন্ধর্ণাইতে হাটতে ভালবাসি। সীমার মধ্যে দাঁডিয়ে অপরকে ঘণা করে পাই আত্মতৃপ্তি । ঘূণার বিন্দুই দিনে দিনে পরিণত হয় ঘূণার বিশাল বর্ত্ত। কচু কাটতে কার্টতে পরিণতু হই আমরা বিরাট ভাকাতে। বিশ্বমানবতার কতির করিার শুরু তখন বিশ্বের কিছু বিবেকবান মানুষের মনকে আহ্নত করে তোলে। ঐ কুয়াট विद्वकवान भानस छখन लास खारित उँ९मर्शव दिक्रीक खापनांक छिएन छिएन विलिस् एक्वाब्र श्ववन श्वीञ्चा विस्ता जात ब्रुंबार्ट रलनू सरासानव। बेएन्ड्र क्युंज নেই, এদের সীমা নেই। এদের কাছে পৃথিবটিট্র জন্মভূমি। এদের কাছে পৃথিবীর मानुसंधिता रन् व्यापनक्रन । व्यात सऋने कामनार्रे रून बैप्टत धर्म। यूप्र, यूप्र बर्रे মহীপরুয়েরা এগিয়ে আসার পথে বহু বাধার মখোমখি হয়েছেন। বহু নির্যাটন, বহু व्यवसीन बेता रात्रि संस्थ त्ररा कदाष्ट्रन। श्रद्धार्क्षल वीधा रुद्धा वाधा फिट्ट शिद्धा यम्न করতে হয়েছে। অশুউ শক্তিকে বারবার বুঝাতে চেয়েছেন। এমনকি অবশেষ্ট্রে এমন कथाणि পूर्यञ्ज वनळ रखाष्ट्रात्य, ळासार्तींग नित्य कृति याक जारा जासाराण नित्य व्याप्ति शाक । व्यास्ति व्याम् एर्नेत क्षेष्ठा ति वाक्षा कि है नी अवः व्याप्ति व्याप्ति सञ्चारिक ব্রাধা দেব না। ব্রক্ত তবু শ্লেনে নেয়ান এই মহাগণতুন্ত্রের পবিত্রতম বাণী। শ্বৈরাচারের দানবায় চৈহারী নিয়ে এরা যগে যগে বাধা দিয়ে গেছে। এরা জোর করে নিক্লেদের মতবাদ চাপিয়ে দিয়েছে বিলপ্রয়োগের মাধ্যমে এদের মতবাদ চাপ্রাতে গিয়ে কত সরল-সহজু মানুমুকে প্রাণ দিতে হয়েছে। কিন্তু জোর কুরে চাপিয়ে দেওয়া মতবাদ পৃথিবীর ইতিহাস্তের শুক্ত হতে আজ পৃষ্ঠ টেকোন, টিকতে প্রারে না। তাই ক্যেরানের কোষাগু পাঁচুবার নামান্ত পড়ার প্রয়োগের কুষা वना रशित। क्ति वना रशित्र कार्त्वप कार्रान विस्थृत भवार्त्व ऋन्छ। विस्थृत भवार्रेक व्यास्त्रान कता रखिष्ट '३ग्नाकिस्न जानाजा' जथा व्यानार्त जल्ह यांगायांग कार्यस করতে। হে বিশ্বের মানবন্ধাতি, তোমরা যে অবস্থাতিই থাকু না কেনু, আল্লাহর मस्य यागायाग काराम कतात क्या वना रखाए। जवमा शोपूरम भार मानीकत প্রয়োগপদ্ধতি। হাদিসে পাই সালাতের প্রয়োগ ব্যবস্থার বিশদ বর্ণনা এবং অনুশুলিনের উপুদেশ। য়ে কোন আদর্শই প্রচারিত হোক না কেন, সেই আদর্শের भूमें छिडिए। योर भपूराधिक ना रग्न छ। रत्न किष्टुळर एटिक शक्रिक भादत ना। কিছ দিনের জন্য চাপিয়ে দেপ্রয়া মতবাদ হয়তো চলতে পারে, কিন্তু সর্বকালের জুন্য নয়। এই মহান উপদেশুটি কোৱান বারবার ঘোষণা করছে। অন্যের ধমের উপর হাত রাডানো একদম নিষেধ, কোরানের এই চিরন্তন বাণীর বুকে মুসলমান नामधातातार ज्यानकवात रहानष्ट जाघाछ। এটা रंगनात्मत रोठरीत्मत्री अकीर्ট

तिष्नाष्ट्राय कलक। कार्यालात जनाय युद्ध हैमाम हागायनक अवर् महानवीत जाउनाप्ट्रियक की जमरा याञ्चात माधाय गरिष्ठ कर्ताष्ट्रम्, किंगु कार्ता श्रूर अचना ज्ञूष्ट्रक्त कर्ताष्ट्रम् कार्ता है एक् क्रिक्ट क्षां अपान स्थाप्ट्रक्त कर्ता स्थिति। कर्तिष्ट्रम् जार्ता ते जिस्स क्षां अपान नामार्क्ष कर्ति क्षां कर्ति। कर्तिष्ट्रम् अप्तर्वा ता ती जिस्स क्षां कर्ति अक्ष्रमे मारावा क्षां कि स्थाप्ट्रक्ति। या पान्त्र मारावात मारावात कर्ता कर्ति। या पान्त्र मारावात अपान क्षित्रका कर्ति। या पान्त्र मारावात अपान क्षां का क्ष्या कर्ति। या पान्त्र मारावात अपान क्षां का क्ष्या कर्ति। या पान्त्र मारावात अपान क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या

রূপুধারণ করে তখন বিশ্ববিবেক অবাক বিশ্বয়ে তাকিয়ে থাকে।

विकालित क्रियोजा रिक्नित अभिरा एलिए एम्ट छार्त ये कि वासाएत सनसानिमक्यात विकाम घर्ट, अवर भ्रतस्य म्हा विवर मुक्ता विकाम घर्ट, अवर भ्रतस्य म्हा विवर मुक्ता विकाम घर्ट, अवर भ्रतस्य महा विवर व्यावतानीय एतं विकास कि विवर क्षा कि विवर के विवर के विवर के विवर्ध कि विवर्ध कि विवर्ध के विवर

খ্রজুতে যেয়ে মনের অজ্যন্তে এদের মর্ণুফ্রাদে পা রেখে নৃতন বংশধরদের জন্য তৌর করে গেছে জগাখিচাউ। এরা বিলিয়ে দেবার বদলৈ দহাতে ঢেঁনে এনেছে <u>क्लार्गावनात्र। अदा त्यन इश्वेद्वत भछ। फल फल भ४ शन क्रेंतात छक्रेम्ति निर्ध</u> अस्त्रष्ट. ज्या अधिवीत निर्तीर कन्छी कलीत मर्छ विनिया शिष्ट मर्थ प्रवात তকদির। অথচ ঐ কোরানই বারবার সাবীধান করে দিয়েছে সবাইকে পারবর্তন করার সাধনা ৪ সংগ্রাম করতে। গণতন্ত্রের মহামন্ত্র কোরানে বার বার ঘোষণা করা रन. जश्रु अञ्चलकान जमाद्वर जात्क युविहारिक त्वीं ग्रेवसानना कता रखिए। यात দরুণু পৃথিবরি প্রায় উনচালুশটি মুসলিম দেশ জ্ঞান-বিজ্ঞানের প্রশ্নে কোথায় নেমে achiei वाञ्चर्राक्ष वात ब्रिट्फफ़्तरक तुरु तल aथला घाषण कंत्रक ভानतात्र। মানষের শেষ্ কারার নামাট যদি সঙ্গতি দেওয়া যেত, কবরে যাবার আণ্ডের শেষ क्याछला योष्ट्रं क्रांवेठा २७, ठारल व्याव्यता या व्याव्यतीक्ष भावसा अर्घ क्रांठि ५८० रश्रका खलकर मक्तर केंद्रकिन ना। कादान ख्रेशक मुम्म विदेशत मानसक জ্ঞানদান করার কথা, মানুষকে সুপথ দেখাবার পরিত্র দায়িত অর্পণ করার কথা ঘোষণা করেছে সে কথা করে কখন বাস্তবে, পরিণত হবৈ? করে আমাদের দুড়াতে পারবো? ব্রিশ্চয়ই একড়ির পারবো, কারণ কোরানের বার্ণা তো মহাসত্য; अर्थं सराम्प्रात रामिन विकानिसिक्तं जनगीनन ३ गत्वस्मा कतुरा भात्रता अवः প্রকৃত্ব রূপটি জনতার সামনে তুলুে ধারতে পারবো। আমরা জানি, গবেষণ্ডা এবুং यनगैनित्तत भर्य किष्ट जन-क्रिप्टि शाकर्तरी। ठार्रे तस याजूज घर्तर योष्ट्र गर्तिषपार्क गला টिপে भारीक ठार्रे ठार्ट्स य **(अष्टत अर्फ् ग्राष्टि अर्ह अ**ष्टतर পড়ে থাকুবো। কারণ বিজ্ঞানের এই সূর্বাধুনিক জয়যাত্রা গরেষণার মাধ্যমে ধার্পে ধ্রাপৈ এগিয়ে এসেছে এবং আসছে। এই অগ্রযাত্রার পেছনে কি অনেক ভুল-ক্লাট াশুখরু হোচট খেতে খেতেই একদিন জয় করতে পেরেছে। বিজ্ঞানের প্রতিটি বিষয় হোঁচট খেতে খেতে প্রণতার দিকে এগিয়ে চলেছে। সূতরাং গবেষণার মাখায় আঘাত कुरत जाता नुजून किष्टु खाँमा कतळ शास्त्र ना। जार्रे अरानवीं अर्रे भरवस्पारक উৎসাহ দিতে গিয়ে সেই দিনের সভ্যু চান নামক দুগম দেশেন্ত যেতে উপদেশ দিয়েছেন। 'শতফুলু ফুটতে দাগ্ত'। এই মন নিয়ে অমিাদের এাণুয়ে যেতে হবে। पु 'छोत्रेटी कुल वैपि श्रोतंछ ना शाद्क ठाळू भद्वसभा तुर्कू करत फिळ ख़र। ठा<u>ड</u>्ड रिमनाम फिराए ग्राधीन्छा। मवार्रक, श्रीवरीत श्रीठीर मानुवर्क। किन्न স্বাধনিতাই যুখন ধ্রারে ধারে স্বৈরাচারের রূপ ধারণ করে এবং তা চ্যাপিয়ে দৈওয়া হয়, তখন ধীরে ধীরে ভাঙন আর প্রতিরোধের শক্তি জমার্ট বেধে উঠে এবং বাধে সংঘাত। रयुक्ता श्रूरम सात খारा এर সংঘাত, কিন্তু তার বাধভাঙা জলের মত প্রবল স্মোতে ভাগিয়ে নিয়ে যায় মার্কসবাদের কলঙ্গির চন্মেয় আর এলেনার মত্ भग्नेछानएत्त्व। राजरात्र कथत्नार अकाज त्रत्नत्त्वथा नग्न। राजरात्र रन अकाज

तुछ। ইতিহাস যদি সরলরেখা হত তাহলে পৃথিবীর মানুষের ইতিহাস হতে কিছুই শিখতে পারতো না। যেহেতু ইতিহাস একটি পূর্ণ বৃত্ত তাই দুখারের পর দুখার তুলে ধরতে পারি। একটিই আদিম অসীম দেহে, কিছু পোশাকের বেলায় কৃত বিচিত্র অসীম পোশাক এ অসীম দেহে ক্ষণে ক্ষণে বদলাচ্ছে—যেন বিংশশতাব্দীর সভ্যদেশের একটি অসীম নারাদেহে অসীম পোশাকের চোখ ধাধানো ফ্যাশন। একই অসীম উপদেশ দুটি পোশাকের ভাষায় লিখা আছে। একটি ভগবান শ্রীক্ষের তুমি বুক্ষাকে নিজের আত্মাতে দেখতে পাবে।' আরু অপর্টি মুহাপ্রভূ মোহাম্বদের মান আরাফ্য নাফসাহ ফ্যকাদ আরাফা রাব্বাহ' তথা যে নিজেকে চিনতে পেরেছে।'

## সেজদায়ে তাজিমি সম্পর্কে আলোচনা

এবার মহাপ্রভু মহানবীর (আঃ) একটি খণ্ডিত বিষয় নিয়ে বিশদ আলোচনা করা যাক। এই বিষয়টি নিয়ে আমাদের মাঝে খুব বেশি ভুল বুঝাবুঝি হয়। অবশ্য দাঁড়ু করানো যায় তাহলে অনেকের কাছেই এ অখণ্ড বিষয়টি পরিষ্কার হয়ে উঠবে এবং তকদিরের লিখন অনেকের হয়তো বদলিয়ে যেতে পারে। বিষয়টি সামান্য सत्न रला सार्टिर मासाना नग्न। व्यासता छान करतर क्रानि या, এकसाब सानुस এবং জিন জাতি (অবশ্য আমাদের জানা মতে) ছাড়া সৃষ্টিরাজ্যের কেহই শেরেক করতে পারে না। অর্থাৎ শেরেক করার কোন ক্ষমতাই দেগুয়া হয়নি। তাই व्याप्रभाव अवः क्रिभित्वत या किष्टू व्याष्ट प्रवार्थे छोहिप्त वाप कदा अवः छोहिष्त সাগরে ডুবে আছে। সুতরাং যেখানে আসমান জমিনের সবকিছু তৌহিদে বাস করছে বলে ঘোষণা করা হয়েছে সেখানে শেরেক করার প্রশ্নুই উঠে না। কারণ শেরেক করার অধিকারই দেগুয়া হয়নি। যেখানে অধিকারই নেই সেখানে অধিকারের প্রশ্ন তোলাই অবান্তর। মহাপ্রভু মহানবীর কতটুকু চরম মর্যাদা তারই আলোচনা করছি। মারেফতের গোপন কথায় তিনি কে এবং তাঁর আসল রহস্য কী, অনেকে পরিষ্কার বুঝতে পেরেগু সাধারণ মানুষ যেন সাধারণ বুদ্ধিতে ভুল না করে তার জন্য শরিয়তের বিধান দেবার ব্যবস্থা। সাধারণ মানুষ প্রাচীন কাল হতে আজ এই আধুনিক যুগেও প্রায় একই রকম চরিত্র বহন করছে। সমাজের পরিবর্তন, যুগের বিবর্তন এবং বিজ্ঞানের বিকাশের দরুন হয়তো সেকালের সাধারণ মানুষ আজকের দিনে কিছুটা উন্নত হতে পারে, কিছু মূলত সাধারণেরা চিরদিনই সাধারণ। তবুক নামক যুদ্ধের ব্যয়ভারের অধিকাংশ দান করেছিলেন মহানবীর জামাতা হযরত উসমান গণি (রাঃ)। এই যুদ্ধ পরিচালনার জন্য বেশ কিছু সংখ্যক উট এবং গরুগু দান করা হয়। যখন হযরত উসমান (রাঃ) উট এবং গক্লগুলো মহানবীকে দান করছেন তখন এক অবাক কাণ্ড ঘটে গেল। যে সকল भरान मारावाता उथन प्रथात राक्षित हिलन जाता मवार व्यवाक विশ्वस्य अकिए অভুত কাণ্ড দেখলেন। সেই অভুত কাণ্ডটি কী? সেই অভুত কাণ্ডটি হল, উট এবং **१क्र** थला अरानवीत अष्टल अक्षा कतला। **भारावाता अरा**ष्टिशस अल्ड शलन या, अर्थे मुट्टा श्रापी दनन सरानवीदन एतस विनग्न फ्रिया टाक्रमा कतटः? व्याद्वा

सकात कथा **र**टला ख, क्विनसाब छवूक्वत यूफ्त्ट अतकस व्याक्रव घर्षना ঘটেনি। বরং সাহাবা আনাস (রাঃ) বলেছেন যে, মদিনার কোন একটি আনসার সম্প্রদায়ে একটা পাগলা উট ছিল এবং এই উটের পিঠে কেউ উঠতে পারতো না এবং কোন কান্ত্রও করানো যেত না। মহানবীকে জানানোর পর মহানবী সেই পাগলা উটের কাছে যাগুয়ামাত্র উটটি মহানবীকে দেখামাত্র সঙ্গে মহানবীর পায়ে সেজদা দিল। (দালাঃ ১৩৯ পৃঠায় এবং মাগুয়াঃ ৩৬৬ পৃঠায়)। এরকম অনেক ঘটনাই তুলে ধরা যায় এবং রীতিমত দলিল প্রমাণ দিয়ে। কিছু যত সুন্দর **দिलार ए** एउ या दाक ना दान, वातू काटिला सठ ठकिटत यि वार्याक प्र আগেই দিখা হয়ে থাকে তাহলে ঈমান আসতে পারে না। কারণ যা তকদিরে নেই তা জোর করাটাগু একটা বোকামি। ঐ তকদিরে শয়তান বহু যুক্তি-প্রমাণ আগেই শিখিয়ে রেখেছে। সুতরাং শয়তান যার গুস্তাদ তার সঙ্গে অনেক প্রকার টাল বাহানার কথা থাকবেই। এতে অবাক হবারগ্ত কিছু নেই এবং বলারগ্ত কিছু নেই। কারণ গুর চিন্তা গুর কাছেই থাক আর আমারটা আমার কাছেই থাক। ডেকে বুঝাতে চেষ্টা করা যায় মাত্র, তাতে সাড়া না পেলে একলা চলতে হয়।

ना रश व्याति अकिए अठिरामिक घर्षना ठूटन धति । अकिन सरानवी तिम क्याक्रन मारावा निद्य अक व्यानमाद्वत वागात शादन। त्मरे वागात करुश्वला वकित हिन। सरानवीत्क प्रशासात वकितिश्वला हूटि अत्म अफ्टल त्मक्रमाय अद्ध शिन। (शामाः ७० शृंका, साअ्याः ७७१ शृंका, मानाः ५७४ शृंका)। अत्वक्स वर्ष घर्षनात अठिरामिक क्षसाप व्याद्ध। रामीत्म माद्वसी, रामीत्म व्यारसम् अवः रयत्वर জাবের (রাঃ) হতে এরকম বহু অলৌকিক ঘটনা তুলে ধরা যায়। কিছু আমরা বেশি কথা না তুলে এই সব ঘটনার বিশদ গবেষণা করতে চাই।

করছে তথা গুণগান করছে। এটা কোরানের কথা। যারা তৌহিদে সব সময় বাস করছে, যারা তৌহিদ সাণরে সব সময় ডুবে আছে তাদের পক্ষে শেরেক করার প্রশ্নই উঠতে পারে না। কারণ তৌহিদে শেরেক নাই। আর শেরেকের মাঝে তৌহিদ নেই। মানুষ আর জিন তৌহিদে বাস করে না। তাই শেরেক করা নিতান্ত স্বাভাবিক। ইচ্ছাশক্তি, স্বাধিকার, আমিত্ব, 'আমি আমি', 'আমার আমার' এই ভাবগুলো কেবল মানুষ এবং জিনকেই কিছুদিনের জন্য দেগুয়া হয়েছে এবং এইরূপ স্বাধীনতার বিরুদ্ধে আল্লাহ সহজে হস্তক্ষেপ করেন না। এখন প্রশ্ন হল, যারা সব সময় তৌহিদে বাস করছে তারা কোনমতেই শেরেক করতে পারে না। যেহেতু পশু প্রাণীরা তৌহিদে বাস করছে সেইহেতু তাদের পক্ষে শেরেক করার কথাটি অসম্ভব এবং অবান্তর। আল্লাহকে ছাড়া অন্যকে যদি সেজদা দেগুয়া শেরেক বলে ধরে নেই তा रल भरानवीत्क पश्च श्रापीता त्कन त्रिक्षमा कत्रला? पश्चता कि क्रानळा त्य, मरानवीरे वाल्लार भारकत छटा छपाबिछ? भष्टता कि क्रानट्या ख, वाल्लार अवः भशनवीं क याता छाभ करत प्रत्थ छाता थाँ हि कारकत? छाता कि कातात्नत भूता নিসার রহস্য আপনা হতেই জানতো? তাই হয়তো অনেক সুফি সাধক দুঃখ করে **वल शिष्ट्रन या, वलित भ्रष्ट्रता सरानवीं कि किन्छ भातला खात खासता सानुस** रखि किनळ भातनाम ना। भभता कि कानळा ना ख, वान्नार ष्टाम मरानवींक সেজদা দেওয়া শেরেক? আল্লাহকে ফেলে মহানবীকে কী করে পশুরা সেজদা দেয়, यि পশুরা তৌহিদে বাস করে? তাহলে তৌহিদের রহস্য এত হাল্ধা-পাতলা नग्न या त्रश्कर तूचा याग्न। भरानवी यिष व्याल्लार रूळ व्यालामा रूळन ठा रूल পশুরা কিছুতেই সেন্ধদা দিতে পারে না। কারণ তৌহিদে শেরেক নেই। তাছাড়া আরো একটি প্রশ্ন উঠে যে, মহানবী যদি সত্যিই আল্লাহ হতে আলাদা হতেন **जारुल পশুদের সেজদা দিতে মানা করে দিতেন। পশুরা যখন মহানবীর পায়ে** সেজদা দিতেছিল তখন মহানবী কেন পা সরিয়ে নেননি? কেন মহানবী পশুদেরকে वल फिलन ना या, वाल्लाहरक मिक्रमा कत, वासारक नग्न? अतकस उपिरम का তিনি পশুদেরকে দেননি বরং সেজদা গ্রহণ করেছেন। মহানবী যত বড় নবীই হোন না কেন, তিনি বিশ্বের সর্বশ্রেষ্ঠ নবীই হোন না কেন, কিন্তু তিনি যদি আল্লাহ হতে আলাদা হতেন তাহলে পশুরা শেরেক করেছে বলে অবশ্যই ধরে নিতে হয়। কিছু আসল সত্য কথাটি হল, তিনি আল্লাহ হতে শ্লোটেই আলাদা নন। আল্লাহর গুণাবলী হতে তিনি মোটেই পৃথক নন। আর এই গোপন রহস্যটি পশুরা ভাল করে काल तलहें महानतींक टाक्रमा कदाष्ट्र अतः छिनि छा अर्थ कदाष्ट्रन। छिनि চিৎকার করে পশুদেরকে শেরেক করার কথা ঘোষণা করেননি। তৌহিদের দেশে याता तात्र करत जाता পश्च स्थाक चात यार्टे स्थाक ना रकन त्रवार्टे अकरकत सार्व्य এক অদ্বৈত সন্তা। প্রশ্ন

উঠতে পারে যে, পশুরা কেন, মহানবীকে সেজদা করলো? প্রশ্ন উঠতে পারে, আল্লাহকে ছাড়া সেজদা যদি শেরেক হয় তবে তৌহিদে বাস করা পশুরা কেন মহানবীকে সেজদা করলো? এই গোপন রহস্যটুকু যাদের বুঝবার তকদির দেগুয়া হয়নি তাদেরকে বলার কিছু নেই। শয়তান এরকম তকদিরগুয়ালাদের অনেক রকম বুদ্ধি দিয়ে আসল পথ হতে সরিয়ে নিতে পারে। কারণ শয়তান হল সব পণ্ডিতের চেয়েগু বড় পণ্ডিত।

তারপর আরো একটি প্রশ্ন আসে যে, কিছু সাহাবা এরূপ দৃশ্য দেখে অবাক হয়ে सरानवीं त्म अन्न क्र कार्र हार्र लान। किन्न छिनि त्कवन साना कर्त्विष्टलन। सरानवीं भाना कर्त्विष्टलन वर्ष्टे, किन्नु ठाँकि स्मञ्जूना कताएँ। या स्मद्धक कता रूत अभन কথাটি তো একবার ভুলেগু (?) উচ্চারণ করেননি। এই মানা করার পেছনে একটা বড় কারণ ছিল যে, সেজদার প্রচলন হয়ে যেত এবং এতে রাজা-বাদশারা সেজদা দেবার প্রথা চালু করে দিত। এজিদের মত শয়তান যদি মুমিনদের আমির বলে धाषपा फिळ पादा, बात जर अकिएत बािसक्रम सुमिनित्नत ऐ।रेटिंगशाना এজিদের পা-চাটা শত শত আলেম নামের কুলাঙ্গারেরা ফতোয়া দিয়েছিল, সেই ইতিহাস পড়লে লক্ষায় মাথা নত হয়ে আসে। ধন-সম্পদের শ্লোহে এজিদের পা-**गिंग वालिस नारसत कुलाऋातरफत रासन साउला दैसास र्हामाराजनरक वाधी** ফতোয়া দিতে হাত আর কলম কেঁপে উঠেনি, তেমনি এঙ্গিদের পর হতে প্রতিটি যুগে এ ধরনের পা-চাটা কুলাঙ্গার আলেমের সংখ্যা আজগু অনেক আছে এবং পরেগ্র থাকবে কিনা সেটা ইতিহাসই একদিন বলে দেবে। কারণ ইতিহাস সরলরেখা নয়। সরলরেখা হলে হারিয়ে যেত। তাই ইতিহাস হল বৃত্ত। ঘুরে ঘুরে একই দর্শন অনেক রং-রূপ নিয়ে হাঙ্গির হয়। তাই রং-রূপের ডিজাইন আর ঢং দেখে দেখে ইতিহাস হতে অনেক কিছু শিখতে পারি না। ড. গুয়েবেলসের মত মিখ্যাকে বার বার সত্য বলার প্রভাব আর নেশা কেটে উঠতে কন্ট হয়। ভেজাল দুধ পান করার অনেক দিনের অভ্যাসে পেটখানা ভেজাল প্রফ হয়ে যায়। তখন আসল দুধটাই ভেজাল মনে হয়, কারণ আসলটা পেট খারাপ করে দেয়।

আমরা এই বিষয়টি নিয়ে না হয় আর একটু গবেষণা চালিয়ে যাই। গবেষণার পথ ধরে বিজ্ঞানের জয়যাত্রা যেমন এগিয়ে চলছে তেমনি মহানবীর বাণীগুলোর উপর গবেষণা চালিয়ে অনেক গোপন রহস্য বাহির করা যায়। তবে গবেষণার প্রশ্নে মতপার্থক্য থাকাটা স্বাভাবিক। তাই বলে আমাদের সবাইকে হাত গুটিয়ে বসে থাকা চলে না। অবশ্য মুসলমানদের মধ্যে এই গবেষণার অনেক রকম ফসল বাহির হগুয়াতে একদল অপর দলকে কেবল কটু বাক্যই উচ্চারণ করেনি বরং খুনাখুনির অনেক বিশ্রী আর অপ্রিয় দৃশ্য দেখতে হয়েছে। যেখানে মহানবী গবেষণাকে বার বার উৎসাহ দিয়েছেন এবং গবেষণার জন্য দুর্গম দূর দেশে যাবার উপদেশ দিয়েছেন, সেখানে একজন ভাল অগবেষকের চেয়ে ভুল গবেষকের গবেষণাকে জ্ঞান অর্জনের পথে মারা গেছেন বলে ধরে নিতে চাই। যদি তা না হয় তাহলে যে কোন জ্ঞান স্থৃবিরতার দেয়ালে ধাক্কা খেয়ে থেমে যাবে। ইসলামের र्रेजिराप्त्र यात्रा रेत्रनाप्तरक निर्द्य भरतस्या करत् शिष्ट्रन जास्त्र श्रद्धारकत् जाशः জুটেছে এক বোঝা অপমান, নিৰ্যাতন এবং মৃত্যু। এটা গুনতে খুবই দুঃখজনক কিছু অপ্রিয় সত্যক্থা। সামান্য মাত্র কয়টি দৃষ্টান্ত তুলে ধরি। ফতুয়া এ মক্কী রচনা করার জন্য বিশ্ববিখ্যাত সুফি সাধক মহিউদ্দিন ইবনুল আরাবীকে 'শ্রেছ কাফের' টাইটেল দেগুয়া হয়েছে। ইমাম গাজ্জালীর মত সুফির রচিত বিশাল কোরানের ব্যাখ্যার পাণ্ডুলিপিণ্ডলোকে পুড়িয়ে ফেলা হয়েছে এবং 'কাফের' টাইটেল দিয়ে व्यतिक शालाशाल कता रखिष्ट। साउलाना कालाल उँिफ्न क्रसी, राक्क त्रिताकी,

আল্লামা জামি সবাই গবেষণা করতে গিয়ে কম অপমান হননি। আবার যথে উ প্রশংসাপ্ত পেয়েছেন। আবার যারা এইসব গবেষকদের প্রশংসা করেছেন তারা আবার অন্য ধরনের ইসলামের গবেষকদেরকে জঘন্য ভাষায় গালাগালি দিয়েছেন। अकप्रन चना प्रनात देवनात्मत एउशा मराभगठत्वत वापी भत्रमण परा कतात्व কেবল উপেক্ষাই করেননি বরং হিংসু পগুর ভূমিকা পালন করতে দেখেছি र्रेमनास्मत रेिञ्चात्मत भाजाग्न भाजाग्न। यात म्रक्रन खाक्र এर विश्म मजास्रीत त्मस প্রান্তে এসে পৃথিবীকে কী দিতে পেরেছি তার বিচারের ভার আপনাদের হাতে তুলে **फिलाम। हैमाम जातू हानिकात मछ मनीमीत्क এद्धिकाल कत्र**क्क हरू दशल्यानात একটি ছোট কুঠুরিতে। ইমাম আহমদ হাম্বলের মত মনীষীকে মোতাজেলা ফেরকায় বিশ্বাসীরা কী নির্মম ভাবে শহীদ করেছেন! সুন্নি মুসলমানেরা যাকে कारकत कव्याया फिर्स निर्मम छात्व रुगा कद्धा अर्थ मनीसी रमाम रेवत তাইমিয়ার নূতন গবেষণার ফসলকে সহ্য করে নেবার মন মানসিকতা হারিয়ে क्षित्र । त्यां ना रेक्षाम ठारेक्षियात भत्वभपात कत्रन व्यथ्यरपागा, किन्न গবেষণার ফসলে আঘাত আসলে সেই গবেষণায় আগ্রহ আর থাকে না। আঘাতের পর যেমন আবার আঘাত আসে ঠিক তেমনি গবেষণার পর আবার গবেষণা আসছে। যেন প্রতিটি কাজের মাঝে সমান প্রতিক্রিয়া দেখতে পাই। তখন গবেষণা চলে, কিছু গবেষকের আর সেরকম স্বাধীনতা থাকে না এবং মনোবল আর উৎসাহ व्यतनिशानि रातिस्य स्मल। अरे सिमति भिगति गारेस्य कूरूव नामक विशार ইসলাম গবেষককে জামাল আবদুল নাসের ফাঁসিতে ঝুলিয়ে দিলেন। আর একজন रॅमनास गत्वसक, ियनि ठाँत मसस

क्रीवनটाই भव्यस्पाय छे९मर्भ कव्त शिलन, मिट माहैत्यम बावून बाना सञ्जूषीक प्रहेळ रखिष्ट वर व्यवसान। ठाँत भविषयात कल यार टाक ना कन, কিছু পরমত সহ্য করার চরিত্র মুসলিম জাতি হারিয়ে ফেলতে শুরু করেছে। যার फक़न **পৃথিবীতে এত**গুলো মুসলিম দেশ থাকতেও অন্য মহাদেশের জ্ঞান-বিজ্ঞানের দিকে হাঁ করে তাকিয়ে থাকি। আমরা এমন প্রকৃতির হয়ে উঠেছি যে, আমাদের গবেষণার ফসলই একমাত্র ফসল। এর পরিণতিতে মুসলমানে মুসলমানে দলাদলি, ফতোয়াবাঙ্গি, মারামারি যেন নিত্যদিনের ঘটনায় পরিণত হতে চলেছে। বিজ্ঞানের विbिब व्याविश्वादात कत्रन रामन भागाभागि खर्क अभिद्य एलए त्रामलात फिर्क, দर्भवात विषित्व िष्ठाधाताञ्चला भागाभागि खिटक नूछन नूछन िष्ठात पूरात খूल দিচ্ছে, কিন্তু ধর্মের বেলায় ঠিক তার উল্টা পথ গু মত। 'দরজা বন্ধ করে দাগু' नामक ধমক আর গর্জন গুনতে হয়। যার দরুণ আমাদের নতুন প্রজন্ম ধর্ম হতে আপনিই সরে যায়। 'তোমার চিন্তা তোমার আর আমার চিন্তা আমার' এই গণতন্ত্বের মহাবাণী যেদিন সমাজে প্রতিটি ক্ষেত্রে বিরাজ করবে সেদিন মুসলিম জাতির অগ্রযাত্রা কেউ থামিয়ে দিতে পারবে না। জোর করে চাপিয়ে দিতে গেলেই আর টিকে থাকে না। আপেক্ষিক অর্থে হয়তো থাকে, কিন্তু হালাকু আর চেঙ্গিস शांत मण ख़ुकम्भन या रुत अप्रा व्यवधातिए। मुणानिम विल्लारत मण विलामी আব্বাসীয় শেষ বাদশা যে কচুকাটা হবে, বাগদাদ নগরী যে গণ গোরস্থানে পরিণত হবে, বাগদাদের জাতীয় লাইব্লেরীর লক্ষ লক্ষ হস্তলিখিত পাণ্ডুলিপিণ্ডলো या व्याप्टन व्यात ऋल ভाসবে, ऋाजीय लाहें द्वितीत क्षधान त्मश कतम व्यानीत्क माष्ट কাটার মত টুকরো করে ঝুলিয়ে রাখা হবে, এটা আব্বাসীয় শাসকেরা কোনদিন কল্পনাপ্ত করতে পারেনি। অথচ আব্বাসীয়রা জানতো না যে, তাদের চাপিয়ে দেগুয়া শত শত বছরের শাসন ক্ষমতাটি নিছক একটি আপেক্ষিক সত্য মাত্র।

আমরা এখন মহানবীকে যে পশুরা সেজদা করেছিল এবং তিনি সেই সেজদা নিয়েছিলেন এবং কয়জন সাহাবা মহানবীকে সেজদা করতে চাইলে মহানবী মানা कर्त्व फिल्नन, किन्नु भरानवीं अकथा वलनिन या ठाँकि स्नम्भा कर्त्वल लाद्वक रूत, व्याभता गत्वरपा कत्रत्वा त्य, अर्थे भाना कतािं कि व्यात्मिक ना प्रार्विक? यिष সার্বিক বলে ধরে নেই তাহলে মহানবী কিছুতেই পশুদের সেজদা নিতেন না। পা সরিয়ে ফেলতেন। যেহেতু পশুদের সেজদা মহানবী গ্রহণ করেছেন সেইহেতু কয়জন সাহাবাকে মানা করাটা একটা আপেক্ষিক সত্য। যেমন 'দাসদের প্রতি তোমরা যা খাগু গু পরো তাই দাগু' আবার 'দাসদের মুক্ত করে দেবার আদেশ' দুটোই सरानवीत वापी। गतवयपात चूलकता वित्युषण सरानवीत पूर्का उपरित्य सक्षा একটি আপেক্ষিক এবং অপরটি সার্বিক। প্রথম উপদেশটি আপেক্ষিক কারণ যতদিন দাসপ্রথা চালু থাকবে ততদিন দাসদের প্রতি ব্যবহারের উপদেশ দেগুয়া হয়েছে। যেদিন দাসপ্রথা আর থাকবে না সেদিন উপদেশটিও আর থাকছে না। সেইহেতু মহানবীর প্রথম উপদেশটি হল একটি নিরেট আপেক্ষিক সত্য। হযরত আবু বকর সিদ্দিক (রাঃ) হতে বর্ণিত একটি হাদিসে পাই যে, 'যারা মোহাম্বদের পূজা করতে তারা জেনে রাখ যে মোহাম্মদ আজ মৃত'। পুরো হাদিসটি না তুলে প্রথম লাইনটি তুলে ধরলাম দুটো কারণে। প্রথম কারণটি হল, এই হাদিস হতে স্পষ্ট প্রমাণ পাগুয়া যায় যে অনেক সাহাবা মহানবীকে পূজা করতেন। তাই এরকম উপদেশ দেগুয়া হল। এখানে মহানবীকে পূজা করার কথাই উঠতো না यि वाञ्चत्व त्रारावाता भूका ना कत्रक्रन। याटरू भरानवीत्क वर त्रारावाता পূজা করতেন তাই হযরত আবু বকরকে এরকম উপদেশ দিতে হয়েছে। এতে কি গবেষণার দৃষ্টিতে স্পষ্ট পূজা করার কথাটির গোপন রহস্য ধরা পড়ছে না? দুই नश्रत कातम रम, रयत्रे व्यातू वकत त्रिक्षिक छाम कदार क्रानळन या नवीता क्थालार भाता यान ना। याथाल अक्छन व्यान्नारत व्यनीत्क त्कातान 'भृठ विनश्च ना এবং মৃত চিন্তা করিও না' বলা হয়েছে সেখানে অলীদের ইমাম মহানবী কী করে মারা যান? এখানেগু গবেষণা করতে গেলে আবার দুটো প্রশ্ন সামনে আসে। প্রথম পশ্লটি আসে, মহানবীর এক্তেকালের পর যে ভয়াবহ পরিস্থিতি, সাহাবাদের কান্না, भाजभ जात शनिका रुयत्रज उँभत काक़त्कत शाना जतवाति नित्य िष्टकात कता, এরকম নাজুক অবস্থায় হযরত আবু বকর এরকম কথা বলতে বাধ্য হয়েছেন। কতটুকু ভয়াবহ পরিষ্থিতির সম্মুখীন হলে এরকম কথা বলতে তিনি বাধ্য হয়েছেন। ना হলে হয়তো সবকিছু আয়তের বাইরে চলে যেত। আবার যদি কোন কোন গবেষক এই কথাগুলো মেনে নিতে না চায় যে, নবীদের মারা যাবার প্রশ্নুই তো উঠতেই পারে না, কারণ যেখানে নবীর উন্মত বলে পরিচিত বড় বড় অলীরা कातान भक्त भव्त नार्रे किवन वना रयनि वतः वना रखिष्ट, भूठ वल िष्ठा कत्रक পারবে না এবং বলতেও পারবে না, সেখানে মহানবীর প্রধান সাহাবার মুখে একথা উচ্চারিত হতেই পারে না। বরং যারা হাদিসটি বর্ণনা করেছেন তাদের বর্ণনায় সামান্য এদিক সেদিক হয়তো হতে পারে এবং সেটাই মহান সাহাবা হযরত আবু বকরের মুখ দিয়ে বলানো হয়েছে।

अशाल व्यथम निश्चर्कत वनात किष्टूर लिए। कातम भविषमात श्रम् याधीनठाक स्माल निस्त रवा। जातभत यात यात व्यक्तिगठ भविषमात कन अक तकम रवा। त्रवार अकर तकम भविषमा कत्तव अवः भविषमात कन अकर तकम रवा, अतकम कथा वनस्त हार ना। कातम हिम्रात विश्वित्र यात वारात।

একটি নির্মম সত্য কথার উপর গবেষণা চালাতে চাই। আর সেটি হল ধৈর্যধারণের উপদেশ, অপরকে আক্রান্ত না হগুয়া পর্যন্ত আঘাত না করার আদেশ, জুলুম, অত্যাচার, শোষণ সম্পূর্ণরূপে নিষেধ, অন্যান্য মানুষের চিন্তাধারা গ্রহণযোগ্য भल ना कतल त्रश कत्त शाकात खन्डात्र, यात्क खाभता १५०५ विन अवः জ্ঞানীদের জন্য বুঝবার বিষয় অনেক কিছু আছে, এরকমভাবে কোরানে অনেক আদেশ-উপদেশ আছে। অথচ এত কিছুর উপর আদেশ উপদেশ থাকা সত্ত্বেগু मुत्रनमानएनत मर्स्या त्रवराष्ट्रा त्विम मनामिन, मात्रामाति, একে व्यथतक त्रश ना করা, প্রত্যেকের ব্যাখ্যা ৪ দর্শন কেবল শ্রেষ্ঠ বলেই চুপ করে থাকেনি বরং হুংকার দিয়ে বলেছে যে, আর কোন ব্যাখ্যা, দর্শন এবং গবেষণা নেই, কারণ সবকিছু **লিখা হয়ে গেছে সুতরাং সব শেষ। এই মারাত্মক স্লো পয়জন-মার্কা চিন্তাধারা এত** ব্যাপক আকারে ছড়িয়ে পড়েছে যার দক্তন প্রতিটি যুগে বেদনাদায়ক প্রতিহাসিক বহু করুণ ঘটনার ছবি পাই। ঠিক কোরান যা বারবার বলছে তার ঠিক উল্টোটাই করা হয়েছে। আসুন, আলোচনা করা যাক, ইবনে সিনা, ফারাবী হতে নেমে এসে উমর খৈয়ামদের মত মনীষীরা কি কম অপমান এবং কাফের ফতোয়া পেয়েছে? আজ আমরা তাদের নাম গর্বের সঙ্গে উচ্চারণ করি, কিন্তু সেদিনের সেই পরিবেশে তাদের গবেষণার উপর কম ফতোয়া পড়েনি। কেন এমন হল?
বিশেষ করে মুসলমানদের মধ্যে? অধম লিখক নিজেকে নিরপেক্ষ বলতে চেয়ে তুলসী পাতা ধোয়া জলের মত মনে করছি। কিছু আমারই মনের ভেতর ইসলামের উপর গবেষণা চালাতে গিয়ে কখন যে গণতদ্বের বিরুদ্ধে তথা পরমত সহ্য করার বিরুদ্ধে বিষ চুকে গেছে সেটা বুঝতেই পারি না। যার দরুণ আমি নিজে ইমাম তাইমিয়া, মাগুলানা মগুদুদী আর মাগুলানা আকরাম খাঁ-কে মোটেই সহ্য করতে পারছি না। তাদেরকে ইসলামের ঘোর শক্র মনে করছি এবং তবলিগ জামাতকেগু তাই মনে করছি। কেন এই মন মানসিকতা আমার মধ্যে প্রবেশ করলো? কেন তাদের গবেষণাকে পরমত সহ্য করার মত মেনে নিতে পারছি না? আবার পক্ষান্ত রে তাদের অনুসারীরা আমাদের গবেষণাকে একই রকমভাবে সহ্য করতে পারছেন না।

## কোৱানভিত্তিক গবেষণার প্রতি উৎসাহ প্রদান

এরই দক্ষন কি আজ আমরা পৃথিবীতে উনচল্লিশটি (?) মুসুলিম দেশ হয়েও জ্ঞান-বিজ্ঞানের জ্বা চাতক পাখির মত ইউরোপ আর আমোরকার দিকে হা করে তাকিয়ে থাকি? কোন পতন আর অপমানের বিষ্ণুতে আমরা দাঁড়িয়ে আছি অথচ অনেক কিছু করে ফেললাম বলে বার বার তান্তর আনন্দদায়ক ঢেকুর তুলি। যতদিন এই তৃত্তির ঢেকুর তুলতে থাকবো ততদিন আমরা পতনের কাদামাটি হতে उठि वाप्रत् पात्रता कि? अहे पठलूत काषाय त्य हाँ ए शित्र वाष्ट ति विवास प्रति विवास विवास प्रति विवास विवास

त्रवार वामता मुत्रेनमान- अर्थ मुक्ते वापीत वारक रेलून रुमाम स्थारमिन्।

বিখ্যাত ইসলাম গবেষক বৈজ্ঞানিক মুরিস বকাহীল তার রচিত বই বাইবেল, কোরান এন্ড সাইস-এ কোরোনের বৈজ্ঞানিক স্বত্যতা কত সন্দর আর নিখতভাবে তুলে ধরেছেন এবং বিশ্বে চিন্তার রাজ্যে একটা আলোড়ন শৈষ্টি কুরেছেন অথচ টোনুই আবার ইমাম বুখারী এবং ইমাম মুসালুমের বিজ্ঞানত চিকিৎুসাভিত্তিক अकाएँ शाम्त्र अरंग केंत्रक भारतनांत्र। सिन् निक्क भारतनांत्र वर्ता किनि ए<u>ःश्</u> প্রকাশ করছেন। কারণ বৈজ্ঞানিক ভিত্তির উপর দাভ করিয়ে তিনি একটি राष्ट्रिय अरुपत , यागा भानीन वर्ज, याष्ट्रापत , शुर्रंन। यात फर्जन निविद्यात में मुत्रांनिम प्रत्य रिमाम वंशातीत राष्ट्रित्र श्रेष्ठींग्रेट्ट निषिद्ध (श्रायपा कता रख्या । बेशाली व्यक्तिता बाठेनाना व्यक्तिताम शांत छात्राम वनक्क कार्ट का याता टाफिन সংগ্রহ করেছেন তাদের কী দ্যেষ? তারা তো কেবল অনেকের কাছ থেকে সংগ্রহ কুরে গেছেন। যারা হাচিস বর্ণনা করেছেন তারা য়ার্ছ ভল করে থাকেন. অথবা লুকিয়ে এদিক সেদিক কিছুটা করে থাকেন, তাতে যিনি অথবা যারা হাদিস সংগ্রহ করে গেছেন তাদের কেন দোষারোপ করতে যাব? তারা তো কেবলু সবপ্রলো হাদিস একত্র করে গেছেন। আবার শিয়া দলের মুসলমানেরা এই কথার বিরোধিতা করে বলেন যে, শ্লেনে নিলাম তারা হাদিস সংগ্রন্থ করেছেন, কিছু প্রশ্ন থেকে যায় र्य, देशांस द्वांशादी श्राय एय गाँछ (?) लक्क राष्ट्रिय प्रश्ना करतिष्ट्रित ने किन्न पर সংগ্রহাত হ্রাদিসণ্ডলো যদি রেখে যেতেন। কিন্তু তিনি তা করেননি, বরং নিজের সীমিত বৃদ্ধি এবং জ্ঞানের মাধ্যমে বিচার বিশ্রেষণ কুরে কয়েকু হাজার হ্লাদিস রেখে সবীষ্টলো কেন বাদ দিতে গেলেন? উনার বিচার বিশ্বেষণই কি চুড়ান্ত সিদ্ধান্ত বলে ধরে নেগুয়া যায়? জ্ঞানের এরকম সিদ্ধান্ত নেগুয়া কি তাঁর মুত বিষ্ণু আলেমের ठिक रूख्राष्ट्र? योष ठार २० ठारुल भोतुत्र तुकारीन दक्न अकोएँ३ राष्ट्रित्रत्व अर्थ कर्त्व विट्य भावत्वन ना? छारत्व कि भवित्र विकारीनेत्र अवक्ष खाएवप त्रस्ट्रिश्क नश् भिशा भूत्रनभानद्भतं भून वक्तर् हने त्य, त्रवेष्ट्रना त्रश्चेर क्ता राष्ट्रित তুলে ধরতেন এবং জানিয়ে দিতেন এই বলে যে, 'আমি কেবল হাদিস সংগ্রহই করে গেলামু এবং তুলে ধরলাম এবং এর মাঝে আমার কোন মন্তব্য নেই। বরং তোমরাই विष्ट निर्व थी. कावालव मन्ह्र कान्छाव मिन चाष्ट चाव कान्छाव मिन लर्र। जारल हैसास तुशातीत छें अत जासारित (निया सूत्रल्यानरित) कि हु है तलात वाक्रिका ना अवर जारातिक ने का कानाजास। अश्वन नित्रिक्त है साम तृशातीत तृशाती मुतारिक छें अत जारा कानाजास। अश्वन नित्रिक्त है आस तृशातीत तृशाती मुतारिक छें अत जारा निर्माण निर्माण के सिंज है जार का निर्माण निर्माण के सिंज है जार का निर्माण के सिंज है जार का निर्माण के सिंज है जार के सिंज जारात के सिंज है जार के सिंज के

করে ঘুরতে খাকরে।

তবৈ একটা কথা বুলে রাখতে চাই যে, যুত স্বাধীন গবেষণাই করা হোক না क्तन, प्रत्ये भव्यस्पाणि यान काजान-विद्धार्थी ना रुग्न। व्यावाद क्षम व्याप्त्र, मुन কোুরানের ব্যাখ্যা তো দুরের কথা, অনুবাদ প্রভতে গেলে কেন এক এক রকিম পাर्श रुवर कातापत खेनुवाफ किन खाक्कि भर्यन केता रुम ना वा रूट बा? ठातु ३ আবার কারণ আছে, অরি সেই কারণটি হল কোরানের বাণীর গভীরতা এত ব্যাপক, বিশাল এবং জটুলি যে, বৈজ্ঞানিক আইনস্টাইনের শক্ত ফুর্মুলাণ্ডলো হুতে व्यतिक व्यतिक तिमि भञ्जात अवश विभाग तुराश्या व्यवधावन कता तारिक्षण रिक्षांभक्ष খেতে হয়। ধরুণ, কোরানের প্রথম বাণাটির যাদূ হবহ অনুবাদ করা হয় তার ব্যাখ্যা দিতে এক মহাসমস্যায় পড়তে হয়। প্রথমেই অনবাদক চোখে ধাধা দেখে <u>श्रुवः अप्लिकञ्चन अप्लिक त्रक्ष वर्षांच्या कृद्ध यान्। व्यावीत् व्यप्नप्त भातनाप्त ना</u> निখতে বाধ্য হয়েছেন। অনেকেব্যাখ্যা করতে গিয়ে পার-কল না পেয়ে বলেছেন या, श्रुव व्याभ्या अवः तरम्य अकसाब्र व्यानुहर्रे कालन। व्यावारी रस्टा व्यात अकसन अर्व श्रेठिवाम कर्त्व वर्लाष्ट्रन या, योम छीं है रहा छारटल बालार भ्रुमन क्या नाळल कतलन किन? यार्ट्य भानस्वतं क्रना नास्त्रन कता रखाएँ सर्ट्यू अत वाराशा व्यवगार्थं व्याप्ट तुरल स्थायपा करतन। व्यात अकञ्चन रयुरा अत त्याधा निर्ध रकनरन व्यभत्रक्रन किष्टर रहानि वर्ल उधनर छाष्ठ्रण कर्त्व फ्रिलन। योर्फ रुवर कात्रात्नत जनवार वाश्ली ভाষाয় করা যায় তাহলে সেটা যে করিকম বঝতে শক্ত হবে এবং সেট্রা করার ইচ্ছা রাখি এবং খোদা চাহে তো গুরু করবো। আবার এটাও বলতে ठार्रे या. वाभात व्यनवापरे रवर रखिए वनाय कि ४४० व नऋप कटी उठि ना? व्यामि योष्ट कांत्रालीत व्यनवाष्ट्र व्यात व्याभात शास्त्रामिन्छलात मीमाना किष्ट्रा ज़ुल भीत जा इस्न मिण जैनिक वर्ष रख्यात। कातात्वत जनवार ३ व्याशा की तैकम शास्त्रामिल फिश्रा रय जांत जांज সामाना नमुना जासातू ताठज वर सार्त्वरुक्त शांभन कथा-क ठूटन धर्ताष्ट्रनाम। यात ५क्न**म अका**ण विरमेष ५टनत

काष्ट्र श्रञ्गाण ना इश्राण जातक रेट के करत वर्टे वि वाक्रशास कता श्रवः लिशकत मास्ति माविनासा एल धता रखिष्ट्र जित्रा ज्वत्मात्र प्रविदात कागळ श्रुञ्ज क्रिक्ट क्षिण्य प्रतिक्रिक्ट क्षिण्य प्रतिक्र क्षिण्य क्षिण क्षिण्य क्षिण क्षिण्य क्षिण क

কেন, কিন্তু কথাটি অপ্লিয় সত্য।

এই বিষয়টির উপর অনেক কিছু হয়তো পক্ষে-বিপক্ষে আধুরা বলতে পারি, কিছু এই সামান্য জ্ঞানগর্ভ কথাটি শেখ মুজিবের মুখ হতে বেরিয়ে পড়বে এটা হয়তো বাদশা ফয়সল কল্পনাপ্ত করতে পারেননি। বিশেষ করে ইসলামে রাজতন্ত্রের কথাটি তোলাতে নারব থাকাটাই সমাচান মনে করেছিলেন বাদশা ফয়সল।

वासता (त्रेंहें (त्रेक्षेमात तिषशिष्टें निर्धि वादित त्रामाने किष्टें गर्दिश्मा होनार्छ हाई। 'त्रुत्ताणान्नारि ना जातिमना' ज्या 'व्यान्नारत व्यासन तमनाग्न ना' कातात्वत अर्ह

আয়াতটি খুবই চিন্তার বিষয়। কতণ্ডলো আইন, আছে য়া আদম হুতে আজ পর্যন্ত বদুল ইয় ,নাই এবং হবে না। যেমন মোম্বাছির হৈরি, মধু। এ বিধান বুদলায় ना। युर्जापन स्नामाणि व्याष्ट अव्ध शाकरत् ठ्रुप्रमिन मधु रेप्रीत देखहै। मधुत विस्मेन একটি প্রণ আছে আর তা হল, ইহা খুবই মিটি। মধু পূর্বে মিটি ছিল এখনও তাই वार्ष्ट किन्न निर्देशत भेंग किका रहेत ना कार्य निर्देशत छेन राभन कका कमनि स्रथत छप रेल सिष्टि। এটাকে स्रथु এবং নিমের নিজম্ব তকাদরগু বলা যেতে পারে। সেরকমভাবে যাহা শেরেক উহা আদম হতে শুরু করে আরু পর্যন্ত শেরেক। শেরেক এক যুগে ত্যেছিদ হতে পারে না, আবার অন্যযুগে তোহিদ শেরেক হতে পারে না। युं भिरानवीं के अन्न एउँ शां लिय वर्ष भरत निर्णू यारे जारल रयत्र र शांक वर्ष स्थाक्त वर्ष भरत निर्णू यारे जारल रयत्र र शांक वर्ष स्थाक्त जान व्याप्रतित वित्रुर्शिमार्थ (?) कर्त्नुष्टम वृत्म धृत्व निक्छ रश्रू छात कात्र्वीए रम, छिनि এত বভ নবা হয়ে হয়ুরত ইউসুফ (আঃ)-এর মত নবাকৈ কেন প্রকাশ্যে সৈজদ্য কুরলেনুঁ? তাছাড়া ুএট্রা সবাুুুরই জানা থাকার কথা যে, হুযুরত ইটুসুফ (আঃ योर्फें विशाल नेवी, किन्न छैनात वावा लेशा अन्नामाला कि ছिल्नि? छैनीत वावारै হলেন সেই বিখ্যাত নবি হিষরত ইয়াকুব (আঃ)। নবপিত্র হযরত ইউস্ফের পায়ে नवीं भिতा रुयत्व रुयाक्व (আः) क्वि क्रेन्स्नि हिल्लने भवः ठाउ जीवात त्रवात সামনে? পিতা की करते পূত্ৰকৈ সৈজদা দিলেন? এর রূহস্য কা? এর মারেফুতের शार्थन क्यां कि की रहें शार्त्य शर्त्रवंशांत विश्वेष्ट वर्टी कार्व वार्तात हिंकि यूने नवी, वसु ष्ट्रत्म नन्। मुसाद्भत विधि-विधान वानुभारत खासता वार्तात भामास करिन, <u>শুদ্ধা করি কিন্তু নবী ইয়াকুব (আঃ)-এর ব্যাপীরে ঘটলো ঠিক তার সুম্পূর্ণ উল্টা।</u> পিটা সেজদাই দিয়েছেন ছৈলেকৈ । তাও আবার ছোট ছেলেকে। এই সৈজদার घँँँनार्टि घटिष्टिल सिगद्ध। यथन भिठा-পুত্রের सिलन दूरा। আরো অবাক ুতুবার कुशांप्रि तला . इल ना। क्ष्रङ्के खवाकु रवात कैशांष्ट्रे रल अर्रे ख, नवी रयत्र रहें युक् (আঃ)-কে তার মা, যিনি পেটে ধরেছেন, তিনি পর্যন্ত ছেলেকে প্রকাশ্যে সেজদ। করলেন। যেখানে মায়ের পদতলে বেহেম্ব, সেখানে মা কা করে ছেলেকে সেজদা क्रतलन? क्याए छिशुत्र विषय्। छुयानकछात्व खवाक रवात क्या। किञ्च खात्रल व्यवाक रवात किष्ट लर्र। क्रांतप ठाता ब्यामाप्टत सुठ माधातप सानुष नन्। अंशाल নুবুয়তের মর্যাদ্মর প্রশ্ন। মর্যাদায় পুত্র নবা হয়ুরত হউসুফ (আঃ) পিতা নবা হয়ুরত रशाकृत रू उपुरा विवास क्रिक्ट कर्ने एक, जार (अशाल निव्यक्त संग्रामारक मुत्रान প্রদর্শন করা হয়েছৈ। পুত্রের প্রশ্নাট এখানে গ্রোণ এবং নবুয়তের মর্যাদার প্রশ্নাটিই अशास सुशा जा ना रटी वावा अवुः सा एए एएटल जिल्हा फिल्जन ना। प्रिवात প্রস্নুহ ভততো না। নবুয়তের মধাদার সামনে আপনজনুর বড়-ছোট হওয়া, **अभवाक वावा, भा अवश्रावा वर्फ छारे रश्याण काव विश्वय वेटार वालार** वे ক্রাছে গণ্য হয় না। কারণু আল্লাহু মুমিনদের শানে ধারাবাূহিকতার প্রশ্নে সুষ্ট্রা ावछात्रक अवः अंशाल कवा्षिठ व्यामिद्धित मृत्यु व्यत्नक व्याप्पर्धे रुखा प्रष्टि। व्यामि

व्यक्ति' छाति विश्वास सिंह त्रिशास मिलन-मिलन व्यात मानि हामा व्यात ती विश्वास विकास किया है विश्वास व्यक्ति विश्वास व्यक्ति किया है विश्वास व्यक्ति विश्वास व्यक्ति किया है विश्वास व्यक्ति विश्वास व्यक्ति विश्वास व्यक्ति विश्वास व्यक्ति विश्वास व्यक्ति विश्वास व्यक्ति विश्वास विश्वस विश्

খান্নাস।'

ট্রীমর্যু এবার প্রেজদার বিষয়টির আর একটি দিক নিয়ে আলোচনা করতে চাই। সেই বিষয়টি হল, পশুদের মহানবীকে সেজদা দেবার জন্য দৃশ্য দেখে কয়জন সাহাবাপ্ত সেজদা করার অনুমাত চাইলে মহানবা মানা করে দিলেন। अशाल त्वित साना करतलने. किन्न प्राक्षमा करतल त्यारक रूप प्राप्त है है अपनि सरानवा दुरुनान। जावात अर्ट्स्य सना कतुल्न, अर्ट्साना कताण्रिक रितरिल्जू জন্য না কিছাঁদনের জন্য? এই মানা করাটা কি সাাবক না আপৌক্ষক? এ প্রশ্নাট এজন্যই তেল্রাি হল যে, মহানবার আদেশ ক্ষেত্র বিশেষ এবং সময়ের চাুহিদার फिर्क छिरा निस्तर्ध भौतेपछ कता रुखिष्ट, अत श्रमाप ज्यामता रैमनास्मत रीछेरास्म পাই। অবশ্যুগবেষণার প্রশ্নে গবেষকদের মতামত এ বিষয়ে এক হতে পারোন। व्यार्शर तत्नुष्टि या, मुत्रनभाविता भूतम्य त्ररा कतात मुळू १५००। द्विक व्योधकात्वरक क्तिवन् अर्श्वात केंद्र्रीन, वर्ड्स ध निया नक्षाकाञ्च वर्च वाधियाष्ट्र, ध्रवः श्रीतंशीर्व्यक्र थुनाथुनिक्ट गिर्स गोर्ड्सिष्ट। नितरभक्तर्गास्क सुत्रनसात्नता श्रास उञ्जासत् काष्टाकााष्ट মনে ক্রতো। আর মনে করতো যে, 'আমার গবেষণা এবং ব্যাখ্যাই শেষ এবং एखाञ्च।' अत्रभत जात कान कुाश्चा अंवः भविषमा छन्त ना। रयत्र रैसास रैवल ठेशिक्षशांत क्षेठ विशांठ वर्गार्थी श्रकार्णा रुयत्रेठ उनत् कार्क्टरत् जात्नक छून धरतष्ट्रन। यात फरूप ज्यारला मुनाएन काभारणत जनमातीता श्रुर तकम मञ्जरारक সহ্য করতে না পেরে তাকে নিমমিভীবে হত্যা করেছে এবং গুহাবি মতবাদের আদি গুরুঠাকর বলে ফুতোয়া দিয়েছে। আবার গুহাবিরাগ্ত একদিন সুযোগ পেয়ে সারদেরকে পাহকাারভাবে হত্যা করেছে। অথচ সব দলহ ভাল করে জানে যে, क्रिंति छति अक्छन समनसानुत्क रुगा कतिल मित्र मित्र कारफत रुख याय। किञ्ज ao वर्ড ज्वकाण मेरी क्यांणि क्रांत श्वतिश्व acक ज्वन्तर्तक रूणा कर्तिष्ट करणासूर्ति माधारम्। श्रेशस फळाऱ्या प्रश्नेया रुग्न कारफत्त. ठात्रभत रुग्गा। अভाবে भव क्योपि **म्म अंक व्यभतुत्व कृत्यित कत्याया प्रिवात कत्म मुगममान व्यात भूकाँगैं शाकत्य** না। ফতোয়াবাজির ইতিহাস বড়ই করুন এবং বন্য পশুর চেয়েগু হিংসুতা প্রকাশ (পয়েছে। একটা পরুনো বার্সি কথা গুনালাম।

একটি সামান্ট বিষয় নিয়ে আলোচনা করা যাক। য়েমন মোতা বিবাহ। এই মোতা বিবাহের আইনটি মহানবী চালু করেছিলেন, এটা সবারই জানা থাকার কথা। এই মোতা বিবাহের প্রথা মহানবী হতে প্রথম খলিফা হযরত আবুবকর (ताः)- अत मसरा भूर्यम हानू हिन। असन कि रुपत्छ असत (ताः) अत यूर्णम हानू हिन्। किन्नु भरते अरे त्याण विवारिए अकिए मसम्प्रात विषया भित्रपछ राम याभ्यात्छ छिन। किन्नु भरते अरे त्याण विवारिए अकिए मसम्प्रात विषया भित्रपछ राम विवार याशा छिन विवार कित्रपण कित्रपण कित्रपण विवार याशा स्थान विवार कित्रपण कित्रपण

एड०/४)।

रयत् असदात धार्याप्त नर्वश्रम निया फ्लत मुनलमालता खुल निक्क भारतनि। ठाएनत क्या रल था, रयत् असत (ताः) कि या मरान्तित एउ या सरान्तित एउ या या या विकास वित्र विकास वित

वात्रल में उट्ट , गत्वर्षपात विद्याला, हर्मत्वत विविद्याला भूतः विद्यात उँ हु-निष्टु धान्य एता हर्मा वस्त कर्त हिला विद्यात हर्मतात भरा निष्ट्र निष्टु धान्य हर्मा अथन निष्ट्र निष्टु विद्यात हर्मा अथन निष्ट्र निष्टु विद्यात हर्मा अथन निष्ट्र निष्टु विद्यात हर्मा अथन निष्टु विद्यात हर्मा कर्मा विद्यापिक हर्म विद्यापिक कर्त वर्ष्ट्र विद्यापिक हर्म हर्मा हर्म हर्मा ह

পারেন না, সেখানে যারা সন্থ্যিকার অলীয়ে কাম্বেল তাঁদের কথার উপুর নকতা ধরতে যাবেন না। বড পরি সাহেবের রচিত দিওয়ান পড়লে মাথা ভোঁ ভোঁ ক্ররে ঘরে। আবার তিনিই সাধারণের বোঝার জন্য সাধারণভাবেও লিখে গেছেন। भिञ्चत्कै (शालाञ्ज-त्कात्रुञ्चा स्थळ) हित्ल शाल्ला शाञ्चशाना रुत्त। तरू शीत शास्ट्रतित পরি বাবা শামসেগুরাজের তিনটি বাক্যু আজগু অধম দেখক বুঝে না। অনুবাদ केंद्री यांग्रे किन्ने देवाँ यांग्रे ना। त्यंभन छिनि चलाष्ट्रन, 'আएम ना चूर्र भान चूरिस। राउद्या ना वर्ष्ट्रि भान विषय। उद्या काळ त्रका ना वर्ष्ट्र भान विषयी' अनवारी रच्य আদম যখন ছিল না. তখন আমি ছিলমি। হাওয়া যখন ছিল না. তখন আমি ष्टिलाक्ष **এব**ু शाफात क्रांठ यूथन ष्टिल ना, उथनुञ्ज व्याक्षि ष्टिलाक्षा' क्रांन-विक्रान रा কুতুদুর অুসাঁমু তার নমুনা কি সূরা কাহাফৈ বাঁণতু হয়ুরত মুসা (আঃ) এবং হয়রত্ খিঞ্জির (?) দিয়েও ববীতে পারি না? একজন অতি টুচু মধীদার নবী মসা (আঃ) ल्यूट क्रांतित विन्दु-वित्रूर्ग वृत्गा क्या पृत्त शुक, स्त्रूर्यहें त्राभक भातल्वे ना। **उत्ते** এটা সত্য য়ে, অধ্রিম লিখকীই বলাছু, এই বিজ্ঞানই একাদন অনেক কিছুর রুহস্য খুলে দেবেই। তাই আসুন, দলাদলি না করে জ্ঞান-বিজ্ঞানের গবেষণায় প্রাণয়ে यीरै। सरान व्यानार शाद्भैतं शूत्र तरसंज ज्थन निक्तरर नाट्मन रदि।

ञ्चासत् जात अकार विষয় निरंश अशाल माभाना जात्नाचना कतरू छाँहै। कातप अ विष्युं है विद्या सुनुवस्नावरम्त सर्पुर सञ्छम चुत्र अक्टा ना शक्ति कि हुए। छ्व বুঝাবুঝি হয়। তাই বিষয়টা পরিষ্কার করে দিতে চাই। সেই বিষয়টি ইল, मरानवारक खामता ूका तर्ए धर्ण कतुर्वा? रक्वन नवी ध्वः त्रम तर्स्पर कि मानता, ना जाता किष्टु? कातान ३ शोहत्म, भार्र या मुरानवींक निक्रत स्रीवतात চেয়েও বৈশি প্রিয় জানুতৈ হবে। যতাদন পর্যন্ত মহানবী একজুন আশেকের কাছে তার জীবনের চেয়ে প্রিয় না হতে পারবে, ততাদিন সে মোমিনের দলে ঢুকুতে পারবে না। ততাদিন সেই আশেক্ আমানুর দলের একজন সদুস্য, কিন্তু সৌটুমন নয়। কিন্তু গুহাবি মুতের অনুসারীদের মুঠি হল ঠিক এর উল্টা তথা ীবপরীত। তाদের भेटा भरानती रलनी वाभाफितर भेटा भानुष, टूटा भान-प्रशासित প্রশ্নে मरानवींक वर्षु छारेक खू रेक्ष्ठ कता रग्न क्रांकें रेक्ष्ठ कतळ रव। यिषे ম্বনগড়া না করে নিরপ্নেক্ষ বিচারে গ্রহাবিদের এরকম মৃতামতকে সূত্য বুলে ধরে निक्र यार्रे जारल जोंठ সाधात्रंप छिञ्चाक्छ रेरा मन्पुर्प कात्रान त्रिद्धार्धी कथा। ক্রারণ কোরানের সূরা আহযাবের ছয় নম্বর অয়োতে মহানবরি স্ত্রীগণকে विश्वामिक्ति सा वूल रैंघार्येण कता रखिष्ट। अथन श्रम छेळे या, यांचाल सुरानवीत श्वीद्भृतत्क विश्वामीत्मत माठा तुल धाषेषा कृता रखिष्ट, सुशात मरानवीत्क वर्छ ভাইয়ের মত ইজ্জুত করতে উপদেশ মেনে নিলে মাতার ইজ্জুত থাকে কোথায়?

145

কোরানের পুরা আহজাবের ছয় নম্বর আয়াতে কিন্তু প্রপুমেই বলা হয়েছে যে, মহানবা বিশ্বাসুন্দির কাছে তাদের জীবনের চেয়েগু বেশি প্রিয় এবং তারপর বলা

হয়েছে যে, নুরার স্ত্রারা বিশ্বাসীদের মাতা।

আর একাট গবেষণাুমূলক প্রশ্ন গুঠে যে মহুানবীর শ্বীদেরকে মাত্যরূপে কেমন कर्त्व श्रन्थ कर्ता यारा? श्रिणात रिक्टिएय एकनर सामिनएत मा वर्त्म विस्थि प्रमान কোরান দিয়েছে। মুহানবার নুরের পুত্ররূপে, আলোর পুত্ররূপে জনাগ্রহণ করার জন্য व्यासानुए तर्क स्माप्तिन रुक्त वात वात उपएम फ़िल्हिन। व्यथ छ कातान स्वासना করছে যৈ, 'মোহাম্বদ তোমাদের কোন মানুষের পিতা নন, বরং তিনি আলাহর রসল।' অথচ বাস্তুরে দেখতে পাই যে, মহানবার গুরুশে দুই দুইটুট পুত্রসম্ভান क्रक्सेश्रर्थ करत्रष्ट्रन। जात क्षर्यस পुछत्र नास कार्यस्। यात्रू एक्नन सरानेत्रात जात अक नाम আবুল ক্যুশেম তথা কাশেমের বাবা। মহানবরি আন্তম অবস্থায় তার শেষু পুত্র হযরত ইবাহাম দেহত্যাগ করেন। এই শেষ পুত্র হযরত ইবাহাম জ্যাবত शाकाकालीन क्वातान खाष्या कर्त्राष्ट्र, 'सांशामने क्वीमाएन क्वान देवें मालते वार्वा नट्टन।'अशाल विट्युसुভाবে लक्ष कक्षन या, द्विकाल यश्च मानुषरूवा मानवक्षााछ। এখানে রেজাল শব্দটি ব্যবহার করা হয়েছে, কিন্তু মোমিন শব্দটি ব্যবহার করা रशित कार्य मान्य जार स्मामिन फर्येक अक् राक्स मता रत्य सामिन रत् सरानर्वति नृत्वत् ऋान। स्माप्तन कथला स्मूरिक मञ्जान नर्व। ठार रिक्षांश्वरू সবসময় ত্রাল্রাইকে পিতা বলে ডেকেছেন। এই পিতার সম্পর্ক নুরের সম্পর্ক। করিণ व्यानार फारक्छात्व कान महानश्रर्थ कत्वन ना। 'स्रशनैर्वाक छानवामक

পারলেই আলাহকে ভালবাসা হল', এই বাক্যটির গোপনীয়তার রহস্য যিনি আন্তরিকভাবে গ্রেষণায় লেগে থাকবেন তিনি সুফিবাদকে শুদ্ধা প্রদর্শন করবেন, এ কথাটি জোর দিয়েই অধম লিখক বলতে চায়।

निशासांठि उग्ना ताष्ट्रिलाकुस रैंजलासी प्रीनौ

'আজ আমি তোমীদের জন্য সম্পূর্ণ করে দিলাম তোমাদের ধূর্মকে এবং আমার অনুগ্রহ্ম তোমাদের প্রতি পূর্ণ করে দিলাম এবং ইসলামকেই তোমাদের জন্য

स्तानीं क्रतनासं धर्म।'

ভ্রামরা কোরানের এই আয়াতুটির জটিল, সুক্ষা এবং নিরপেক্ষ গবেষণা করতে **ष्ट्रा शर्चनत्वात्प्रत प्रवेनला नाथि स्नत्व रकत्न फ़िर्स जात्नालना कृता इत्व। प्रनास** <u> पूर्वेन्छ। निक्रुत मुशनिएरत कार्यंश्व भाताञ्चक पूर्वेन्छ। वन्क्ष्य छ। अर्थ पूर्वेन्छ। त</u> वीं छिगार्थ शेर्रवीत सानुसङ्खा युठारक दुँख भैतिर्य वनुष्ठात्नत नाना त्रः ए९ अत नाष्ट्रानाष्ट्रि केंद्रष्ट्र। আরু তারুই পরিণাম যে বিশ্বশান্তির জন্য কত মারাত্মক, বার্লিন প্লার্টারের মত কতু প্লার্টার দাঁড করালো হয়েছে, যার দরুন মানবতার শাষ্ট্রতবাণী চিৎকার করে কাদছে। এই সব লোংরা দেয়াল ভেঙ্গে ফেলার মহাবাণীই হুলু কোৱানের এই বাক্যটি। আরো একট ভাল করে জেনে রাখন যে. এই বাক্যটিই সূরা মাহদার তিন নম্বর আয়াতের ুশেষের একটু আগে বসিয়ে বুদিয়েছে। কেন कितातात्वत भिष्य ना व्यर्ध अभन अकोए ग्रांत एकीव्या रन वर्ण याप श्रेत्र कव्यन, जारल जातक किष्टु तमात शाकुला भातते ना यिकि तुलन, भूल तुन्न, क्षेत्र तर्मा की, जारल जासम निभक्त भवकिष्टु छाति ताता। योक ततन अपाठ अक श्रकात **छ** डोसि क्र त्रष्ट्व, ठार्टल क्राप्शित करल साथा नुरु करत हुथ करत थाका हाछा আমার আর কোন উপায় নেই। তরে এটুকু বৃদ্ধিমান পাঠকুদের অবগতির জুন্য वल ताथळ ठार या, क्यातान व्यार्ख या कियुक्र मारावाक नियुक्त कता रखारिन তাদের মধ্যে মাওলা আলার মৃত্রাবখ্যাত সাহাবাকে রাখা হয়ান্। যাদ প্রশ্ন করেন या, भरानवीं वर्त्त शिष्टन या, जिन उद्यालत भुरत अवुर व्यान्त्र स्मर उद्यालत अकसाब দরজা, আর সেই একমাত্র জ্ঞানের দরজাকেই বোর্ডে বাদ দিলেন কেন? বহু কথা काना शाकलि खर्यस निश्वक वनक्त भावत्व ना। काव्य सुत्रनुसालवा भूत्वस्याक्त घुंगा करत, ज्रुत्नक तकस कळाऱ्या सारत, यातु फूक्न छन्छोन्नेगाँछ (?) सुत्रोनस फ्रिंग ক্লাজ জ্ঞান-বিজ্ঞানের প্রশ্নে ক্যেপায় এসে দাড়িয়েছে? সুর্তরাং এই মীরা কান্নার विलाभ ना करत अथन अर्थ वाक्याएत व्याश्या कताष्ट्र।

श्राया चेत्र काल करते लक्ष्म करून ह्या, कातान वल्ला 'आक्ष्म आप्ति कामारित क्रमा त्राप्ति करते दिलाम धर्मका' धर्मिकिक त्राप्ति करते दिल्लन वला इल। त्राप्ति वलक्ष्म वृत्ता व्याप्ति त्राप्ति वर्षि करित वर्षिति वर्षित याय। जन्मपूर्वत्वर मणुर्व कतात कथा वना याय । मूठताः अठकान धर्मि । किकरे हिन, किंद्र अक्ष जम्भूषं हिन, अक्ष ज्यूषं हिन वेतर जाक मणुर्व कतात कथा, पूर्व करते प्रतित मुम्बताह एउँ या जाता हिन क्ष करून, रेंश किंद्र क्यां মহানবার ঠ্রোট্রেই এই বাণা ঘোষণা করছেন। সৃতরাং এতুদিন ধুর্মটি পুর্ণ ছিল নী, এতাদিন ধুমটি ছিল অসম্পূর্ণ। প্রশ্ন উঠে, কতাদিন ধরে ধর্মটি পূর্ণ ছিল না, কত কাল্ ধরে ধর্মটি ছিল অসুম্পূর্ণ? উত্তর হল, হযরত আদম্ভ হতে মহানবার আগ্মনের পূর্ব পর্যন্ত আলাহর ধর্মটি ছিল অপুণ তথা অসম্পুণ। মূহানবার মাধ্যমেই আলুহি कानिया मिलन या. बाक छाभ्रोपित ४भीएँक त्रम्थ्य करत परश्या रन। बाभेता **जान कर्त्य है ज्ञानि यं. यं कान विषयु यांश जापूर्व जैविष्ठाय जाएं वा शांक ठाकिं** क्वित पूर्व कता यार्र। याड्डा अनम्पूर्व अवश्वार प्राप्त यार्र प्रिणिक ने निम्नू कर्ता হয়। যেমন ধরুন, একটা ইটের দলিন অথবা টিনের ঘুর যাহা অসম্পূর্ণ অবস্থায় পড়ে আছে সেটাকৈ সম্পূর্ণ করার আয়োজন চলে। একটা ইটের দালনি বানানো **रन किन्न एत्रका कानान**िक योष ना नाभाता रग्न ठारत त्रव किन् कता त्रक्र সাম্বান্য দিৱজা-জানালার জ্বীয় দালান্রাটকে অসম্পূর্ণ বলা হয়। দুরজা-জানালা যেই লাগিয়ে দেগুয়া হল তখনই দালান্টি সুম্পূর্ণ হয়ে গেল। অর্থাৎ য়ে কোন কাজের কিছটো বাকি থেকে যায় এবং সেই বাকি অংশটির কাজ করে দিল্লেই বলা হয় मन्पुर्व कता रन। मुठ्ताः अथन जामता अक्रम निन्छिठ तुनळा भातीष्ट या. यारा **व्यर्भि, यां राज्यान्यभी व्यवश्वार वार्ष्ट वा शांक क्विल मिर्गक्ट भूभ कदात उशा** সম্পূর্ণ কুরার কথা উঠে। বিদায় হজের ভাষণে, হাদিসে, মহানবরি বার্ণা আমরা व्याद्वा विश्वाित्रञ्जात পार्ट।

बर्शन पाउँ करित्र के त्वां हाई या, याशा अक्त वावाई वाफ छ्या वाछिल श्या याया, अथवा याशाक वाछिल वर्त याया कता श्रु प्रभाव प्रमुन्न कता, पूर्व कतात कथाछ लाई वापण पाद ना। याशा वाछिल उशा याशा कराष्ट्र लाई वापण पाद ना। याशा वाछिल उशा याशा करित्र वाछिल है या प्रमुन्न करा श्रु । प्रमुन्न करा श्रु । प्रमुन्न करा वाणिल उशा याशा करित्र वाछिल वाणिल वाछिल वाणिल वा

व्यमम्पूर्णक मन्पूर्ण कतात कथा छाषणा कतः श्रिशाल किष्टू वालम नास्मत क्रिया क्रिया किष्टु वालम नास्मत क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क ইপ্রুয়াকে উল্টা অর্থ করে এই বল্লে যে, আণ্ডোর সব্র নর্বাদের বাণীণ্ডলো একদম বাাতল হয়ে গেছে। কত বড় সাংঘাতিক আত্মবিরোধাঁ কথা। একবার ভেবে দেখার দরকার মনে করে না যে কোরানের ব্যাখ্যা লিখতে গিয়ে উল্টাপাল্টা কথার বস্তা কোরানের নামে চালিয়ে দিয়ে মানুষের কাছে কোরানের সুন্দরতম ভাবমাতীটকে *जिल* प्रतिभात करत एउँ या राष्ट्री अंतकम जाकाम-कुक्रीम कता रखे क्रांजर सरानवि वाशर वर्ण शुष्ट्रन या, वालस <u>ना</u>सित वि<sup>न</sup>िकष्ट कलाशाद्वता शक्षत চেয়েও জঘন্য হবে এবং ইসলামের মেরুদণ্ডটিকে ভেঙ্গে ফেলব্রী আজ ইসলামের नाम रख्या वार्च। प्राञ्चनार्य क्या अकर्य कथा वात वात वर्नाष्ट्र या. माना फिया মোহামুদকে বিচার করতে গেলেই ভল করবেন. যেমন ভল করা হয় যাজক দিয়ে যিশুখ্রিস্টকে বিচার কুরে এবং অন্যান্যদের বেলাতেও ঐ একই কথা সমানভাবে वना रेंग्रेट्ट भारत। या क्रिनिमीएँ वा ऱ्या विसर्राएँ वाम रुख यारा खशवा वांटिन वर्ल् ঘোষণা করা হয় সেখানে অসম্পূর্ণকে সম্পূর্ণ করে দেবার কোরানের ঘোষণাটি अकम्स उन्हों नान्हों रहा थए। वैतिनक रिकल एउसा रस, यारा जात जिउसा याय ना छैंरात्कर वार्षिन वर्ना\_रयू भूठताः (यंशात क्रातात्नुत भवेत्नुस व्यायाक्त (घार्यपा कता रटप्ट (य), পूर्ववर्णी नविष्टित पाता, जात्रुन्पूर्व, धर्मीप सरानवी साराग्रप 'আঃ)-এর মাধ্যমে পুর্ণতা প্রাপ্ত হল, তাহলে পূর্ববর্তা নির্বাদের সংখ্যা কত? প্রত্যেক क्रांग्रित मस्य नवा भगिता रखिष्ट वर्ल कार्तान वात वात साम्या कर्ष्ट। गृहल <u> पुरे लक्ष छो्त्वम राक्षात नर्वात व्यागमनू रु३ राछारे , अकुछ ग्राख्यां क्र अर्थ अर्थ अर्थ</u> श्रुःश्युक् नर्वाप्तत्र प्रात्रा व्यानारत अकोएं साब धर्स हैं मनासत्क धार्प धार्प छथा তাইলে দুটো প্রশ্ন প্রখানে দাঁড়ায়। একটি হল মহানবার আণের নবাদের বাণাগুলো वारिन् रेशोन। यो्रेंछ व्यालंस, नात्सुत कुनाःशात्वता 'निউक्ररितार' मुर्कारित वर्ष করে নিয়েছে বাতিল এবং এই বাতিল শব্দটি ব্যবহার করে মহানর্বার আ্রাণের ञकन नवार्फत वांपाञ्चरलारक वाांचन उथा बांचन वर्रात्यां करत प्रत्यां स्वारंग करते प्राप्त स्वारंग कर्ति प्राप्त करत फिरुशा रशान वतः नुजन वःगधतफत छात्थ्रिमःकिप्जित श्रीन शिरुरा फवात প্রাকাপোন্ধ ব্যবস্থা করে গ্রেছে, য়াতে প্রকুত সত্যাট যে বিশ্বন্ধনীন উহা না ব্রবতে দিয়ে একটা দলগত সংকণি শ্বাধবাদকে বিশ্বজনানের সন্দর লেবেল মেরে বজিারে পেছনৈ পুড়ে আছে তাই নয়, বর্ঃনিজেরাই একে ঐপুরের বিরুদ্ধে যুদ্ধ করে যাবার ইত্রিহাস দিয়ে ইসলামের ইতিহাসটি পরিপূর্ণ। ইসলামের ইতিহাসের যে কোন একটি পাতা খুলে পড়ন, দেখতে পাবেন এক মুসলমান ভাইয়ের আর এক मुजनमान ভाইয়ের উপর যুদ্ধ ঘোষ্ণার করুণ কাহিনী। হুমায়ুন, ইব্লাহাম লোদা, শেরশাহ এরকম কত যুদ্ধের বর্ণনা হাতহাসের পাতায় পাতায় পাবেন।

আর একটি প্রশ্ন হল, এই দুই লক্ষ্, চিবিশ হাজার নবী-রসুলু পৃথিবীতে বাসু করা প্রত্যেকু জাতির মুধ্য ইতে পাঠানো হয়েছে, তাহলে কি প্রত্যেক্ জাতিতে পাঠানো নব্য-রসলেরা কি আলাদা ধর্ম প্রচার করে গেছেন? না কি এই প্রত্যেক জাতিতে পাঠানে নূর্বা-রসুলেরা একট্টি মাত্র ধূর্ম প্রচার করে গ্রেছেন? আর্রবি ভাষায় আলাহর সেই একটি মাত্র ধর্মটির নাম ইসলাম। কিন্তু পৃথিবীতে তো বুহু জाতি বাস করছে এবং বহু জাতির ভাষার প্রচলুন আছে। তাইলে ইসলামু শব্দাটর व्यथ वर जासाय वर नाम रूळ भादा। जारल रंगनाम मन्त्रीवित व्यना क्रांजित व्यना ভাষায় প্রতিশব্দটি যুদি গুনতে অন্য রকম হয় তাহলে কি উহা আলাহর মনোনুতি बेकसाब धर्स तल वित्विष्ठिण रति ना? यूपि जार रय जारल धर्मित ज्याक्रिण जालस नासत कुनाः भारतता रासन किष्टु ख्रान्ना, याक्रक, शाञ्चा, भूरताहिल, সেনেগণ, ভিষ্ণুৱাই কি আলাহর একমাত্র মনোনতি ইসলাম ধর্মটির উপর বিকৃতির व्याघाठ रहति हैनए ना? मुनिस्य भानस्य ध्रसंत नास्म क्र ऋघना ध्रतत्वत् युদ्ध रस्यए আর তাতে অসহায় নারী শিশু হতে শুরু করে বহু সরল-সহজ মানুষকে অকাতরে

মত্যবরণ করতে হয়েছে।

যৈহেতু অসম্পূর্ণটিকে পূর্ণতাদানের কথা কোরান ঘোষণ্ম করছে, সেই হেতু कान नेवी तत्रिलेत वार्गित्रेष्ठ वाणिन रूटाई भारत ना। वाणिन वर्त धर्त निर्छ গেলে কোরানের এই ঘোষণীর কাঁ অর্থ হতে পারে তা আমার জানা নেই। যেহেতু सरानवीत व्यागस्तित व्यारगत जनम नवीत वाश्रिसुर वाणिम रस्नि. जार्ड कात्रानि বার বার আমাদের সাবধান করে দিয়েছে এই বলৈ যে, খবরুদার নবাদের মধ্যে তোমরা ছোট বন্ড করতে যেও না। যদি অন্যান্য নবাদের বাতিল বলে কোরানে घारुपा कता रूठे ठारल अतकम उपरमिए वात वात काताल घारुपा स्वात প্রসূহ উঠতো না। কোরান বার বার ঘোষণা করছে য়ে, এমন কোন জাতি নেই য়ে-জাতির মধ্যে একজনু রসুল পাঠানো হয়নি এবং এটুকুই বলে শেষ করা হয়ান, वद्भः वना रुखए प्रस् क्रांठित निष्कत छाषाग्न त्रमुन भुभित्ता रुखए 🕻 व्यावात अधार्थ পরিষ্কার কুরে বলে দেওয়া হয়েছে যে, যাতে সেই জাতি তার নিজের ভাষায় व्यालोरत तिरुर्गन अवः वार्गात्रसुर् वुत्रुक्त भारत। ठारुल् श्रुप्त व्यास्त्र, अर् भारवाक्त करीं। ज्ञांच बाष्ट्र जा यज ज्ञांजेंर शक ना कन, किन्न श्रज्जक क्रांजित सात्व সেই জাতির ভাষায় রসুল্ তথা অবতার পাঠানো হয়েছে আল্লাহর উপদেশ সমুহ প্রচার প্রবং গ্রহণের জন্য। (সুরা ইব্রাহাম ছয় নম্বর আয়াতটি পউন।)

নিবাদের মাঝে তোমরা পার্থক্যু করতে যেগু না' কোরানের এই শাশ্বত বাণ্ণী विश्वसानवञारक एसकिर्स एस्स, विस्सारिङ करत्। व्याध्याञ्चिक ङाद्वात श्रद्ध नुवी-রসুলদের মাঝে অরুশাই ছোটু বড় খাকুবে এবং এটা একাষ্ট্র স্বাভাবিক কুখা, কিষ্তু व्यक्षिता गाळ त्रवार बिद्धा बिद्धा शेरवीक गान्निक वत्रवात्र कत्रक शांति ठातुरी <u>क्रना भार्यका ना कृतात उभएम्भाँगे स्वायभा कता रख्यः । मृजताः भव स्मस्य अकीँग्र</u> क्यार तनक्क ठार या, यारा नााउन जारा किला फिरुशा रश अने यारा जिल्ला তাহাকেই পূর্ণতায় আনার উপুদেশটি আসে। কার্ণ অস্মূর্ণকে সম্পূর্ণ করা যায়. কিন্তু ব্রাতিলকে ফেলে দিতে হয়। তাই সাইনবোর্ড ক্রাধে ঝুলতে থাকলে विর**পৈক্ষ দির্শন আশা করা যায় না। বর**ং আশা করা যায় দুর্লীয় দর্শন যাতে কেবল দলের কাছেই বাহবা পাগুয়া যায়। সূতরাং আলোর মত পরিষ্কার হয়ে ধরা পুডছে य्य संशानवीत व्यागभदात व्याएंग या त्रकेल नवी तत्रताता अत्त्रष्ट्रेन जाप्तत वार्गीष्ट्रेला वाणिन रशिन वर्तः (मधुला हिन व्यमन्पूर्व, व्यपूर्व यारा लिंगाताले ते त्यसे वापीणिक भारत्यात वृता यारा। याष्ट्र 'निडकृरितार'-क वाक्तिन वर्तन संदर्ध निक्क राष्ट्र स्व কোরীনের শৈষ আয়াতুটির অর্থের সাথে কোন মিলই প্রাকছে না। তাহলে দুইটি

আয়াতের অর্থ হয় উল্টাপাল্টা তথা দুই রক্ষ এবং সম্পূর্ণ আত্মবিরোধী।
এবার আমরা অন্য আর একটি বিষয় নিয়ে সামান্য গবেষণা করতে চাই। সেই विষয়টি रुन আম্লাদের মহানবী মৌহাম্বদ (৮ঃ)-এর আগমনের ভবিষ্যুৎ-वोधींत्रमूर। मरावरीति श्रेकाभिछे जाशमत्वेति पूर्ति जत्वके वरी-तत्र्र्वे मुनि-श्रीर्यता राकात राकात वष्टतु जाशर वर्ता शर्षाता मुरावरीत जाशमेवीत मराव वाठी দাসাতি নামক প্রবিত্র গ্রন্থেপ্ত মহানবী মোহাশ্বদের (দঃ) আগমনের বাণাগুলো পাঞ্জয়া যায়। পবিত্র অথব বৈদে ঘোষণা করা হয়েছে 'আলুহেরসুল মোহাশ্বদরকং'। এই পবিত্র বাক্যটির অর্থ হল, 'আল্লাহর রস্তু (হযরতী) মৌহোমদ আসবেন। व्यासता भेड़ा छोले करतर्हे कानि रा छेतियाँ९-तिशिष्मेर्ट तैलेट भेटें तुंचारा रा, सिंह त्रकले तार्शिष्टला सुटानतीत कार्टती कत्यात कराक टाकात वष्टत व्यारगत। व्यासता वाम्राप्तत नाठि-পতिएत विद्य काशाय रूत ठार वन्छ भात ना. व्यथ अर বাণিট্রিলো হাজার হাজার বছর আগের কথা অথচ হবহ মহানবারে আগমুনের কথা त्रलिष्टिलन। याता अत्रक्ष भाष्यत्वत्र कथा वल्फ भाष्त्रन छाता निम्छग्रर्थे खवछात्र ष्टिलन। खरठात ना रत्न क्यन कृत्व भ्रवक्ष क्या वन्त्र भात्वन? ठाता क्यन क्रदा कानळ भात्रत्मन या, संरातृतीत व्यागञ्जन रुति? व्यात् यार्रे रहाक, अकष्ट्रस নির্ন্ত্রিপ্রেক্স হয়ে বলতে গেলে বলতেই হয় যে, তারা অবতার ছিলেন বলেই মহানব্যুর कशां ि वन्छ (পরেছেন। সাধারণ মান্ষের কথা বাদ্ই দিলাম। এমন কি विषान विषान वर्षाकेश कि अंत्रक्ष धार्माम साम्या किए (शस्त्र एवत् एवर्स एवर्स कार्माम साम्या किए । পারেননি। তাইলে? যারা এরকমু আগাম ঘোষণা দিতে পারেন তারা অবতার। ञ्चवंजात, ना रत्न संशनवीत नार्षाण अर्यन्न द्वामन करत वत्न शत्नन? रेंश ज्ववगारे চিন্তার বিষয়। ভাবিয়ে ভৌলে। এতেই প্রমাণিত হয় যৌ, বহু রস্লের আগমন হয়েছে বহু জাতির মাঝে এবং সেই সব জাতির প্রতিটি নিজের ভাষায়। কারণ প্রতিটি জাতির মধ্যে রসুলু পাঠানো হয়েছে সেই জ্লাত্রির নিজম্ব ভাষায়, কোরানের এই <u>মহান ব্রাণ্ড কট্ট না সুক্র এবং সার্বজনীন। অথচ আমর্রা স্কল ধর্মের</u> অনুসারীরাই মেন্তে নিতে পারীছ না। একে ত্রাপরকে কেমন করে উপুহাসের পাত্র वानाता यारा সেই भविषयारा सिट्ट शांक। निष्कृतक वर्ष्ट्र सत्न कद्व निष्कृत फलत

কাছে বাহবা কুড়াই। মহানবীর আগমনের পূর্বে যে সকল নবী প্রবং রসুলুদের वार्षी अवर उन्निर्फ्रमञ्जला वाछिल रुखा शिष्ट वटल अक स्मुनांत खाँतांव-क्राना পঞ্জিতেরা প্রচার করে গেছেন এবং এখনো প্রচার করছেন তারা যে কুতু বড साताञ्चक कातान-विद्धार्थी कथा वन्छ **এव**्रकातात्नत विश्वस्त्रतीन ভावसीठीँ टिक लाःता गानत **मर्स्या भरत ताथए। अर्च जातीत छामा मान** पश्चिक्तता देगातालैत भैक्छेंद्रनात तिक्छें भनेगेंछों वाँदाशाँछ भाक्ति जर्र जातिशांत केंद्र। भाषात्र भान्य एता विकास केंद्र केंद्र मिल्य केंद्र केंद् क्री यथून अंत्रक्ष वना रखिष्ट ठार स्नात निष्ठ वाध्य कर्त्व। अ खा क्ठ वर्ড ধোকাবাজি! এ ধোকাবাজি চোর-ভাকাত আর পকেটমারের ধোঁকাবাজির চেয়েওঁ ভ্রম্ভ গুরা ভম্ভ বলে চেংকার, করে এবং ইসলামের আগে একটি বিশেষণ লাগিয়ে দিয়ে বলে যে, বৈজ্ঞানিক দৃষ্টিভঙ্গির, ইসলামু ধর্ম প্রচার করা হচ্ছে। আথ্রে শুন্তাম য়ে. সমাজতন্ত্রকৈ হত্যা করার জন্য কিছ বার্টপার নেতা বৈজ্ঞানিক শব্দটি লাগিয়ে দিয়ৈ সাধারণ মানষকে যাদর খেলা দেখাতো। অবশ্য সাধারণ মানষ পরে বঝতে প্রারতো যে. এই বার্টপার মৈতারা বৈজ্ঞানিক সমাজতন্ত্রের নামে বন্ড বড় ঘৌডার চ্ছেম ডপহার চ্রিয়েছেন। পূব ইউরোপ্নের সাধারণ, মানুষৈরা এতাদিন পর ঘোডার ডিমের কেরামতি বঝতে পেরে মইডা পিছা ছিয়ে বিদায় করে দিয়েছে। আশা করি किष्टोष्टलतं सर्पार्टे अत्रकस चातीव-काना भिद्यञ्चलत् अस्तन् रेवङ्गोनक (?) स्राका ইসদামের সরত দেখে দেখে যখন ঘোডার ডিমুখানা দেখিতে পাইবে সৈইদিন <u>তাহাদের হলে হাককত কেমন হইবে-আগ্রামার ইতিহাসই বলে দেবে। কোরানের</u> नास खानाङ्ग ३ तमुलत नास ४७ उन्हाभान्ही कथा निशा रखिष्ट खे. बेशन व्यात्रनिर्धि सत्न शैंदा नकून ८ कारान उक्षत्रित क्रुवार् त्रसर्व धारावाशिक जाद তুলে ধরবো বলে আশা কার, কিন্তু এই রুইতে দুই একটি কোরানের আয়াতের वैराश्या छूटन धतनाम अञ्चल र्या, कर्छ भारतामिन, उन्हाशान्या क्या तिना हरस्र अवरे जारता पुः श्वतं विषय हन, अहै भिश्रा कथाछुटनात वह फिर्स त्रमञ्ज वाञ्चीत एहरस शिष्टि। प्रेयताः अकलन सान्य रिष्टा शाकत्वत्र रंपनात्मत्र प्रया-पुन्नत् त्रभाए किसन ক্রবে জীমবে? তাছাড়া অনবাদ করতে দিলে অনবাদক হবহু অনবাদ না করে निफ़्त मनुगंजा क्यांधुला ट्राय्ट्र मंशापक़रत्व नासि ठावित्य फ्या। यमाम शान्नानि সাহেবের বিখ্যাত একটি বিৱাট গ্রন্তের অনবাদ করতে গিয়ে জনৈক আরবি-জান্য পঞ্জিত की কেলেংকারটিটে না করলেন। এখন আপানই বলুন, সাধারণ মানুষ ক্লা করে বুঝতে পারবে যে, অনুবাদের মধ্যেও করা হয়েছে জঘন্য বাটীপারি। बैबुकैसछैरित ब्रांश्रेमाना अनिनान छैरिन किसी, केविद्रुशिद्धिन बांबादित किसार বহণ্ডলোর বাটপারি অনুবাদ যে করা হয়েছে তা কি সাধারণ পাঠক ধরতে **भात्रत्व**? ना, भात्रत्व ना।

## কোরানের সার্বঙ্গনীন আহ্বান

এবার আমরা কোরানের চল্লিশ নম্বর সূরা মোমিনের ষাট নম্বর আয়াতের একটি অংশের বিশদ ব্যাখ্যা ৪ হবহ অনুবাদটি তুলে ধরতে চাই। এই আয়াতটি এতই স্পষ্ট ভাষায় সোজাসুজি বলা হয়েছে যে রীতিমত অবাক হতে হয়। আয়াতটির প্রথম অংশটি হল, 'গুয়া কালা রাব্বুকুম উদ্উনি আসতাজেব লাকুম।' এই অংশটি च्वच वाश्नाय व्यववाम कर्त्राष्ट्र, अया= अवश्, काना=विनन, तात्त्रुकुष्व= त्रव, श्रिणानक (আল্লাহ অথবা অন্য কোন শব্দ ব্যবহার করা হয়নি, যদিগু আরো অনেক শব্দ ব্যবহার করার মত ছিল), কুম= তোমাদের (বহুবচন), উদ্উনি শব্দটির মূল শব্দটি হল দাউন এবং দাউনের অর্থ হল ডাকা (ডাকল)। তা হলে উদউনি যদিও একটি শব্দ, কিন্তু মিশ্র। তাই এই মিশ্র শব্দটির হবহ অর্থ হল, আমাকে ডাক। আসতাজেব শব্দটির মূলটি হল আল এজাবা এবং এই আল এজাবার হবহ অর্থ হল, ডাকে সাড়া দেগুয়া, উত্তর দেগুয়া। তাহলে আসতাজেব শব্দটিগু একটি মিশু শব্দ যার হবহ অর্থ হল, আমি সাড়া দিব। লাকুম শব্দটিও একটি মিশু শব্দ যার च्वच व्यर्थ रन, ळाभाप्तत क्रना। जारल भूत्वा वाकाणित्व च्वच भाकात्ना रन, 'बवः তোমাদের রব বলেন, আমাকে ডাকো আমি সাড়া দেব, তোমাদের জন্য।' এখন वाःना ভाষায় আমরা যেভাবে বলি সেইভাবে সাজানো হল, 'এবং তোমাদের রব वलन, वाक्षात्क ভाকा, क्षाक्षाप्तत क्रना वाक्षि ভाকে সাড়া দেব।'

কোরানের এই বাক্যটির মধ্যে প্রথমেই একটি বিষয় পরিষ্কার বুঝা যায়। সেই বিষয়টি হল, রবরূপী আল্লাহ যে ডাকতে বলেছেন সেই ডাকটি কি বিশেষ কোন

শ্রেণী বা দলের নাম বলা হয়েছে? না, একদম হয়নি। রবরূপী আল্লাহর এই **छाक फ्रिवात खाखान कान खामानू, मूजनमात्नत नाम छैलूच कता र**शनि। स्मामिन তথা কোন সিদ্ধ পুরুষ তথা কামেল বুরুর্গের ডাকার তো কোন প্রশ্নই উঠতে পারে ना। कात्रप सामिन उथनर वना रय यथन उपरित्यंत भीमा भात रखा याय। जारल কাদেরকে ডাকার জন্য রব আহ্বান করছেন? পৃথিবীর সব মানুষ এবং জিনদেরকে সমানভাবে ডাকতে বলেছেন। এখানে জিনদের কথা ইচ্ছা করেই বাদ দিলাম। তাহলে রইল কেবল পৃথিবীতে বাস করা যত মানুষ সবার জন্য। নারী এবং পুরুষ সবার জন্য। এই ডাকের মধ্যে কোন শর্ত নেই, কোন দল নেই, নেই কোন নির্দিষ্ট **फ़िट्म**त सानुरात कथा। भवारेटक छाकळ वल्रष्टन প्रिटिभालक। य ये খाता भरे **र्हाक ना क्वन, त्र त्रामा, काला, विंद्धे, नश्चा छा या धत्रत्नत्रहें रहाक ना क्वन,** भवार्टेक वना रखिष्ट या, 'व्याभाक जाका।' जारल अर्हे जाका भवात क्रवा वल প্রমাণিত হল। আবার সেই সঙ্গে এটাও প্রমাণিত হল যে, যারা আল্লাহকে পায়নি क्वित जाप्तर करें जाकक वना रखिए। कार्त्य ना श्वित जाकर अञ्च जास्य। অভাবে শিশুগু চিৎকার দেয়। বিরহে মিলনের ঢেউ জাগে। সুতরাং ডাকার প্রশ্ন তখনই উঠে যখন দূরে থাকে। কাছে থাকলে কেউ ডাকে না। বন্ধু দূরে থাকলেই ডাক দেগুয়া হয় এবং কাছে পেলেই ডাকা থেমে যায় প্রকৃতির নিয়মে। যেমন অন্য ञ्चाल व्यान्नार तनष्टन, ডाকো, যে পर्यन्न ঈम्नालत পূर्ণতा ना व्याप्त। व्यर्शाः পূर्ণতात পর আর ডাক নেই। ডাক আপন নিয়মেই যাবে থেমে। তারপরও যদি ডাকে, অর্থাৎ ঈমানের পূর্ণতা অর্জনের পরেও ডাকে সেই ডাক অপরকে শিক্ষা দেবার জন্য ভাকা। निष्क्रत क्रना नय। कातप भिष्ठक भिक्रा फ्रवात त्रभय भिक्रकक वात वात শিশুর পাঠটি পড়তে হয় এবং এই বার বার পড়াটা নিজের জন্য নয় বরং শিশুকে শিক্ষা দেবার জন্য। যোমন মহানবী সাহাবাদের শিক্ষা দেবার জন্য ইবাদত করতেন এবং এই ইবাদত কখনোই মহানবীর নিজের জন্য নয় বরং সাহাবাদের শিক্ষার জন্য। কারণ মহানবী ইবাদতের উধের্ব, যদিও তাঁকে ইবাদত করতে হয়েছে। শিক্ষককে যেমন শিশুর বইটি পড়তে দেখা যাচ্ছে। কিন্তু এই পড়া শিশুর জন্য, কারণ শিক্ষক এরকম পড়ার বহ উধের। কোরানে বলা হয়েছে, 'গুয়াবুদু রাব্বাকা হান্তা ইয়াতিলকাল ইয়াকিন' অর্থাৎ 'ইবাদত কর সেই পর্যন্ত যে পর্যন্ত না তোমার রবের একিন অর্জিত হয়।' তাছাড়া এরফান ছাড়া আরেফদের জন্য আর কোন এবাদত নেই। আরেফের (সিদ্ধ পুরুষ) যে কোন কাজ-কর্ম দেখতে এবাদত भल रुलं व्यात्रल छैं रा रुल छोरिए। व्यात छोरिए वर्जन कतात भत्न धवाएँ कता কুফুরী। (নাউজুবিল্লাহ মিনহা)। আর এজন্যই গাউসুল আজম বলেন, 'মান আরাদাল ইবাদাতা বাদাল বিসালি ফাহুয়া কাফিক্লন।' অর্থাৎ আবেদদের এবাদতের লক্ষ্য হল অজানা খোদা। এজন্য আবেদদের নাম জাহেল বা মূর্খ। (সিররে হক জামে নূর, প্রথম খণ্ডের সাতাশ পৃঠায় দুউব্য)।

 हत्त, मतीत प्राप्त प्राप्त पर्छ छाकळ हत्त, गिति प्राप्त छाकळ हत्त, मूर्ड-पर्रा छे पत छाकळ हत्त, स्वर क्रूता पत साथार प्राप्त साथार प्राप्त छाकळ हत्त, स्वर छाकळ हत्त, मतीत हा हि स्वर्थ छाकळ हत्त, अवर व्याता हें छापि तकस छाकात त्वान श्रम हें, त्वान मर्छ त्वातान एर्सि। तक्वमात त्याका वना हत्यह, 'व्यासात्क छात्वा।' 'व्यासात्क छात्वा।' 'व्यासात्क छात्वा।' न्वत सात्य त्वान श्रकात थाना प्राप्त पानाहत नास-ग्रम पूर्व विश्व त्वातान की वनह । त्वात्व त्वातान की वनह । त्वातान वनह , 'व्यास प्राप्त कातान की वनह । त्वातान वनह , 'व्यास प्राप्त कातान की वनह । त्वातान वनह , 'व्यास प्राप्त कातान की वनह । त्वातान वनह , 'व्यास प्राप्त कातान की वनह । विष्त स्वर्थ छात्वा कातान हित्र स्वर्थ हित्र सात्य विष्त्र स्वर्थ हित्र सात्य विष्त स्वर्थ हित्र सात्य सात्य हित्र सात्य हित्र सात्य हित्र सात्य सात्य हित्र सात्य सात्य हित्र सात्य सात्य हित्र सात्य सात्

 নিয়ে তফসির করে গেছি। ভাবখানা যেন, আল্লাহর কোরানের ব্যাখ্যা, আরবি ভাষা, ব্যাকরণ সবই তো জানি। কিন্তু একবারও ভেবে দেখলাম না যে, ভাষা আর ব্যাকরণে বিশারদ হলেই কবি-সাহিত্যিক হওয়া যায় না। জগদীশ বাবু আর ঈশ্বরচন্দ্র হপ্তয়া যায় ভাষা আর ব্যাকরণ শিখে, কিছু কবি রবিঠাকুর আর নজরুল र्रेमनाम रुभ्या याग्र ना। कित तानात्ना याग्र ना ततः रुद्य याग्र अवः अप्रार्रे कित्र তকদির। প্রেম্ন করা যায় না, বরং হয়ে যায়। বৃষ্টি বানানো যায় না, বরং হয়ে যায়। আর যদি বৃষ্টি বানানোই যেত তাহলে মক্নভূমির দেশ থাকতো না। কৃত্রিম वृध्धि কৃত্রিম প্রেমের মত। টেকে না। বিনিময়ের প্রশ্ন ও শর্ত যেখানে থাকে সেখানে প্রেম-ভালবাসটাপ্ত শর্কের গণ্ডিতে বাধা। যে কোন সময় ভেঙে যেতে পারে। নিঃশর্তই প্রেমের ধর্ম। প্রেম কোন শর্তন্ত যেমন মানে না তেমনি ভয়ন্ত করে না। কারণ ভয় দরজা দিয়ে ঢুকলে প্রেম্ব জানালা দিয়ে পালিয়ে যায়। তাই প্রেম এবং ভয় দুটো সম্পূর্ণ আত্মবিরোধী। যদিও প্রথমত তা মনে হয় না, কিছু চূড়ান্ত পর্বে এই আত্মবিরোধের আসল রূপখানা ধরা পড়বেই। তাই প্রেমের মাঝে অবশ্যই থাকতে হবে এতেআদ অর্থাৎ সম্পূর্ণরূপে উৎসর্গ করার মনোভাব। যেখানে এতেআদ থাকবে না সেখানেই দেখা দেবে দ্বিধা-দুকু, সংশয় আর হাজারটা উল্টাপাল্টা প্রশ্ন। তাই হজরত জিগার মুরাদাবাদী বলেন, 'সেজদা ভি কারে শেকোয়া ভি কারে বাব্দে কা ইয়ে দাসতুর নাহি হ্যায়।' অর্থাৎ এটা প্রেমের ধর্ম নয় যে, অভিযোগগু করব আবার ভালোগু বাসব। ভগবান শ্রীকৃষ্ণ তাই অর্জুনকে উপদেশ দিচ্ছেন, প্রেমিকেরা কাজ করে যায়, কর্মফল কী হবে তা দেখে না।

ভগবান গৌতম বুদ্ধদেব বলেন, মোহই দুঃখ এবং মুক্তিই প্রেম।

যিশুখ্রিস্ট বলেন, প্রেমেই পিতাকে পাগুয়া যায়।

**এখন আমরা কোরানের কথা, 'আমাকে ডাকো, আমি ডাকের জবাব দেব'-**এর উপর একটু গবেষণা চালাই। গবেষণা করতে গেলে প্রথমেই দেখতে পাই যে, আল্লাহ আমার ডাকের উত্তর দেবেন। তাহলে বুঝা গেল যে, তিনি ডাক দিলে চুপ करत शास्त्रन ना, छाक फिल्म अतात भत ऋवाव भारत वर्लननि, छाक फिल्म কেয়ামতের দিন জবাব দেবার কথাগু বলেননি বরং সোজাসুজি বলেছেন যে, আমি **डाक फिल्म्ड क्रवाव फिव। अर्ड क्यां**टिक रेंश्ड क्षमापिक रम ख, अर्ड पृथिवीक জীবিত অবস্থায় (মারা গেলে কি ডাকা যায়?) ডাক দিলেই তিনি (রব) জবাব **एन। वाकित क्या वना रहि। कान अकिन ऋवाव पाद्य, अतक्ष क्या** वना रश्चि। जारल क्षत्र व्याप्त व्यासता कि व्यान्नारक छाकि ना? यि विन या, व्यासता অবশ্যই আল্লাহকে ডাকি। তাহলে, ডাকের জবাব পাই না কেন? কারণ আল্লাহ পাক তো মিখ্যা কথা বলতেই পারেন না। তা হলে কি আমাদের ডাকার মধ্যে কোন দোষ ফ্রটি আছে? দোষ-ফ্রটি থাকলে তো কোরানে শর্ত লাগিয়ে দিত, কিছু এরকম কোন প্রকার শর্তই আমাদের ডাকার মধ্যে লাগানো হয়নি বরং সোজাসুজি वलष्टिन, वासात्क ভात्का व्याप्ति ভात्कत ऋवाव फ्रव। व्याप्तता या এত ভाकाভाकि করি বা করছি কিন্তু জবাবের তো কোন নমুনাই পাই না। তার কারণ কী? আসল বিষয়টা তবে কী হবে? এর মধ্যে এমন কী রহস্য লুকিয়ে আছে যে সেই রহস্যটা ধরতে পারছি না? গোঁজামিলের উত্তর তো বহু রকমে দেগুয়া যায়, কিছু আসল विষয়টা তাহলে की रुत्त? अर्हे छाक्तित ऋवाव ना भावात व्यामन भनम्हा ठारल कारायः ज्ञानात ये जानक राज्य राज्य जानात ये निवास कार्य कार्

করে? তাই অন্তর দিয়ে, দিল খোলাসা করে কি ডাক দিতে হবে? ধরে নিলাম, ডাকার মত করে ডাক না দিলে আল্লাহ জবাব দেবেন না। কিছু প্রশ্ন আসে, এরকম वाकािं का अधात वना रम्नि। यिष अत्रक्ष वाकािं वना रू जारल बात्वि ভাষায় কোরানে এইভাবে থাকতো, কিছু এভাবে তো কোরান বলেনি অথবা এরকম বাক্যটি তো এখানে পাগুয়া যায় না। সেই বাক্যটি কী রকম হত আরবি ভাষায়? অন্তর দিয়ে ডাকার তথা ডাকার মত ডাক দেবার কথাটি যদি কোরানের এই বাক্যে থাকতো তাহলে আরবি ভাষাটি হত, 'উদ্উনি বেখালেসে কালবেকুম'। किन्नु अत्रक्ष वाकाि ना वल अकम्स সোজामूकि वलए, 'उँमर्डेनि खामठाट्यव नाकूम'। অर्था९ 'আমাকে ডাকো আমি ডাকে সাড়া দেব'। এখানে অন্তর দিয়ে অথবা হৃদয় দিয়ে ডাকার আরবি ভাষাটি হল, 'বেখালেসে কালবেকুম'। কিছু এরকম শব্দ তো এখানে ব্যবহার করা হয়নি। এরকম শব্দ তো কোরানের এই আয়াতে পাগুয়া যায় না। তাহলে এরকম কথা যা কোরান বলেনি অথচ এরকমই অর্থ করে মানুষকে চিকন ধোঁকা দেপ্তয়া হচ্ছে এবং এই রকম হাজারো চিকন ধোঁকাণ্ডলো সরল মনের

 निर्मूना असनरें एसएकात, असनरें व्याकर्षणीय या, ना ऋानि अत एछण्त कल व्यस्त ताथा राया । किंद्र छाएग्रत की निर्मूत পितराम! পार्छक व्यात व्यस्टित नास भक्ष्ट्रेक्ष थूँ एक भाग्न ना, या भाग्न ला रुन विस्त, छय़क्षत विस्त, मानूय सानूय एक् एफ एफ किंद्र कल छिकारें एन तानावात को मन नासक विष्त छत्तभूत। यात करूप भितपिटिट भ्षितीत छन्हिमिट (१) सूमित एम छानिविष्ठालित अद्म कल एष्ट्र अपित व्याप्ति। यात करूप भितपिटिट व्यासता व्यभ्यतत सलासक सर्वाम एए याष्टि। यात करूप भितपिटिट व्यासता व्यभ्यतत सलासक सर्वाम एए या एयत कथा, वतः रिश्मात व्याधल कृत्न छि। भण्य , व्यत्यत्र प्रस्तंत छेभत कान श्रकात क्यात क्रवतमित्र लारें, ट्रासात धर्म द्यासात काष्ट व्यात व्यासात सर्व व्यासात काष्ट व्यात व्यासात व्यासात काष्ट व्यात व्यासात व्यासात काष्ट व्यात व्यासात व्यासात काष्ट व्यात व्यासात काष्ट व्यासात काष्ट व्यासात व्

व्यात्रम कथाय व्यात्रा याक। क्वाता 'विशालित कामविकूस' वलिन य व्यासता क्षत व्याश्या कवा वनका, छाकात सठ छाक्क रवा। वतः क्वातान वनष्ट, व्यासाक छाका, व्याप्त छाक्कत छवाव क्वा क्षय क्वातान क्षेत्र व्यायाक व्याप्त क्षेत्र क्वाता क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या है व्याश्या विश्व क्ष्या व्याश्या क्ष्या व्याश्या है य क्ष्य व्याश्या निवास या, व्यासात क्ष्या व्याश्या है य क्ष्य व्याश्या निवास व्याश्या व्याप्त व्

আমি এজন্যই একা নই যেন্তে আমার সঙ্গে আর একজনকে চুকিয়ে দেওয়া হয়েছে। যাকে আমার সঙ্গে চুকিয়ে দেওয়া হয়েছে তাকে চোখে দেখা যায় না। তাই আমাকে দেখতে একা মনে হয়। আসলে আমি একা নই। দুইজন মিলে আমি। একজন অদৃশ্য। বাতাসের মত। দেখা যায় না কিছু বুঝা যায়। ঠিক সেরকম একজনকে দেখা না গেলেও সে যে আমার সঙ্গে বহাল তবিয়তে বিরাজ করছে তাতে বিন্দুমাত্র সন্দেহ নেই। আবার আমি যে কেবলই একা নই একথা আমার কথাও নয় এবং কোন মহাপণ্ডিতের বচনও নয়। আমি যে দুইজন তথা আমার মধ্যে যে আর একজন চুপি চুপি আরামসে বাস করছে সেই কথাটি শ্বয়ং সর্বজ্ঞানী আল্লাহ পাক কোরানেই বারবার ঘোষণা করেছেন। হাঁ, এই কথা কোরানের কথা, একটু চিন্তা করলেই ধরা যায়। যেমন কোরান বলছে, 'মিন শাররিল ওয়াসওয়াসিল খান্নাস' অর্থাং 'খান্নাসের ওয়াসওয়াসা (ধোঁকাবাজি) হতে আশুয় চাওয়া'। খান্নাস কী এবং কেং খান্নাস কোখায় বাস করেং শয়তান মানবদেহের পরতে পরতে যখন

वाम करत, त्मरें मराणालत क्रमिंटिक वना रहा शान्नाम। असन मृक्ष्मणात अरें शान्नाम व्यासात मत्म वाम कराष्ट्र रा, सल रत, व्याप्त क्रा अकारें व्याष्ट्र। व्याप्त व्याप्त व्याप्त अंकार अकार वाम कराष्ट्र। व्याप्त अशान अंकार अकार वाम कराष्ट्र। व्याप्त अशान अति सात्य पूरेंकन वाम कराष्ट्र। वारें का का का अतकस शान्नाम नासक मराणालत सांकावािक रक्ष व्याप्त वारें वारे

একা নই বরং দুইজন। এখন আমার মধ্যে একজন খান্নাস বাস করছে, তাই की कदा अका छाक फ्टि। अका छाकाछि किसन कदा मन्नव यिष व्यासात्र मटन খান্নাস থাকে। যদি আমার সঙ্গে বাস করা এই খান্নাসটিকে ঝেঁটিয়ে বিদায় করে দিতে পারি তবে তো একা হব। আর যেদিন সত্যিই একা হতে পারবো সেদিন আর ডাক দিতেও হয় না এবং জবাব নিজের ভেতরই পাওয়া যায়। কেবল জবাবই কি পাপ্তয়া যায়? না কি আরো কিছুর পরিচয় পাপ্তয়া যায়? মুরগীর ডিমের মধ্যেই বাচ্চাটি লুকিয়ে আছে। যারা ডিমের মধ্যে বাচ্চা থাকে না বলে বিশ্বাস করে তারা ভয়ঙ্কর, তাদের থেকে সাবধান। কারণ তারা ডিম্ন আলাদা এবং বাচ্চা আলাদা করে ফেলে এবং এই আলাদা করাটাই হল শেরেক। তারা জানে না যে, ডিমের মধ্যেই বাচ্চাটি লুকিয়ে আছে এবং ডিমের একটি বিশেষ পরিবেশ গু পরিস্থিতির সময় হলেই ডিমটি ফেটে যায় এবং ফেটে যাগুয়া ডিম হতে বেরিয়ে পড়ে একটি বাচ্চা। সুতরাং ডিম এবং বাচ্চার সহ-অবস্থান। এই সহ–অবস্থানটিকে যারা অশ্বীকার করে বাচ্চাটি আকাশ হতে নেমে আসবে বলে বিশ্বাস করে তাদের কথা এবং আকিদা যত সুন্দর ও ভদুই হোক না কেন আসলে তারা মোটেও তৌহিদবাদী নয়। যদিগু তারাই বড়ু গলায় নিজেদেরকে তৌহিদবাদী বলে ঘোষণা করে এবং পরক্ষণে যারা ডিমের মধ্যেই বাচ্চাটি আছে বলে বিশ্বাস করছে তাদের উপর শেরেক বেদাতের মিখ্যা বোঝা চাপিয়ে দিয়ে বড় একটা কাজ করলাম বলে ভাবছে। এরকম চরিত্রের তৌহিদবাদীদের থেকে বড় বড় অলী-দরবেশ মুনি-খাষিরা বার বার সাবধান থাকতে উপদেশ দিয়েছেন। কোরান এরকম তৌহিদবাদীদের নামাজ-রোজাকে লোক দেখানো নামাজ-রোজা বলে বার বার সাবধান করে দিয়েছে (এর বিস্তারিত ব্যাখ্যা আমার লিখিত কোরান তফসিরে পাবেন।)

আবার বলছি, কোরান আমাকে একা ডাকতে বলছে। দুইজন হলে চলবে না। কারণ আমাকে হতে হবে একা। সবাই ভাবছি যে, আমি তো একা। চিন্তার ভুল। ভুলটি এতই চিকন যে আমাদের চোখে ধরা পড়তে চায় না। বারবার প্রশ্ন জাগে, আমি তো একাই। দুইজন হলাম কী করে? আমার সঙ্গে চুপ করে লুকিয়ে আছে আরেকজন। তার নাম কী? তার নাম খান্নাস। এই খান্নাস আমার সঙ্গে চুপ করে नुकिया थाकात एक्रनरे कातानक वातवात उपरम्य फिट्ट रखिए। भावधान कदा দিয়েছে। সেই উপদেশ আর সাবধান বার্ণীটি হল, খান্নাসের ধোঁকাবাজি হতে আশুয় চাগু। বিস্মিল্লাহ পড়ার আগেগু শয়তানের ধোঁকাবাঙ্গি হতে আশুয় চাইতে বলা হয়েছে। সেই শয়তানটি কেমন? রাজিম তথা পাথরের আঘাত খাগুয়া শয়তান। সেই পাথর আবার কী? সংসার জীবনে চলার পথে বারবার ভুল করার পাথর। অদৃশ্য পাথর, কিছু আঘাত বড়ই নির্মম। সংসার জীবনে অনেক হোঁচট খেতে হয়। হোঁচট খেতে খেতে মনটি ক্ষতবিক্ষত হতে থাকে। এত আঘাত আসছে অথচ বুঝতে পারছি না। তাই প্রথমেই উপদেশ–পাথরের আঘাত খাগুয়া শয়তানের ধোঁকাবাজি হতে আশুয় চাও। আবার প্রশ্ন আসতে পারে যে, আশুয় চাইলেই কি শয়তান হতে মুক্ত হগুয়া যায়? এই প্রশ্নের উন্তর পরে দেগুয়া হবে। তবে এর উত্তরটা অনেকেই ধরতে পারেন। এই পাথরের আঘাত খাগুয়া শয়তান, এই কুমন্ত্রণা দেওয়া খান্নাস কোথায় বাস করে? সে কি আলাদা বাস করে? না। এই খান্নাস আমারই সঙ্গে বাস করছে। আমার মধ্যে এমনভাবে মিলে মিশে আছে या व्याप्ति अरे शात्वामत्त व्यानामा कदा छावळरे भात्रष्टि ना। प्रत्नरे रग्न ना य वाभात मत्म वात अकन्रनत्क पूक्तिया प्रभुशा रखाष्ट्र। भत्नरे रश ना या, वामल আমি একা নই, আমি এবং খান্নাস একত্রে আছি। একের ভেতর দুই। অনেকটা উপমার ছলে বলছি, টু ইন গুয়ান, টেপরেকর্ডারের সঙ্গে রেডিগুকে ঢুকিয়ে দেগুয়া। मत रश क्वनर क्षेत्र। तिछित क्या मत रश ना। क्रमनि मत रश, वामि का একাই। সত্যিই যদি আমি একা হতাম তাহলে আমার ডাকের জবাব আল্লাহ দেবেন। আল্লাহর কথা, আল্লাহর ঘোষণা, আল্লাহর প্রতিশ্রুতিকে মিখ্যা বলে বিশ্বাস করলে আল্লাহকেই অশ্বীকার করা হয়। সুতরাং আল্লাহকে ডাকো, ডাকের জবাব পাবে। কিন্তু ডাকতে হবে একা। দুইজন হলে চলবে না। তুমি ডাকো। কিন্তু তোমার সঙ্গে যে খান্নাস আছে তাকে সাথে নিয়ে ডাকলে জবাব পাবে না। কারণ খান্নাস থাকলে তুমি একা নগু। দুইজন হয়ে আছ। তাই হগু একা। তাড়াগু খান্নাসকে ঝাঁটা শ্লেরে তাড়িয়ে দাও তোমার মধ্যে চুপটি করে যে খান্নাসটি বসে আছে। তারপর ডাকো। জবাব সঙ্গে সঙ্গে পেয়ে যাবে। এই জবাব দেবার জন্য

कामात तर कामाक रात रात रात राहरूम।
कातालत अकृष्टि राका मय, कातालत अकृष्टि मुताइ मय रात विभ भाता उथा
मयस कातान्त्र कामाक अर्थ अर्काट मान व्याप्तम मिराहरू, व्यात मर्थ अर्काट मान व्याप्तमाटि रामाक अर्थ अर्काट मान व्याप्तमाटि रामाक अर्थ अर्काट मान व्याप्तमाटि रामाक अर्थ अर्थ मान यात मान रात व्याप्तमाटि रात अर्थ अर्थ अर्थ मान रात प्राप्त अर्थ का व्याप्त का व्याप्त मान व्याप्त का व्याप्त मान व्याप्त का व्याप्त मान व्याप्त का विभाग का वि

করবে ততদিন তুমি শেরেক করছো না, বরং শেরেকে ডুবে আছো। ডুবে আছো। কা অপূর্ব विक्रानभर मुक्ता कि गिलते भूकूर्त माठात का एका, अश्वर व्याद्ध भारत्का ना। जार द्वा या वार्ष भारत्का यात्र अक नाम शांकिष्ठ।

अरैतक्ष्मुण्टित गत्वस्पात भत गत्वस्पा छानित्य यावात याधीनजात उभत राज वाफालर देजीत रस साठा प्रशान। ज्ञान जात गत्वस्पात जाला एडिएस छिटिस भर्दे भारत ना। त्याक ना त्यर गत्वस्पात कुनिए जुन, जार वर्ल कि रसास जारीसमात में गत्वस्करकु स्मात रक्ष्मुल रहते? इसाम्च जारीसमा रूपतेज असत (ताः) अतः साठमा जामीत जालक छुम् भर्त विशातिज् वराशाः १वराष्ट्र ठमा (ताः) अतः साठमा जामीत जालक छुम् भर्त विशातिज् वराशाः क्रियाष्ट्रिलम्। (सूत्रामिस समीसा)। जाशाः अर्थ यूट्मा विद्धानी स्रोतित्र वृकार्शमा वृशाती (तः) अवः रूपत्र रूपाता ३ विद्धान नामक वर्षाण्य रूपाती मतिक अवः सूत्रामिस मतिर्कत रूपत्र रूपास स्मात्रलम् (तः)-अत त्रःश्रर कता वृशाती मतिक अवः सूत्रामिस मतिरकत रिकिंश्त्रा विस्त्यत रामित्रधलात्क अक्षम वाणिम वत्म स्मात्रमा करतास्म, किन्न रूपाता है मुक्ति वर्षा कर्षा रूपाता जात त्रीमा नार्थ। अत्रक्ष वर्षाण कथा त्रास्व क्रमा জীয়েজু আছে কিন্তু ট্রামার জন্য হারাম। তেতো বড়ি গিলে খেতে হয়েছে। কোরান এমনই বিজ্ঞানময় পবিত্র প্রস্থ যে এর প্রতি আয়াতের গবেষণা করা হোক। 'আমাকে ডাকো, আমি ডাকের জবাব দেব', ভাষাটি কত সহজ কিছু এর সূক্ষাতা কত দূর গভীরে ঢুকে আছে একবার ভেবে দেখুন তো।

খান্নাসটির আসল পরিচয় কী? আসল পরিচয় হল সে হল জিন। তাহলে দেখতে পাই যে, জিন প্রতিটি মানুষের মাঝেই লুকিয়ে আছ। জিন বিহনে যে মানুষটি তাঁর नाप्त সাহেব। তাই তো কোৱান মহানবীকে সম্পূর্ণরূপে জিনমুক্ত বলে ঘোষণা করেছে। যারা এই জিনকে নিজেদের থেকে আলাদা করে ফেলতে পেরেছেন তারাই सरानवीत वश्मधत। तद्जत नग्न वतः नृद्वत। अथात्न भृथिवीत मस्य सानवकाछित्व যেমন বলা হয়েছে যে, আমাকে ডাকো, আমি ডাকের জবাব দেব, ঠিক তেমনি পৃথিবীর যে কোন মানুষ জিন হতে আলাদা হতে পেরেছেন, মুক্ত হতে পেরেছেন, তিনি মহানবীর বংশধর তথা নূরের পুত্র। এটাই কোরানের আইন। এই কোরানের আইন বদলায় না। সুন্নাতাল্লাহে লা তাবদিলা এই নীতিনির্ধারণের বেলায় এবং এই कातालत नीिंकिर्सातपि रल अक्षम मार्वक्रनीन, भूदाणि विश्वक्रनीन।
कातप रेंरा श्रद्धाग्रमकृष्ठि नग्न। कातप श्रद्धाग्रमकृष्ठि अक्क् भित्रदम् अवः
भित्रिष्ठिळ छित्रतम् रळ्छ भाद्धा, किंड्र क्रिनक निक्रत थरक व्यालामा कतात
व्याप्तमिं मित्रात क्रना ममान्छात श्रद्धाक्षा। कातान य निक्ररे यासपा कदाष्ट्र या,
रेंरा भृथिवीत मम् मानूर्वत क्रना। व्यामात मद्धा रकातालत अर्थे अक्षि
व्याग्नाळत व्याणाळरे भित्रम्नात रद्धा मवात काष्ट्र थता भछ्त अवः मःकीर्पठात
व्यक्षकाति याता मद्धात व्यक्षात्र छिति कत्रळ घात्र जात्मत कृष्टला छ्रपतिया द्धानवी
अक्षकाति याता मद्धानवीत रामिम जूल मित्रा अथालरे त्यम कत्रळ घारे। मरानवी
अक्षकात मारावाप्ततक वत्तिष्टलन या, श्रिकि मानूर्वत मार्य अक्षि कदा मग्नजान
प्रश्र्वा रख्या अक्षा छद्धा अक्ष्म मारावा मरानवीतक श्रम्भ कदािष्टलन या,
जार्या अक्षि मग्नजान प्रश्र्वा रखिष्टल, किंड्र जिनि प्ररे मग्नजानक मुमलमान
वानिया क्रिल्लिन।

अर्डे त्मरे श्वाचन शानाम, या शानामि व्यामावरें मत्म भित्न भित्म व्याद्ध। अर्डे मित्न शानामिति जां शानामिति जां शानामिति वां शानामिति व

भातत, तुषाळ भातत। जात जाभनात्न िनळ भातत्व त्वत्क क्रना रखं भारति तृत्व तृत्व व्या रखं । तवत्व क्रना रखं तेना रखं तृत्व तृत्व तृत्व रखं । तवत्व क्रना रखं तेना रखं तृत्व तृत्व वृत्व रखं । जाभनात्व िनळ भातत्व त्वत्व क्रांनिस्य जाभनात्व क्रिनात विकानस्य जाभनात्व क्रिनात विकानस्य क्रिमाण, सरावत्व, मिताजुस स्निनता, तारसाञ्चानन जानासिन, रसासि क्विनातां स्वार्थे जानार्यन कार्यासन्।

## আমার খলিফাদের নামের তালিকা

े. गाइ प्रिक्त श्रीत तावा क्वित्वारा कावा आक्रम गाइ आन प्रत्यती, शिंठा-रेडिप्रक योनी, शांसान हांसह वाप्त्रकेत, रे केंद्र वार्ष्ठा, शांसान हांसह वाप्त्रकेत, रे केंद्र वार्ष्ठा, शांसान हांसह वाप्त्रकेत, रे केंद्र वार्ष्ठा, शांसान हांसह यांत्र वाप्त्रकेती, शिंठा-वाविष्ट्र शिंक्स शांक्र वाप्त्रकेती, शिंठा-वाविष्ट्र शिंक्स शांक्र वाप्त्रकेती, शिंठा-वाविष्ट्र शिंक्स वाप्त्रकेती, शिंठा-वाविष्ट्र शिंक्स वाप्त्रकेती, शिंठा-वाविष्ट्र शिंक्स वाप्त्रकेती, शिंठा-वाविष्ट्र शिंक्स वाप्त्रकेती, शिंठा-रेसिक्स वाप्त्रकेती, शिंठा-राह्म वाप्त्

वाकात, गक्रांतिशा भूगिग्छ। ५७. भठनाता वातृत तागात वान-मृत्तग्रती, जिला-वातृत्व के कुम्, त्रांनिशात छामा, नर्तांगळ, श्रेतंगळ। ५१. सम्रांक भागात वान-मृत्तग्रती, जिला-शिक भिशाकात वानी, पृशाणी, प्रशाणना शाण, क्रांनिशात वान-मृत्तग्रती, प्रशाणना शाण, क्रांनिशात वान-मृत्तग्रती, जिला-निकास छिक्त साना, तिकृताछा, वास्मग्रत्युत, वर्ष्ट्रा। ५५. नक्रकेन श्रेमनास वान-मृत्तग्रती, जानांतशाण, क्रांनिशात वान-मृत्तग्रती, जानांतशाण, वानांतशाण, वानांतशाण, वानांत्रग्राहित वानांत्रग्री, वानांत्रग्रही, व्यापादित, वानांत्रग्रही, वानां <u>दीनिताकात, मान्मा, नेठ्ना ६५% (साधिक ८ शार्चन जाल-मूर्वभवी, प्राण-छग्नाएत</u> डीक्न बेंडेन, दूराठी, देतेगाउना, क्रांपूर्वेंडीं है।

যারা চল্লিশ দিনের মোরাকাবার ধ্যানসাধনা কমপক্ষে তিন বার করেছেন তাদের नासित भीर्स भारक लेक्च एवसी रसिट्टा

5. त्राथक निकृत त्रश्मान व्यान-तृत्याती, त्रिणा-र्ष्ट्या सात्रांत, कारान वाकात, कारान, व्यक्ता, रे. त्राथक व्यान त्रिक्त व्यान-तृत्याती, त्रिणा-व्यानसान शान, वातारिककता, सिणाता, सानिकग्रंथ। ७. त्राथक सर्वनाना व्यातायात त्राप्तन व्यान-तृत्याती, त्रिणा-सार्यक राष्ट्राक्त वान-तृत्याती, त्रिणा-सार्यक वित्र रिक्रन वान-तृत्याती, त्रिणा-वावपुन निर्धा स्वाप्ता वान-तृत्यात्रा, क्रिनेक्ता, क्रिने मिन्नित्रार्ड, भारति वाकात, जाम कान्य प्राची कार्या कार्य ভেওয়ামারা, সিরাজগঞ্চ।

<u>যারা চল্রিশ্ন দিনের একটি অথবা দুইটি মোরাকাবার ধ্যানসাধন্য করেছেন তাদের</u> नासित जीनिका। त्रःशात व्यार्थेत नाम प्रश्रा रन, गर्छात्रजात पाछक्क नर्स।

५. तिंग हाँन, त्रिणा-व्याकत व्यानी, छानुशातहत, त्नाशाकान्त, श्रनाम, नतिंत्रः ही। ५. व्यासकार व्यापन, त्रिणा-व्यावपून सम्भारते शांत मार्तेषः, त्यापनी सञ्जन, त्याविकः, स्विति सञ्जन, त्याविकः, स्विति सञ्जन, त्याविकः, स्विति सञ्जन, व्याविकः, स्विति स्वान्ति। व्याविकः, त्याविकः, त्याविकः,

চাপাই নবাবগঞ্জ। ৫. আবদুস সালাম, পিতা—বেলায়েত পণ্ডিত, দক্ষিণ্ড কুল্যাণকলস, কোটখালী, গুলাচিপা, পটুয়াখালী ৫. মো. চান হি পিতা—আমুক্ত খা, মুসিকান্দি, পুৱা, মুসিগঞ্জ। ৭. ডা. এ. বি. क्षिशा, भिठी-ठासुङ्गार् शाँ, सुनिकान्ति, पूर्वा, सुनिग्रहा १. <u>गाराविक्ति, पिठा-लाहास स्त्रास्था, एछिन कालिकापुर्व,</u> **अ**ष्ट्राशाला। के कांमाने, पिठा-विश्विद्धिति मेरि, वीगर्तत्वेत, प्रांतिन, रात्वेति, तार्क्षणां । के. विष्ठु वानी, पिठा-रामिन वानी तार्क, वानुक्तत्व्व, प्रांत्वां, रात्वां, तार्क्षणां । १०. मात्रुम् ताना तार्क्ष, पिठा-मार्ट्यात उष्ट्रिन मञ्च, प्रत्रु नेगत, क्रांप्रतराष्ट्र। <u>আজেজুল হকু, পিতা–মাফজুড়াদ্দিন শেখু, বালিয়াড়ান্দা, সারদা, চারিঘাটি</u> <u> ताक्षभाद्भी। ५६. स्रोकृत्व रक, शिठा-तारमाफ्न श्रानका, शानाशाजा, शानुमा</u> हात्वार्छ, ताक्रभार्टी (८७) छा. त्या त्यारिल जाता, विठा-वार्वपूर्व सार्तिक रिवेल विक्त, अशातुत्री वार्कवाछा, सिक्टावर्ज, रिक्टार्टन ८८. त्वत्व वार्यस्ट, विठा-मार्ट्यां होते. विविधा, मितपूर्व, निर्विष्टिंग होते. देश मन जाती तिश्वा, भिर्णी-जातां प्राप्ता जाती तिश्वा, भिर्णी-जातां प्राप्ता जाती, बाधीनण मत्या तिश्वा, हें उत्त तो एका, किला। ५५, छा. जातपूर्व राश्विष्ट, भिर्णी-जातपूर्व होते. त्यां प्राप्ता किला होते हैं कि जायां के किला होते हैं किला होते हैं कि जायां के किला है कि जायां के किला होते हैं कि जायां के किला होते हैं कि जायां के किला है कि जायां के कि जायां के किला है कि जायां के कि जायां के किला है कि जायां के कि जायां के किला है कि जायां के कि जायां नीकित चार्से भार्मीय जिल्ला निक्षित कार्यक कर्ण केर्यु ते होंहै। 'ठें ठें ' नी सीसे सियां आहों , जिल्ला के कित खार्यक , ब्लाका छोट्टिन खार्यक , ब्लाका छोट्टिन खार्यक , ब्लाका छोट्टिन खार्यक , ब्लाका छोट्टिन खार्यक , हार्तिक सार्शिक, शिंठा-अर्गाटक वाली, तिक्यार्टक, तार्यके के वृती, किंदमात्रां के के किंदि । किंदि । ति किंदि । किंदि कारान भारतंत्रीनं, भिंठा-विदेश कार्रिक्षं, धेनिक्रातांठी किर्जिशाली, फिनाक्रभुत्। ६७. क्षा. क्रिक्षिक्त रमलाभ, भिंठा-क्षा. रममात व्याली, विक्रु।, राष्ट्रीविक्छा, हात्रंघाएँ, तोक्रभारों। ५५. स्ना. भांट्रेफ सानी, भिरा-वार्त्पुल तार्मिं सानी, श्रीनुक्षत, व्याभाताश्रम् तार्म्यता, नर्तिश्रमी। ५৮. क्रुशनान वार्त्पिस, शिष्टी—बीब बिद्या बिद्याने देनानोक की दलतीनी गर्छ. जाना। ५५. माराजी द्रीती की खुँदेशा, शिठा निर्मित्र विश्वित किर्देशा, मिल्कि श्रेत, व्यामातामेश्रेत, तारंश्रितो, निर्देशिक्ती। ए०. व्यात्कृत मिठा निर्देशिक्ति किर्मित्र, व्यात्कृत मिठा निर्देशिक्ति किर्मित्र, व्यात्कृति, श्रित्रकृति, श्रित्रकृति, श्रित्रकृति, श्रित्रकृति, श्रित्रकृति, श्रित्रकृति, श्रित्रकृति, श्रित्रकृति, व्यात्कृति, श्रित्रकृति, व्यात्कृति, श्रित्रकृति, व्यात्कृति, व्यात्वि, व्यात्कृति, व्यात्वि, व्यात्वति, व्यात्वति, व्यात्वति, व्यात्वति, व्यात्वति, व्यात्वति, व्यात्वति, व्यात व्यक्ति, किंकितिते, कृतिविधियां, स्राप्तितिति ए जासिन्तार देक, विश्व - देववान व्यक्ति, किंकित्व क्रियां मतीक, तास्रिक्ष, विश्व क्रियां किंकित्व क्रियां मतीक, तास्रिक्ष, विश्व क्रियां किंकित व्यक्ति, किंकित व्यक्ति, विश्व क्रियां किंकित क्रियां किंकित क्रियां किंकित क्रियां किंकित क्रियां किंकित क्रियां किंकित क्रियां क्रियं क्रियां क्रियं क्रियां क्रियं क्र 

शिठा-वाठाउँत तरमान, ছाতভা, निरामण्यत, नर्शा। ८२, मायुष्त तरमान, विश्वामण्या-विश्वामण्या । १५, मायुष्त तरमान, विश्वामण्या । १५, मायुष्त तरमान, विश्वामण्या । व्यापण्या । विश्वामण्या । व

যারা মোরাকাবার ধ্যানসাধনার ধারে কাছেগু নাই অথচ খেলাফত পেয়েছে এবার जार्फत नास्मत जानिका रफ्रश्रा रन।

5. त्रिताळुल टॅमलास मत्कात, शिठा-मार्डळुकिन मतकात, टिमुतियाणुफा, मिताळिकि थान, स्मिम्छ । इ. व्याठाउत तरसान त्रिक्क, शिठा-रेळि व्यासित उफिन इंट्रिया (सर्), त्रांकांघांठा, गित्वभूत, नतिभिक्षी। ७. छा. रेळम्क रमार्टन, शिठा-ठेफ सिया, शलीठ, सठरेल, ट्रिनिया, त्रांयांचांवा। ८. ट्रेम्फ र्मार्टन, विज्ञा-ठेफ सिया, शलीठ, सठरेल, ट्रिनिया, त्रांयांचांवा। ८. ट्रेमफ र्मार्टन, क्रांभुतराठे। ८. क्रांमुक्त वाह्मक, शिठा-सिर्टेडिक्न वाह्रक्षक, ब्रांमुक्त वाह्मक, व्यास्त्र वाह्मक, वाह्म प्रिक्षेप डोडेशात डिंगि, जिन्हिलां हे पूर्व, रेक्ट्रॉनिंगिक , जिक्ती डिंडे. साइजीन जीली शान, पिछा-क्रेंशाहात शान, वागशाता, गंगनपुत, प्रद्वींठला, नडगा। इ.८. काळ्या व्यक्तित लिला, निर्णा-क्रिकित एशिन, मिलिशारिया, भावना। ५७. त्रिकिंग करिया, भिरान व्यक्तित रिर्णिक करिया, १५०/५ भिराम मुराइडाभाड़ा, यितपत, जाका। ५१. त्या. व्यक्ति जांद्रा, भिरान त्या. व्यक्ति महाराज्य स्वरंभित, वर्डेंट्रेजा, व्यक्ति १५०। ५१. त्या. व्यक्ति भत्रकात, १४०। व्यक्ति महाराज्य भविकात, १४०। ५५. त्या. व्यक्ति १५०। ५५. त्या. व्यक्ति १५०। ५५. त्या. व्यक्ति १५०। ५५. त्या. व्यक्ति १५०। व्यक्ति व्यक्ति १५०। १५०। १५०। व्यक्ति व्यक्ति १५०। व्यक्ति व्यक्ति १५०। व्यक्ति व्यक्ति १५०। व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति १५०। व्यक्ति व्य निर्णा-व्यावमून गीन सिरा, श्रीतं प्रते, विश्व होते प्रते, निर्माह्त, निर्मा हुए, गिराक्षित हेन निर्मा हिए। विशेष वा निर्माण वा निर्

मुख्तीलाड़ा, शुड़ाणा, त्वतावीलक, जाका। ६८. त्वा, लिणा-अग्रापुत उर्हेगा, क्रिक्ट के ते वाडिया। ७०. ताक तुल रक्त क्रिक्ट के ति वाडिया। ७०. ताक तुल रक्त लिणा-माराष्ट्रां वाला उर्हेगा, मोलुक लुत, वाला वाला क्रिक्टा, मोलुक लुत, वाला माराष्ट्रां, माराष्ट्रां, वाला क्रिक्ट वाला क्रिक भिष्ठा-शाविवतं त्रद्रेमानः वाञ्चिशामाः, शाविद्यावः, कृषिशामि, र्कार्यात्रगञ्छ। অবিদল মালেক সিকদার, প্রিতা–শ্লোক্তাজ উদ্দিন সিকদার, খেলাসন্থর, ওয়াসা वार्ष्य वार्षी मिक्रापूर्व विशेषां वर्षा ए । ए । स्मिनिय के त्रोट्य नी देवेंग्या किया – तेर्य वार्षी विशेष्ट्र वार्षी निक्षांत, रेशक्येनिक्त, अशानियार के पाछा, मिक्रापूर्व, हान्सरिक्य के निकास क्रिंशां दांत्रिन, विशेष्ट्रीं विशेष्ट्रीं, तंत्र्नार्थपूर्व, विशेषियां क्रिंगि, विशेष्ट्री, क्रिंगां के विशेष्ट्री, क्रिंगां के शिला दिश्व, पिछा जो के प्रमाण हो हो हो है कि प्रता त्रायाण हो है के क्रिंगां के माम्राक्षेत्र ८०. पूनान मिया, लिठा-क्त्रंम जानी श्रीन, लिठा गिराल्त, मितलित, मितलित, मितलित, मितलित, मिरालित, अर्थे जाना कि जाना, लिठा-अर. अर. विशेष कि जाना, लिठा-श्री कि जाना, लिठा-श्री कि जाना, लिठा-श्री कि जाना, विशेष के जाना, लिठा-श्री कि जाना, विशेष के जा को छी सी मिं 'वुर्धेतो, 'वाक्सोत' सि मिंक, 'रोत्तता से पुते, सामिक पेक्षे ( 8 % <u> सार्यका मुक्षुत, भिठा-त्सा. त्साकातम त्रात्मक शान, गानाभीष्ट्र, वर्धमा प्रेमते,</u> विश्वेषा । ७०% सा. ऋलायात सारमन भिरानियावर्षी शक्षिर मारक्ति <u> करात्रमार, क्यानका जााँछत द्वार्र, साट्यनभ्य, वार्यत्ररार, श्लना। ४५</u> एक पूजर्र , शिलो क्येर छिटिसाँनी पूजरात, कस्लापूर, कार्सकपूर्व। एउ. जा कुलाल द्राप्तक ताथी, शिला—लानकन नाक क्येर्सिक्स क्येर्सिक्स द्रांत्रिम तें भी जिंगी की त्रिंत तें कि तें के लिखी कतिस्त्रीं भिर्म – भाराषार व्यामी. व्यासीनिया. ' दुर्धसमा. ' एक्ति। .G9. जानाउँ किन, भिठा-सा. अनुत जानी, जानेक तुत्र, मात्रा, एति। ए जे. सि. जानेक तुत्र, मात्रा, एति। ए जे. सि. जानेक तुत्र, मात्रा, एति। ए जे. सि. अंक नार्थी। किए. डा. सा. ठातिक विशेषा जातिक, भिठा-नक विशेषा जातिक, भिठा-नक विशेषा जातिक, भिठा-सा. जानी उँदेशा, शांतिक जेते के ति का कि ति है सार्व के ति के ति

171

<u> थिछा–सा. तरिम ङेफिन, कुड़ाठली, छाका कराचैनुस्मचै, छाका। ७७. सा.</u> मुक्तित तर्मान, शिंठा—का. राष्ट्राविद्या, तक्ष्मां लेंगान्त , क्रिनेकिता, क्रितानिक , क्र <u>कारुभारका, राणितांक्या, बालारतांक, नेतींभःकी। '७५. स्प्रे. गेरिकेल र्रेभनीबे</u> <u> পুর্কার, পিত্র-আবিত্রল জব্বার খন্দকার, সুন্ধরবন, ব্রামড়বি ঘটে, পদনাজপুর।</u> ें स्रो. 'मॅरिक्से के केलांसे 'ठीवले. 'भिठी-क्षिके के किने क्षांसार्गिक स्कार्तिकार्ति, एट, ताक्रमार्था। १८, सा. खाक्रसल जाली, भिठा-सा. क्रिस् शिल्का, <u> हात्रघाए,</u> ताक्रमार्श। १८ <u>थानाभाजाः, त्रांतका, ठातघाँछ, तांक्रभार्थाः १२. द्वाः व्यातकृतं केंकुत्रे, भिठा-िद्वाः ।</u> होक्नेन ते 'ते भिष्टे, 'श्रीभिक्ते भेत, 'श्रीतष्टी, 'छात्रघाँछे, 'त्रीक्रभार्टी।' श्रीक वृत् त्रामिक, श्रीमक त्रुत, गांतका, छात्रघाछ, त्राक्षमाशा अठे, त्या, गुसन, छिठा - व्यावपुन क्रानिन, शांभत पूर्व, गांतका, छात्रघाछ, ताक्रमाशा १८. मी करने छुँछ मत्रकात, व्यासना काठान, व्याक्षणात गुरू, भर्ता कार्यात व्याक्षणात व्याक्षणात व्यानी, भर्ता कार्यात व्यानी, व्यामक त्रुत, गांतका, छात्रघाछ, ताक्रमाशा १७, त्या, मेरिपून इम्लास, विद्या-क्रुत्तात व्याप्तन, शांभत्रवात, गांतका हात्रघाछ, ताक्रमाशा १५, ताक्रमाशा १५०, त्रिया व्याप्तन, शांभत्रवात व्याप्तन, त्याभन व्याप्तन क्रिया व्याप्तन, व्याप्तन व्याप्तन व्याप्तन क्रिया व्याप्तन व्याप्तन क्रिया व्याप्तन व्याप् भिना - क्रितात द्योरंगने, शियत्र्वत, त्रातको जात्रवार्छ, ताक्र गारा। १९०. स्त्राक् ठाइक्र व रेम्रेनास उक्त ने भिना - त्रायक क्षायाप्तन त्यारंगने, त्यारंगि, करार्थने, सिक्रापुत, हाम्राष्ट्र व १००. व्यापुत्रोक व्यानी, भिना - राम्रान व्यानी, तानिसांखामा, त्रीतिका, कार्तवार्षि, ताक्रमांशी। १५. शिल्वा तिकास, त्रिजा—तिलाखि दिशासनी, इन्डाक्याक्यास्ट्री, क्रिनिक्रिता, त्क्रानीयक, णका। ५०. तार्त्या श्राप्ट्रन, भिठा-सिद्धिति दुष्टिते, कुंडाउँली, जिली करांचैतिसके, तांडडों, जेंका। किंडें, गार्सिली तिमिर वार्सिले, भिडा-वार्तित तिमिर, ७८/अ टाकी अम्सान गीन तांड, जांका-५०००। ४२. वार्तित्व त्यार्वेत, भिडा-वार्तित वार्तित, श्रीतेना। पूर्ण, बार्च ठांट्व श्रीके, विठा-मुक्तांत्र वाली श्रीके, इँँँ लिंगि, देखेशों क्षांती, विजान मुद्देश कार्का, विजान मुद्देश कार्का, विजान महिता कार्का, विजान कार्का, विजान कार्का, विजान कार्का, विजान कार्का कार्य कार्का कार्का कार्य कार <u>আরদুর রাইফ রোড, রোকনপুর, টাক্ম। ১০. আল্লফাক্ল উদ্দিন মৈশান, পিতা-</u> व्याविष्ठ प्रमुख (क्रांस), (क्रांचित्र), (क्रांचित्र), व्याविष्ठ (क्रिंस) है है के व्याविद्य कार्यस है है कि रिस्मान, जामित्र कार्यस है कि रिस्मान, जामित्र कार्यस है कि रिस्मान, जामित्र कार्यस है कि रिस्मान के हैं कि रिस्मान कार्यस है कि र তালুকদার, তালুকদার, (५।४।७५।. ७।५४।।७.

172

नाताराध्यप्त, उक्षितपूत, तित्रगृत्। ५१. सा. मारावृद्धिन सिरा, पिठा-सा. 1/2 वाली सिरा, वाणना, नेतावेशक, जाका। ५५. सा. कतिष्ट (ग्य, पिठा-वाकारात (ग्य, नांचताक्राजा, जापार नेतावेशक्ष, ५५. सक्वेन सुकुर्ज, पिठा-क्रनसं बुक्छा, श्रांताछ्गा, तांक्रत (महिल्युत), तांक्रत, बांमातीयता ५००, कांठा बिशी, विकार कर्म वाली शांक्र, युक्ताफि, केलांभिड्डा, वालांड शकात, नातायप्रश्रा, केल्याभावका, वालांड शकात, नातायप्रश्रा, केल्याभावका, वालांड हाजात, नातायप्रश्रा, केल्याभावका, वालांड हाजात, वालांड प्राप्ता, व्यापित प्राप्ता प्राप्ता व्यापित प्राप्ता प्राप् मिकाश्व. क्रिकेंग्टिनं। ५०%. 'खात्रफेन केंग्रिकं केंग्रिकेंग 'शिका-शेष्ट्रं त्वशादी. मिया <u>, भाक्ष एक उन्नाम, कालीविष्ट्रात, कंन्नेलार, नांत्राप्रापंप्रमा ५०५. तेरिसी.</u> भिठा-वर्ष बिशा, लेकाप साला, शाविकेश्व द्विबिना, क्विना। ५०७. सा. द्वाउ की शांते जीतिमान जिल्लों तिमेळीं ति किंगीती, किंगी किं, ''छेछा छा, किताना श जिला ५०६, शक्तात सा. जानठाक, शिठा - शक्तात सनमूत जानी, हिंगा। ५०६. शंक्रात क्षा. जालेंगिक, शिंगा-शंक्रात संतर्भूत जीली, है ५५८८ उठत ताएंग, छल्यान, छाला-५५५६। ५०८. क्षा. सुक्रन सिया, शिंगा-लायात जाली, तालाक, लायाहिया, शिंग्युत, नत्रिशंकी। ५०७. सानभूती जालात, शिंगा-शतित छिक्रिन, श्रुतत शांठ, शिंग्युत, नत्रिशंकी। ५०९. सानभूती जालात, शिंगा-शतित छिक्रिन, श्रुतत शांठ, शिंग्युत, नत्रिशंकी। ५०९. सारक्ष्यत त्रुक्षान, श्रिणा-स्रोक्षण एक, नश्र त्रुक्षात शांठा, श्रिणा-स्रोक्षण एक, नश्र त्रुक्षात शांठा, श्रित्य के त्रुक्षण एक, नश्र क्षा है। नामपूर्वकामान, पिठा-ममेर्टनते जानी, सादात्रपार्का, तर्वेभीपेक्ष, कामानपूर्व। ১०৯. मिका नृत-१ जानमें ठाता, पिठा-मिका ठून मिया, निर्छ इंगनामपूर्व, गुपार, नुत्रुत्वक्ष, ১১०. साकांकुन ट्यारम् ट्याकांकुन, पिठा- इतुमात समि, व्यविद्वार्थित, कितानिशिक्ष, जीका। 555, निमिन्ना व्यक्तिते, जिंगी-तक्किते जानी क्षाना, मुश्तेत्वते, करिए पूर्व, कर्तानिशिक्ष, जाका। 550, क्षामर्थिन उपिन्न करिल में किता में शाहताका। ५२% त्रालाशिकाने द्वीतार्थने त्रिठा-मिक्नून्ते केंग्ली स्नेर्जितं त्रुक्ति त्रुक्ति विशेषितं त्रिक्ति विशेषितं त्रुक्ति विशेषितं त्रिक्ति विशेषितं त्रुक्ति विशेषितं त्रिक्ति विशेषितं त्रिकति विशेषितं त्रिक्ति विशेषितं त्रिकति विशेषितं त পिতा—আবিদ্ধুর রাইম, বিরাজনগর, শৈকিয়োটা শিকপুর, নুর্বাসংদী। ১২৮. শামার মুপাকল, পিতা—কুন্তুম আলা, ধানুয়া, শিকপুর, নুর্বাসংদী। ১২৯. ফজলুল হুক, भिञों–व्यविद्वल गाँव, त्रकृषि, विक्कीर, भाल्ड, भार्तीय्रञ्जूते। ১৩०. वृद्धले त्ररीत,

नर्तिभिक्षी। ५७৯. नृत्व व्यालस वाष्ट्रभा, भिठा-रुक्ष्णम रक, िक्वािस, भित्राठे भूत। ५१०. व्यावस राष्ट्रभा, भिठा-व्यावपुल, काष्ट्रित प्रसान, वार्ष्ट्रिकां स्वांत होत्रित होत्र नीमिस्रे जारसंह मस्ते, भिठा-क्रारत छोष्ट्रत जारसह, एनकाएया, अखाएग कितानी गर्छ , द्वांका। 59 ७. ताळांक रिगर्श, शिंठा—शिंकु रिगर्थ, श्रेसिंही शार्तिक श्रेत्र, <u>অश्विकाशत, श्रोत्त</u>र श्रुत्। 59 ९. जाव<u>म्त्र</u> त्रहमान, श्रुठा—सा, आली राम्र, जानष्टांत মুট্টিকৈবের গড়ী, 'মোমিন যার ইটি, ফরিদপুর। ১৭৮ ইরাইমি আলী, পিতা–আবদুল স্বব্যুর, উত্তর পানা পুকুর, গঙ্গাট্ডা, রংপুর। ১৭৯. জ্বাইদ भिजी-ऑडियुर्व जानी, छैंडत वाँउँडा, धेनेभीने, 1901-शांतिवनार, भारकाष्ट्रवा, धनुभान, <u> छेल्भा</u>व, *जि*का । विकाशित त्रिम, शिंठा-सार्पपार, नार्मां शुनाव, अनुनाव, जिंगा। उप उन्ने विकाशित त्रिम, शिंठा-सार्विम त्रिम, गार्राफ्षित, अनुगाव, जार्गा। उप उन्ने विवास रिका त्रिम, गार्राफ्षित, अनुगाव, जार्गा। उप उन्ने विवास राक्षा, गार्राफ्षित, अनुगाव, जार्गा। उप उन्ने व्यापन त्रिम, शिंठा-मुद्दा, अन्य त्रिम, शिंठा-मुद्दा, शिंठा-मुद्दा, शिंठा-मुद्दा, शिंठा-मुद्दा, शिंठा-मुद्दा, शिंठा-जार्गा, शिंठा-जिंव क्यात वानियाता, शिंठा-जिंव क्यात \$0. केंक्ति वाली, शिटा-निकंक्षीमान, मुकार्यभूत, ठार्रघाँठ, राक्षिमार्थी। \$5\$. <u>दित्रकु, शिटा-कुक्ष</u>श्रद्ध, विकिं<u>गा, ठार्</u>रघा<u>ँठ, श्लाक्ष</u>मार्थी। \$5\$. वामराक, भिठा-नान सार्वाप्त, विक्छा, ठाँत्याँँ, त्रांक्रभौदी 'डेंडेए. क्र भिठा-७७म्सान खानी, भुंड्या, नर्वनिगत, वि. वाडिया। ५৯९ জাহের সরদার, भिठा-अप्रमान जाली, शुंखेशॉ, निर्विनेशेतं, वि. विक्रियां ५५ भिठा-व्यक्तिर उन्नार, उन्नेत भानाभूकते, गन्नाएखा, त्रःभूत। तिभावी, भिठा-व्यक्ति, स्टार्ट्सन त्रुभावी, कम्माभूत, क्रिक्सभूत। . साङाखन 550. व्यासान उन्हार जिल्ला क्रिकेट के किंदी के कार्यात के ते किंदी के कि किंदी के किंदी किंदी के किंदी किंदी के किंदी किंदी के किंदी किंदी के किंदी किंदी के किंदी किंदी के किंदी किंदी किंदी के किंदी किंदी किंदी कि बोल्कात एतं, शङ्गात्या, आगश्रध সিরাজ, পিতা–কেরামত আলী, মালুকার চর, গজারিয়া, শ্লীসগঞ্জ। ২০০. খায়ুকুর লেছা আজার ময়না, পিতা-আ, জক্রার খানু, বর্হতলা, ডালভাঙ্গা, ६०४. <u>बाङात ब्राट्याम, भिठा-बालठा</u>रू <u>टाप्र</u>न, চারঘাঢ়, ताऋगाद्य। तीकं भौरी। २०৯. व्यावपूर्व शाप्तम्, भिठा—क्रवाव व्याना, *(*प्रवशूत वंशत शाका,

सिठिशत, ताक्रमाद्यी। २५०. जातून कानास जाक्राम, शिठा-शिताक उपित, गिर्वात्वादि, ताक्रमाद्यी। २५५. सार्वपित, जिठा-कप्तति, शिठा-कप्तति, शिठा-कप्तति, गिर्वप्त, वित्रोप्ति, गिर्वप्त, वित्रोप्ति, गिर्वप्त, वित्रोप्ति, गिर्वप्त, वित्रोप्ति, गिर्वप्त, वित्रोप्ति, गिर्वप्त, विद्यान, गिर्वा-जाठा सिशा, क्रिप्त, वार्वप्ति, शिर्वा-अक्षात्व, शिर्व-अक्षात्व, शिर्वा-अक्षात्व, शिर्वा-अक्षात्व, शिर्व-अक्षात्व, श मुर्गिगेकी ६ अनुवासियाः **ES9.** বাহেরঘাঢ়া পछलाम्या, जिताक्रीप्रशाब, প্রকারে. शिंछा-शांबरत तरबान, वास्त्रवाण, मुनिग्रिश्वा १५५५ । गार्ड नितास नित तिगमं, जिल्लों हैं ने महिंदी हों अने कि ति हैं हैं के लिए के कि ति हैं हैं के लिए के কেরান্থিঞ্জ, চাক্রা, ইই ১. **डाउँ**यात ने डाए. **स्ट**नाशाता <u> भिठा-'कालीबरी, लाराकिर्का, भेलीन, नेत्रिभेशी। ५००. जात्वेलाई जील बौबनी, </u> <u>ल्लाप्स, भिठा-क्रांकित द्राद्यन तेठन, गोलंग्रीतेशा, भावना ६००</u> <u> अञा–भाङ्काशाल (क्युर्वा, संतर्भूत, द्वाट्डिकेला, लेक्ब्रीभूत, ६०५, देशां द्वाटिकेल</u> व्यालंब, भिठा-त्रांबंधुकृति देत्रतकात, भिक्तिभूते, तर्रलभाष्ट्री, संवेगा । सिंगितिक हिल्लि, शिठा-तियु वार्षेत त्रकाल, आणावा, याण्डू ने प्रति है एक विश्वत किया निकलि सालक मिक्सत खामिन ते अगरी निहें के लिखे हैं कि किया निहें के साम किया निहें के सिंहिं के सिंहिं के किया निहें के सिंहिं के सि <u> (सामातक स्टाप्यम्, मिठा–रेगराष्ट्र जीवषुद्ध तस्थीन, जास्त्रीनरा, घार्राङ्गल, प्राक्षार्थन।</u> 

त्रसान शतित, शिठा-व्यानिसुफिन, सिङ्गुनास, शता, ताङ्गारी।
गौरुउन व्याङ्गस, शिठा-छा, शिठ्यत तर्सान, तारापृत शिश्र, त्रः
नाङ्गसन रक, शिठा-व्यातपुन निर्धेष, सिङ्गुनास, शता, ताङ्ग् व्यात्क र्रार्यन, शिठा-व्यातपुत्र स्था, सिङ्गुनास, शता, ताङ्ग् व्यातपुन रातान, शिठा-व्यातपुत्र सामाप, सिङ्गुनास, शता, ताङ्ग् व्यातपुन सिङ्गि, शिठा-विद्याङ छोद्दिन, सिङ्गुनास, शता, ताङ्ग् व्यातपुन सिङ्गान, शिठा-व्यातपुन शासाप, सिङ्गुनास, शता, ताङ्ग् ताऋगाद्य রাঞ্জশাহ্ম বাঞ্চশাহ্রা ्रमिटिष्ट्रेस रैंजीसार्थ मर्रोष्ट्र पिछा-मर्ताछ्छ छाती, गर्सर्वपूर्व, तैपलेगाछि, २०० किनुत तरमान, पिछा-जातित छेष्ट्रिन, मानवन, तप्रसंगार्छ, नर्शा मार्ट्स कालाम अंतर्वात पुसन, पिछा-प्रिताकुन रेंजनास मत्कात, छिश्छातिया <u> পाउँचारियो, त्रिताकोंर्र भान, स्रोमिंगक्षे। २४०. ज्यातपूर्व द्रोदियुँ द्रोनिः</u> भिठा-सञ्जूत जामि सामा सोमुक्येत, जामातास्यत, तांश्यता, मतिर्पिति ६ ४ ५ ५ १५ ताशात है। माना नक्ष्म जामी, गार्काती स्थाना, माना, गर्याहत। ५ ५ ५ सिङ्गानी दिशान गर्भन जिला सार द्रारीन निर्मत में तास्त्र ते तार्द्धित सामाती जा दे हैं के सामाती जा रिप्ता के सामाती के सामात शिठा-त्रांक्षेत्रल 'रुके, किंग्जालंजली, 'क्त्रांनीशुक्ष, ण्या ५७७. कुछल द्वाक्षा भिठा-वार्तपूर्व सार्वक, तेष्ठ कुछैतभूते, त्रोष्ट्रियोकां कि. तेष्ठका १५५५, समिछैते त्रुसान <u>कुप्रिस, श्रिठा-वार्तपूर्व सातां सञ्च, तिमाभाषा, रातिसभत, किनाकभत</u>े। ्ठ्रितिकेलं हैं ने लास, निर्णा-ठीटिन द्रार्टिन, एनेक्ट्रियों सेरीजी जें। छें छों छों। ११४९, छाका। २७५, तित्व शान, जिला-नृद्धल है ने लास शान, ग्रेलिसाताएं, श्रुत, छात्राहेल। ३१०, सामुनुत ती गृह, जिला-वासांग वाली, शिक्स <u>কেরানাগঞ্জ, ছাকা।</u> ২৬৯ है 9 है. क्षा. फ़िल्की, निजा-तिसिक डिफिन ते। विक्रिशाली, संउनते, ्रथ्य रेड्ड १९८ <u> 'ताग्रशत् किर्वेत, भागम्, भिठा-भागम् । 'रक, कान्धिवित्रा,</u> , ए।का। इविधि, ग्रिशां व्यावसी विश्वां कार्यां कार्यं कार्यां <u>सरामना, त्रश्ट।</u> ्रेनिमित्र्िक्ति, भिठीं—त्मार्रेत्राते मध्यु २५०. ग्रावपत् तुरुक कान्द्राविशा. कान्शानश्रा <u> भिठा-वार्यक्षा ब्राङ्गिक द्वार्यकर्त,</u> 

२०४, जाकुका तगम, भिणा-भाममुद्धित त्मश, सिन्याती, छानुका, सर्मनिक्षित्व हिए क्ष्म जामी, भिणा-जारामेष्ट्र जामी भार, त्याकान, छानुका, सर्मनिक्ष्य। २०५०, मिक्क छेष्ट्रित ताप्त्व, भिणा-रामान जामी त्याकान, भ्रामनिक्ष्य। २०५०, जाकी त्रिक्ष रुम्नाम (त्रीत्), भिणा-छा, थाकी राक्ष्वत त्रिष्ट्र १०५०, छा, भाकी त्रिक्ष रुम्नाम (त्रीत्), भिणा-छा, थाकी राक्ष्वत त्रिष्ट्र रुम्माम (त्रीत्), भिणा-छा, थाकी राक्ष्वत त्रिष्ट्र रुम्माम एक्ष्ता, भ्रामनिक्ष्य। १००, भ्रामनिक्ष्य। १००, भ्रामनिक्ष्य। १००, रुम्माम क्षित्र, भिणा-कार्मेष्ट्र रुम्माम क्ष्रित् प्रिणा-कार्मेष्ट्र त्रीम्म, काम्मामिया, म्रामनिक्ष्य। १००, जातु तम्म जात्र प्रिणा-कार्मेष्ट्र त्रीम्म, काम्मामिया, क्ष्मतिक्ष्या, म्रामनिक्ष्य। १००, जातु तम्म जात्र त्रिणा-कार्मेष्ट्र त्रिणा-कार्मेष्ट्र त्रिणा-कार्मेष्ट्र त्रिणा-कार्मेष्ट्र त्रिणा-कार्मेष्ट्र त्रिणा-कार्मेष्ट्र विवास त्रामनिक्ष्य। १००, जातु विवास व्याप्तिक त्रिणा-कार्मेष्ट्र विवास त्रामनिक्षा, व्याप्तिक विवास व्याप्तिक त्रिणा-कार्मेष्ट्र विवास व्याप्तिक त्रिणा-कार्मेष्ट्र विवास व्याप्तिक त्रिणा-कार्मेष्ट्र विवास व्याप्तिक त्रामनिक्ष्म विवास व्याप्तिक त्रामनिक्ष्य। भ्रामनिक्ष्य विवास व्याप्तिक त्रामनिक्ष्य व्याप्तिक विवास व्याप्तिक त्रामनिक्ष व्याप्तिक विवास व्याप्तिक त्रामनिक्ष व्याप्तिक विवास विवास विवास व्याप्तिक विवास व्याप्तिक विवास कृतिनिधियों, संग्रेंसनिभिःह। ५५७ जातपुन वार्षप्र वान्ष्र, किलासगरि, क्रिलासगरि, क्रिलासगरि, क्रिलासगरि, क्रिलासगरि, क्रिलासगरि, स्वासनिभःह। ५५८. विद्यान हिएतन, भिठा-व्यावपुन व्याक्रिक एउगान, एकिंग निस्तिया, एएटात, एका। ५५८. महिकून हैम्सास, भिठा-व्यासकार वाली, कान्सामग्री, क्रिलास, स्वासनिभः, क्रिलास, स्वासनिभः, क्रिलास, स्वासनिभः, क्रिलास, स्वासनिभः, क्रिलास, क्रिलास, क्रिलास, वाली, तलात भी, क्रिलासनी निभ्ना, क्रिलास, क्र र्भिश्रीएती, 'तुःभूते। १५१. व्यावपुल वाता <u>পুতা–জাফর আলা, বিলার পাঁড,</u> भिठा-तिष्ठिम लोगी, तेंगिकीन, ठॅांनुकी, मैर्गमनिष्ठी, २५%, भीगीम राजीम, भिठा-शतित ठीफन शान, कुंगाजना, भित्रुत, मामातीभूत। ३५५, रूपत्रु वाली, र्यंत्रेण व्यामी, २००० मार <u> थिठा–स्माराञ्चर वाला,कान्मानया, क्लेवाँछियो,</u> सिश्चेसनी में १२। निजा-तिशिष्ट विद्यान के लिया, के लेवा जिया, सर्वस्ता गर्श एएए नार तिर्वा के लिया है। एएए नार तिर्वा के लिया ना कि ते कि ते के ति से सिंहा के सिंहा के सिंहा के लिया ने सिंहा ने सिंह इस्नार्थात तर्मातः नाकना, आगार्थान, गार्थाक्रता। ५०% मिनते स्टिन, भूजा-हैशाकृत जानी, विशाङ्गान, छोनुका, सर्वस्तिष्टि। ७५०. भूजा-जानाष्ट्रीकृत, राकृतिया, भारत, राका। ५५५. गारिल छोद्धव পূতা–আলিউ।फ़िन, '' চাকুলিয়া, ''शेखीत, ' <u>পতা–काशाल (शास्त्रन, (तेधनेताछि,</u> श<u>्छीत,</u> ान्छ।—काभान स्टाप्तन, स्टिन्तांछि, त्रांछोतं, छांको। ७५६. मुंशनांना मिकानते त्रसान, निछा—व्यातपृक्षार, कुछाउँही, मिकानते, छात्रारम् ७५७, त्रस्त मिसी निछा—प्रात्तकात व्यासी भाकान त्रक भूतार्यनी मार्गेष्ट्रा शिका-रिमर्ककात विभिन्न, साकात रिके, सर्वाहितकी, नेत्रोमःकी। ७५८. विभ्वास निर्णा-कुलप्तर वाली तथा के लिखें निर्णा, प्रति विश्व के वाली कि विद्या के कि विद्या कि विद्या के कि विद्या कि विद्य পিতা-जार्तपूर्व केर्तिभेष्य शान, पेर्नि किर्किट्स शानं कॉकि, भिन्छते, मामार्तिपेर्दी ७२५. जारपूर्व भानान, भिजा-क्रिमित छिफ्नि, छ्वानीपूर्व, पर्वा, ताक्रमारी। ७२२. नूकक्षाभान (क्रामान), भिजा-मूक्षाककत जारमप्, कार्तासपपूर्व, एरिवपाद,

क्रिला। ७५७, क्रीवन मिफिक, भिठा-वावन वाली, क्रिन्नजभन, एविदान, विशेषणा वाली, क्रिन्नजभन, एविदान, विशेषणा वाली, क्रिन्नजभन, एविदान, विशेषणा वाली, क्रिन्नजभन, प्रतिदान, विशेषणा वाली, क्रिन्नजभन, विशेषणा वाली, सिन्तितं एतं, श्रेकातियां, सूत्रिशंकः १७६७, श्रिक्तं हेंत्रतासं, त्रिणा-शिद्धतं (स्टिक्तं एतं, श्रेकां-शिद्धां सूत्रिक्तं क्षित्रं क्षेत्रं क्षित्रं क्षित्रं क्षित्रं क्षित्रं क्षित्रं क्षित्रं क्षेत्रं क्षेत् सिंठ जुत, लिखित, जिला जिला जिला, जानिज्ञ तर्राम्य, वर्राम्य, वर्राम्य, वर्राम्य, वर्राम्य, वर्राम्य, वर्राम्य, तर्राम्य, तर्राम, तर्राम्य, तर्राम्य, तर्राम, तर किंगिष्टि. अरोश्तरोष्टे। ७८८. क्या. लियाकेले ब्याली, शिला-क्या. विकास साहतुः, <u> हुँगों के अर्थ के जिल्ला के ताली कि ताला कि त</u> क्राभानशैत्र. <u>थालस्याः,</u> <u>প্রিতা–পূর্ট্রেশ চুক্ত্র ব্যানার্জি, কুক্ট্রিগর, ফরিদপুর। ৩৪%, ফুরু আসাদ্জ্যিনার, </u> निर्णा स्ता. जीव सिरा, जिलाहि, सेलाइतेही, नर्तिश्हीं। उँ८० केंद्रिका क्रिया, जिलाहित सेलाइतेही, नर्तिश्हीं। उँ८० केंद्रिका क्रिया, जिलाहित क्रिया, जिलाहित उँ८० केंद्रिका हो। उँ८० केंद्रिका हो। उँ८० केंद्रिका हो। उँ८० केंद्रिका हो। कना त्रभूभ े त्राशवा, পিতা–পিরাক মিয়া, দায়ের ভাঙা, নর্পিন্দী। ৩৫০ শীগ্রাস উদ্ভিন, পিতা–ইমির আলী, ২৩৩ বি, মালিবাগ তোধরা পাড়া, ছাকা-১২১৯। ৩৫১, আশিক हैं भतान, निज्य-भाष्ट्रमें हैं के, कॉ क्लिंगा, कुनंता हिंगा, सर्वस्ति निःह। ७ ६ ६ क्लिंग, त्रिंग, त्र राजिता, विदारिवा, दिलेगेळ, बादायुगेळे।